Point

रहस्य की रानी

अगाथा क्रिस्टी

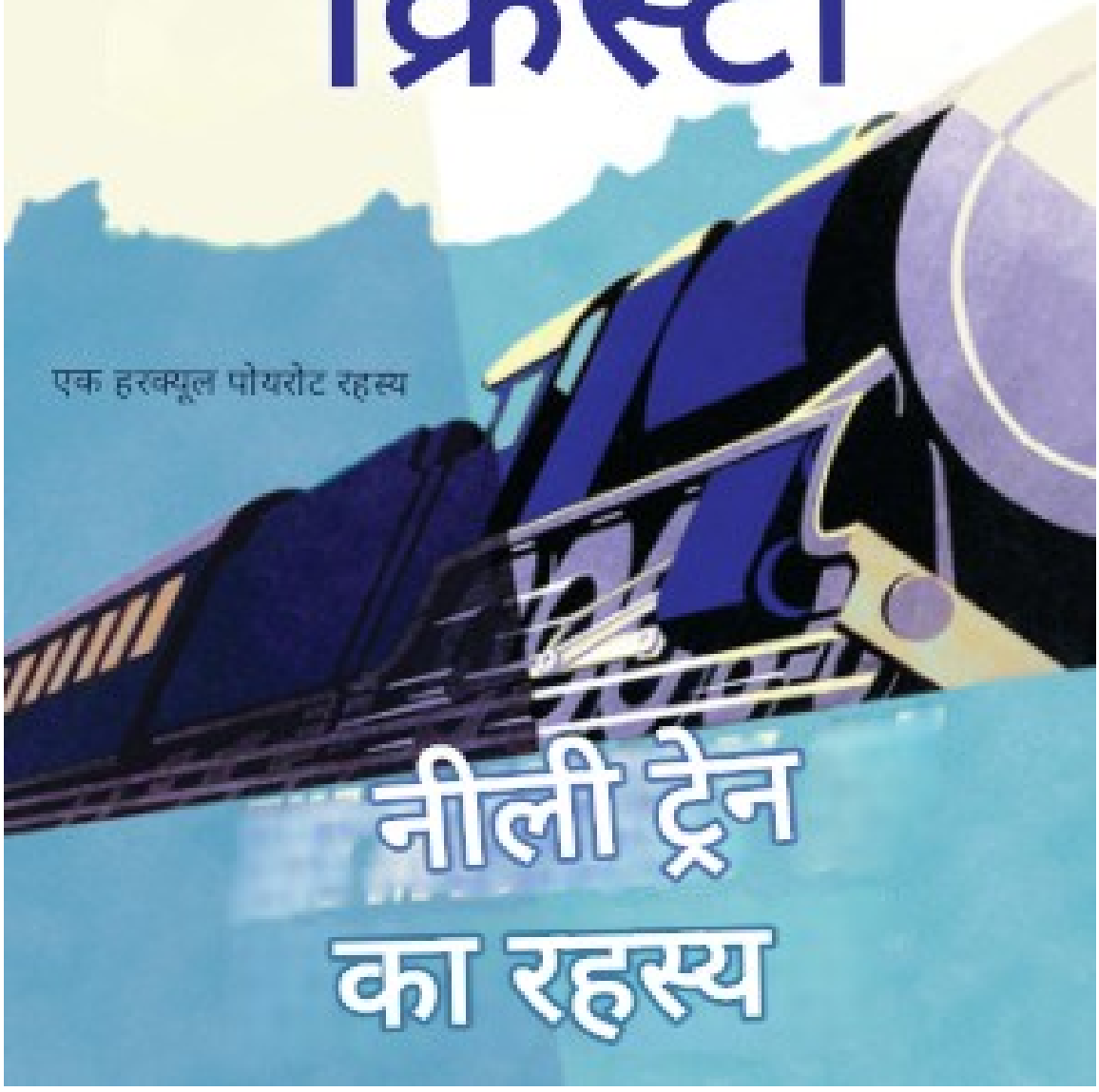

एक हरक्यूल पोयरोट रहस्य

नीली ट्रेन का रहस्य

[illegible]

[illegible]

अध्याय 1

सफेद बालों वाला आदमी

लगभग आधी रात के समय एक आदमी प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड पार कर रहा था। उसके दुबले-पतले शरीर पर लिपटे खूबसूरत फर कोट के बावजूद, उसमें कुछ हद तक कमजोरी और तुच्छता झलक रही थी।
चूहे जैसे चेहरे वाला एक छोटा सा आदमी। ऐसा आदमी, जिसके बारे में कोई कह सकता है, कभी कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता, न ही किसी क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त कर सकता है। लेकिन, ऐसा निष्कर्ष निकालना गलत होगा। क्योंकि यह आदमी, भले ही देखने में तुच्छ और साधारण सा लगता हो, उसने दुनिया के भाग्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक ऐसे साम्राज्य में जहाँ चूहों का राज था, वह चूहों का राजा था।
अब भी दूतावास उनके लौटने का इंतज़ार कर रहा था। लेकिन उन्हें पहले कुछ ज़रूरी काम निपटाने थे - ऐसे काम जिनकी जानकारी दूतावास को आधिकारिक तौर पर नहीं थी। चांदनी में उनका चेहरा सफ़ेद और चमकीला लग रहा था। उनकी पतली नाक में हल्की सी गोलाई थी। उनके पिता एक पोलिश यहूदी थे, जो एक कुशल दर्जी थे। आज रात उन्हें विदेश जाने का यही काम था, जो उनके पिता को बहुत पसंद आता।
वह सीन नदी के पास आया, उसे पार किया और पेरिस के कम प्रतिष्ठित इलाकों में से एक में प्रवेश किया। यहाँ वह एक ऊँचे, जर्जर मकान के सामने रुका और चौथी मंजिल पर स्थित एक अपार्टमेंट की ओर चल पड़ा। उसे दरवाजा खटखटाने का भी समय नहीं मिला था कि एक महिला ने दरवाजा खोल दिया, जो स्पष्ट रूप से उसके आने की प्रतीक्षा कर रही थी। उसने उसका अभिवादन नहीं किया, बल्कि उसका ओवरकोट उतारने में मदद की और फिर उसे भद्दे ढंग से सजाए गए बैठक कक्ष में ले गई।
बिजली की रोशनी गंदी गुलाबी झालरों से ढकी हुई थी, जिससे चेहरा थोड़ा नरम हो गया था, लेकिन भद्दे रंग से ढके चेहरे से लड़की का चेहरा छिपा नहीं सका।
उसके चेहरे की मंगोलियाई बनावट भी स्पष्ट थी।

ओल्गा डेमिरॉफ के पेशे और उनकी राष्ट्रीयता को लेकर कोई संदेह नहीं था। "सब ठीक है ना, नन्ही सी बच्ची?"
"सब ठीक है, बोरिस इवानोविच।"
उसने सिर हिलाते हुए धीरे से कहा: "मुझे नहीं लगता कि मेरा पीछा किया जा रहा है।"
लेकिन उसकी आवाज़ में घबराहट थी। वह खिड़की के पास गया, पर्दों को थोड़ा सा हटाया और ध्यान से बाहर झाँका। फिर अचानक झटके से पीछे हट गया।
"सामने वाले फुटपाथ पर दो आदमी हैं। मुझे तो ऐसा लग रहा है..." वह रुक गया और अपने नाखून कुतरने लगा - चिंता होने पर उसकी यही आदत थी।
रूसी लड़की धीरे-धीरे, आश्वस्त भाव से अपना सिर हिला रही थी।
"वे आपके आने से पहले से यहां थे।"

फिर भी, मुझे ऐसा लगता है कि वे इस घर पर नजर रख रहे थे।
"शायद," उसने उदासीनता से स्वीकार किया।
"परन्तु फिर -"
"तो क्या हुआ? अगर उन्हें पता भी चल जाए तो भी वे यहाँ से तुम्हारा पीछा नहीं करेंगे।" उसके होठों पर एक पतली, क्रूर मुस्कान आ गई।
"नहीं," उन्होंने स्वीकार किया, "यह सच है।"
उन्होंने एक-दो मिनट तक सोचा और फिर अवलोकन किया।
"यह अमेरिकी तो अपना ख्याल रखने में किसी से कम नहीं है।"
"मुझे ऐसा लगता है।"
वह फिर से खिड़की के पास गया।
"बड़े बदमाश हैं," उसने हंसते हुए बुदबुदाया। "मुझे लगता है कि पुलिस उन्हें जानती है। खैर, भाई अपाचे को मेरी शुभकामनाएं।"
ओल्गा डेमिरॉफ ने अपना सिर हिलाया।
"अगर अमेरिकी वैसा ही आदमी है जैसा लोग कहते हैं, तो उसे हराने के लिए कुछ कायर अपाचे काफी नहीं होंगे।"
वह रुक गई। "मुझे आश्चर्य होता है -"
"कुंआ?"
"कुछ नहीं। आज शाम को सिर्फ दो बार ही इस सड़क से एक आदमी गुजरा है - एक सफेद बालों वाला आदमी।"

"इसके बारे में क्या?"
"यह। जब वह उन दोनों आदमियों के पास से गुजरा, तो उसने अपना दस्ताना गिरा दिया। उनमें से एक ने उसे उठाया और उसे वापस कर दिया। एक घिसा-पिटा दस्ताना।"
"आपका मतलब है कि वह सफेद बालों वाला आदमी उनका मालिक है?"
"कुछ इसी तरह का।"
रूसी व्यक्ति घबराया हुआ और बेचैन लग रहा था।
"क्या आपको यकीन है - पार्सल सुरक्षित है? इसके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है? बहुत ज्यादा बातें हो चुकी हैं... बहुत ज्यादा बातें।"
उसने फिर से अपने नाखून कुतरने शुरू कर दिए।
"आप खुद ही फैसला करें।"
वह चूल्हे के पास झुकी और बड़ी कुशलता से कोयले हटाए। नीचे, अखबार के ढेरों के बीच से, उसने गंदे अखबार में लिपटा हुआ एक आयताकार पैकेट चुना और उस आदमी को दे दिया।
"अद्भुत," उन्होंने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा।
"अपार्टमेंट की दो बार तलाशी ली जा चुकी है। मेरे बिस्तर का गद्दा फाड़ दिया गया था।"
"जैसा मैंने कहा था," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "बहुत ज्यादा बातें हो गईं। कीमत को लेकर यह मोलभाव करना एक गलती थी।"
उसने अखबार खोला। अंदर एक छोटा सा भूरे रंग का कागज का पार्सल था। उसने उसे भी खोला, अंदर की सामग्री देखी और जल्दी से उसे फिर से लपेट दिया। ऐसा करते ही एक बिजली की घंटी ज़ोर से बजी।
"अमेरिकी समय का पाबंद है," ओल्गा ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा।
वह कमरे से बाहर चली गई। एक मिनट में वह एक अजनबी को अंदर लाते हुए लौटी, एक लंबा-चौड़ा आदमी जिसकी उत्पत्ति स्पष्ट रूप से अटलांटिक पार की थी। उसकी पैनी नज़र एक से दूसरे पर घूम रही थी।
"श्री क्रास्नाइन?" उन्होंने विनम्रतापूर्वक पूछा।
"मैं ही वह व्यक्ति हूँ," बोरिस ने कहा। "मुझे इस बैठक स्थल की असामान्य प्रकृति के लिए क्षमा मांगनी चाहिए। लेकिन गोपनीयता अत्यंत आवश्यक है।
मैं किसी भी तरह से इस मामले से जुड़ा नहीं रह सकता।"
"क्या ऐसा है?" अमेरिकी ने विनम्रता से कहा।

"आपने मुझे वचन दिया था, है ना, कि इस लेन-देन का कोई भी विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाएगा? यह बिक्री की शर्तों में से एक है।"
अमेरिकी ने सिर हिलाया।
"इस पर पहले ही सहमति बन चुकी है," उसने उदासीनता से कहा। "अब शायद आप सामान का उत्पादन करेंगे।"
"क्या आपके पास पैसे हैं - नोटों में?"
"हां," दूसरे ने उत्तर दिया।
हालांकि, उन्होंने इसे पेश करने का कोई प्रयास नहीं किया। कुछ क्षण के संकोच के बाद, क्रास्निन ने मेज पर रखे छोटे से पार्सल की ओर इशारा किया। अमेरिकी ने उसे उठाया और लपेटने वाला कागज़ खोला। उसने अंदर की चीज़ों को एक छोटे से बिजली के लैंप के पास ले जाकर बारीकी से जांचा। संतुष्ट होकर उसने अपनी जेब से एक मोटा चमड़े का बटुआ निकाला और उसमें से नोटों का एक बंडल निकाला। उसने ये नोट रूसी को सौंप दिए, जिसने उन्हें ध्यान से गिना। "ठीक है?"
"धन्यवाद, महोदय। सब कुछ सही है।"
"आह!" दूसरे ने कहा। उसने भूरे कागज़ का पार्सल लापरवाही से अपनी जेब में रख लिया। उसने ओल्गा को झुककर प्रणाम किया। "शुभ संध्या, महोदया। शुभ संध्या, श्री क्रास्नाइन।"
वह दरवाजा बंद करके बाहर चला गया। कमरे में मौजूद दोनों की निगाहें मिलीं। उस आदमी ने अपनी सूखी जीभ अपने होठों पर फिराई।
"मुझे आश्चर्य है - क्या वह कभी अपने होटल वापस पहुँच पाएगा?" उसने बुदबुदाते हुए कहा।
आपसी सहमति से, दोनों खिड़की की ओर मुड़े। वे ठीक समय पर नीचे सड़क पर अमेरिकी व्यक्ति को निकलते हुए देखने में सफल रहे।
वह बाईं ओर मुड़ा और बिना सिर घुमाए तेज़ गति से आगे बढ़ गया। दो परछाइयाँ एक दरवाजे से चुपके से निकलीं और बिना आवाज़ किए उसके पीछे-पीछे चलने लगीं। पीछा करने वाले और पीछा किए जाने वाले रात के अंधेरे में गायब हो गए। ओल्गा डेमिरोफ़ बोली।
"वह सुरक्षित वापस आ जाएगा," उसने कहा। "आपको डरने या उम्मीद करने की कोई ज़रूरत नहीं है, चाहे कुछ भी हो।"

"आपको क्यों लगता है कि वह सुरक्षित रहेगा?" क्रास्निन ने उत्सुकता से पूछा।
"इतना पैसा कमाने वाला आदमी मूर्ख तो हो ही नहीं सकता," ओल्गा ने कहा। "और पैसे की बात करें तो-"
उसने क्रास्नाइन की ओर ध्यानपूर्वक देखा।
"एह?"
"मेरा हिस्सा, बोरिस इवानोविच।"
कुछ हिचकिचाहट के साथ, क्रास्निन ने दो नोट सौंप दिए। उसने भावहीनता से सिर हिलाकर धन्यवाद दिया और उन्हें अपने मोज़े में रख लिया।
"यह अच्छा है," उसने संतुष्टि से कहा।

उसने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
"क्या आपको कोई पछतावा नहीं है, ओल्गा वासिलोवना?"
"पछतावा? किस बात का?"
"जो कुछ आपके पास था, उसके लिए। ऐसी महिलाएं हैं - मेरा मानना है कि अधिकतर महिलाएं ऐसी चीजों को लेकर पागल हो जाती हैं।"
उसने सोच-विचार करते हुए सिर हिलाया।
"हाँ, आपने सही कहा। अधिकतर महिलाओं में यह पागलपन होता है। मुझमें नहीं है। अब मुझे आश्चर्य होता है..." वह रुक गई।
"तो?" दूसरे ने उत्सुकता से पूछा।
"अमेरिकी उनके साथ सुरक्षित रहेगा - हाँ, मुझे इस बात का पूरा यकीन है।
लेकिन उसके बाद -"
"अरे? तुम क्या सोच रहे हो?"
ओल्गा ने सोच-विचार करते हुए कहा, "वह इन्हें किसी औरत को दे देगा, बेशक। मुझे आश्चर्य है कि फिर क्या होगा..."
उसने अधीरता से खुद को झटका दिया और खिड़की के पास गई। अचानक उसने एक विस्मयबोधक स्वर में अपने साथी को पुकारा।
"देखो, वह अब सड़क पर जा रहा है - मेरा मतलब उस आदमी से है।"

दोनों ने एक साथ नीचे की ओर देखा। एक दुबला-पतला, आकर्षक व्यक्ति धीमी गति से आगे बढ़ रहा था। उसने एक ओपेरा हैट और एक लबादा पहन रखा था। जैसे ही वह

एक स्ट्रीट लैंप के पास से गुजरा, उसकी रोशनी से उसके घने सफेद बाल जगमगा उठे।

अध्याय दो

श्री मार्क्विस

सफेद बालों वाला आदमी बिना किसी हड़बड़ी के, अपने आसपास की चीजों से बेपरवाह होकर, अपने रास्ते पर चलता रहा। वह एक तरफ दाहिनी ओर मुड़ता और फिर बाईं ओर। बीच-बीच में वह गुनगुनाता रहता था।
अचानक वह एकदम रुक गया और ध्यान से सुनने लगा। उसने कोई आवाज़ सुनी थी। शायद टायर फटने की आवाज़ थी या फिर गोली चलने की। उसके होंठों पर एक मिनट के लिए एक अजीब सी मुस्कान छाई रही। फिर वह अपनी धीमी चाल से चलने लगा। मोड़ मुड़ते ही उसे कुछ हलचल दिखाई दी। कानून का एक प्रतिनिधि अपनी जेब में कुछ लिख रहा था, और एक-दो राहगीर वहाँ जमा हो गए थे। सफेद बालों वाले उस व्यक्ति ने उनमें से एक से विनम्रतापूर्वक जानकारी मांगी।
"कुछ तो हो रहा है, है ना?"
"जी हाँ, महोदय। दो अपाचे कुत्तों ने एक बुजुर्ग अमेरिकी सज्जन पर हमला कर दिया।"
"उन्होंने उसे कोई चोट नहीं पहुंचाई?"
"जी नहीं, बिलकुल नहीं।" वह आदमी हँसा। "उस अमेरिकी के पास जेब में रिवाल्वर थी, और इससे पहले कि वे उस पर हमला कर पाते, उसने इतनी नज़दीक से गोलियाँ चलाईं कि वे घबराकर भाग गए। हमेशा की तरह, पुलिस बहुत देर से पहुँची।"
"आह!" पूछने वाले ने कहा।
उसने किसी भी प्रकार की भावना प्रदर्शित नहीं की। शांत और बेफिक्र होकर उसने अपनी रात्रिकालीन सैर जारी रखी। कुछ देर बाद वह सीन नदी पार करके शहर के समृद्ध इलाकों में आ गया। लगभग बीस मिनट बाद वह एक शांत लेकिन कुलीन सड़क पर स्थित एक घर के सामने रुक गया।
वह दुकान, एक दुकान ही थी, जो संयमित और दिखावे से रहित थी। पुरातन वस्तुओं के व्यापारी डी. पापोपोलस इतने प्रसिद्ध थे कि उन्हें विज्ञापन की

आवश्यकता ही नहीं थी, और वास्तव में उनका अधिकांश कारोबार काउंटर पर नहीं होता था।
एम. पापोपोलस का अपना एक बहुत ही सुंदर अपार्टमेंट था, जहाँ से चैंप्स एलिसीज़ दिखाई देता था, और यह स्वाभाविक रूप से माना जा सकता था कि वह उस समय अपने व्यवसाय स्थल पर नहीं बल्कि वहीं पाए जाते, लेकिन सफेद बालों वाला व्यक्ति सफलता के प्रति आश्वस्त प्रतीत हो रहा था क्योंकि उसने सुनसान सड़क पर एक त्वरित नज़र डालने के बाद अस्पष्ट रूप से रखी घंटी को दबाया।
उसका आत्मविश्वास व्यर्थ नहीं था। दरवाजा खुला और एक आदमी अंदर खड़ा था। उसने कानों में सोने की बालियां पहन रखी थीं और उसका चेहरा सांवला था। अजनबी ने कहा, "शुभ संध्या। क्या आपका स्वामी अंदर है?"
"मालिक तो यहीं हैं, लेकिन रात के इस समय वे आकस्मिक आगंतुकों से नहीं मिलते," दूसरे ने गुर्राते हुए कहा।
मुझे लगता है कि वह मुझसे मिलेंगे। उन्हें बता देना कि उनके मित्र श्रीमान ले मार्क्विस यहां हैं।
उस व्यक्ति ने दरवाजा थोड़ा और खोल दिया और आगंतुक को अंदर आने दिया।
जिस व्यक्ति ने अपना नाम एम. ले मार्क्विस बताया, उसने बोलते समय अपना चेहरा हाथ से ढक रखा था। जब नौकर यह सूचना लेकर लौटा कि एम. पापोपोलस आगंतुक से मिलकर प्रसन्न होंगे, तब तक अजनबी के रूप में एक और बदलाव आ चुका था। नौकर या तो बहुत लापरवाह रहा होगा या फिर बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित, क्योंकि उसने उस छोटे काले साटन के मुखौटे को देखकर जरा भी आश्चर्य नहीं जताया, जिसने दूसरे व्यक्ति के चेहरे को छिपा रखा था।
हॉल के अंत में एक दरवाजे की ओर आगे बढ़ते हुए, उन्होंने उसे खोला और आदरपूर्वक धीमी आवाज़ में कहा: "श्रीमान मार्क्विस।"
उस अजनबी मेहमान का स्वागत करने के लिए जो शख्स उठा, वह बेहद प्रभावशाली था। एम. पापोपोलस में एक आदरणीय और पितृसत्तात्मक भाव था। उनका माथा ऊंचा और उभरा हुआ था और दाढ़ी सफेद और सुंदर थी। उनके व्यवहार में एक धार्मिक और सौम्य भाव झलक रहा था।
"मेरे प्रिय मित्र," एम. पापोपोलस ने कहा। वे फ्रेंच में बोल रहे थे और उनकी आवाज़ मधुर और स्नेहपूर्ण थी।
आगंतुक ने कहा, "देरी के लिए मुझे क्षमा मांगनी चाहिए।"

"बिल्कुल नहीं। बिलकुल नहीं," एम. पापोपोलस ने कहा - "रात का एक दिलचस्प समय है। शायद आपकी शाम भी दिलचस्प रही हो?"
"व्यक्तिगत रूप से नहीं," एम. ले मार्क्विस ने कहा।
"व्यक्तिगत रूप से नहीं," एम. पापोपोलस ने दोहराया, "नहीं, नहीं, बिल्कुल नहीं। और खबर है, है ना?"
उसने दूसरे की ओर एक तीखी नजर डाली, एक ऐसी नजर जो जरा भी धार्मिक या सौम्य नहीं थी।
"कोई खबर नहीं है। प्रयास विफल रहा। मुझे इससे ज्यादा उम्मीद भी नहीं थी।" एम. पापोपोलस ने कहा, "बिल्कुल सही, कोई भी भद्दा पदार्थ..."
उन्होंने हाथ हिलाकर किसी भी रूप में अशिष्टता के प्रति अपनी तीव्र अरुचि व्यक्त की। वास्तव में, एम. पापोपोलस या उनके द्वारा बेचे जाने वाले सामान में कोई अशिष्टता नहीं थी। वे अधिकांश यूरोपीय दरबारों में सुप्रसिद्ध थे, और राजा उन्हें मैत्रीपूर्ण ढंग से डेमेट्रियस कहकर पुकारते थे। वे अत्यंत विवेकशील स्वभाव के लिए जाने जाते थे। इसी विवेक और उनके सुरुचिपूर्ण व्यक्तित्व के कारण वे कई संदिग्ध लेन-देनों से बच निकले थे। "सीधा हमला—" एम. पापोपोलस ने कहा। उन्होंने अपना सिर हिलाया। "यह कभी-कभी कारगर साबित होता है—लेकिन बहुत कम ही।"
दूसरे ने अपने कंधे उचका दिए।
उन्होंने कहा, "इससे समय की बचत होती है, और असफल होने पर कुछ भी खर्च नहीं होता - या लगभग कुछ भी नहीं। दूसरी योजना असफल नहीं होगी।"
"आह," एम. पापोपोलस ने उसे ध्यान से देखते हुए कहा।
दूसरे ने धीरे से सिर हिलाया।
"मुझे आपकी - अह - प्रतिष्ठा पर पूरा भरोसा है," पुरातन वस्तुओं के व्यापारी ने कहा।
एम. ले मार्क्विस ने धीरे से मुस्कुराया।
"मुझे लगता है मैं कह सकता हूँ," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "कि आपका विश्वास व्यर्थ नहीं होगा।"
"तुम्हारे पास अनोखे अवसर हैं," दूसरे ने ईर्ष्या भरे स्वर में कहा।
"मैं इन्हें बनाता हूँ," एम. ले मार्क्विस ने कहा।
वह उठा और उसने वह लबादा उठाया जिसे उसने लापरवाही से कुर्सी की पीठ पर फेंक दिया था।

"मैं आपको सामान्य माध्यमों से सूचित करता रहूंगा, श्री पापोपोलस, लेकिन आपकी व्यवस्थाओं में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।"
एम. पापोपोलस को पीड़ा हुई।
उन्होंने शिकायत करते हुए कहा, "मेरी व्यवस्थाओं में कभी कोई बाधा नहीं आती।"
दूसरे ने मुस्कुराते हुए बिना कुछ और कहे कमरे से बाहर निकल गया और दरवाजा बंद कर दिया।
श्री पापोपोलस कुछ क्षण सोच में डूबे रहे, अपनी आदरणीय सफेद दाढ़ी सहलाते हुए, फिर अंदर की ओर खुलने वाले दूसरे दरवाजे की ओर बढ़े। जैसे ही उन्होंने हैंडल घुमाया, एक युवती, जो स्पष्ट रूप से चाबी के छेद से कान लगाकर दरवाजे से टिकी हुई थी, लड़खड़ाते हुए कमरे में आ गिरी। श्री पापोपोलस ने न तो आश्चर्य दिखाया और न ही चिंता। जाहिर है, यह सब उनके लिए बिल्कुल स्वाभाविक था।
"तो, ज़िया?" उसने पूछा।
"मैंने उसे जाते हुए नहीं सुना," जिया ने बताया।
वह एक खूबसूरत युवती थी, जिसका शरीर जूनो की आकृति जैसा सुडौल था, उसकी आंखें गहरी और चमकीली थीं और वह एम. पापोपोलस से इतनी मिलती-जुलती थी कि आसानी से पता चल जाता था कि वे पिता-पुत्री हैं। "यह बात परेशान करती है," उसने चिढ़ते हुए कहा, "कि एक ही ताले के छेद से न तो देखा जा सकता है और न ही सुना जा सकता है।"
"इससे मुझे अक्सर चिढ़ होती है," एम. पापोपोलस ने बड़ी सरलता से कहा।
"तो ये हैं एम. ले मार्क्विस," ज़िया ने धीरे से कहा। "क्या वो हमेशा मुखौटा पहनते हैं, पिताजी?"
"हमेशा।"
कुछ देर का विराम रहा।
"मुझे लगता है, ये माणिक हैं?" ज़िया ने पूछा।
उसके पिता ने सिर हिलाया।
"तुम्हें क्या लगता है, मेरी नन्ही सी बच्ची?" उसने अपनी छोटी-छोटी काली आँखों में थोड़ी शरारत भरी मुस्कान के साथ पूछा।
"एम. ले मार्क्विस के?"
"हाँ।"

ज़िया ने धीरे से कहा, "मुझे लगता है कि एक ऐसे सभ्य अंग्रेज को ढूंढना बहुत दुर्लभ बात है जो इतनी अच्छी फ्रेंच बोलता हो।"
"अरे!" एम. पापोपोलस ने कहा, "तो आपका यही मानना है।"
हमेशा की तरह, उन्होंने कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई, लेकिन उन्होंने जिया को सौम्य स्वीकृति की दृष्टि से देखा।
जिया ने कहा, "मुझे भी लगा था कि उसके सिर का आकार अजीब था।"
"बहुत बड़ा," उसके पिता ने कहा - "थोड़ा बड़ा। लेकिन ऐसा प्रभाव तो हमेशा विग की वजह से ही होता है।"
दोनों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और मुस्कुराए।

अध्याय 3

हार्ट ऑफ़ फायर

रूफस वैन एल्डिन सैवॉय होटल के घूमने वाले दरवाजों से गुज़रे और रिसेप्शन डेस्क की ओर बढ़े। डेस्क क्लर्क ने मुस्कुराते हुए सम्मानपूर्वक उनका अभिवादन किया।
उन्होंने कहा, "आपको दोबारा देखकर खुशी हुई, श्री वैन एल्डिन।"
अमेरिकी करोड़पति ने अनौपचारिक अभिवादन के रूप में अपना सिर हिलाया।
"सब ठीक है?" उसने पूछा।
"जी सर। मेजर नाइटन इस समय ऊपर सुइट में हैं।"
वैन एल्डिन ने फिर सिर हिलाया।
"कोई चिट्ठी आई है क्या?" उसने विश्वास जताया।
"उन सभी को ऊपर भेज दिया गया है, श्री वैन एल्डिन। अरे! एक मिनट रुकिए।" उसने एक कबूतर के खाने में हाथ डाला और एक पत्र निकाला।
"बस इसी क्षण आ जाओ," उसने समझाया।
रूफस वैन एल्डिन ने उससे पत्र लिया और जैसे ही उसने लिखावट देखी, एक महिला की सुस्पष्ट लिखावट, उसका चेहरा अचानक बदल गया। उसके चेहरे की कठोरता नरम पड़ गई और होंठों की सख्त रेखा भी खुल गई। वह बिल्कुल अलग इंसान लग रहा था।
पत्र हाथ में लिए और होठों पर मुस्कान लिए वह लिफ्ट की ओर चल पड़ा।
अपने सुइट के ड्राइंग रूम में, एक युवक मेज पर बैठा लंबे अभ्यास से प्राप्त सहजता के साथ बड़ी फुर्ती से पत्रों को छाँट रहा था। वैन एल्डिन के प्रवेश करते ही वह उछल पड़ा।
"हैलो, नाइटन!"
आपको वापस देखकर खुशी हुई, महोदय। आपका समय अच्छा बीता?
"ठीक है!" करोड़पति ने भावहीनता से कहा। "आजकल पेरिस एक तरह से एक ही तरफ़ा शहर बन गया है। फिर भी - मुझे वह मिल गया जिसके लिए मैं गया था।"
वह मन ही मन थोड़ा उदास होकर मुस्कुराया।
"मुझे लगता है कि आप आमतौर पर ऐसा ही करते हैं," सचिव ने हंसते हुए कहा।

"बिल्कुल सही," दूसरे ने सहमति जताई।
उन्होंने बिल्कुल सहज भाव से बात की, मानो कोई सर्वविदित तथ्य बता रहे हों। अपना भारी ओवरकोट उतारकर वे मेज की ओर बढ़े।

"क्या कोई ज़रूरी काम है?"
"मुझे ऐसा नहीं लगता, महोदय। ज्यादातर तो वही सामान्य चीजें हैं। मैंने अभी तक उन्हें पूरी तरह से सुलझाना समाप्त नहीं किया है।"
वैन एल्डिन ने संक्षेप में सिर हिलाया। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो शायद ही कभी किसी की निंदा करते थे या प्रशंसा करते थे। अपने कर्मचारियों के साथ उनका व्यवहार सरल था; वह उन्हें निष्पक्ष मौका देते थे और अक्षम लोगों को तुरंत बर्खास्त कर देते थे। लोगों का उनका चयन अपरंपरागत था।
उदाहरण के लिए, नाइटन से उनकी मुलाकात दो महीने पहले एक स्विस रिसॉर्ट में हुई थी। उन्हें वह व्यक्ति पसंद आया, उन्होंने उसका युद्ध रिकॉर्ड देखा और उसमें उसके लंगड़ाकर चलने का कारण पाया। नाइटन ने यह बात छुपाई नहीं थी कि वह नौकरी की तलाश में है, और वास्तव में उसने संकोच से उस करोड़पति से पूछा कि क्या उन्हें किसी रिक्त पद के बारे में पता है। वैन एल्डिन को एक गंभीर मुस्कान के साथ याद आया कि जब उस युवक को स्वयं उस महान व्यक्ति के सचिव का पद दिया गया तो वह कितना आश्चर्यचकित हुआ था।
"लेकिन - लेकिन मुझे व्यापार का कोई अनुभव नहीं है," उसने हकलाते हुए कहा था।
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता," वैन एल्डिन ने जवाब दिया। "मेरे पास पहले से ही तीन सचिव हैं जो इस तरह के काम संभालते हैं। लेकिन मैं अगले छह महीने इंग्लैंड में रहने वाला हूँ, और मुझे एक ऐसे अंग्रेज की ज़रूरत है जो वहाँ के तौर-तरीकों को जानता हो और मेरे सामाजिक मामलों को संभाल सके।"
अब तक, वैन एल्डिन का अनुमान सही साबित हुआ था। नाइटन तेज, बुद्धिमान और साधन संपन्न साबित हुआ था, और उसके व्यवहार में एक अलग ही आकर्षण था। सचिव ने डेस्क के ऊपर अलग-अलग रखे तीन या चार पत्रों की ओर इशारा किया। "शायद बेहतर होगा कि आप इन पर एक नज़र डाल लें, महोदय," उन्होंने सुझाव दिया। "सबसे ऊपर वाला कोल्टन समझौते के बारे में है-"
लेकिन रूफस वैन एल्डिन ने विरोध जताते हुए हाथ उठाया।

"आज रात मैं किसी भी चीज़ की तरफ नहीं देखूंगा," उसने ऐलान किया। "ये सब सुबह तक इंतज़ार कर सकते हैं। सिवाय इस एक के," उसने अपने हाथ में पकड़े पत्र को देखते हुए कहा। और फिर से उसके चेहरे पर वही अजीब सी बदलती हुई मुस्कान छा गई।
रिचर्ड नाइटन ने सहानुभूति भरी मुस्कान दी।
"श्रीमती केटरिंग?" उसने धीमी आवाज़ में कहा। "उन्होंने कल और आज फोन किया था। ऐसा लगता है कि वह आपसे तुरंत मिलना चाहती हैं, महोदय।"
"क्या वो ऐसा करती है!"
करोड़पति के चेहरे से मुस्कान गायब हो गई। उसने हाथ में पकड़े लिफाफे को फाड़कर खोला और उसमें से कागज़ निकाला। जैसे ही उसने उसे पढ़ा, उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया, उसके होंठ उसी सख्त भाव में कस गए जिसे वॉल स्ट्रीट के लोग अच्छी तरह जानते थे, और उसकी भौंहें खतरनाक ढंग से तन गईं। नाइटन ने चतुराई से मुंह फेर लिया और चिट्ठियां खोलकर उन्हें छांटने लगा। करोड़पति के मुंह से एक अपशब्द निकला और उसने मुट्ठी से मेज पर ज़ोर से प्रहार किया। "मैं यह बर्दाश्त नहीं करूँगा," उसने मन ही मन बुदबुदाया। "बेचारी छोटी बच्ची, शुक्र है कि उसके पीछे उसका बूढ़ा पिता है।"
वह कुछ मिनटों तक कमरे में इधर-उधर घूमता रहा, उसकी भौंहें गुस्से से सिकुड़ी हुई थीं। नाइटन अभी भी लगन से मेज पर झुका हुआ था। अचानक वैन एल्डिन एकदम रुक गया। उसने कुर्सी से अपना ओवरकोट उठाया जहाँ उसने उसे फेंका था।
"क्या आप फिर से बाहर जा रहे हैं, महोदय?"
"हां, मैं अपनी बेटी से मिलने जा रहा हूं।"
"अगर कोल्टन के लोग फोन करें तो-"
"उनसे कहो कि वे शैतान के पास जाएं," वैन एल्डिन ने कहा।
"बहुत अच्छा," सचिव ने भावहीनता से कहा।
वैन एल्डिन ने अब तक अपना ओवरकोट पहन लिया था। उसने टोपी को सिर पर ठूंसते हुए दरवाजे की ओर कदम बढ़ाया। वह हैंडल पर हाथ रखकर रुक गया।
"तुम एक अच्छे इंसान हो, नाइटन," उसने कहा। "जब मैं घबराया हुआ होता हूँ, तब तुम मुझे परेशान नहीं करते।"
नाइटन ने हल्की सी मुस्कान दी, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया।

वैन एल्डिन ने कहा, "रूथ मेरी इकलौती संतान है, और इस धरती पर कोई भी यह नहीं जानता कि वह मेरे लिए कितनी मायने रखती है।"
उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान फैल गई। उसने अपना हाथ जेब में डाला। "क्या आप कुछ देखना चाहेंगे, नाइटन?"
वह सचिव की ओर वापस आया।
उसने अपनी जेब से भूरे कागज में लापरवाही से लिपटा हुआ एक पार्सल निकाला। उसने लपेटा हटाया और एक बड़ा, जर्जर, लाल मखमली बक्सा खोला। उसके बीच में मुकुट से सजे कुछ मुड़े हुए अक्षर खुदे हुए थे। उसने बक्सा खोला और सचिव ने गहरी सांस ली। अंदर की हल्की धुंधली सफेद सतह पर पत्थर खून की तरह चमक रहे थे।
"हे भगवान! महोदय," नाइटन ने कहा। "क्या वे - क्या वे सचमुच के हैं?"
वैन एल्डिन ने हल्की सी हंसी हंसते हुए आनंद का इजहार किया।
"मुझे आपके इस सवाल पर कोई हैरानी नहीं है। इन माणिकों में दुनिया के तीन सबसे बड़े माणिक शामिल हैं। रूस की कैथरीन इन्हें पहनती थीं, नाइटन। बीच वाला माणिक 'हार्ट ऑफ फायर' के नाम से जाना जाता है। यह बिल्कुल सही है - इसमें कोई खामी नहीं है।"
"लेकिन," सचिव ने धीमी आवाज़ में कहा, "उनकी कीमत तो बहुत अधिक होगी।" वैन एल्डिन ने बेपरवाही से कहा, "चार या पांच लाख डॉलर, और यह ऐतिहासिक महत्व से अलग है।"
"और तुम उन्हें ऐसे ही, अपनी जेब में ढीला-ढाला लेकर घूमते हो?"
वैन एल्डिन ने हंसते हुए कहा।
"मुझे लगता है ऐसा ही है। दरअसल, ये रूथी के लिए मेरे छोटे से तोहफे हैं।" सचिव ने दबे स्वर में मुस्कुराया।
"अब मैं श्रीमती केटरिंग की फोन पर हुई घबराहट को समझ सकता हूँ," उन्होंने धीरे से कहा। लेकिन वैन एल्डिन ने अपना सिर हिलाया। उनके चेहरे पर फिर से कठोरता छा गई।
"आप गलत हैं," उसने कहा। "उसे इनके बारे में पता नहीं है; ये मेरी तरफ से उसके लिए एक छोटा सा सरप्राइज है।"
उसने मामला बंद कर दिया और धीरे-धीरे उसे दोबारा लपेटने लगा।
"यह बहुत मुश्किल बात है, नाइटन," उसने कहा, "कि जिनसे हम प्यार करते हैं, उनके लिए हम कितना कम कर सकते हैं। अगर रूथ के लिए इससे कोई फायदा होता, तो

मैं उसके लिए धरती का एक बड़ा हिस्सा खरीद सकता था, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं ये चीजें उसके गले में पहना सकता हूँ और शायद उसे एक-दो पल का सुख दे सकता हूँ, लेकिन-"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"जब कोई महिला अपने घर में खुश नहीं होती है -"
उसने वाक्य अधूरा छोड़ दिया। सचिव ने दबे स्वर में सिर हिलाया। वह माननीय डेरेक केटरिंग की प्रतिष्ठा को बखूबी जानता था। वैन एल्डिन ने आह भरी। पार्सल को वापस अपनी कोट की जेब में रखते हुए, उसने नाइटन को सिर हिलाकर अभिवादन किया और कमरे से बाहर निकल गया।

अध्याय 4

कर्ज़न स्ट्रीट में

माननीय श्रीमती डेरेक केटरिंग कर्ज़न स्ट्रीट में रहती थीं। दरवाजा खोलते ही बटलर ने रूफस वैन एल्डिन को तुरंत पहचान लिया और विनम्रतापूर्वक मुस्कुराते हुए अभिवादन किया। वह उन्हें पहली मंजिल पर स्थित विशाल दोहरे ड्राइंग रूम में ले गया।
खिड़की के पास बैठी एक महिला चीखते हुए उठ खड़ी हुई।
"अरे पिताजी, यह तो बहुत अच्छी बात है! मैं आपसे संपर्क करने के लिए पूरे दिन मेजर नाइटन को फोन करता रहा, लेकिन वह निश्चित रूप से यह नहीं बता सके कि आप कब तक वापस आने वाले हैं।"
रूथ केटरिंग अट्ठाईस वर्ष की थीं। खूबसूरत न होते हुए भी, या यूं कहें कि आकर्षक न होते हुए भी, अपने रंग-रूप के कारण वे बेहद आकर्षक थीं। वैन एल्डिन को उनके समय में 'कैरेट्स एंड जिंजर' कहा जाता था, और रूथ के बाल लगभग शुद्ध भूरे रंग के थे। उनकी गहरी आंखें और घनी काली पलकें थीं - कलात्मकता से यह प्रभाव कुछ हद तक और भी निखर गया था। वे लंबी और पतली थीं, और उनकी चाल-ढाल बहुत सुरीली थी। सरसरी नजर से देखने पर उनका चेहरा राफेल की मैडोना की पेंटिंग जैसा लगता था। केवल ध्यान से देखने पर ही वैन एल्डिन के चेहरे जैसी ही जबड़े और ठोड़ी की बनावट दिखाई देती थी, जो उन्हीं की तरह कठोरता और दृढ़ संकल्प को दर्शाती थी। यह बनावट पुरुष पर तो जंचती थी, लेकिन स्त्री पर उतनी नहीं। बचपन से ही रूथ वैन एल्डिन अपनी मनमानी करने की आदी थीं, और जो भी उनके खिलाफ खड़ा होता, उसे जल्द ही एहसास हो जाता कि रूफस वैन एल्डिन की बेटी कभी हार नहीं मानती।
"नाइटन ने मुझे बताया कि तुमने उसे फोन किया था," वैन एल्डिन ने कहा। "मैं तो अभी आधे घंटे पहले ही पेरिस से लौटा हूँ। डेरेक, ये सब क्या चल रहा है?" रूथ केटरिंग गुस्से से लाल हो गई।
"यह असहनीय है। यह सारी हदें पार कर चुका है," वह रोते हुए बोली। "वह - वह मेरी कोई बात नहीं सुनता।"

उसकी आवाज में हैरानी के साथ-साथ गुस्सा भी था।
करोड़पति ने गंभीर स्वर में कहा, "वह मेरी बात सुनेगा।"
रूथ बोलती रही।
"मैंने उसे पिछले एक महीने से मुश्किल से ही देखा है। वह उस महिला के साथ हर जगह घूमता रहता है।"
"किस औरत के साथ?"
"मिरेल। वह पार्थेनन में नृत्य करती है, आपको पता है।"
वैन एल्डिन ने सिर हिलाया।
"मैं पिछले हफ्ते लेकोनबरी में था। मैंने लॉर्ड लेकोनबरी से बात की। वे मेरे प्रति बहुत ही विनम्र थे, उन्होंने पूरी सहानुभूति दिखाई। उन्होंने कहा कि वे डेरेक को अच्छी तरह समझाएंगे।"
"आह!" वैन एल्डिन ने कहा।
"पिताजी, 'आह!' कहने का क्या मतलब है?"
"मेरा मतलब बिल्कुल वही है जो तुम सोच रही हो, रूथी। बेचारा लेकोनबरी बिल्कुल नाकाम है। बेशक उसने तुम्हारे प्रति सहानुभूति दिखाई, बेशक उसने तुम्हें शांत करने की कोशिश की। अपने बेटे और वारिस की शादी अमेरिका के सबसे अमीर आदमियों में से एक की बेटी से करवाकर, वह स्वाभाविक रूप से इस मामले को बिगाड़ना नहीं चाहता। लेकिन उसकी किस्मत पहले से ही खराब है, यह तो सब जानते हैं, और वह जो कुछ भी कहेगा, डेरेक पर उसका कोई असर नहीं पड़ेगा।"
एक-दो मिनट बाद रूथ ने विनती करते हुए कहा, "क्या आप कुछ नहीं कर सकते, पिताजी?"
"शायद," करोड़पति ने कहा। वह एक पल रुककर सोचने लगा, और फिर आगे बोला। "कई चीजें हैं जो मैं कर सकती हूँ, लेकिन उनमें से केवल एक ही वास्तव में अच्छी होगी। रूथी, तुममें कितनी हिम्मत है?"
उसने उसे घूरकर देखा। उसने भी सिर हिलाकर जवाब दिया।
"मैं जो कह रही हूँ, वही सच है। क्या तुममें इतनी हिम्मत है कि तुम पूरी दुनिया के सामने अपनी गलती मान सको? इस मुसीबत से निकलने का एक ही रास्ता है, रूथी। नुकसान को कम करो और नए सिरे से शुरुआत करो।"
"तुम्हारा मतलब है -"
"तलाक।"

"तलाक!"
वैन एल्डिन ने रूखी मुस्कान दी।
"रूथ, तुम उस शब्द को ऐसे बोलती हो जैसे तुमने उसे पहले कभी सुना ही न हो। जबकि तुम्हारे दोस्त रोज़ाना तुम्हारे आस-पास उस शब्द का इस्तेमाल करते हैं।"
"ओह! मुझे पता है। लेकिन-"
वह होंठ चबाते हुए रुक गई। उसके पिता ने समझदारी से सिर हिलाया।
"मुझे पता है, रूथ। तुम मेरी ही तरह हो, तुम किसी को जाने नहीं दे सकती। लेकिन मैंने सीख लिया है, और तुम्हें भी सीखना होगा, कि कई बार यही एकमात्र रास्ता होता है। मैं डेरेक को तुम्हारे पास वापस लाने के तरीके ढूंढ सकती हूँ, लेकिन अंत में सब कुछ वही होगा। वह किसी काम का नहीं है, रूथ; वह पूरी तरह से सड़ा हुआ है। और हाँ, मैं खुद को दोषी मानती हूँ कि मैंने तुम्हें उससे शादी करने दी। लेकिन तुम उससे शादी करने पर अड़ी हुई थी, और वह भी सुधरने की पूरी कोशिश कर रहा था - और हाँ, मैंने एक बार तुम्हें धोखा दिया था, प्रिये..."
अंतिम शब्द कहते समय उसने उसकी ओर नहीं देखा। यदि उसने ऐसा किया होता, तो शायद वह उसके चेहरे पर आए तीव्र लालिमा को देख पाता।
"तुमने किया," उसने कठोर स्वर में कहा।
"मैं इतना ज़्यादा भावुक था कि दोबारा ऐसा नहीं कर पाया। हालांकि, मैं आपको बता नहीं सकता कि काश मैंने ऐसा किया होता। रूथ, तुमने पिछले कुछ सालों में बहुत ही दयनीय जीवन जिया है।"
"यह बहुत सुखद नहीं रहा," श्रीमती केटरिंग ने सहमति व्यक्त की।
"इसीलिए मैं तुमसे कहता हूँ कि यह सब बंद होना चाहिए!" उसने मेज पर ज़ोर से हाथ पटका। "तुम्हें अभी भी उस आदमी के लिए चाहत है। इसे छोड़ दो। सच्चाई का सामना करो। डेरेक केटरिंग ने तुमसे तुम्हारे पैसे के लिए शादी की है। बस यही बात है। उससे छुटकारा पाओ, रूथ।"
रूथ केटरिंग ने कुछ क्षणों तक ज़मीन की ओर देखा, फिर बिना सिर उठाए कहा: "मान लीजिए कि वह सहमत नहीं होता?"
वैन एल्डिन ने हैरानी से उसकी ओर देखा।
"इस मामले में उनकी कोई राय नहीं होगी।"
उसका चेहरा लाल हो गया और उसने अपने होंठ काट लिए।

"नहीं - नहीं - बिलकुल नहीं। मेरा मतलब तो बस यही था -"
वह रुक गई। उसके पिता ने उसे गौर से देखा।
"तुम्हारा क्या मतलब था?"
"मेरा मतलब था-" वह रुकी और सोच-समझकर शब्दों का चुनाव किया। "हो सकता है वह इसे आसानी से स्वीकार न करे।"
करोड़पति की ठुड्डी गुस्से से बाहर निकल आई।
"आपका मतलब है कि वह मुकदमा लड़ेगा? लड़ने दो! लेकिन, असल में, आप गलत हैं। वह नहीं लड़ेगा। वह जिस भी वकील से सलाह लेगा, वही उसे बताएगा कि उसके पास लड़ने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है।"
"आपको नहीं लगता कि-" वह हिचकिचाई- "मेरा मतलब है- मेरे प्रति घोर द्वेष के कारण- वह स्थिति को असहज बनाने की कोशिश कर सकता है?"
उसके पिता ने कुछ आश्चर्य से उसकी ओर देखा।
"मुकदमा लड़ना, तुम्हारा मतलब है?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"इसकी संभावना बहुत कम है। दरअसल, उसके पास कोई ठोस आधार होना चाहिए।" श्रीमती केटरिंग ने कोई जवाब नहीं दिया। वैन एल्डिन ने उन्हें तीखी नजरों से देखा।
"बताओ, रूथ, सच बताओ। तुम्हें कोई बात परेशान कर रही है - क्या बात है?" "कुछ नहीं, बिलकुल कुछ नहीं।"
लेकिन उसकी आवाज में विश्वास की कमी थी।
"आप प्रचार से डर रहे हैं, है ना? क्या यही बात है? इसे मुझ पर छोड़ दीजिए। मैं सब कुछ इतनी आसानी से निपटा दूंगा कि कोई हंगामा नहीं होगा।"
"बहुत अच्छा, पिताजी, अगर आपको सच में लगता है कि यही सबसे अच्छा कदम है।" "क्या अब भी तुम्हें वो लड़का पसंद है, रूथ? बस यही बात है?"
"नहीं।"
यह शब्द स्पष्ट स्वर में बोला गया। वैन एल्डिन संतुष्ट प्रतीत हुए। उन्होंने अपनी बेटी के कंधे पर थपथपाया।
"सब ठीक हो जाएगा, मेरी प्यारी बच्ची। चिंता मत करो। अब इस सब के बारे में भूल जाते हैं। मैं तुम्हारे लिए पेरिस से एक उपहार लाया हूँ।"
"मेरे लिए? कुछ बहुत ही बढ़िया?"
"मुझे उम्मीद है कि आप ऐसा ही सोचेंगे," वैन एल्डिन ने मुस्कुराते हुए कहा।

उसने अपने कोट की जेब से पार्सल निकाला और उसे दे दिया। उसने उत्सुकता से उसे खोला और डिब्बा झट से खोल दिया। उसके होंठों से एक लंबी सी आह निकली, "ओह!" रूथ केटरिंग को गहने बहुत पसंद थे - हमेशा से।
"पापा, ये तो कमाल है!"
"ये तो वाकई अपनी अलग ही श्रेणी के हैं, है ना?" करोड़पति ने संतुष्टि से कहा। "तुम्हें ये पसंद आए, है ना?"
"पसंद आए? पिताजी, ये तो अनोखे हैं। आपने इन्हें कैसे हासिल किया?"
वैन एल्डिन मुस्कुराया।
"अरे! ये तो मेरा राज़ है। ज़ाहिर है, इन्हें निजी तौर पर खरीदा गया था। ये काफी मशहूर हैं। बीच में वह बड़ा पत्थर देखा? शायद आपने इसके बारे में सुना होगा, यह ऐतिहासिक 'हार्ट ऑफ फायर' है।"
"आग का दिल!" श्रीमती केटरिंग ने दोहराया।
उसने बक्से से पत्थर निकाले और उन्हें अपनी छाती से लगाकर रखा हुआ था। करोड़पति उसे देखता रहा। वह उन महिलाओं के बारे में सोच रहा था जिन्होंने ये गहने पहने थे। दिल का दर्द, निराशा, ईर्ष्या। 'हार्ट ऑफ फायर', बाकी सभी मशहूर पत्थरों की तरह, अपने पीछे त्रासदी और हिंसा की लकीरें छोड़ गया था। रूथ केटरिंग के आत्मविश्वास से भरे हाथों में, ऐसा लग रहा था मानो उसकी बुराई की शक्ति कम हो रही हो। अपने शांत, सौम्य स्वभाव के साथ, पश्चिमी दुनिया की यह महिला त्रासदी या दिल की जलन का खंडन करती हुई प्रतीत हो रही थी। रूथ ने पत्थरों को उनके डिब्बे में वापस रखा, फिर उछलकर अपने पिता के गले लग गई।
"धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद, पिताजी! ये बहुत ही शानदार हैं! आप हमेशा मुझे सबसे बेहतरीन उपहार देते हैं।"
"कोई बात नहीं," वैन एल्डिन ने उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा। "तुम ही मेरी सब कुछ हो, रूथी।"
"आप रात के खाने तक रुकेंगे ना, पिताजी?"
मुझे ऐसा नहीं लगता। तुम बाहर जा रहे थे, है ना?

"हां, लेकिन मैं इसे आसानी से टाल सकता हूं। कुछ खास रोमांचक नहीं है।"

"नहीं," वैन एल्डिन ने कहा। "अपना वादा निभाओ। मुझे बहुत काम है। कल मिलते हैं, प्रिय। शायद अगर मैं तुम्हें फोन करूँ, तो हम गैलब्रेथ्स में मिल सकते हैं?"
मेसर्स गैलब्रेथ, गैलब्रेथ, कथबर्टसन और गैलब्रेथ वैन एल्डिन के लंदन स्थित वकील थे।
"बहुत खूब, पिताजी।" वह हिचकिचाई। "मुझे लगता है कि यह बात मुझे रिवेरा जाने से नहीं रोकेगी?"
"आपकी छुट्टी कब है?"
"चौदहवें दिन।"
"ओह, कोई बात नहीं। इन चीजों को परिपक्व होने में काफी समय लगता है। वैसे, रूथ, अगर मैं तुम्हारी जगह होती तो उन माणिकों को विदेश नहीं ले जाती। उन्हें बैंक में ही छोड़ देती।"
श्रीमती केटरिंग ने सिर हिलाया।
करोड़पति ने मजाक में कहा, "हम नहीं चाहते कि 'हार्ट ऑफ फायर' के लिए आपको लूटा और मारा जाए।"
"और फिर भी तुम इसे अपनी जेब में ढीला-ढाला लेकर घूमते थे," उसकी बेटी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
"हाँ -"

किसी बात ने, किसी झिझक ने, उसका ध्यान आकर्षित किया।
"क्या बात है, पिताजी?"
"कुछ नहीं।" वह मुस्कुराया। "पेरिस में अपने एक छोटे से साहसिक कार्य के बारे में सोच रहा हूँ।"
"एक रोमांच?"
"हां, जिस रात मैंने ये चीजें खरीदी थीं।"
उसने गहनों के डिब्बे की ओर इशारा किया।
"ओह, मुझे जरूर बताओ।"
"कुछ बताने को नहीं है, रूथी। कुछ अपाचे सैनिकों ने बदतमीज़ी की और मैंने उन पर गोली चला दी, लेकिन वे भाग गए। बस इतना ही।"
उसने कुछ गर्व के साथ उसकी ओर देखा।
"आप एक मुश्किल शख्सियत हैं, पिताजी।"

"बिल्कुल, रूथी।"
उसने उसे स्नेहपूर्वक चूमा और चला गया। सैवॉय लौटकर उसने नाइटन को एक संक्षिप्त आदेश दिया।
"गोबी नाम के एक आदमी से संपर्क करो; उसका पता मेरी निजी किताब में मिल जाएगा। उसे कल सुबह साढ़े नौ बजे यहाँ आना है।"
"जी श्रीमान।"
"मैं श्री केटरिंग से भी मिलना चाहता हूँ। अगर हो सके तो उनसे संपर्क करवा दीजिए। उनके क्लब में कोशिश कीजिए - किसी भी तरह उनसे बात कीजिए और कल सुबह यहाँ उनसे मिलने का इंतज़ाम कीजिए। बेहतर होगा कि मिलने का समय थोड़ा देर से हो, लगभग बारह बजे। उनके जैसे लोग जल्दी नहीं उठते।"
सचिव ने इन निर्देशों को समझकर सिर हिलाया। वैन एल्डिन ने खुद को अपने नौकर के हवाले कर दिया। उनका स्नान तैयार था, और गर्म पानी में आराम से लेटते हुए, उनका मन अपनी बेटी के साथ हुई बातचीत पर फिर से केंद्रित हो गया। कुल मिलाकर वे संतुष्ट थे। उनके तेज दिमाग ने बहुत पहले ही इस तथ्य को स्वीकार कर लिया था कि तलाक ही एकमात्र संभव रास्ता है। रूथ ने प्रस्तावित समाधान को उनकी उम्मीद से कहीं अधिक आसानी से स्वीकार कर लिया था। फिर भी, उसकी सहमति के बावजूद, उनके मन में एक अस्पष्ट बेचैनी बनी हुई थी। उन्हें लगा कि उसके व्यवहार में कुछ स्वाभाविक नहीं था। उन्होंने मन ही मन माथे पर शिकन डाली।
"शायद मैं ज्यादा कल्पनाशील हूं," उसने बुदबुदाते हुए कहा, "और फिर भी - मुझे यकीन है कि उसने मुझे कुछ नहीं बताया है।"

अध्याय 5

एक उपयोगी सज्जन

रूफस वैन एल्डिन ने अभी-अभी कॉफी और सूखे टोस्ट से बना अपना सादा नाश्ता खत्म किया था, जो कि वह खुद को कभी भी खाने की अनुमति नहीं देता था, तभी नाइटन कमरे में दाखिल हुआ।
"श्रीमान गोबी नीचे हैं, महोदय, आपसे मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।" करोड़पति ने घड़ी पर नजर डाली। साढ़े नौ बज रहे थे।
"ठीक है," उसने संक्षिप्त लहजे में कहा। "वह ऊपर आ सकता है।"
एक-दो मिनट बाद, श्री गोबी कमरे में दाखिल हुए। वे कद में छोटे, उम्रदराज व्यक्ति थे, जिनके कपड़े फटे-पुराने थे और उनकी निगाहें कमरे में चारों ओर ध्यान से घूमती रहती थीं, लेकिन वे कभी भी उस व्यक्ति की ओर नहीं देखते थे जिससे वे बात कर रहे थे।
"सुप्रभात, गोबी," करोड़पति ने कहा। "बैठ जाइए।"
"धन्यवाद, श्री वैन एल्डिन।"
श्री गोबी अपने हाथों को घुटनों पर रखकर बैठ गए और रेडिएटर को ध्यान से देखने लगे।
"मेरे पास तुम्हारे लिए एक नौकरी है।"
"जी हां, श्रीमान वैन एल्डिन?"
"जैसा कि आप शायद जानते होंगे, मेरी बेटी की शादी माननीय डेरेक केटरिंग से हुई है।"
श्री गोबी ने अपनी नज़र रेडिएटर से हटाकर डेस्क के बाईं ओर वाले दराज पर डाली और अपने चेहरे पर एक तिरस्कारपूर्ण मुस्कान आने दी। श्री गोबी को बहुत कुछ पता था, लेकिन वे इस तथ्य को स्वीकार करने से हमेशा कतराते थे। "मेरी सलाह पर, वह तलाक के लिए याचिका दायर करने वाली है। यह बेशक एक वकील का काम है। लेकिन, निजी कारणों से, मैं पूरी और सटीक जानकारी चाहता हूँ।" श्री गोबी ने कंगनी की ओर देखा और बुदबुदाए:
"मिस्टर केटरिंग के बारे में?"

"श्री केटरिंग के बारे में।"
"बहुत बढ़िया, महोदय।"
श्री गोबी उठ खड़े हुए।
"आप इसे मेरे लिए कब तक तैयार कर देंगे?"
"जल्दी में हैं, महोदय?"
"मैं हमेशा जल्दी में रहता हूँ," उस करोड़पति ने कहा।
श्री गोबी ने दीवार की ओर देखकर समझदारी भरी मुस्कान दी। "आज दोपहर दो बजे, महोदय?"
"शानदार," दूसरे ने सहमति जताते हुए कहा। "सुप्रभात, गोबी।"
"सुप्रभात, श्री वान एल्डिन।"
"वह बहुत ही उपयोगी व्यक्ति हैं," करोड़पति ने कहा जब गोबी बाहर गए और उनकी सचिव अंदर आईं। "वह अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ हैं।"
"उसकी शैली क्या है?"
"जानकारी। उसे चौबीस घंटे का समय दीजिए और वह आपके सामने कैंटरबरी के आर्कबिशप के निजी जीवन का पर्दाफाश कर देगा।"
"एक काम का आदमी है," नाइटन ने मुस्कुराते हुए कहा।
"वह मेरे लिए एक-दो बार उपयोगी साबित हुआ है," वैन एल्डिन ने कहा। "अब, नाइटन, मैं काम के लिए तैयार हूँ।"
अगले कुछ घंटों में बड़ी मात्रा में कारोबार तेजी से संपन्न हुआ। साढ़े बारह बजे टेलीफोन की घंटी बजी और श्री वैन एल्डिन को सूचना मिली कि श्री केटरिंग ने फोन किया था। नाइटन ने वैन एल्डिन की ओर देखा और उनके संक्षिप्त इशारे को समझा।
"कृपया श्री केटरिंग को ऊपर आने के लिए कहें।"
सचिव ने अपने कागजात समेटे और चले गए। वे और आगंतुक दरवाजे पर एक-दूसरे के सामने से गुजरे, और डेरेक केटरिंग दूसरे को बाहर जाने देने के लिए एक तरफ हट गए। फिर वे अंदर आए और दरवाजा बंद कर दिया।
"सुप्रभात महोदय। मुझे लगता है कि आप मुझसे मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं।"
उस सुस्त आवाज में मौजूद थोड़ी व्यंग्यात्मक लहजे ने वैन एल्डिन की यादों को ताजा कर दिया।

उसमें एक अलग ही आकर्षण था - हमेशा से ही रहा था। उसने अपने दामाद को तीखी निगाहों से देखा। डेरेक केटरिंग चौंतीस साल का था, दुबला-पतला, सांवला और पतला चेहरा, जिसमें आज भी कुछ अवर्णनीय लड़कपन झलक रहा था।
वैन एल्डिन ने संक्षिप्त लहजे में कहा, "अंदर आओ। बैठ जाओ।"
केटरिंग ने हल्के से खुद को एक कुर्सी पर गिरा दिया। उसने अपने ससुर को एक प्रकार के सहनशील मनोरंजन के साथ देखा।
“आपको बहुत दिनों से नहीं देखा, महोदय,” उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक कहा।
“लगभग दो साल, मैं कहूंगा। क्या आपने रूथ को देखा है?”
"मैंने उसे कल रात देखा था," वैन एल्डिन ने कहा।
"काफी फिट दिख रही है ना?" दूसरे ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा।
"मुझे नहीं पता था कि आपको निर्णय लेने का इतना अवसर मिला था," वैन एल्डिन ने रूखेपन से कहा।
डेरेक केटरिंग ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"ओह, हम कभी-कभी एक ही नाइट क्लब में मिलते हैं, तुम्हें पता है ना," उसने बेफिक्री से कहा।
"मैं सीधे मुद्दे पर आता हूँ," वैन एल्डिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा।
"मैंने रूथ को तलाक की याचिका दायर करने की सलाह दी है।"
डेरेक केटरिंग अविचलित प्रतीत हुए।
"कितना अजीब है!" उसने धीरे से कहा। "क्या आपको कोई आपत्ति है अगर मैं सिगरेट पी लूँ, महोदय?"
उसने सिगरेट जलाई और धुएं का एक बड़ा बादल उड़ाते हुए बेपरवाही से कहा: और रूथ ने क्या कहा?
"रूथ मेरी सलाह मानने को तैयार है," उसके पिता ने कहा।
"क्या वह सचमुच ऐसा करती है?"
"क्या बस इतना ही कहना है?" वैन एल्डिन ने तीखे स्वर में पूछा।
केटरिंग ने अपनी राख अंगीठी में झाड़ दी।
उन्होंने एक उदासीन भाव से कहा, "मुझे लगता है, तुम्हें पता है, कि वह बहुत बड़ी गलती कर रही है।"
"तुम्हारे नजरिए से तो वह बेशक है," वैन एल्डिन ने गंभीर स्वर में कहा। "अरे, रहने दो," दूसरे ने कहा, "निजी बातों पर ध्यान मत दो। मैं उस समय अपने बारे में नहीं सोच रहा था। मैं रूथ के बारे में सोच रहा था। तुम्हें पता

है, मेरे बेचारे बूढ़े गवर्नर अब ज्यादा दिन नहीं जी पाएंगे; सभी डॉक्टर यही कहते हैं। रूथ को कुछ और साल इंतजार करना चाहिए, फिर मैं लॉर्ड लेकोनबरी बन जाऊंगा, और वह लेकोनबरी की मालकिन बन जाएगी, जिसके लिए उसने मुझसे शादी की थी।"
"मैं तुम्हारी इस घिनौनी गुस्ताखी को बर्दाश्त नहीं करूंगा," वैन एल्डिन दहाड़ा।
डेरेक केटरिंग ने बिल्कुल अविचलित होकर उसकी ओर मुस्कुराया।
"मैं आपसे सहमत हूँ। यह एक पुरानी सोच है," उन्होंने कहा। "आजकल उपाधि का कोई महत्व नहीं रह गया है। फिर भी, लेकोनबरी एक बहुत ही सुंदर और पुराना स्थान है, और आखिरकार, हम इंग्लैंड के सबसे पुराने परिवारों में से एक हैं। अगर रूथ मुझसे तलाक लेकर मुझे दोबारा शादी करते हुए पाए और लेकोनबरी में उसकी जगह कोई और महिला राज करे, तो उसे बहुत बुरा लगेगा।"

"मैं गंभीर हूं, नौजवान," वैन एल्डिन ने कहा।
"हाँ, मेरी भी यही हालत है," केटरिंग ने कहा। "मेरी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है; अगर रूथ मुझसे तलाक ले लेती है तो मैं बुरी तरह फंस जाऊंगा, और वैसे भी, अगर उसने दस साल तक यह सब सहा है, तो थोड़ा और क्यों न सहे? मैं आपको वचन देता हूँ कि बूढ़ा आदमी अठारह महीने और नहीं टिक पाएगा, और जैसा कि मैंने पहले कहा था, यह बहुत दुख की बात है कि रूथ को वह नहीं मिलेगा जिसके लिए उसने मुझसे शादी की थी।"
"क्या आपका मतलब यह है कि मेरी बेटी ने आपसे आपके पद और ओहदे के लिए शादी की?"
डेरेक केटरिंग की हंसी में केवल मनोरंजन ही नहीं था।
"क्या आपको नहीं लगता कि यह प्रेम विवाह का मामला था?" उसने पूछा।
वैन एल्डिन ने धीरे से कहा, "मुझे पता है कि दस साल पहले पेरिस में आप बहुत अलग तरह से बात करते थे।"
"क्या मैंने ऐसा किया? शायद किया था। रूथ बहुत खूबसूरत थी, आप जानते हैं - मानो कोई देवदूत या संत हो, या किसी गिरजाघर की आड़ से उतरी हुई कोई शख्सियत हो। मुझे याद है, मेरे मन में नए सिरे से शुरुआत करने, घर बसाने और एक खूबसूरत पत्नी के साथ अंग्रेजी गृहस्थी की उच्चतम परंपराओं का पालन करने के अच्छे विचार थे, जो मुझसे प्यार करती थी।"

वह फिर हँसा, इस बार पहले से कहीं अधिक बेसुरी आवाज में।
"लेकिन मुझे लगता है कि आप इस बात पर विश्वास नहीं करते?" उसने कहा।
"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपने रूथ से उसके पैसे के लिए शादी की," वैन एल्डिन ने भावहीनता से कहा।
"और उसने मुझसे प्यार के लिए शादी की?" दूसरे ने व्यंग्यपूर्वक पूछा।
"बिल्कुल," वैन एल्डिन ने कहा।
डेरेक केटरिंग ने एक-दो मिनट तक उसे घूरकर देखा, फिर सोच-विचार करते हुए सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि आप इस बात पर विश्वास करते हैं," उन्होंने कहा। "उस समय मैं भी यही मानता था। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, मेरे प्रिय ससुर जी, कि बहुत जल्द ही मेरा भ्रम दूर हो गया था।"
"मुझे नहीं पता कि तुम क्या कहना चाह रहे हो," वैन एल्डिन ने कहा, "और मुझे परवाह भी नहीं है। तुमने रूथ के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया है।"
"हाँ, मैंने देखा है," केटरिंग ने हल्के से सहमति जताते हुए कहा, "लेकिन वह बहुत सख्त है, आप जानते हैं। वह आपकी बेटी है। उसके गुलाबी-सफेद कोमल रूप के नीचे वह ग्रेनाइट की तरह कठोर है। मुझे बताया गया है कि आप हमेशा से एक कठोर व्यक्ति के रूप में जाने जाते रहे हैं, लेकिन रूथ आपसे भी ज़्यादा कठोर है। आप, कम से कम, एक व्यक्ति को खुद से ज़्यादा प्यार करते हैं। रूथ ने कभी नहीं किया और न कभी करेगी।"
"बस करो," वैन एल्डिन ने कहा। "मैंने तुम्हें यहाँ इसलिए बुलाया ताकि मैं तुम्हें साफ-साफ बता सकूँ कि मैं क्या करना चाहता हूँ। मेरी बेटी को खुशियाँ मिलनी चाहिए, और याद रखना, मैं उसके साथ हूँ।"
डेरेक केटरिंग उठे और शेल्फ के पास खड़े हो गए। उन्होंने अपनी सिगरेट फेंक दी। जब उन्होंने बात की, तो उनकी आवाज़ बहुत धीमी थी।
"मुझे आश्चर्य है कि आपका इससे वास्तव में क्या मतलब है?" उसने कहा। "मेरा मतलब है," वैन एल्डिन ने कहा, "कि बेहतर होगा कि आप इस मामले का बचाव करने की कोशिश न करें।"
"ओह," केटरिंग ने कहा। "क्या यह धमकी है?"
"आप इसे अपनी इच्छानुसार किसी भी तरह से ले सकते हैं," वैन एल्डिन ने कहा। केटरिंग ने एक कुर्सी खींचकर मेज के पास ला दी। वह करोड़पति के सामने बैठ गया।

"और मान लीजिए," उन्होंने धीरे से कहा, "कि, सिर्फ बहस के लिए ही सही, मैंने उस मामले का बचाव किया?"
वैन एल्डिन ने अपने कंधे उचका दिए।
"तुम्हारे पास कोई ठोस आधार नहीं है, तुम नौजवान मूर्ख हो। अपने वकीलों से पूछो, वे तुम्हें जल्द ही बता देंगे। तुम्हारा आचरण कुख्यात रहा है, पूरे लंदन में इसकी चर्चा है।"
"मुझे लगता है कि रूथ मिरेल को लेकर बेवजह हंगामा कर रही है। यह उसकी बहुत बड़ी बेवकूफी है। मैं उसके दोस्तों के मामलों में दखल नहीं देता।" "तुम्हारा क्या मतलब है?" वैन एल्डिन ने तीखे स्वर में कहा।

डेरेक केटरिंग हँस पड़ा।
"मुझे लगता है कि आपको सब कुछ नहीं पता, महोदय," उन्होंने कहा। "आप शायद स्वाभाविक रूप से पूर्वाग्रही हैं।"
उसने अपनी टोपी और छड़ी उठाई और दरवाजे की ओर बढ़ गया।
"सलाह देना मेरे बस की बात नहीं है।" उन्होंने अपनी बात को अंतिम रूप देते हुए कहा। "लेकिन इस मामले में, मैं पिता और पुत्री के बीच पूर्ण स्पष्टवादिता की पुरजोर सलाह दूंगा।"
वह तेजी से कमरे से बाहर निकला और अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया, ठीक उसी समय करोड़पति उठ खड़ा हुआ।
"अब, उसका मतलब क्या था?" वैन एल्डिन ने अपनी कुर्सी पर वापस बैठते हुए कहा।
उसकी सारी बेचैनी पूरी ताकत से लौट आई।
कुछ ऐसा था जिसकी तह तक वह अभी तक नहीं पहुंच पाया था। टेलीफोन उसकी कोहनी के पास पड़ा था; उसने उसे उठाया और अपनी बेटी के घर का नंबर पूछा।
"हैलो! हैलो! क्या यह मेफेयर 81907 है? श्रीमती केटरिंग हैं? ओह, वह बाहर गई हैं? जी हां, दोपहर के भोजन के लिए गई हैं। वह कब वापस आएंगी? आपको नहीं पता? ओह, बहुत अच्छा; नहीं, कोई संदेश नहीं है।"
उसने गुस्से में आकर रिसीवर को फिर से पटक दिया।
दो बजे वह अपने कमरे में इधर-उधर टहल रहा था और गोबी का बेसब्री से इंतजार कर रहा था।
बाद वाले को दो बजकर दस मिनट पर अंदर लाया गया।

"तो?" करोड़पति ने तीखी आवाज में कहा।
लेकिन नन्हे मिस्टर गोबी को जल्दी करने की जरूरत नहीं थी।
वह मेज पर बैठ गया, एक बहुत ही जर्जर पर्स निकाला और नीरस स्वर में उसे पढ़ने लगा। करोड़पति बड़ी संतुष्टि के साथ ध्यान से सुनता रहा। गोबी अचानक रुक गया और कूड़ेदान की ओर ध्यान से देखने लगा।
"हम्म!" वैन एल्डिन ने कहा। "यह तो काफी पक्का लग रहा है। मामला पलक झपकते ही सुलझ जाएगा। होटल के सबूत ठीक हैं, मुझे लगता है?"
"ढलान वाला लोहा," श्री गोबी ने कहा और एक सुनहरी कुर्सी को द्वेषपूर्ण दृष्टि से देखा।
"और आर्थिक रूप से उसकी हालत बहुत खराब है। आप कह रहे हैं कि वह अब कर्ज लेने की कोशिश कर रहा है? अपने पिता से मिली उम्मीदों पर वह लगभग सब कुछ ले चुका है। एक बार तलाक की खबर फैल गई तो वह एक पैसा भी नहीं जुटा पाएगा, और इतना ही नहीं, उसके कर्ज भी वसूले जा सकते हैं और उस तरफ से उस पर दबाव डाला जा सकता है। हमने उसे फंसा लिया है, गोबी; हमने उसे बुरी तरह से घेर लिया है।"
उसने मुट्ठी से मेज पर ज़ोरदार प्रहार किया। उसका चेहरा गंभीर और विजयी भाव से भरा हुआ था।

श्री गोबी ने धीमी आवाज में कहा, "जानकारी संतोषजनक प्रतीत होती है।" "मुझे अब कर्ज़न स्ट्रीट जाना है," करोड़पति ने कहा। "गोबी, मैं आपका बहुत आभारी हूँ। आप वाकई कमाल के हैं।"
उस छोटे आदमी के चेहरे पर संतुष्टि की एक हल्की सी मुस्कान दिखाई दी। उन्होंने कहा, "धन्यवाद, श्रीमान वैन एल्डिन। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करता हूं।"
वैन एल्डिन सीधे कर्ज़न स्ट्रीट नहीं गए। वे पहले सिटी गए, जहाँ उन्होंने दो साक्षात्कार दिए जिनसे उन्हें और संतुष्टि मिली। वहाँ से उन्होंने ट्यूब ट्रेन ली और डाउन स्ट्रीट पहुँचे। जब वे कर्ज़न स्ट्रीट पर चल रहे थे, तभी 160 नंबर की इमारत से एक व्यक्ति निकला और उनकी ओर मुड़ा, जिससे वे फुटपाथ पर एक-दूसरे के सामने से गुज़रे। एक पल के लिए करोड़पति को लगा कि शायद वह खुद डेरेक केटरिंग हों; कद-काठी काफी मिलती-जुलती थी। लेकिन जब वे आमने-सामने आए, तो उन्होंने देखा कि वह व्यक्ति उनके लिए अजनबी था। कम से

कम - नहीं, अजनबी नहीं; उस चेहरे को देखकर करोड़पति के मन में कुछ पहचान की झलक दिखी और वह निश्चित रूप से किसी अप्रिय घटना से जुड़ा हुआ था।
उसने बहुत दिमाग खपाया, पर बात उसके हाथ नहीं लगी। वह चिड़चिड़ाते हुए सिर हिलाता रहा। उसे उलझन में पड़ना बिल्कुल पसंद नहीं था।
रूथ केटरिंग स्पष्ट रूप से उसका इंतजार कर रही थी। उसके आते ही वह दौड़कर उसके पास गई और उसे चूम लिया।
"अच्छा, पिताजी, सब कैसा चल रहा है?"
"बहुत अच्छा," वैन एल्डिन ने कहा, "लेकिन मुझे तुमसे एक-दो बातें कहनी हैं, रूथ।"
लगभग अनजाने में ही उसने उसमें आए बदलाव को महसूस किया; उसके अभिवादन की सहजता की जगह अब एक चतुर और सतर्क भाव आ गया था। वह एक बड़ी कुर्सी पर बैठ गई।
"तो पापा?" उसने पूछा। "क्या बात है?"
"मैंने आज सुबह आपके पति को देखा," वैन एल्डिन ने कहा।
"क्या तुमने डेरेक को देखा?"
"मैंने किया। उन्होंने बहुत सी बातें कहीं, जिनमें से अधिकतर बेशर्मी भरी थीं। जाते समय उन्होंने कुछ ऐसा कहा जो मुझे समझ नहीं आया। उन्होंने मुझे सलाह दी कि पिता और पुत्री के बीच पूरी तरह से स्पष्टवादिता होनी चाहिए। रूथी, उनका इससे क्या मतलब था?"
श्रीमती केटरिंग अपनी कुर्सी पर थोड़ा हिलीं।
"मुझे नहीं पता, पिताजी। मुझे कैसे पता करना चाहिए?"
"बेशक तुम जानते हो," वैन एल्डिन ने कहा। "उसने कुछ और कहा था, अपने दोस्तों के बारे में और तुम्हारे मामलों में दखल न देने के बारे में। उसका मतलब क्या था?"
"मुझे नहीं पता," रूथ केटरिंग ने फिर कहा।

वैन एल्डिन बैठ गया। उसके होंठ एक कठोर रेखा में सिकुड़ गए।
"सुनो, रूथ। मैं इस मामले में आँखें बंद करके नहीं चल रही हूँ। मुझे ज़रा भी यकीन नहीं है कि तुम्हारा पति जानबूझकर मुसीबत खड़ी नहीं करना चाहता। वैसे, वो ऐसा नहीं कर सकता, मुझे पूरा भरोसा है। मेरे पास उसे चुप कराने, उसका मुँह हमेशा के लिए बंद करने के सारे साधन हैं, लेकिन मुझे पहले यह

जानना होगा कि क्या उन साधनों का इस्तेमाल करना ज़रूरी है। तुम्हारे अपने दोस्त होने के बारे में उसका क्या मतलब था?"
श्रीमती केटरिंग ने अपने कंधे उचका दिए।
"मेरे बहुत सारे दोस्त हैं," उसने अनिश्चितता से कहा। "मुझे यकीन है कि मुझे नहीं पता कि उसका क्या मतलब था।"
"हाँ," वैन एल्डिन ने कहा।
वह अब ऐसे बात कर रहा था जैसे वह किसी व्यावसायिक प्रतिद्वंद्वी से बात कर रहा हो।
मैं इसे और स्पष्ट शब्दों में कहूँगा। वह आदमी कौन है?
"क्या आदमी?"
"वो आदमी। डेरेक का यही मतलब था। कोई खास आदमी जो तुम्हारा दोस्त है। तुम्हें चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, जान, मुझे पता है इसमें कुछ भी नहीं है, लेकिन हमें हर चीज़ को इस नज़रिए से देखना होगा कि अदालत के सामने क्या पेश आएगा। वे इन बातों को बहुत तोड़-मरोड़ सकते हैं, तुम्हें पता है। मैं जानना चाहता हूँ कि वो आदमी कौन है, और तुम उससे कितनी अच्छी तरह से दोस्ती रखती हो।"
रूथ ने कोई जवाब नहीं दिया। वह घबराहट में डूबी हुई थी और अपने हाथों को आपस में मल रही थी।
"आओ, प्यारी," वैन एल्डिन ने नरम स्वर में कहा। "अपने बूढ़े पिता से मत डरो। मैं तुम्हारे साथ ज़्यादा कठोर तो नहीं था, है ना? पेरिस में भी नहीं? - हे भगवान!"
वह स्तब्ध होकर रुक गया।
"यही तो था," उसने मन ही मन बुदबुदाया। "मुझे लगा कि मैं उसका चेहरा जानता हूँ।"
"आप क्या कह रहे हैं पिताजी? मुझे समझ नहीं आ रहा है।"
करोड़पति उसके पास गया और उसकी कलाई को मजबूती से पकड़ लिया।
"देखो रूथ, क्या तुम उस आदमी से फिर से मिल रही हो?"
"कौन सा आदमी?"
"जिसके बारे में हमने सालों पहले इतना हंगामा किया था। आप अच्छी तरह जानते हैं कि मेरा मतलब किससे है।"
"आपका मतलब है-" वह हिचकिचाई- "आपका मतलब कॉम्टे डे ला रोशे से है?"

"कॉम्टे डे ला रोश!" वैन एल्डिन ने चिढ़कर कहा। "मैंने तुम्हें उसी समय कहा था कि वह आदमी एक धोखेबाज से कम नहीं है। तुम उस समय उसके चंगुल में बुरी तरह फंस गए थे, लेकिन मैंने तुम्हें उसके चंगुल से छुड़ा लिया।"
"हां, तुमने किया था," रूथ ने कड़वाहट से कहा। "और मैंने डेरेक केटरिंग से शादी कर ली।"
करोड़पति ने तीखे स्वर में कहा, "तुम यही चाहते थे।"
उसने अपने कंधे उचका दिए।
"और अब," वैन एल्डिन ने धीरे से कहा, "तुमने उसे फिर से देखा है - आखिरकार मैंने तुम्हें सब कुछ बताया था। वह आज घर में था। मैं उससे बाहर मिला, और फिलहाल मैं उसे पहचान नहीं पाया।"
रूथ केटरिंग ने अपना संयम वापस पा लिया था।
"मैं आपको एक बात बताना चाहती हूँ, पिताजी; आप आर्मंड के बारे में गलत हैं - मेरा मतलब कॉम्टे डे ला रोश से है। ओह, मुझे पता है कि उनकी जवानी में कई दुखद घटनाएँ घटी थीं - उन्होंने मुझे उनके बारे में बताया है; लेकिन - खैर, उन्होंने हमेशा मेरी परवाह की है। जब आपने पेरिस में हमें अलग किया तो उनका दिल टूट गया था, और अब -"
उसके पिता की आक्रोश भरी घुरघुराहट से उसकी बात अधूरी रह गई।
"तो तुम उन सब बातों में आ गईं, है ना? मेरी बेटी! हे भगवान!"
उसने अपने हाथ ऊपर उठा लिए।
"औरतें कितनी मूर्ख हो सकती हैं!" उसने बुदबुदाते हुए कहा।

अध्याय 6

मिरेल

डेरेक केटरिंग वैन एल्डिन के सुइट से इतनी तेज़ी से निकले कि गलियारे से गुज़र रही एक महिला से टकरा गए। उन्होंने माफ़ी मांगी, और महिला ने मुस्कुराते हुए उनकी माफ़ी स्वीकार कर ली और आगे बढ़ गईं, जिससे उनके मन में एक शांत व्यक्तित्व और खूबसूरत भूरी आँखों की सुखद छाप रह गई।
अपनी बेफिक्री के बावजूद, ससुर से हुई मुलाकात ने उन्हें जितना दिखाना चाहा, उससे कहीं ज़्यादा झकझोर दिया था। उन्होंने अकेले ही दोपहर का भोजन किया और उसके बाद, मन ही मन थोड़ा नाराज़ होते हुए, उस आलीशान फ्लैट में गए जहाँ मिरेल नाम की महिला रहती थी। वहाँ एक सजी-धजी फ्रांसीसी महिला ने मुस्कुराते हुए उनका स्वागत किया।
'लेकिन फिर अंदर आइए, महोदय। मैडम आराम कर रही हैं।'
उन्हें उस लंबे कमरे में ले जाया गया जिसकी पूर्वी शैली उन्हें अच्छी तरह से परिचित थी। मिरेल दीवान पर लेटी हुई थीं, जिन पर ढेर सारे कुशन रखे थे, जो अलग-अलग रंगों के एम्बर रंग के थे, ताकि उनके पीले रंग से मेल खा सकें। नर्तकी बेहद खूबसूरत थीं, और अगर पीले रंग के आवरण के नीचे उनका चेहरा थोड़ा मुरझाया हुआ था, तो भी उसमें एक अनोखा आकर्षण था, और उनके नारंगी होंठ डेरेक केटरिंग को लुभावनी मुस्कान दे रहे थे।
उसने उसे चूमा और खुद को एक कुर्सी पर पटक दिया।
'तुम आजकल क्या कर रहे हो? शायद अभी उठे हो?'
नारंगी रंग के होंठ एक लंबी मुस्कान में बदल गए।
'नहीं,' नर्तकी ने कहा। 'मैं काम पर थी।'
उसने अपना लंबा, पीला हाथ पियानो की ओर बढ़ाया, जो अव्यवस्थित संगीत नोट्स से भरा पड़ा था।
'एम्ब्रोस यहां आया था। वह मुझे नया ओपेरा सुना रहा था।'

केटरिंग ने बिना ज्यादा ध्यान दिए सिर हिलाया। उन्हें क्लाउड एम्ब्रोस और इब्सन के नाटक पीर गाइंट के उनके ओपेरा रूपांतरण में ज़रा भी दिलचस्पी नहीं थी। मिरेल को भी इसमें कोई रुचि नहीं थी, वह इसे केवल अनित्रा के रूप में अपनी प्रस्तुति के एक अनूठे अवसर के रूप में देख रही थी।
'यह एक अद्भुत नृत्य है,' उसने गुनगुनाते हुए कहा। 'मैं इसमें रेगिस्तान का सारा जोश भर दूंगी। मैं गहनों से लदी हुई नाचूंगी - आह! और हाँ, मेरे दोस्त, कल मैंने बॉन्ड स्ट्रीट में एक मोती देखा था - एक काला मोती।'
वह रुकी और उसे लुभावने अंदाज़ में देखने लगी।
'मेरी प्यारी बच्ची,' केटरिंग ने कहा, 'मुझसे काले मोतियों की बात करने का कोई फायदा नहीं है। फिलहाल, मेरी नज़र में मामला गंभीर है।'
उसने उसकी आवाज़ पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। वह उठ बैठी, उसकी बड़ी-बड़ी काली आँखें चौड़ी हो गईं।
'डेरीक, तुमने क्या कहा? क्या हुआ है?'
केटरिंग ने कहा, "मेरे आदरणीय ससुर जी पागल होने की कगार पर हैं।"
"एह?"
"दूसरे शब्दों में, वह चाहता है कि रूथ मुझसे तलाक ले ले।"
"कितनी बेवकूफी वाली बात है!" मिरेल ने कहा। "वह तुमसे तलाक क्यों लेना चाहेगी?"
डेरेक केटरिंग मुस्कुराया।
"मुख्यतः तुम्हारी वजह से, चेरी!" उसने कहा।
मिरेल ने अपने कंधे उचका दिए।
"यह तो मूर्खतापूर्ण है," उसने एक सहज स्वर में कहा।
"बहुत ही मूर्खतापूर्ण," डेरेक ने सहमति जताई।
"तुम इसके बारे में क्या करने वाले हो?" मिरेल ने पूछा।
"मेरी प्यारी बेटी, मैं क्या करूँ? एक तरफ असीमित धन वाला आदमी है; दूसरी तरफ असीमित कर्ज वाला आदमी है। इसमें कोई शक नहीं कि अंत में जीत किसकी होगी।"
"ये अमेरिकी लोग तो असाधारण हैं," मिरेल ने टिप्पणी की। "ऐसा नहीं है कि तुम्हारी पत्नी तुम्हें पसंद करती हो।"
"तो फिर," डेरेक ने कहा, "हम इसके बारे में क्या करने वाले हैं?"

उसने जिज्ञासा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। वह पास आया और उसके दोनों हाथ अपने हाथों में ले लिए।
क्या तुम मेरे साथ रहोगे?
"तुम्हारा क्या मतलब है? इसके बाद-"
"हाँ," केटरिंग ने कहा। "बाद में, जब लेनदार भेड़ियों की तरह झुंड पर टूट पड़ेंगे। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ, मिरेल; क्या तुम मुझे निराश करोगी?"
उसने अपने हाथ उससे छुड़ा लिए।
"तुम जानते हो कि मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ, डेरीक।"
उसने उसकी आवाज में टालमटोल का भाव पकड़ लिया।
तो बात यहीं खत्म हो गई? चूहे डूबते जहाज को छोड़ देंगे।
"आह, डेरीक!"
"सारी बात बताओ," उसने गुस्से से कहा। "तुम मुझे फेंक दोगे; क्या यही बात है?"
उसने अपने कंधे उचका दिए।
"मैं तुम्हें पसंद करता हूँ, मेरे दोस्त - सचमुच मैं तुम्हें पसंद करता हूँ। तुम बहुत आकर्षक हो - एक सुंदर लड़का, लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है।" "तुम एक अमीर आदमी की विलासिता हो, है ना? बस इतना ही?"
"अगर आप इसे इस तरह कहना चाहें तो।"
वह तकियों पर पीछे की ओर झुक गई, उसका सिर पीछे की ओर लटक रहा था।
फिर भी, मैं तुम्हें पसंद करता हूँ, डेरीक।
वह खिड़की के पास गया और कुछ देर तक उसकी ओर पीठ करके बाहर देखता रहा।
थोड़ी देर बाद नर्तकी कोहनी के बल उठी और उत्सुकता से उसे घूरने लगी।
"तुम क्या सोच रहे हो, मेरे दोस्त?"
उसने कंधे के ऊपर से उसकी ओर देखकर मुस्कुराया, एक अजीब सी मुस्कान जिसने उसे थोड़ा असहज कर दिया।
"संयोगवश, मैं एक महिला के बारे में सोच रहा था, मेरी प्रिय।"
"एक महिला, है ना?"
मिरेल ने तुरंत उस चीज़ पर ध्यान केंद्रित किया जिसे वह समझ सकती थी। "क्या आप किसी दूसरी महिला के बारे में सोच रहे हैं?"

"अरे, आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, यह महज़ एक काल्पनिक चित्र है। 'भूरी आँखों वाली एक महिला का चित्र'।"
मिरेल ने तीखे स्वर में कहा, "तुम उससे कब मिले थे?"
डेरेक केटरिंग हँसा, और उसकी हँसी में एक व्यंग्यात्मक, कटाक्षपूर्ण स्वर था।
"मैं सैवॉय होटल के गलियारे में उस महिला से टकरा गया।"

"अच्छा! उसने क्या कहा?"
"जहां तक मुझे याद है, मैंने कहा, 'मुझे माफ कर दीजिए,' और उसने कहा, 'कोई बात नहीं,' या इसी तरह के कुछ शब्द कहे।"
"और फिर?" नर्तकी ने सवाल पर जोर देते हुए पूछा।
केटरिंग ने अपने कंधे उचका दिए।
"और फिर - कुछ नहीं। घटना यहीं समाप्त हो गई।"
"आप जो कुछ भी कह रहे हैं, मुझे उसका एक शब्द भी समझ नहीं आ रहा है," नर्तकी ने कहा।
"भूरी आँखों वाली एक महिला का चित्र," डेरेक ने सोचते हुए धीरे से कहा। "अच्छा ही हुआ कि शायद मैं उससे दोबारा कभी नहीं मिल पाऊँगा।"
"क्यों?"
"वह मेरे लिए बदकिस्मती ला सकती है। औरतें ऐसा करती ही हैं।"
मिरेल तेजी से अपने सोफे से उठी और उसके पास आकर अपनी एक लंबी, सांप जैसी भुजा उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट दी।
"तुम मूर्ख हो, डेरीक," उसने धीरे से कहा। "तुम बहुत मूर्ख हो। तुम बहुत आकर्षक हो, और मैं तुम्हें बहुत पसंद करती हूँ, लेकिन मैं गरीब रहने के लिए नहीं बनी हूँ - नहीं, बिल्कुल भी नहीं। अब मेरी बात सुनो; सब कुछ बहुत सरल है। तुम्हें अपनी पत्नी से सुलह कर लेनी चाहिए।"
"मुझे डर है कि यह वास्तव में व्यावहारिक राजनीति के दायरे में नहीं आएगा," डेरेक ने रूखेपन से कहा।
"आप कैसे कहते हैं? मुझे समझ नहीं आया।"
"मेरे प्रिय, वैन एल्डिन किसी भी बात को नहीं मानेंगे। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो एक बार मन बना लेते हैं तो उस पर अडिग रहते हैं।"

“मैंने उनके बारे में सुना है,” नर्तकी ने सिर हिलाते हुए कहा। “वह बहुत अमीर हैं, है ना? अमेरिका के लगभग सबसे अमीर आदमी। कुछ दिन पहले, पेरिस में उन्होंने दुनिया का सबसे खूबसूरत माणिक खरीदा - जिसे 'हार्ट ऑफ फायर' कहा जाता है।”
केटरिंग ने कोई जवाब नहीं दिया। नर्तकी चिंतन में डूबी रही:
"यह एक अद्भुत पत्थर है - एक ऐसा पत्थर जो मुझ जैसी महिला के पास होना चाहिए। मुझे गहने बहुत पसंद हैं, डेरीक, वे मुझे कुछ कहते हैं। आह! 'हार्ट ऑफ फायर' जैसा माणिक पहनना कितना अद्भुत होगा!"
उसने एक हल्की सी आह भरी और फिर से व्यावहारिक हो गई।
"डेरिक, तुम ये सब बातें नहीं समझते, तुम तो बस एक इंसान हो। मुझे लगता है वैन एल्डिन ये माणिक अपनी बेटी को देगा। क्या वो उसकी इकलौती संतान है?" "हाँ।"
"फिर जब उसकी मृत्यु हो जाएगी, तो उसे उसकी सारी संपत्ति विरासत में मिलेगी। वह एक अमीर महिला बन जाएगी।"
केटरिंग ने रूखेपन से कहा, "वह पहले से ही एक अमीर महिला है। उसने उसकी शादी में उसे करोड़ों रुपये दिए थे।"
"कुछ मिलियन! लेकिन यह बहुत बड़ी रकम है। और अगर उसकी अचानक मौत हो जाए, तो क्या होगा? वह सारी रकम आपको मिल जाएगी?"
"वर्तमान स्थिति को देखते हुए," केटरिंग ने धीरे से कहा, "ऐसा ही होगा। जहाँ तक मुझे पता है, उसने वसीयत नहीं बनाई है।"
"हे भगवान!" नर्तकी ने कहा। "अगर वह मर जाए, तो यह कितना अच्छा समाधान होगा।"
कुछ पल का विराम आया, और फिर डेरेक केटरिंग खुलकर हंस पड़े।
"मिरेल, मुझे तुम्हारा सरल और व्यावहारिक स्वभाव पसंद है, लेकिन मुझे डर है कि तुम्हारी इच्छा पूरी नहीं होगी। मेरी पत्नी बेहद स्वस्थ है।" "अरे, ठीक है!" मिरेले ने कहा, "दुर्घटनाएं तो होती ही रहती हैं।"
उसने उसे तीखी नजरों से देखा लेकिन कोई जवाब नहीं दिया।
वह बोलती रही।
"लेकिन तुम सही कह रहे हो, मेरे दोस्त, हमें संभावनाओं पर ध्यान नहीं देना चाहिए। देखो, मेरे प्यारे डेरीक, अब इस तलाक की बात नहीं होनी चाहिए।
तुम्हारी पत्नी को यह विचार छोड़ देना चाहिए।"

और अगर वह नहीं मानेगी तो?
नर्तकी की आंखें फटी रह गईं।
"मुझे लगता है वो पढ़ेगी, मेरे दोस्त। वो उन लोगों में से है जिन्हें पब्लिसिटी पसंद नहीं होती। ऐसी एक-दो दिलचस्प खबरें हैं जिन्हें वो नहीं चाहेगी कि उसके दोस्त अखबारों में पढ़ें।"
"तुम्हारा क्या मतलब है?" केटरिंग ने तीखे स्वर में पूछा।
मिरेल हंस पड़ी, उसका सिर पीछे की ओर झुक गया।
"पारब्लू! मेरा मतलब उस सज्जन से है जो खुद को कॉम्टे डे ला रोश कहते हैं। मैं उनके बारे में सब जानती हूँ। मैं पेरिस की रहने वाली हूँ, आपको याद होगा। आपसे शादी करने से पहले वह उनके प्रेमी थे, है ना?"
केटरिंग ने उसे अचानक कंधों से पकड़ लिया।
"यह सरासर झूठ है," उन्होंने कहा, "और कृपया याद रखें कि आखिरकार आप मेरी पत्नी के बारे में बात कर रहे हैं।"
मिरेल थोड़ी गंभीर हो गई।
"तुम अंग्रेज़ तो बड़े ही असाधारण हो," उसने शिकायत की। "फिर भी, मुझे लगता है कि तुम सही हो सकते हो। अमेरिकी लोग कितने निर्मम होते हैं, है ना? लेकिन तुम मुझे कहने की इजाज़त दोगे, मेरे दोस्त, कि वह तुमसे शादी करने से पहले ही उससे प्यार करती थी, और उसके पिता ने बीच में आकर कॉम्टे को उसके काम पर भेज दिया। और नन्ही मैडमोजेल, वह बहुत रोई! लेकिन उसने बात मान ली। फिर भी, डेरीक, तुम भी मेरी तरह जानते हो कि अब कहानी बिल्कुल अलग है। वह उससे लगभग हर दिन मिलती है, और चौदह तारीख को वह उससे मिलने पेरिस जा रही है।"
"तुम्हें यह सब कैसे पता?" केटरिंग ने पूछा।
मैं? मेरे पेरिस में दोस्त हैं, मेरे प्यारे डेरीक, जो कॉम्टे को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। सब कुछ तय है। वो कहती हैं कि वो रिवेरा जा रही हैं, लेकिन असल में कॉम्टे उनसे पेरिस में मिलेंगे और - कौन जाने! हाँ, हाँ, आप मेरी बात पर यकीन कर सकते हैं, सब कुछ तय है।
डेरेक केटरिंग बिना हिले-डुले खड़ा रहा।
"देखो," नर्तकी ने धीरे से कहा, "अगर तुम चतुर हो, तो वह तुम्हारे हाथ की मुट्ठी में है। तुम उसके लिए हालात बहुत मुश्किल बना सकते हो।"
"अरे, भगवान के लिए चुप रहो," केटरिंग चिल्लाया। "अपना मुंह बंद करो!"

अध्याय 7

पत्र

"श्रीमती सैमुअल हारफील्ड, मिस कैथरीन ग्रे को अपनी शुभकामनाएं देती हैं और यह बताना चाहती हैं कि इन परिस्थितियों में मिस ग्रे को शायद इसकी जानकारी न हो।"
श्रीमती हारफील्ड, अब तक धाराप्रवाह लिख रही थीं, अचानक रुक गईं, क्योंकि उन्हें एक ऐसी समस्या का सामना करना पड़ा जो कई अन्य लोगों के लिए एक दुर्गम कठिनाई साबित हुई है - अर्थात्, तीसरे व्यक्ति में धाराप्रवाह रूप से खुद को व्यक्त करने की कठिनाई।
एक-दो मिनट की झिझक के बाद, श्रीमती हारफील्ड ने नोटपैड का पन्ना फाड़ दिया और नए सिरे से शुरुआत की।
प्रिय मिस ग्रे,
हालांकि मैं आपकी इस बात की पूरी तरह से सराहना करता हूं कि आपने मेरी चचेरी बहन एम्मा के प्रति अपने कर्तव्यों का उचित निर्वहन किया (जिनकी हाल ही में हुई मृत्यु हम सभी के लिए वास्तव में एक गहरा आघात है), फिर भी मैं यह महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि -
श्रीमती हारफील्ड एक बार फिर रुक गईं। पत्र को एक बार फिर कूड़ेदान में डाल दिया गया।
चार बार असफल प्रयास करने के बाद आखिरकार श्रीमती हारफील्ड ने एक ऐसा पत्र प्रस्तुत किया जिससे वे संतुष्ट हुईं। उस पत्र पर विधिवत मुहर लगी थी और उस पर डाक टिकट भी लगा था। यह पत्र मिस कैथरीन ग्रे, लिटिल क्रैम्पटन, सेंट मैरी मीड, केंट के पते पर भेजा गया था और अगली सुबह नाश्ते के समय उस महिला की थाली के पास एक लंबे नीले लिफाफे में एक और महत्वपूर्ण दिखने वाले पत्र के साथ रखा हुआ था।
कैथरीन ग्रे ने श्रीमती हारफील्ड का पत्र सबसे पहले खोला। तैयार प्रस्तुति इस प्रकार थी:

प्रिय मिस ग्रे,
मैं और मेरे पति मेरी गरीब चचेरी बहन एम्मा की सेवा के लिए आपको हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं। उनकी मृत्यु हमारे लिए एक बड़ा आघात है, हालांकि हमें इस बात का पूरा ज्ञान था कि उनकी मानसिक स्थिति कुछ समय से खराब हो रही थी। मुझे पता चला है कि उनकी वसीयत में किए गए अंतिम प्रावधान बहुत ही विचित्र थे और निश्चित रूप से किसी भी अदालत में मान्य नहीं होंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि अपनी हमेशा की सूझबूझ से आप इस तथ्य को समझ चुकी होंगी। मेरे पति कहते हैं कि अगर इन मामलों को निजी तौर पर सुलझा लिया जाए तो बेहतर होगा। हम आपको इसी तरह के पद के लिए अत्यधिक अनुशंसा करते हैं और आशा करते हैं कि आप एक छोटा सा उपहार भी स्वीकार करेंगी। प्रिय मिस ग्रे, आपका हार्दिक धन्यवाद।
मैरी ऐन हारफील्ड।"
कैथरीन ग्रे ने चिट्ठी पढ़ी, हल्की सी मुस्कान दी और फिर उसे दोबारा पढ़ा। दूसरी बार पढ़ने के बाद जब उसने चिट्ठी नीचे रखी तो उसके चेहरे पर साफ तौर पर हंसी झलक रही थी। फिर उसने दूसरी चिट्ठी उठाई। सरसरी नजर डालने के बाद उसने उसे नीचे रख दिया और सीधे सामने देखने लगी। इस बार वह मुस्कुराई नहीं। दरअसल, उसे देखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल होता कि उस शांत, चिंतनशील निगाह के पीछे कौन से भाव छिपे थे। कैथरीन ग्रे तैंतीस वर्ष की थीं। उनका परिवार अच्छा था, लेकिन उनके पिता ने अपनी सारी संपत्ति खो दी थी, और कैथरीन को कम उम्र से ही अपना जीवन यापन करने के लिए काम करना पड़ा था। जब वह बूढ़ी श्रीमती हारफील्ड के पास साथी बनकर आई थीं, तब उनकी उम्र महज तेईस वर्ष थी।
यह सर्वविदित था कि बूढ़ी श्रीमती हारफील्ड "मुश्किल" स्वभाव की थीं। उनके साथी बड़ी तेज़ी से आते-जाते रहते थे। वे आशा से भरे आते थे और अक्सर आँसू बहाते हुए चले जाते थे। लेकिन दस साल पहले जब कैथरीन ग्रे ने लिटिल क्रैम्पटन में कदम रखा, तब से वहाँ पूर्ण शांति छा गई थी। कोई नहीं जानता कि ये सब कैसे होता है। कहते हैं कि सपेरे जन्मजात होते हैं, बनाए नहीं जाते। कैथरीन ग्रे बूढ़ी महिलाओं, कुत्तों और छोटे लड़कों को संभालने की क्षमता के साथ पैदा हुई थीं, और उन्होंने यह सब बिना किसी तनाव के किया।

तेईस साल की उम्र में वह खूबसूरत आंखों वाली एक शांत लड़की थी। तैंतीस साल की उम्र में वह एक शांत महिला थी, जिसकी वही भूरी आंखें दुनिया पर एक ऐसी प्रसन्न शांति के साथ चमक रही थीं जिसे कोई भी चीज हिला नहीं सकती थी। इसके अलावा, उनमें हास्यबोध जन्मजात था और अभी भी मौजूद था।
जब वह नाश्ते की मेज पर बैठी सामने घूर रही थी, तभी घंटी बजी और साथ ही दरवाजे पर दस्तक की तेज़ आवाज़ आई। एक मिनट बाद छोटी नौकरानी ने दरवाजा खोला और हाँफते हुए कहा:
"डॉ. हैरिसन।"
बड़े कद के, अधेड़ उम्र के डॉक्टर उसी ऊर्जा और सहजता के साथ अंदर आए, जिसकी झलक उन्हें दरवाजे की दस्तक पर अपने हमले से मिली थी।
"सुप्रभात, मिस ग्रे।"

"सुप्रभात, डॉ. हैरिसन।"
डॉक्टर ने कहना शुरू किया, "मैं जल्दी आ गया था, कहीं आपको हारफील्ड परिवार की किसी चचेरी बहन से कोई खबर न मिल जाए। वह खुद को श्रीमती सैमुअल कहती हैं - एक बेहद जहरीली इंसान।"
बिना कुछ कहे, कैथरीन ने मेज से श्रीमती हारफील्ड का पत्र उठाया और उसे दे दिया। बड़े मजे से वह पत्र को पढ़ता हुआ, उसकी घनी भौंहों का सिकुड़ना, और घोर असहमति की आवाजें निकालता हुआ देखता रहा। उसने पत्र को फिर से मेज पर पटक दिया।
“बिल्कुल घिनौना,” वह गुस्से से बोला। “चिंता मत करो, मेरी प्यारी। वे सब बेबुनियाद बातें कर रहे हैं। श्रीमती हारफील्ड की बुद्धि तुम्हारे या मेरे जितनी ही अच्छी थी, और कोई भी इसके विपरीत नहीं कहेगा। उनके पास कोई ठोस आधार नहीं है, और वे यह जानते हैं। अदालत में मामला ले जाने की सारी बातें सरासर झूठ हैं। इसीलिए वे तुम्हें छल-कपट से फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। और सुनो, मेरी प्यारी, मीठी बातों से भी उन्हें बहकाने मत दो। यह मत सोचो कि पैसे देना तुम्हारा फर्ज है, या नैतिक आशय का बहाना मत बनाओ।” "मुझे अफसोस है कि मेरे मन में कभी कोई संशय नहीं आया," कैथरीन ने कहा। "ये सभी लोग श्रीमती हारफील्ड के पति के दूर के रिश्तेदार हैं, और वे उनके जीवनकाल में कभी उनके पास नहीं आए और न ही उन्होंने कभी उन पर ध्यान दिया।"

डॉक्टर ने कहा, "आप एक समझदार महिला हैं। मैं आपसे बेहतर यह नहीं जानता कि पिछले दस वर्षों से आपने कितना कठिन जीवन जिया है। आपको बुढ़िया की जमा पूंजी का उपयोग करने का पूरा अधिकार है, चाहे वह कितनी भी हो।"
कैथरीन ने सोच-विचार करते हुए मुस्कुराया।
"जैसे भी वे थे," उसने दोहराया। "डॉक्टर साहब, आपको इसकी मात्रा का अंदाजा नहीं है?"
"ठीक है - मुझे लगता है कि इससे सालाना लगभग पांच सौ डॉलर की कमाई हो जाएगी।"
कैथरीन ने सिर हिलाया।
"मुझे भी यही लगा था," उसने कहा। "अब इसे पढ़ो।"
उसने नीले लंबे लिफाफे से निकाला हुआ पत्र उसे सौंप दिया। डॉक्टर ने उसे पढ़ा और घोर आश्चर्य से भर आया।
"असंभव," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "असंभव।"
"वह मोर्टाउल्ड्स की शुरुआती शेयरधारकों में से एक थीं। चालीस साल पहले उनकी सालाना आमदनी आठ या दस हजार रही होगी। मुझे पूरा यकीन है कि उन्होंने कभी भी चार सौ से ज्यादा खर्च नहीं किया। वह हमेशा पैसों को लेकर बेहद सतर्क रहती थीं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि उन्हें हर एक पैसे का हिसाब रखना पड़ता था।"
"और इस पूरे समय में आय चक्रवृद्धि ब्याज के साथ बढ़ती रही है। मेरी प्यारी, तुम बहुत अमीर महिला बनने वाली हो।" कैथरीन ग्रे ने सिर हिलाया। "हां," उसने कहा, "मैं हूं।"
उसने एक अलग, भावहीन लहजे में बात की, मानो वह स्थिति को बाहर से देख रही हो।
“खैर,” डॉक्टर ने विदा लेते हुए कहा, “आपको मेरी हार्दिक बधाई।” उन्होंने श्रीमती सैमुअल हारफील्ड के पत्र को अपने अंगूठे से झटका दिया। “उस महिला और उसके घृणित पत्र की चिंता मत कीजिए।”
"यह वाकई कोई घृणित पत्र नहीं है," मिस ग्रे ने सहनशीलता से कहा। "इन परिस्थितियों में, मुझे लगता है कि ऐसा करना बिल्कुल स्वाभाविक है।" डॉक्टर ने कहा, "कभी-कभी मुझे आप पर बहुत गंभीर संदेह होता है।"
"क्यों?"
"वे चीजें जो आपको पूरी तरह से स्वाभाविक लगती हैं।"

कैथरीन ग्रे हंस पड़ीं।
डॉक्टर हैरिसन ने दोपहर के भोजन के समय अपनी पत्नी को यह खुशखबरी सुनाई।
वह इसे सुनकर बहुत उत्साहित हुई।
"श्रीमती हारफील्ड को देखकर तो आश्चर्य होता है - उनके पास इतना सारा पैसा है। मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे कैथरीन ग्रे को दे दिया। वह लड़की तो संत है।"
डॉक्टर ने व्यंग्यात्मक चेहरा बनाया।
"मैं हमेशा यही सोचती हूं कि संत जटिल स्वभाव के लोग रहे होंगे। कैथरीन ग्रे एक संत के लिए बहुत ही मानवीय हैं।"
डॉक्टर की पत्नी ने मुस्कुराते हुए कहा, "वह हास्यबोध से भरपूर एक संत हैं। और, हालांकि मुझे नहीं लगता कि आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया होगा, वह बेहद खूबसूरत हैं।"
"कैथरीन ग्रे?" डॉक्टर सचमुच हैरान थे। "मुझे पता है, उसकी आंखें बहुत खूबसूरत हैं।"
"अरे, तुम मर्द!" उसकी पत्नी चिल्लाई। "बिल्कुल अंधे हो। कैथरीन में खूबसूरती के सारे गुण हैं। उसे बस कपड़े चाहिए!"
"कपड़े? उसके कपड़ों में क्या खराबी है? वह तो हमेशा बहुत अच्छी दिखती है।"
श्रीमती हैरिसन ने झुंझलाहट भरी आह भरी, और डॉक्टर अपने राउंड शुरू करने की तैयारी में उठ खड़े हुए।
"पॉली, तुम उससे मिलने जा सकती हो," उसने सुझाव दिया।
श्रीमती हैरिसन ने तुरंत कहा, "मैं जा रही हूँ।"
उसने करीब तीन बजे फोन किया।
"मेरी प्यारी, मुझे बहुत खुशी है," उसने कैथरीन का हाथ दबाते हुए स्नेह से कहा। "और गाँव में सभी को भी खुशी होगी।"
"आपका आकर मुझे बताने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद," कैथरीन ने कहा। "मुझे उम्मीद थी कि आप आएंगे, क्योंकि मैं जॉनी के बारे में पूछना चाहती थी।" "ओह! जॉनी। अच्छा -"

जॉनी, श्रीमती हैरिसन का सबसे छोटा बेटा था। एक मिनट में ही वह जॉनी के बड़े-बड़े एडेनोइड्स और टॉन्सिल्स के इतिहास की लंबी कहानी सुनाने लगीं।

कैथरीन सहानुभूति से सुनती रही। आदतें आसानी से नहीं छूटतीं। पिछले दस सालों से सुनना ही उसका काम था। "मेरी प्यारी, मुझे आश्चर्य है कि क्या मैंने तुम्हें पोर्ट्समाउथ में उस नौसैनिक समारोह के बारे में कभी बताया था? जब लॉर्ड चार्ल्स ने मेरे गाउन की तारीफ की थी?" और कैथरीन शांत और विनम्रता से जवाब देती: "मुझे लगता है कि आपने बताया होगा, श्रीमती हारफील्ड, लेकिन मैं भूल गई हूँ। क्या आप मुझे फिर से बताएँगी?" और फिर वह बुढ़िया पूरी रफ्तार से, कई सारी बातें बताने लगती। और कैथरीन का आधा दिमाग सुन रहा होता, बुढ़िया के रुकने पर वह यंत्रवत सही बातें कह रही होती...
अब, उसी विचित्र द्वंद्व की भावना के साथ, जिसकी उसे आदत थी, उसने श्रीमती हैरिसन की बात सुनी।
आधे घंटे के बाद, उसे अचानक अपनी गलती का एहसास हुआ।
"मैं अब तक सिर्फ अपने बारे में ही बात करती रही हूं," उसने हैरानी से कहा।
"और मैं यहां आपके और आपकी योजनाओं के बारे में बात करने आई हूं।"
मुझे नहीं पता कि मेरे पास अभी तक कोई है या नहीं।
"मेरी प्यारी - तुम यहाँ नहीं रुकने वाली हो।"
कैथरीन ने दूसरे के लहजे में व्याप्त भय को देखकर मुस्कुरा दिया।
नहीं; मुझे लगता है कि मैं यात्रा करना चाहता हूँ। मैंने दुनिया को ज़्यादा नहीं देखा है, आप जानते हैं।
"मुझे तो ऐसा नहीं लगता। इतने सालों तक यहाँ कैद रहकर आपका जीवन कितना भयानक रहा होगा।"
"मुझे नहीं पता," कैथरीन ने कहा। "इसने मुझे बहुत आजादी दी।"
उसने दूसरे की सिसकी सुनी और उसका चेहरा थोड़ा लाल हो गया।
"ऐसा कहना मूर्खतापूर्ण लग सकता है। बेशक, शारीरिक रूप से मुझे ज्यादा आजादी नहीं थी।"
"मुझे तो ऐसा नहीं लगता," श्रीमती हैरिसन ने धीमी आवाज़ में कहा, उन्हें याद आया कि कैथरीन को "छुट्टी का दिन" जैसी उपयोगी चीज़ शायद ही कभी मिली हो।
"लेकिन, एक तरह से, शारीरिक रूप से बंधे होने से आपको मानसिक रूप से बहुत गुंजाइश मिलती है। आप हमेशा सोचने के लिए स्वतंत्र होते हैं। मुझे हमेशा से मानसिक स्वतंत्रता का एक सुखद एहसास रहा है।"

श्रीमती हैरिसन ने अपना सिर हिलाया।
मुझे यह समझ नहीं आ रहा है।
"ओह! अगर तुम मेरी जगह होते तो ज़रूर करते। लेकिन फिर भी, मुझे बदलाव चाहिए। मैं चाहती हूँ - मतलब, मैं चाहती हूँ कि कुछ घटित हो। ओह! मेरे साथ नहीं - मेरा मतलब वो नहीं है। बल्कि कुछ रोमांचक चीज़ों के बीच में रहना - भले ही मैं सिर्फ़ दर्शक ही क्यों न रहूँ। तुम्हें पता है, सेंट मैरी मीड में कुछ नहीं होता।"
"बिल्कुल नहीं," श्रीमती हैरिसन ने जोश से कहा।
"मैं पहले लंदन जाऊंगी," कैथरीन ने कहा। "मुझे वकीलों से मिलना ही है। उसके बाद, मुझे लगता है मैं विदेश जाऊंगी।"
"बहुत अच्छा।"
लेकिन, बेशक, सबसे पहले -
"हाँ?"
मुझे कुछ कपड़े खरीदने होंगे।
"मैंने आज सुबह आर्थर से बिल्कुल यही कहा था," डॉक्टर की पत्नी चिल्लाई। "जानती हो, कैथरीन, अगर तुम कोशिश करो तो तुम सचमुच बहुत खूबसूरत दिख सकती हो।"
मिस ग्रे ने सहजता से हंस दिया।
"ओह, मुझे नहीं लगता कि आप मुझे कभी खूबसूरत बना सकते हैं," उसने ईमानदारी से कहा। "लेकिन मुझे कुछ अच्छे कपड़े पाकर खुशी होगी। मुझे डर है कि मैं अपने बारे में बहुत ज्यादा बात कर रही हूँ।"
श्रीमती हैरिसन ने उसे चतुराई से देखा।
"यह आपके लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा," उसने रूखेपन से कहा।
गांव छोड़ने से पहले कैथरीन बूढ़ी मिस वाइनर को अलविदा कहने गई। मिस वाइनर, मिसेज हारफील्ड से दो साल बड़ी थीं और उनका ध्यान मुख्य रूप से अपनी दिवंगत मित्र से अधिक समय तक जीवित रहने की अपनी सफलता पर केंद्रित था। "तुमने सोचा भी नहीं होगा कि मैं जेन हारफील्ड से ज़्यादा समय तक टिक पाऊँगी, है ना?" उसने विजयी भाव से कैथरीन से पूछा। "हम दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। और अब देखो, वो किसी और के साथ है, और मैं अकेली रह गई। किसने सोचा होगा?"

"तुम हमेशा रात के खाने में भूरी रोटी ही खाती हो, है ना?" कैथरीन ने यंत्रवत स्वर में कहा।
"वाह, तुम्हें यह बात याद है, मेरी प्यारी। हाँ; अगर जेन हारफील्ड हर शाम ब्राउन ब्रेड का एक टुकड़ा खाती और खाने के साथ थोड़ा सा उत्तेजक पदार्थ लेती, तो शायद वह आज यहाँ होती।"
बुजुर्ग महिला थोड़ी देर रुकी, विजयी भाव से सिर हिलाया, फिर अचानक याद आने पर बोली:
"तो मैंने सुना है कि तुम्हारे पास बहुत सारा पैसा आ गया है? वाह, वाह! इसका ख्याल रखना। और तुम लंदन मौज-मस्ती करने जा रही हो? लेकिन मुझे नहीं लगता कि तुम्हारी शादी होगी, मेरी प्यारी, क्योंकि तुम नहीं होगी। तुम मर्दों को आकर्षित करने वाली नहीं हो। और वैसे भी, तुम्हारी उम्र बढ़ रही है। अब तुम्हारी उम्र कितनी है?"
"तैंतीस," कैथरीन ने उसे बताया।
"खैर," मिस वाइनर ने संदेह से कहा, "यह इतना बुरा भी नहीं है। बेशक, आपने अपनी शुरुआती ताजगी खो दी है।"
"मुझे डर है कि ऐसा ही है," कैथरीन ने बड़े आनंद के साथ कहा।
"पर तुम बहुत प्यारी लड़की हो," मिस विनर ने प्यार से कहा। "और मुझे यकीन है कि आजकल की इन चंचल लड़कियों में से किसी एक को चुनने के बजाय, जो अपनी टांगें ज़रूरत से ज़्यादा दिखाती फिरती हैं, तुम्हें पत्नी बनाना ज़्यादा बुरा होगा। अलविदा, मेरी प्यारी, और मुझे उम्मीद है कि तुम मज़े करोगी, पर इस जीवन में चीज़ें अक्सर वैसी नहीं होतीं जैसी दिखती हैं।"

इन भविष्यवाणियों से उत्साहित होकर कैथरीन ने प्रस्थान किया। आधे से ज़्यादा गाँव उसे स्टेशन पर विदा करने आया था, जिनमें हर काम में माहिर छोटी नौकरानी ऐलिस भी शामिल थी, जो एक कड़ा तार का गुलदस्ता लेकर आई थी और खुलकर रो रही थी।
ट्रेन के आखिरकार चले जाने पर ऐलिस सिसकते हुए बोली, "उसके जैसी कोई और नहीं है। मुझे यकीन है कि जब चार्ली ने डेयरी वाली उस लड़की के साथ मुझे धोखा दिया था, तो मिस ग्रे से ज़्यादा दयालु कोई नहीं हो सकता था। हालाँकि वह पीतल और धूल को लेकर बहुत सख़्त रहती थी, लेकिन जब भी आप किसी चीज़ को

ज़्यादा रगड़ते थे, तो वह हमेशा ध्यान देती थी। मैं उसके लिए खुद को टुकड़ों में काट सकती थी, किसी भी दिन। मैं उसे एक सच्ची महिला कहती हूँ।" कैथरीन का सेंट मैरी मीड से प्रस्थान कुछ इस प्रकार था।

अध्याय 8

लेडी टैम्प्लिन एक पत्र लिखती हैं

"अच्छा," लेडी टैम्पलिन ने कहा, "अच्छा।"
उसने डेली मेल अखबार नीचे रख दिया और भूमध्य सागर के नीले पानी को निहारने लगी। उसके सिर के ठीक ऊपर लटकती सुनहरी मिमोसा की एक शाखा एक बेहद खूबसूरत तस्वीर के लिए एक शानदार फ्रेम का काम कर रही थी। सुनहरे बालों और नीली आँखों वाली एक महिला बेहद आकर्षक नाइटगाउन में। यह निर्विवाद था कि सुनहरे बाल और गुलाबी-सफेद रंगत में कुछ न कुछ कलात्मकता झलकती थी, लेकिन आँखों का नीला रंग कुदरत का वरदान था, और चौवालीस साल की उम्र में भी लेडी टैम्पलिन बेहद खूबसूरत थीं।

देखने में बेहद आकर्षक होने के बावजूद, लेडी टैम्पलिन इस बार अपने बारे में नहीं सोच रही थीं। कहने का तात्पर्य यह है कि वे अपनी दिखावट पर ध्यान नहीं दे रही थीं। वे कुछ गंभीर मामलों में उलझी हुई थीं। लेडी टैम्पलिन रिवेरा में एक जानी-मानी हस्ती थीं और विला मार्गुराइट में उनकी पार्टियाँ खूब मशहूर थीं। वे काफी अनुभवी महिला थीं और उनके चार पति हो चुके थे। पहला पति महज़ एक नादानी थी, इसलिए वे उसका ज़िक्र कम ही करती थीं। उन्होंने सूझबूझ से जल्द ही दुनिया छोड़ दी और उनकी विधवा ने एक धनी बटन निर्माता से शादी कर ली। कहा जाता है कि तीन साल के वैवाहिक जीवन के बाद उनका भी निधन हो गया। उनके बाद विस्काउंट टैम्पलिन आए, जिन्होंने रोज़ाली को उस मुकाम पर पहुँचाया जहाँ वे पहुँचना चाहती थीं। चौथी शादी के बाद भी उन्होंने अपनी उपाधि बरकरार रखी। यह चौथी शादी उन्होंने सिर्फ़ मौज-मस्ती के लिए की थी। श्री चार्ल्स इवांस, सत्ताईस वर्ष के एक बेहद आकर्षक युवक थे, जिनके व्यवहार में गजब का गुणगान था, खेल-कूद में गहरी रुचि थी और सांसारिक सुख-सुविधाओं की कद्र करते थे। उनके पास अपनी कोई संपत्ति नहीं थी। लेडी टैम्प्लिन जीवन से आम तौर पर बहुत प्रसन्न और संतुष्ट थीं, लेकिन कभी-कभी उन्हें पैसों की चिंता सताती थी।

बटन निर्माता अपनी विधवा के लिए काफी संपत्ति छोड़ गए थे, लेकिन जैसा कि लेडी टैम्पलिन अक्सर कहा करती थीं, "एक के बाद एक कई कारण थे -" (एक कारण युद्ध के कारण शेयरों का अवमूल्यन था, और दूसरा दिवंगत लॉर्ड टैम्पलिन की फिजूलखर्ची)। फिर भी उनकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक थी। लेकिन केवल ठीक-ठाक आर्थिक स्थिति होना रोज़ाली टैम्पलिन के स्वभाव के लिए संतोषजनक नहीं था।

तो, जनवरी की उस खास सुबह, उसने एक खबर पढ़ते हुए अपनी नीली आँखें बहुत चौड़ी कर लीं और बिना किसी निश्चित निष्कर्ष के एक शब्द "ठीक है" कहा। बालकनी में मौजूद एकमात्र अन्य व्यक्ति उनकी बेटी, माननीय लेनोक्स टैम्प्लिन थीं। लेनोक्स जैसी बेटी लेडी टैम्प्लिन के लिए एक दुखद कांटा थी, एक ऐसी लड़की जिसमें शिष्टाचार का कोई नामोनिशान नहीं था, जो वास्तव में अपनी उम्र से बड़ी दिखती थी, और जिसका विचित्र व्यंग्यात्मक हास्यबोध कम से कम शब्दों में कहें तो असहज था।
"डार्लिंग," लेडी टैम्पलिन ने कहा, "बस कल्पना कीजिए।"
"यह क्या है?"
लेडी टैम्प्लिन ने डेली मेल अखबार उठाया, उसे अपनी बेटी को दिया और उत्तेजित तर्जनी उंगली से उस पैराग्राफ की ओर इशारा किया जिसमें उनकी रुचि थी।
लेनोक्स ने बिना किसी घबराहट के वह कागज़ पढ़ा, जबकि उसकी माँ ने घबराहट के कोई लक्षण नहीं दिखाए थे। उसने कागज़ वापस कर दिया।
"इसमें क्या है?" उसने पूछा। "यह तो हमेशा होता रहता है। गांवों में कंजूस बूढ़ी औरतें मरती रहती हैं और अपने साधारण साथियों के लिए लाखों की संपत्ति छोड़ जाती हैं।"
"हां, प्यारी, मुझे पता है," उसकी मां ने कहा, "और मुझे पूरा यकीन है कि संपत्ति उतनी बड़ी नहीं है जितनी अखबारों में बताई जाती है; अखबारों में छपी खबरें बहुत गलत होती हैं। लेकिन अगर आप इसे आधा भी कर दें तो..." "खैर," लेनोक्स ने कहा, "यह हमारे भरोसे नहीं छोड़ा गया है।"
"बिल्कुल नहीं, प्रिय," लेडी टैम्पलिन ने कहा, "लेकिन यह लड़की, यह कैथरीन ग्रे, वास्तव में मेरी चचेरी बहन है। वोस्टरशायर ग्रे परिवार की, एजवर्थ परिवार की। मेरी अपनी चचेरी बहन! वाह!"
"आह-हा," लेनोक्स ने कहा।

"और मैं सोच रही थी कि..." उसकी माँ ने कहा।
"इसमें हमारा क्या फायदा था," लेनोक्स ने अपनी बात खत्म करते हुए उस तिरछी मुस्कान के साथ कहा जिसे उसकी माँ को समझना हमेशा मुश्किल लगता था।
"ओह, डार्लिंग," लेडी टैम्पलिन ने थोड़ी सी निंदा भरी आवाज में कहा।
आवाज बहुत धीमी थी, क्योंकि रोजाली टैम्प्लिन अपनी बेटी के बेबाकपन और लेनोक्स के बात कहने के असहज तरीके की आदी थीं।
लेडी टैम्पलिन ने अपनी कलात्मक रूप से पेंसिल से बनाई गई भौहों को फिर से समेटते हुए कहा, "मैं सोच रही थी कि - ओह, सुप्रभात, प्यारे गोल-मटोल बच्चे; क्या तुम टेनिस खेलने जा रहे हो? कितना अच्छा!"
इस तरह संबोधित किए जाने पर चबी ने मुस्कुराते हुए उससे कहा, "तुम उस आड़ू रंग की पोशाक में कितनी खूबसूरत लग रही हो," और उनके पास से गुजरते हुए सीढ़ियों से नीचे उतर गई।
"कितना प्यारा है," लेडी टैम्पलिन ने अपने पति को स्नेहपूर्वक देखते हुए कहा।
"देखने दो, मैं क्या कह रही थी? आह!" उसने अपना ध्यान फिर से काम पर केंद्रित किया। "मैं सोच रही थी -"
अरे, भगवान के लिए जल्दी करो। तुमने यह बात तीसरी बार कही है।
"खैर, प्रिय," लेडी टैम्पलिन ने कहा, "मैं सोच रही थी कि अगर मैं प्यारी कैथरीन को पत्र लिखकर उसे यहाँ हमसे मिलने आने का सुझाव दूँ तो कितना अच्छा होगा। ज़ाहिर है, वह समाज से बिल्कुल कटी हुई है। उसके लिए बेहतर होगा कि उसका स्वागत उसके अपने ही किसी व्यक्ति द्वारा किया जाए। इससे उसे भी फ़ायदा होगा और हमें भी।"
"तुम्हें क्या लगता है कि तुम उससे कितना पैसा निकलवा पाओगे?" लेनोक्स ने पूछा।
उसकी मां ने उसे तिरस्कार भरी नजरों से देखा और कुछ बुदबुदाई।
"हमें किसी न किसी वित्तीय समझौते पर तो पहुँचना ही पड़ेगा, बेशक। एक तो युद्ध है, दूसरा तुम्हारे बेचारे पिता हैं -"
"और अब चबी की बात करते हैं," लेनोक्स ने कहा। "अगर आप चाहें तो कह सकते हैं कि वह एक महंगी विलासिता है।"
"जहां तक मुझे याद है, वह एक अच्छी लड़की थी," लेडी टैम्पलिन ने अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए धीरे से कहा - "शांत, कभी खुद को आगे बढ़ाने की

कोशिश नहीं करती थी, न ही खूबसूरत थी और न ही कभी पुरुषों को लुभाने वाली थी।"
"तो क्या वह चबी को अकेला छोड़ देगी?" लेनोक्स ने कहा।
लेडी टैम्प्लिन ने विरोध भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
"चबी ऐसा कभी नहीं करेगा-" उसने कहना शुरू किया।
"नहीं," लेनोक्स ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेगा; वह अच्छी तरह जानता है कि उसका फायदा किसमें है।"
"डार्लिंग," लेडी टैम्पलिन ने कहा, "तुम्हारे बात कहने का तरीका बहुत ही भद्दा है।"
"माफ़ कीजिए," लेनोक्स ने कहा।
लेडी टैम्प्लिन ने डेली मेल अखबार, अपनी नाइटी, एक वैनिटी बैग और कई तरह के अजीबोगरीब पत्र इकट्ठा किए।
"मैं तुरंत प्यारी कैथरीन को पत्र लिखूंगी," उसने कहा, "और उसे एडगेवर्थ में बिताए उन प्यारे पुराने दिनों की याद दिलाऊंगी।"
वह घर के अंदर गई, उसकी आंखों में दृढ़ संकल्प की चमक थी।

श्रीमती सैमुअल हारफील्ड के विपरीत, उनके हाथों से पत्र सहजता से निकलते थे। उन्होंने बिना रुके या प्रयास किए चार पन्ने भर दिए, और दोबारा पढ़ने पर उन्हें एक भी शब्द बदलने की आवश्यकता नहीं लगी।
कैथरीन को यह पत्र लंदन पहुंचने की सुबह मिला। उसने इसके पीछे छिपे अर्थ को समझा या नहीं, यह एक अलग बात है।
उसने उसे अपने हैंडबैग में रखा और श्रीमती हारफील्ड के वकीलों के साथ तय की गई मुलाकात के लिए निकल पड़ी।
यह फर्म लिंकन इन फील्ड्स में स्थित एक पुरानी और प्रतिष्ठित फर्म थी, और कुछ मिनटों की देरी के बाद कैथरीन को वरिष्ठ साझेदार के समक्ष पेश किया गया, जो एक दयालु, बुजुर्ग व्यक्ति थे जिनकी नीली आंखें तीक्ष्ण थीं और जिनका व्यवहार पिता तुल्य था।
उन्होंने कुछ मिनटों तक श्रीमती हारफील्ड की वसीयत और विभिन्न कानूनी मामलों पर चर्चा की, फिर कैथरीन ने वकील को श्रीमती सैमुअल का पत्र सौंप दिया।

"मुझे लगता है कि मुझे आपको यह दिखाना चाहिए," उसने कहा, "हालांकि यह वास्तव में काफी हास्यास्पद है।"
उसने हल्की मुस्कान के साथ इसे पढ़ा।
"यह तो काफी भद्दा प्रयास है, मिस ग्रे। मुझे शायद आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि इन लोगों का संपत्ति पर किसी भी प्रकार का कोई दावा नहीं है, और यदि वे वसीयत को चुनौती देने का प्रयास करते हैं तो कोई भी अदालत उनका समर्थन नहीं करेगी।"
मुझे भी ऐसा ही लगा था।
"मानव स्वभाव हमेशा बहुत बुद्धिमान नहीं होता। श्रीमती सैमुअल हारफील्ड की जगह मैं होती तो आपकी उदारता की अपील करने के लिए अधिक इच्छुक होती।" "यह उन चीजों में से एक है जिसके बारे में मैं आपसे बात करना चाहता था। मैं चाहता हूं कि एक निश्चित राशि इन लोगों को दी जाए।"
"कोई बाध्यता नहीं है।"
"मुझे पता है कि।"
और वे इसे उस भावना से नहीं समझेंगे जिस भावना से यह कहा जा रहा है। वे शायद इसे उन्हें रिश्वत देने का प्रयास मानेंगे, हालांकि वे इस कारण से इसे अस्वीकार नहीं करेंगे।
"मैं यह देख सकता हूं, और इसमें कुछ नहीं किया जा सकता।"
"मिस ग्रे, मैं आपको यही सलाह दूंगी कि आप उस विचार को अपने दिमाग से निकाल दें।"
कैथरीन ने सिर हिलाया। "आप बिल्कुल सही कह रहे हैं, मुझे पता है, लेकिन फिर भी मैं चाहती हूं कि यह काम हो जाए।"
"वे पैसे हड़प लेंगे और बाद में आपका और भी ज्यादा शोषण करेंगे।"
"ठीक है," कैथरीन ने कहा, "अगर उन्हें पसंद है तो ठीक है। हम सभी के मनोरंजन के अपने-अपने तरीके होते हैं। आखिरकार, वे श्रीमती हारफील्ड के इकलौते रिश्तेदार थे, और हालांकि वे उन्हें एक गरीब रिश्तेदार समझकर तिरस्कार करते थे और उनके जीवित रहते उनकी कोई परवाह नहीं करते थे, फिर भी मुझे यह अनुचित लगता है कि उन्हें कुछ भी न मिले।"
हालांकि वकील अब भी अनिच्छुक था, फिर भी उसने अपनी बात मनवा ली और इस भरोसे के साथ लंदन की सड़कों पर निकल पड़ी कि वह पैसे को खुलकर खर्च कर सकती है

और भविष्य के लिए अपनी मनचाही योजनाएँ बना सकती है। उसका पहला कदम एक प्रसिद्ध दर्जी की दुकान पर जाना था।
एक दुबली-पतली, बुजुर्ग फ्रांसीसी महिला, जो किसी स्वप्निल डचेस जैसी लग रही थी, ने उसका स्वागत किया, और कैथरीन ने एक निश्चित भोलेपन के साथ बात की।
"मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ, यदि अनुमति हो तो। मैं जीवन भर बहुत गरीब रहा हूँ और कपड़ों के बारे में कुछ नहीं जानता, लेकिन अब मेरे पास कुछ पैसे आ गए हैं और मैं अच्छे कपड़े पहनना चाहता हूँ।"
फ्रांसीसी महिला मुग्ध हो गई। उसका स्वभाव एक कलाकार जैसा था, जो सुबह-सुबह एक अर्जेंटीनाई महिला के आने से थोड़ा बिगड़ गया था। उस महिला ने ज़िद की थी कि उसे ऐसे मॉडल चाहिए जो उसकी भड़कीली सुंदरता के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त न हों। उसने कैथरीन को पैनी और चतुर नज़रों से देखा। "जी हाँ, बहुत खुशी होगी। मैडमोजेल का फिगर बहुत अच्छा है; उनके लिए सादगी ही सबसे अच्छी रहेगी। वो बहुत ही अंग्रेज़ी भी हैं। कुछ लोगों को यह सुनकर बुरा लग सकता है, लेकिन मैडमोजेल, नहीं। एक खूबसूरत अंग्रेज़, इससे ज़्यादा मनमोहक स्टाइल और कोई नहीं।"
सपने में खोई हुई डचेस का भाव अचानक बदल गया। वह अलग-अलग पुतलों पर चिल्लाते हुए बोली, "क्लोथिल्डे, वर्जिनी, जल्दी करो, मेरी नन्ही बच्चियों, वो छोटा सा ग्रे रंग का सूट और शरद ऋतु की शाम की पोशाक। मार्सेल, मेरी बच्ची, वो छोटा सा मिमोसा रंग का चीनी क्रीम का सूट।"
यह एक मनमोहक सुबह थी। मार्सेल, क्लोथिल्डे और वर्जिनी, ऊब और तिरस्कार से भरी हुई, धीरे-धीरे इधर-उधर घूम रही थीं, मानो पुतलों की तरह पारंपरिक ढंग से छटपटा रही हों।
डचेस कैथरीन के बगल में खड़ी थीं और एक छोटी नोटबुक में प्रविष्टियाँ कर रही थीं।
"बहुत बढ़िया चुनाव, मैडमोजेल। मैडमोजेल का स्वाद बहुत अच्छा है। जी हाँ, बिल्कुल। अगर मैडमोजेल इस सर्दी में रिवेरा जा रही हैं, जैसा कि मुझे लगता है, तो इन छोटे सूटों से बेहतर उनके लिए कुछ नहीं हो सकता।"
"मुझे वह शाम की पोशाक एक बार फिर देखने दीजिए," कैथरीन ने कहा - "गुलाबी बैंगनी रंग वाली।"
वर्जिनी धीरे-धीरे चक्कर लगाते हुए दिखाई दी।

"यह तो सबसे सुंदर है," कैथरीन ने बैंगनी, धूसर और नीले रंग के खूबसूरत पर्दों को देखते हुए कहा। "इसे क्या कहते हैं?"
"Soupir d'automne; yes, yes, that is truly the dress of Mademoiselle."
इन शब्दों में ऐसा क्या था जो सिलाई की दुकान छोड़ने के बाद कैथरीन के मन में उदासी की एक हल्की सी भावना के साथ लौट आया?
"'पतझड़ का मौसम; यही मैडमोजेल का सही पहनावा है।'" पतझड़, जी हाँ, उसके लिए पतझड़ का मौसम था। वह जिसने कभी बसंत या ग्रीष्म ऋतु नहीं देखी थी, और अब भी कभी नहीं देख पाएगी। जो कुछ उसने खोया था, वह उसे कभी वापस नहीं मिल सकता था। सेंट मैरी मीड में गुलामी के ये वर्ष - और इस बीच जीवन बीतता चला गया।
"मैं एक मूर्ख हूँ," कैथरीन ने कहा। "मैं एक मूर्ख हूँ। मैं क्या चाहती हूँ? एक महीने पहले तो मैं अब से कहीं अधिक संतुष्ट थी।"
उसने अपने पर्स से वह पत्र निकाला जो उसे उस सुबह लेडी टैम्पलिन से मिला था। कैथरीन भली-भांति समझदार थी। वह उस पत्र की बारीकियों को अच्छी तरह समझती थी और लेडी टैम्पलिन का अपनी लंबे समय से भूली हुई चचेरी बहन के प्रति अचानक स्नेह दिखाने का कारण भी उसे भली-भांति पता था। लेडी टैम्पलिन अपनी प्रिय चचेरी बहन की संगति के लिए इतनी उत्सुक क्यों थीं? यह लाभ के लिए था, न कि आनंद के लिए। भला क्यों नहीं? इससे दोनों पक्षों को लाभ ही होगा।
"मैं जाऊंगी," कैथरीन ने कहा।
वह उस समय पिकाडिली से गुज़र रही थी और तुरंत कुक के रेस्टोरेंट में जाकर अपना काम निपटाने की ठान ली। उसे कुछ मिनट इंतज़ार करना पड़ा। जिस आदमी से क्लर्क की मुलाक़ात तय थी, वह भी रिवेरा जा रहा था। उसे लगा कि हर कोई जा रहा है। खैर, अपनी ज़िंदगी में पहली बार वह भी वही करने जा रही थी जो 'हर कोई करता है'। उसके सामने खड़ा आदमी अचानक मुड़ा और वह उसकी जगह पर खड़ी हो गई। उसने क्लर्क से अपनी बात रखी, लेकिन साथ ही उसका आधा दिमाग़ किसी और बात में उलझा हुआ था। उस आदमी का चेहरा - किसी धुंधले से उसे जाना-पहचाना सा लगा। उसने उसे पहले कहाँ देखा था? अचानक उसे याद आया। उस सुबह उसने उसे अपने कमरे के बाहर सैवॉय होटल में देखा था।
गलियारे में उसकी उससे टक्कर हो गई थी।

यह एक अजीब संयोग था कि एक ही दिन में दो बार उससे उसकी मुलाकात हो गई। किसी बात से बेचैन होकर उसने पीछे मुड़कर देखा, उसे पता नहीं क्या बेचैनी हो रही थी। वह आदमी दरवाजे पर खड़ा उसे देख रहा था। कैथरीन के शरीर में एक ठंडी सिहरन दौड़ गई; उसे किसी त्रासदी, किसी अनहोनी के डर का एहसास हुआ... फिर उसने अपनी हमेशा की तरह समझदारी से उस धारणा को अपने दिमाग से निकाल दिया और क्लर्क की बातों पर पूरा ध्यान देने लगी।

अध्याय 9

एक प्रस्ताव अस्वीकृत कर दिया गया

डेरेक केटरिंग का गुस्सा शायद ही कभी उन पर हावी होता था। उनका सहज और बेफिक्र स्वभाव ही उनकी सबसे बड़ी खासियत थी और मुश्किल हालातों में यह उनके काम आया था। यहां तक कि मिरेल के फ्लैट से निकलते-निकलते भी वे शांत हो चुके थे। उन्हें शांत रहने की जरूरत थी। अब वे जिस मुश्किल में फंसे थे, वह पहले से कहीं ज्यादा कठिन थी, और कुछ ऐसी अनपेक्षित परिस्थितियां उत्पन्न हो गई थीं जिनसे निपटने का तरीका उन्हें फिलहाल नहीं पता था।
वह गहरी सोच में डूबा हुआ टहल रहा था। उसकी भौंहें सिकुड़ी हुई थीं, और उसका सहज, हंसमुख स्वभाव गायब था, जो उस पर अक्सर जंचता था। उसके मन में कई संभावनाएं उमड़ रही थीं। डेरेक केटरिंग के बारे में कहा जा सकता था कि वह जितना मूर्ख दिखता था, उतना मूर्ख नहीं था। उसे कई रास्ते दिखाई दे रहे थे जिन पर वह चल सकता था - खासकर एक रास्ता। अगर वह उस रास्ते से हिचकिचा रहा था, तो यह केवल क्षण भर के लिए था।
गंभीर समस्याओं के लिए गंभीर उपचार की आवश्यकता होती है। उसने अपने ससुर को सही ढंग से परखा था। डेरेक केटरिंग और रूफस वैन एल्डिन के बीच युद्ध का अंत केवल एक ही तरह से हो सकता था। डेरेक ने धन और धन की शक्ति को अपने मन में घोर कोसा। वह सेंट जेम्स स्ट्रीट पर चला, पिकाडिली को पार किया और पिकाडिली सर्कस की दिशा में टहलते हुए आगे बढ़ा। जब वह मेसर्स थॉमस कुक एंड संस के कार्यालयों के पास से गुजरा तो उसके कदम धीमे पड़ गए। फिर भी वह चलता रहा, इस मामले पर मन ही मन विचार करता रहा। अंत में, उसने अपना सिर हल्का सा हिलाया, तेज़ी से मुड़ा - इतनी तेज़ी से कि उसके पीछे आ रहे कुछ पैदल यात्रियों से टकरा गया, और उसी रास्ते से वापस चला गया। इस बार वह कुक के कार्यालय के पास से नहीं गुजरा, बल्कि अंदर चला गया। कार्यालय अपेक्षाकृत खाली था, और उसकी तुरंत सेवा की गई।
मैं अगले सप्ताह नीस जाना चाहता हूँ। क्या आप मुझे विवरण दे सकते हैं? "किस तारीख को, महोदय?"

"14 वां। सबसे अच्छी ट्रेन कौन सी है?"
"खैर, बेशक, सबसे अच्छी ट्रेन वही है जिसे 'ब्लू ट्रेन' कहते हैं। इससे आप कैलिस में होने वाली थकाऊ सीमा शुल्क प्रक्रिया से बच जाते हैं।"
डेरेक ने सिर हिलाया। वह यह सब जानता था, उससे बेहतर कोई नहीं जानता था। क्लर्क ने धीमी आवाज़ में कहा, "14 तारीख, यह तो काफी जल्दी है। ब्लू ट्रेन लगभग हमेशा पूरी तरह से बुक रहती है।"
"देखो, कोई बर्थ खाली है या नहीं," डेरेक ने कहा।
"अगर ऐसा नहीं है तो-" उसने अपने चेहरे पर एक जिज्ञासु मुस्कान के साथ वाक्य अधूरा छोड़ दिया।
क्लर्क कुछ मिनटों के लिए गायब हो गया और थोड़ी देर बाद वापस आ गया। "कोई बात नहीं, महोदय; अभी भी तीन बर्थ खाली हैं। मैं आपके लिए उनमें से एक बुक कर दूंगा। आपका नाम क्या है?"
"पावेट," डेरेक ने कहा। उसने जर्मिन स्ट्रीट में अपने कमरों का पता बताया। क्लर्क ने सिर हिलाया, लिखना समाप्त किया, डेरेक को विनम्रतापूर्वक सुप्रभात कहा और अगले ग्राहक की ओर ध्यान दिया।
मैं 14 तारीख को नीस जाना चाहता हूँ। क्या वहाँ ब्लू ट्रेन नाम की कोई ट्रेन नहीं है?
डेरेक ने चारों ओर तेज़ी से देखा।
संयोग—एक अजीब संयोग। उसे मिरेल से कहे अपने ही कुछ अटपटे शब्दों की याद आ गई, "भूरी आँखों वाली एक महिला का चित्र। मुझे नहीं लगता कि मैं उसे फिर कभी देख पाऊँगा।" लेकिन उसने उसे फिर से देख लिया था, और उससे भी बड़ी बात यह थी कि उसने उसी दिन रिवेरा जाने का प्रस्ताव रखा था जिस दिन वह जा रहा था।
एक पल के लिए उसके शरीर में सिहरन दौड़ गई; कुछ मायनों में वह अंधविश्वासी था। उसने आधे हंसते हुए कहा था कि यह औरत उसके लिए बदकिस्मती ला सकती है। मान लो - मान लो कि यह सच साबित हो जाए। दरवाजे से उसने पीछे मुड़कर उसे देखा जब वह क्लर्क से बात कर रही थी। इस बार उसकी याददाश्त ने उसे धोखा नहीं दिया था। एक महिला - हर मायने में एक महिला। बहुत जवान नहीं, असाधारण रूप से सुंदर भी नहीं। लेकिन उसमें कुछ तो था - भूरी आँखें जो शायद बहुत कुछ देख लेती थीं। दरवाजे से बाहर निकलते हुए उसे पता था कि किसी न किसी तरह वह इस औरत से डर रहा है। उसे नियति का आभास हो रहा था।

वह जर्मिन स्ट्रीट स्थित अपने कमरे में वापस गया और अपने आदमी को बुलाया। "पैवेट, यह चेक ले लो, सुबह उठते ही इसे कैश करवा लो और पिकाडिली में कुक के यहाँ जाओ। वहाँ तुम्हारे नाम से कुछ टिकट बुक होंगे, उनका भुगतान करो और वापस ले आओ।"
"बहुत बढ़िया, महोदय।"
पावेट ने नाम वापस ले लिया।
डेरेक टहलते हुए एक बगल की मेज के पास गया और कुछ चिट्ठियाँ उठा लीं। ये चिट्ठियाँ जानी-पहचानी थीं। बिल, छोटे बिल और बड़े बिल, सभी भुगतान के लिए दबाव डाल रहे थे।
मांगों का लहजा अब भी विनम्र था।

डेरेक जानता था कि अगर कुछ खबरें सार्वजनिक हो गईं तो वह विनम्र लहजा कितनी जल्दी बदल जाएगा।
वह उदास मन से चमड़े से ढकी एक बड़ी कुर्सी पर बैठ गया। एक घटिया गड्ढे में
- वह इसी में फंसा हुआ था। हाँ, एक घटिया गड्ढे में!
और उस खतरनाक गड्ढे से बाहर निकलने के रास्ते भी कुछ खास आशाजनक नहीं थे। पैवेट हल्की खांसी के साथ दिखाई दिए।
"आपसे मिलकर खुशी हुई - महोदय - मेजर नाइटन।"
"नाइटन, है ना?"
डेरेक उठ बैठा, भौंहें चढ़ाईं, अचानक सतर्क हो गया। उसने धीमी आवाज़ में, लगभग खुद से कहा:
"नाइटन - मुझे आश्चर्य है कि अब हवा का रुख क्या है?"
"क्या मैं - उह - उन्हें अंदर आने दूं, महोदय?"
उसके स्वामी ने सिर हिलाया। जब नाइटन कमरे में दाखिल हुआ तो उसने पाया कि एक आकर्षक और मिलनसार मेज़बान उसका इंतज़ार कर रहा था।
"मुझसे संपर्क करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद," डेरेक ने कहा। नाइटन घबराया हुआ था।
दूसरे की पैनी नजर ने यह बात तुरंत देख ली।
सचिव जिस काम से आया था, वह उसे स्पष्ट रूप से पसंद नहीं था। डेरेक की सहज बातचीत का उसने लगभग यंत्रवत जवाब दिया। उसने पेय लेने से इनकार कर दिया, और बल्कि उसका व्यवहार पहले से भी अधिक कठोर हो गया।

अंततः डेरेक ने इस पर ध्यान दिया।
“अच्छा,” उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा, “मेरे आदरणीय ससुर जी मुझसे क्या चाहते हैं? मेरा मानना है कि आप उनके काम से आए हैं?”
नाइटन ने जवाब में मुस्कुराना नहीं चाहा।
"हां, मैंने किया है," उन्होंने सावधानी से कहा। "काश श्री वैन एल्डिन ने किसी और को चुना होता।"
डेरेक ने बनावटी हैरानी जताते हुए अपनी भौहें ऊपर उठा लीं।
"क्या यह वाकई इतना बुरा है? मैं इतना संवेदनशील नहीं हूँ, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ, नाइटन।"
"नहीं," नाइटन ने कहा, "लेकिन यह -"
वह रुका।
डेरेक ने उसे ध्यान से देखा।
"बताइए, शुरू कीजिए," उन्होंने विनम्रता से कहा। "मैं समझ सकता हूँ कि मेरे प्यारे ससुर जी के काम हमेशा सुखद नहीं होते होंगे।"
नाइटन ने अपना गला साफ किया। उन्होंने औपचारिक लहजे में बात की, जिसमें उन्होंने शर्मिंदगी को छिपाने की पूरी कोशिश की।
"मुझे श्री वैन एल्डिन द्वारा आपको एक निश्चित प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया है।"
"एक प्रस्ताव?" एक पल के लिए डेरेक ने हैरानी जताई। नाइटन के शुरुआती शब्द स्पष्ट रूप से उसकी उम्मीदों के विपरीत थे। उसने नाइटन को एक सिगरेट दी, खुद भी एक जलाई और अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए, थोड़े व्यंग्यपूर्ण स्वर में बुदबुदाया:
"एक प्रस्ताव? यह तो काफी दिलचस्प लग रहा है।"
"क्या मैं आगे बोलूं?"
"कृपया मुझे क्षमा करें, मुझे आश्चर्य हो रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि आज सुबह हमारी बातचीत के बाद से मेरे प्रिय ससुर जी का रवैया कुछ बदल गया है। और इस तरह का व्यवहार मजबूत लोगों में नहीं देखा जाता। वित्त के नेपोलियन जैसे लोगों में तो ऐसा नहीं होता। इससे पता चलता है - मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि उन्हें अपनी स्थिति उतनी मजबूत नहीं लग रही जितनी उन्होंने सोची थी।"

नाइटन ने विनम्रतापूर्वक उस सहज, उपहासपूर्ण आवाज को सुना, लेकिन उनके अपेक्षाकृत शांत चेहरे पर किसी भी प्रकार का कोई संकेत नहीं दिखाई दिया।
उसने डेरेक के बोलने के बाद तक इंतजार किया और फिर धीरे से कहा:
मैं इस प्रस्ताव को कम से कम शब्दों में व्यक्त करूंगा।
नाइटन ने दूसरे की ओर नहीं देखा। उसकी आवाज संक्षिप्त और सीधी-सादी थी।
मामला बस इतना सा है। जैसा कि आप जानते हैं, श्रीमती केटरिंग तलाक के लिए याचिका दायर करने वाली हैं। यदि मामले में कोई पैरवी नहीं होती है, तो तलाक का फैसला अंतिम रूप से पारित होने के दिन आपको एक लाख रुपये मिलेंगे। सिगरेट जलाने की कोशिश करते समय डेरेक अचानक रुक गया।
"एक लाख!" उसने तीखे स्वर में कहा। "डॉलर?"
"पाउंड।"
कम से कम दो मिनट तक सन्नाटा छाया रहा। केटरिंग ने अपनी भौंहें सिकोड़ लीं। एक लाख पाउंड। इसका मतलब था मिरेले और उसकी सुखद, चिंतामुक्त जिंदगी का जारी रहना। इसका मतलब था कि वैन एल्डिन कुछ जानता था। वैन एल्डिन यूं ही पैसा नहीं देता था। वह उठा और चिमनी के पास खड़ा हो गया।
"और अगर मैं उसका यह आकर्षक प्रस्ताव ठुकरा दूं तो?" उसने ठंडे, व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा।
नाइटन ने तिरस्कारपूर्ण इशारा किया।
उन्होंने गंभीरता से कहा, "मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं, श्री केटरिंग, कि मैं अत्यंत अनिच्छा से यह संदेश लेकर यहां आया हूं।"
"कोई बात नहीं," केटरिंग ने कहा। "चिंता मत करो; इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। अब सुनो - मैंने तुमसे एक सवाल पूछा है, क्या तुम उसका जवाब दोगे?" नाइटन भी उठ खड़ा हुआ। वह पहले से कहीं अधिक अनिच्छा से बोला।

उन्होंने कहा, "यदि आप इस प्रस्ताव को अस्वीकार करते हैं, तो श्री वैन एल्डिन चाहते हैं कि मैं आपको स्पष्ट शब्दों में बता दूं कि उनका इरादा आपको बर्बाद करने का है। बस इतना ही।"
केटरिंग ने अपनी भौहें उठाईं, लेकिन उनका हल्का-फुल्का और हंसमुख अंदाज बरकरार रहा।
“वाह वाह!” उसने कहा, “मुझे लगता है कि वह कर सकता है। मैं तो अमेरिका के इस करोड़पति के सामने टिक ही नहीं पाऊंगा। एक लाख! अगर किसी को रिश्वत देनी

है तो उसे अच्छे से देने से बेहतर कुछ नहीं। मान लो मैं तुमसे कहूँ कि दो लाख के बदले मैं तुम्हारी बात मान लूँगा, तो फिर क्या होगा?”
"मैं आपका संदेश श्री वैन एल्डिन तक पहुंचा दूंगा," नाइटन ने भावहीनता से कहा। "क्या यही आपका जवाब है?"
"नहीं," डेरेक ने कहा, "मज़े की बात यह है कि ऐसा नहीं है। तुम मेरे ससुर के पास जाकर उनसे कह सकते हो कि वे खुद को और अपनी रिश्वत को नरक में ले जाएं। क्या यह बात स्पष्ट है?"
"बिल्कुल," नाइटन ने कहा। वह उठा, झिझका और फिर उसका चेहरा लाल हो गया। "मैं
- श्री केटरिंग, अगर आप मुझे यह कहने की अनुमति दें, तो मुझे खुशी है कि आपने ऐसा जवाब दिया है।"
डेरेक ने कोई जवाब नहीं दिया। जब दूसरा व्यक्ति कमरे से चला गया, तो वह एक-दो मिनट तक सोच में डूबा रहा। उसके होठों पर एक अजीब सी मुस्कान आ गई।
"और बस यही बात है," उसने धीरे से कहा।

अध्याय 10

नीली ट्रेन पर

"पापा!"
श्रीमती केटरिंग अचानक चौंक गईं। आज सुबह उनके नर्व्स पूरी तरह से काबू में नहीं थे। लंबे मिंक कोट और चीनी लैकर लाल रंग की छोटी टोपी में सजी- धजी, वह विक्टोरिया के भीड़ भरे प्लेटफॉर्म पर गहरी सोच में डूबी हुई चल रही थीं, और उनके पिता के अचानक प्रकट होने और हार्दिक अभिवादन का उन पर अप्रत्याशित प्रभाव पड़ा।
"अरे, रूथ, तुमने तो कमाल कर दिया!"
"मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं आपसे मिल पाऊँगी, पिताजी। आपने कल रात मुझसे अलविदा कहा था और कहा था कि आज सुबह आपकी एक कॉन्फ्रेंस है।"
"हाँ, मैंने देखा है," वैन एल्डिन ने कहा, "लेकिन मेरे लिए आप किसी भी सम्मेलन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। मैं आपसे आखिरी बार मिलने आया हूँ, क्योंकि कुछ समय तक आपसे मुलाकात नहीं हो पाएगी।"
"आपकी यह बहुत अच्छी बात है, पिताजी। काश आप भी आ रहे होते।"
"अगर मैंने ऐसा किया तो तुम क्या कहोगे?"
यह बात महज मजाक में कही गई थी। रूथ के गालों पर अचानक आई लालिमा देखकर वह हैरान रह गया। एक पल के लिए तो उसे लगा जैसे उसकी आँखों में निराशा झलक रही हो।
वह अनिश्चित और घबराहट भरी हंसी हंसी।
"एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि तुमने यह बात सचमुच कही है," उसने कहा। "क्या आपको खुशी होती?"
"बेशक।" उसने अतिशयोक्तिपूर्ण लहजे में कहा।
"अच्छा," वैन एल्डिन ने कहा, "यह तो अच्छी बात है।"
"यह वास्तव में बहुत लंबे समय के लिए नहीं है, पिताजी," रूथ ने आगे कहा, "आप जानते हैं, आप अगले महीने बाहर आ रहे हैं।"

"आह!" वैन एल्डिन ने भावहीनता से कहा, "कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं हार्ले स्ट्रीट के इन घमंडी लोगों में से किसी एक के पास जाऊंगा और उससे कहूंगा कि मुझे तुरंत धूप और ताज़ी हवा की ज़रूरत है।"
"इतने आलसी मत बनो," रूथ चिल्लाई, "अगला महीना बाहर के इस महीने से कहीं ज्यादा अच्छा है। तुम्हारे पास तो बहुत सारी चीजें हैं। तुम अभी बिल्कुल नहीं जा सकते।"
"हाँ, ठीक है, मुझे लगता है," वैन एल्डिन ने आह भरते हुए कहा। "बेहतर होगा कि तुम अपनी इस ट्रेन में सवार हो जाओ, रूथ। तुम्हारी सीट कौन सी है?"
रूथ केटरिंग ने ट्रेन की ओर अस्पष्ट दृष्टि से देखा। पुलमैन के एक डिब्बे के दरवाजे पर काले कपड़े पहने एक पतली, लंबी महिला खड़ी थी - रूथ केटरिंग की नौकरानी। जैसे ही उसकी मालकिन उसके पास आई, वह एक तरफ हट गई।
"मैंने आपका ड्रेसिंग-केस आपकी सीट के नीचे रख दिया है, महोदया, ताकि ज़रूरत पड़ने पर आप इसका इस्तेमाल कर सकें। क्या मैं कालीन ले जाऊं, या आपको एक कालीन चाहिए?"
"नहीं, नहीं, मुझे नहीं चाहिए। बेहतर होगा कि तुम अभी जाकर अपनी सीट खुद ढूंढ लो, मेसन।"
"जी मैडम।"
नौकरानी चली गई।
वैन एल्डिन रूथ के साथ पुलमैन कार में दाखिल हुए। रूथ ने अपनी सीट ढूंढ ली और वैन एल्डिन ने उसके सामने वाली मेज पर कुछ कागज़ और पत्रिकाएँ रख दीं। उसके सामने वाली सीट पहले से ही भरी हुई थी, और उस अमेरिकी ने उस पर बैठे व्यक्ति पर सरसरी नज़र डाली। उसे क्षण भर के लिए ही आकर्षक भूरी आँखें और साफ-सुथरा यात्रा का पहनावा दिखाई दिया। उसने रूथ से कुछ हल्की-फुल्की बातचीत की, जो ट्रेन से किसी को विदा करते समय आम तौर पर की जाने वाली बातचीत जैसी थी।
सीटी बजने के साथ ही उसने अपनी घड़ी पर नजर डाली।
मुझे अब यहाँ से निकलना चाहिए। अलविदा। चिंता मत करो, मैं बाकी काम संभाल लूंगा।
"ओह, पिताजी!"
वह अचानक पीछे मुड़ा। रूथ की आवाज़ में कुछ ऐसा था, जो उसके सामान्य व्यवहार से बिलकुल अलग था, जिससे वह चौंक गया। यह लगभग निराशा की चीख थी।

वह आवेग में उसकी ओर बढ़ी थी, लेकिन अगले ही पल उसने खुद पर फिर से नियंत्रण पा लिया।
"अगले महीने तक," उसने खुशी से कहा।
दो मिनट बाद ट्रेन चल पड़ी। रूथ एकदम शांत बैठी रही, अपने होंठ दबाए और आँखों से बहते आँसुओं को रोकने की पूरी कोशिश करती रही। उसे अचानक एक भयानक उदासी का एहसास हुआ। उसके मन में ट्रेन से कूदकर वापस जाने की तीव्र इच्छा जाग उठी, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। वह, जो इतनी शांत और आत्मविश्वासी थी, अपने जीवन में पहली बार हवा में उड़ते पत्ते जैसी महसूस कर रही थी। अगर उसके पिता को पता चलता तो वे क्या कहते?
पागलपन! जी हाँ, बिल्कुल पागलपन! अपने जीवन में पहली बार वह भावनाओं में बह गई, इस कदर बह गई कि उसने एक ऐसा काम कर दिया जिसे वह खुद भी जानती थी कि वह बेहद मूर्खतापूर्ण और गैरजिम्मेदाराना है। वैन एल्डिन की बेटी होने के नाते वह अपनी मूर्खता को समझ गई थी और इतनी समझदार भी थी कि अपने इस कृत्य की निंदा कर सके। लेकिन वह एक और मायने में भी उनकी बेटी थी। उसमें वही दृढ़ निश्चय था जो उसे जो चाहिए उसे पाकर ही रहता था और एक बार मन बना लेने पर पीछे नहीं हटता था। बचपन से ही वह अपनी मर्जी पर अड़ी रहती थी; उसके जीवन की परिस्थितियों ने ही उसमें यह अडिगता विकसित की थी। अब यही अडिगता उसे निर्दयता से आगे बढ़ा रही थी। खैर, अब जो होना था वो हो चुका था। उसे अब इसे करना ही था।
उसने ऊपर देखा और उसकी नज़र सामने बैठी महिला से मिली। उसे अचानक ऐसा लगा जैसे उस दूसरी महिला ने उसके मन की बात पढ़ ली हो। उसने उन धूसर आँखों में समझ और - हाँ - करुणा देखी।
यह महज एक क्षणिक अनुभूति थी। दोनों महिलाओं के चेहरे शालीनतापूर्ण भावहीनता से भर उठे। श्रीमती केटरिंग ने एक पत्रिका उठाई और कैथरीन ग्रे ने खिड़की से बाहर देखा, जहाँ उन्हें उदास गलियों और उपनगरीय घरों का एक अंतहीन दृश्य दिखाई दिया।
रूथ को अपने सामने छपे पन्ने पर ध्यान केंद्रित करने में बढ़ती कठिनाई हो रही थी। खुद पर काबू न रख पाने के बावजूद, हजारों आशंकाएं उसके मन को जकड़ रही थीं। वह कितनी मूर्ख थी! वह कितनी मूर्ख थी! सभी शांत और आत्मनिर्भर लोगों की तरह, जब वह अपना आपा खो देती थी, तो पूरी तरह से खो देती थी - बहुत देर हो चुकी थी... क्या सच में बहुत देर हो चुकी थी? काश, कोई होता जिससे वह

बात कर पाती, कोई होता जो उसे सलाह दे पाता। उसने पहले कभी ऐसी इच्छा नहीं की थी; वह अपने अलावा किसी और के फैसले पर भरोसा करने के विचार को भी ठुकरा देती थी, लेकिन अब - उसे क्या हो गया था? घबराहट। हाँ, यही सबसे सटीक शब्द है - घबराहट। वह, रूथ केटरिंग, पूरी तरह से घबराहट से ग्रस्त थी।
उसने सामने बैठे व्यक्ति पर चोरी-छिपे एक नजर डाली।
काश, उसे कोई ऐसा मिल जाता, कोई अच्छा, शांत, सौम्य और सहानुभूतिपूर्ण प्राणी।
वो तो ऐसा इंसान था जिससे खुलकर बात की जा सकती थी। लेकिन ज़ाहिर है, किसी अजनबी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ये सोचकर रूथ मन ही मन मुस्कुराई। उसने दोबारा पत्रिका उठा ली। सच में, उसे खुद पर काबू रखना चाहिए। आखिर उसने ये सब सोच-विचार किया था। उसने ये फैसला अपनी मर्ज़ी से लिया था। अब तक उसे अपनी ज़िंदगी में क्या-क्या खुशियाँ मिली थीं? उसने बेचैनी से खुद से कहा: "मैं खुश क्यों न रहूँ? किसी को पता भी नहीं चलेगा।"

डोवर पहुँचने में ज़रा भी समय नहीं लगा। रूथ एक कुशल नाविक थी। उसे ठंड बिल्कुल पसंद नहीं थी, और जिस निजी केबिन के लिए उसने टेलीग्राम भेजा था, वहाँ पहुँचकर उसे बहुत खुशी हुई। हालाँकि वह यह बात स्वीकार नहीं करती, लेकिन रूथ कुछ हद तक अंधविश्वासी थी। वह उन लोगों में से थी जिन्हें संयोग में विश्वास होता था। कैलिस में उतरने और अपनी नौकरानी के साथ ब्लू ट्रेन के अपने डबल कंपार्टमेंट में बैठने के बाद, वह लंच के डिब्बे की ओर चली गई। उसे थोड़ा आश्चर्य हुआ जब उसने खुद को एक छोटी सी मेज पर बैठा पाया, और उसके सामने वही महिला बैठी थी जो पुलमैन ट्रेन में उसकी सहेली थी। दोनों महिलाओं के होठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई।
श्रीमती केटरिंग ने कहा, "यह तो बिल्कुल संयोग है।"
"मुझे पता है," कैथरीन ने कहा, "जिस तरह से चीजें होती हैं, वह अजीब है।" अंतर्राष्ट्रीय वैगन-लिट्स कंपनी की हमेशा की तरह अद्भुत गति से एक अटेंडेंट उनके पास पहुंचा और सूप के दो कप रख दिए। सूप के बाद जब ऑमलेट आया, तब तक वे आपस में दोस्ताना अंदाज में बातें करने लगे थे।
"धूप में निकलना स्वर्ग जैसा होगा," रूथ ने आह भरते हुए कहा।
मुझे पूरा यकीन है कि यह एक अद्भुत एहसास होगा।
"क्या आप रिवेरा को अच्छी तरह जानते हैं?"

"नहीं; यह मेरी पहली यात्रा है।"
"अभिरुचि कि।"
"मुझे उम्मीद है कि आप हर साल जाते हैं?"
"वास्तव में। लंदन में जनवरी और फरवरी के महीने बहुत खराब होते हैं।" "मैं हमेशा से ग्रामीण इलाके में ही रहा हूँ। वहाँ भी ये महीने कुछ खास प्रेरणादायक नहीं होते। ज्यादातर कीचड़ ही कीचड़ होता है।"
"आपको अचानक यात्रा करने का निर्णय लेने की प्रेरणा कहाँ से मिली?" "पैसा," कैथरीन ने कहा। "दस साल से मैं एक वेतनभोगी साथी रही हूँ, मेरे पास खुद के इतने ही पैसे थे कि मैं अपने लिए मजबूत देहाती जूते खरीद सकूँ; अब मुझे जो मिला है वह मुझे एक बड़ी दौलत जैसा लगता है, हालाँकि मुझे यकीन है कि आपको ऐसा नहीं लगेगा।"
"अब मुझे हैरानी हो रही है कि तुम ऐसा क्यों कह रही हो - मुझे तो ऐसा नहीं लगता।" कैथरीन हंस पड़ी। "मुझे सच में नहीं पता। शायद बिना सोचे-समझे ही धारणाएं बन जाती हैं। मैंने तुम्हें अपने मन में धरती के सबसे अमीर लोगों में गिना था। यह महज़ एक धारणा थी। मुझे लगता है कि मैं गलत थी।"
"नहीं," रूथ ने कहा, "आप गलत नहीं हैं।"
वह अचानक बहुत गंभीर हो गई। "काश आप मुझे यह बता पाते कि मेरे बारे में आपके मन में और क्या धारणाएं बनी हैं?"
"मैं -"
रूथ ने दूसरे की शर्मिंदगी की परवाह किए बिना अपना काम जारी रखा।
"अरे, प्लीज़, रूढ़िवादी मत बनो। मैं जानना चाहती हूँ। विक्टोरिया से निकलते समय मैंने तुम्हारी तरफ देखा, और मुझे ऐसा लगा जैसे तुम समझ गई हो कि मेरे मन में क्या चल रहा है।"
"मैं आपको यकीन दिला सकती हूं कि मैं किसी के मन की बात नहीं पढ़ सकती," कैथरीन ने मुस्कुराते हुए कहा।
"नहीं; लेकिन क्या आप मुझे बताएँगी कि आपने क्या सोचा?" रूथ की उत्सुकता इतनी तीव्र और सच्ची थी कि उसने अपनी बात मनवा ली।
"अगर आप चाहें तो मैं आपको बता दूँगी, लेकिन मुझे उद्दंड न समझें। मुझे लगा कि किसी कारणवश आप बहुत मानसिक पीड़ा में हैं, और मुझे आपके लिए दुख हुआ।" "आप सही कह रहे हैं। आप बिलकुल सही कह रहे हैं। मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ। मैं - अगर अनुमति हो तो मैं आपको इसके बारे में कुछ बताना चाहूँगा।"

"हे भगवान!" कैथरीन ने मन ही मन सोचा, "दुनिया कितनी अजीब तरह से एक जैसी लगती है! सेंट मैरी मीड में लोग हमेशा मुझे कुछ न कुछ बताते रहते थे, और यहाँ भी बिलकुल वैसा ही है, और मैं सच में किसी की भी परेशानियाँ सुनना नहीं चाहती!"

उसने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया:
मुझे जरूर बताएं।
वे अपना दोपहर का भोजन समाप्त कर रहे थे। रूथ ने अपनी कॉफ़ी गटक ली, अपनी सीट से उठी और इस बात से बिल्कुल बेखबर कि कैथरीन ने अभी तक अपनी कॉफ़ी पीना शुरू भी नहीं किया था, बोली: "मेरे साथ मेरे डिब्बे में आओ।"
वे दो अलग-अलग डिब्बे थे जिनके बीच एक साझा दरवाजा था। दूसरे डिब्बे में एक दुबली-पतली नौकरानी, जिसे कैथरीन ने विक्टोरिया में देखा था, सीट पर एकदम सीधी बैठी थी और उसने एक बड़ा लाल रंग का मोरक्को का बैग पकड़ रखा था जिस पर R.V.K. लिखा हुआ था। श्रीमती केटरिंग ने साझा दरवाजा खोला और सीट पर बैठ गईं। कैथरीन भी उनके बगल में बैठ गई।
मैं मुश्किल में हूँ और मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूँ। एक आदमी है जिसे मैं बहुत प्यार करती हूँ - सच में बहुत प्यार। हम जवानी में एक-दूसरे की परवाह करते थे, और हमें बेहद बेरहमी और अन्याय से अलग कर दिया गया था। अब हम फिर से एक साथ आ गए हैं।
"हाँ?"
मैं... मैं अभी उससे मिलने जा रही हूँ। ओह! मुझे लगता है कि आपको यह सब गलत लग रहा होगा, लेकिन आप हालात नहीं जानते। मेरे पति का व्यवहार बहुत ही खराब है। उन्होंने मेरे साथ बेहद अपमानजनक व्यवहार किया है।
"हां," कैथरीन ने फिर कहा।
"मुझे सबसे ज्यादा बुरा इस बात का लग रहा है। मैंने अपने पिता को धोखा दिया है - आज विक्टोरिया में मुझे विदा करने वही आए थे। वो चाहते हैं कि मैं अपने पति से तलाक ले लूं, और ज़ाहिर है, उन्हें इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि मैं उस दूसरे आदमी से मिलने जा रही हूं। वो इसे बेहद मूर्खतापूर्ण समझेंगे।"
"अच्छा, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है।"

रूथ केटरिंग ने अपने हाथों की ओर देखा; वे बुरी तरह कांप रहे थे।
"लेकिन अब मैं पीछे नहीं हट सकता।"
"क्यों नहीं?"
"सब कुछ व्यवस्थित है, और इससे उसका दिल टूट जाएगा।"
"ऐसा मत मानो," कैथरीन ने दृढ़ता से कहा, "दिल काफी मजबूत होते हैं।"
"वह सोचेगा कि मुझमें साहस नहीं है, दृढ़ संकल्प नहीं है।"
"मुझे लगता है कि तुम जो करने जा रहे हो वह बहुत ही मूर्खतापूर्ण बात है," कैथरीन ने कहा। "मुझे लगता है कि तुम खुद भी यह बात समझते हो।"
रूथ केटरिंग ने अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। "मुझे नहीं पता - मुझे नहीं पता। जब से मैंने विक्टोरिया छोड़ी है, मुझे एक भयानक एहसास हो रहा है
- कुछ ऐसा जो बहुत जल्द मेरे साथ होने वाला है - जिससे मैं बच नहीं सकती।" उसने कांपते हुए कैथरीन का हाथ पकड़ लिया।
"आपको लग रहा होगा कि मैं आपसे इस तरह बात करके पागल हो गया हूँ, लेकिन मैं आपको बता दूं कि मुझे पता है कि कुछ भयानक होने वाला है।"
"ऐसा मत सोचो," कैथरीन ने कहा, "खुद को संभालो। अगर तुम चाहो तो पेरिस से अपने पिता को तार भेज सकती हो, और वह तुरंत तुम्हारे पास आ जाएंगे।" दूसरा चमक उठा।
"हाँ, मैं ऐसा कर सकती हूँ। प्यारे पिताजी। यह अजीब है - लेकिन मुझे आज तक पता ही नहीं था कि मैं उनसे कितना प्यार करती हूँ।" वह उठ बैठी और रुमाल से अपनी आँखें पोंछीं। "मैं बहुत मूर्ख थी। मुझे आपसे बात करने का मौका देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे नहीं पता कि मैं इस अजीब, हिस्टीरिकल अवस्था में क्यों आ गई।"
वह उठ खड़ी हुई। "मैं अब बिल्कुल ठीक हूँ। मुझे लगता है, असल में, मुझे बस किसी से बात करने की ज़रूरत थी। अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं खुद को इतना बड़ा मूर्ख क्यों बना रही थी।"
कैथरीन भी उठ खड़ी हुई।
"मुझे बहुत खुशी है कि अब आप बेहतर महसूस कर रहे हैं," उसने अपनी आवाज़ को यथासंभव सामान्य बनाने की कोशिश करते हुए कहा। वह भली-भांति जानती थी कि गोपनीय बातें साझा करने के बाद शर्मिंदगी ही होती है। उसने चतुराई से आगे कहा:

"मुझे अपने डिब्बे में वापस जाना होगा।"
वह गलियारे में उसी समय निकली जब नौकरानी भी बगल वाले कमरे से बाहर आ रही थी। नौकरानी ने कंधे के ऊपर से कैथरीन की ओर देखा और उसके चेहरे पर गहरी हैरानी के भाव दिखाई दिए। कैथरीन भी मुड़ी, लेकिन तब तक नौकरानी की दिलचस्पी जगाने वाला व्यक्ति अपने डिब्बे में वापस जा चुका था और गलियारा खाली हो गया था। कैथरीन अपने डिब्बे में वापस जाने के लिए गलियारे से नीचे चली गई, जो कि अगले डिब्बे में था। जैसे ही वह आखिरी डिब्बे से गुजरी, दरवाजा खुला और एक महिला का चेहरा एक पल के लिए बाहर दिखाई दिया और फिर उसने दरवाजा जोर से बंद कर दिया।
यह एक ऐसा चेहरा था जिसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकता था, जैसा कि कैथरीन को दोबारा देखने पर पता चला। एक खूबसूरत चेहरा, अंडाकार और सांवला, अजीबोगरीब ढंग से बहुत ज्यादा मेकअप किया हुआ। कैथरीन को लगा जैसे उसने इसे पहले कहीं देखा हो।
बिना किसी और घटना के वह अपने डिब्बे में वापस आ गई और कुछ देर बैठकर उस बात पर सोचने लगी जो अभी-अभी उससे कही गई थी। वह यूं ही सोच रही थी कि मिंक कोट वाली वह औरत कौन हो सकती है, और यह भी कि उसकी कहानी का अंत कैसा होगा। "अगर मैंने किसी को बेवकूफ बनने से रोका है, तो शायद मैंने अच्छा काम किया है," उसने मन ही मन सोचा। "लेकिन कौन जानता है? वह तो ऐसी औरत है जो पूरी जिंदगी जिद्दी और अहंकारी रही है, और शायद उसके लिए कुछ अलग तरह का काम करना अच्छा हो। खैर - मुझे नहीं लगता कि मैं उसे फिर कभी देख पाऊंगी। वह भी मुझसे दोबारा मिलना नहीं चाहेगी। लोगों की बातों पर भरोसा करने का यही सबसे बुरा नतीजा है। वे कभी नहीं मानते।"
उसे उम्मीद थी कि रात के खाने पर उसे वही मेज नहीं मिलेगी। उसने हल्के- फुल्के अंदाज़ में सोचा कि शायद दोनों के लिए यह असहज हो सकता है। तकिए पर सिर टिकाकर पीछे झुकते हुए वह थकी हुई और थोड़ी उदास महसूस कर रही थी। वे पेरिस पहुँच चुके थे, और बार-बार रुकने और इंतज़ार करने वाली यह धीमी यात्रा बहुत उबाऊ थी।
जब वे गैरे डे लियोन स्टेशन पहुंचे तो वह उतरकर प्लेटफार्म पर इधर-उधर घूमने से बहुत खुश हुई। भाप से चलने वाली ट्रेन के बाद ठंडी हवा ताजगी भरी थी।

उसने मुस्कुराते हुए देखा कि मिंक कोट पहने उसकी सहेली रात के खाने की संभावित असहजता को अपने ही तरीके से सुलझा रही थी। खाने की टोकरी खिड़की से ऊपर भेजी जा रही थी जिसे नौकरानी ने ग्रहण कर लिया।
जब ट्रेन दोबारा चली और घंटियों की तेज़ आवाज़ से खाने का ऐलान हुआ, तो कैथरीन राहत की सांस लेते हुए अंदर चली गई। आज रात उसका सामना एक बिल्कुल अलग तरह के व्यक्ति से हुआ - एक छोटा सा आदमी, दिखने में बिल्कुल विदेशी, जिसकी मूंछें करीने से संवारी हुई थीं और जिसका सिर अंडाकार था और जो थोड़ा एक तरफ झुका हुआ था। कैथरीन अपने साथ खाने पर एक किताब लेकर आई थी। उसने देखा कि उस छोटे आदमी की नज़रें उस किताब पर टिकी हुई थीं और वह उसे देखकर मुस्कुरा रहा था।
"देखा, महोदया, आपके पास एक रोमन पोलिसियर है। आपको ऐसी चीजें पसंद हैं?" "वे मुझे मनोरंजक लगते हैं," कैथरीन ने स्वीकार किया।
उस छोटे आदमी ने पूरी समझदारी का भाव दिखाते हुए सिर हिलाया।
"मुझे बताया गया है कि उनकी बिक्री हमेशा अच्छी रहती है। अब ऐसा क्यों है, महोदया? मैं आपसे यह सवाल मानव स्वभाव के विद्यार्थी के रूप में पूछ रहा हूँ - ऐसा क्यों होता है?"
कैथरीन को और भी ज्यादा मजा आने लगा।
"शायद वे किसी को एक रोमांचक जीवन जीने का भ्रम देते हैं," उसने सुझाव दिया।
उन्होंने गंभीरता से सिर हिलाया।
"हां, इसमें कुछ सच्चाई है।"
"बेशक, हर कोई जानता है कि ऐसी चीजें वास्तव में नहीं होतीं," कैथरीन अपनी बात जारी रख रही थी, लेकिन उसने उसे बीच में ही तीखे स्वर में रोक दिया। "कभी-कभी, मैडमोजेल! कभी-कभी! मैं जो आपसे बात कर रही हूँ - ये मेरे साथ भी घटित हो चुकी हैं।"
उसने उत्सुकता भरी नजर से उसे सरसरी नजर से देखा।
उन्होंने आगे कहा, "कौन जानता है, शायद एक दिन आप भी इन सब चीज़ों के केंद्र में हों। यह सब संयोग की बात है।"

"मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने की संभावना है," कैथरीन ने कहा, "मेरे साथ कभी भी इस तरह की कोई घटना नहीं होती।"

वह आगे की ओर झुका।
"क्या आप ऐसा चाहेंगे?"
इस सवाल ने उसे चौंका दिया और उसने गहरी सांस ली।
“शायद ये मेरा वहम है,” उस छोटे आदमी ने बड़ी कुशलता से एक कांटे को चमकाते हुए कहा, “लेकिन मुझे लगता है कि आपके मन में रोचक घटनाओं की चाह है। खैर, मैडम, मैंने अपने पूरे जीवन में एक ही बात देखी है - ‘जो चाहो वो पा लो!’ कौन जाने?” उसका चेहरा हास्यास्पद ढंग से सिकुड़ गया। “हो सकता है आपको अपनी उम्मीद से कहीं ज़्यादा मिल जाए।”
"क्या यह कोई भविष्यवाणी है?" कैथरीन ने मेज से उठते हुए मुस्कुराते हुए पूछा।
उस छोटे आदमी ने अपना सिर हिलाया।
“मैं कभी भविष्यवाणी नहीं करता,” उसने बड़े गर्व से कहा। “यह सच है कि मेरी भविष्यवाणी हमेशा सही होती है - लेकिन मैं इस पर घमंड नहीं करता। शुभ रात्रि, महोदया, और आशा है आपको अच्छी नींद आएगी।”
कैथरीन अपनी छोटी पड़ोसी से खुश और मनोरंजनित होकर ट्रेन से वापस चली गई। वह अपनी सहेली के डिब्बे के खुले दरवाजे से गुजरी और उसने देखा कि कंडक्टर बिस्तर लगा रहा था। मिंक कोट पहने महिला खिड़की से बाहर देख रही थी। कैथरीन ने संचार द्वार से देखा तो दूसरा डिब्बा खाली था, चटाई पर कालीन और थैले ढेर लगे हुए थे। नौकरानी वहाँ नहीं थी।
कैथरीन ने देखा कि उसका बिस्तर तैयार है और चूंकि वह थकी हुई थी, इसलिए वह बिस्तर पर चली गई और लगभग साढ़े नौ बजे अपनी लाइट बंद कर दी।
वह अचानक चौंककर जाग उठी; कितना समय बीत चुका था, उसे पता नहीं था। घड़ी पर नजर डालते ही उसने पाया कि वह रुक चुकी थी।
एक तीव्र बेचैनी उसे घेर लेती थी और पल-पल बढ़ती ही जाती थी। आखिरकार वह उठी, अपना ड्रेसिंग गाउन कंधों पर डाला और गलियारे में कदम रखा। पूरी ट्रेन नींद में डूबी हुई प्रतीत हो रही थी। कैथरीन ने खिड़की नीचे की और कुछ मिनटों तक उसके पास बैठी रही, ठंडी रात की हवा का आनंद लेती रही और अपनी बेचैनी को शांत करने की व्यर्थ कोशिश करती रही। थोड़ी देर बाद उसने फैसला किया कि वह ट्रेन के आखिरी छोर तक जाएगी और कंडक्टर से सही समय पूछेगी ताकि वह अपनी घड़ी मिला सके। लेकिन उसने पाया कि उसकी छोटी सी कुर्सी खाली थी।

वह एक पल के लिए झिझकी और फिर अगले डिब्बे में चली गई। उसने गलियारे की लंबी, धुंधली रेखा पर नज़र डाली और आश्चर्य से देखा कि एक आदमी मिंक कोट वाली महिला के डिब्बे के दरवाजे पर हाथ रखे खड़ा था। यानी, उसने सोचा कि वह वही डिब्बा है। हालाँकि, शायद वह गलत थी। वह एक-दो पल के लिए उसकी ओर पीठ करके खड़ा रहा, मानो अनिश्चित और झिझकता हुआ हो। फिर वह धीरे से मुड़ा, और नियति के एक अजीब से एहसास के साथ, कैथरीन ने उसे पहचान लिया। वह वही आदमी था जिसे उसने पहले दो बार देखा था - एक बार सेवॉय होटल के गलियारे में और एक बार कुक के दफ्तर में। फिर उसने डिब्बे का दरवाजा खोला और अंदर चला गया, दरवाजा पीछे खींचते हुए।
कैथरीन के मन में एक विचार कौंधा। क्या यह वही आदमी हो सकता है जिसके बारे में दूसरी महिला ने बात की थी - वही आदमी जिससे मिलने के लिए वह यात्रा कर रही थी?
फिर कैथरीन ने खुद से कहा कि वह रोमांस कर रही थी। संभवतः उसने डिब्बे को लेकर कोई गलती कर दी थी।
वह अपने डिब्बे में वापस चली गई। पांच मिनट बाद ट्रेन की गति धीमी हो गई। वेस्टिंगहाउस ब्रेक की लंबी, दर्द भरी फुफकार सुनाई दी, और कुछ मिनट बाद ट्रेन ल्योंस में आकर रुक गई।

अध्याय 11

हत्या

अगली सुबह कैथरीन की नींद तेज धूप में खुली। वह नाश्ते के लिए जल्दी चली गई, लेकिन उसे कल के अपने किसी भी परिचित से मुलाकात नहीं हुई। जब वह अपने डिब्बे में लौटी, तो कंडक्टर ने उसे दिन के समय के स्वरूप में बहाल कर दिया था। कंडक्टर एक सांवला आदमी था जिसकी मूंछें झुकी हुई थीं और चेहरा उदास था।
उन्होंने कहा, "मैडम भाग्यशाली हैं, आज धूप खिली है। धुंधली सुबह में पहुंचने पर यात्रियों को हमेशा बहुत निराशा होती है।"
"मुझे निश्चित रूप से निराश होना चाहिए था," कैथरीन ने कहा।
वह व्यक्ति जाने की तैयारी करने लगा।
"हमें काफी देर हो गई है, महोदया," उसने कहा। "मैं नीस पहुँचने से ठीक पहले आपको बता दूंगा।"
कैथरीन ने सिर हिलाया। वह खिड़की के पास बैठी, धूप से जगमगाते नज़ारे में खोई हुई थी। पीले पेड़, समुद्र का गहरा नीला रंग, चमकीले पीले मिमोसा फूल, ये सब उस महिला के लिए एक नए आकर्षण के साथ आए थे, जिसने चौदह वर्षों तक केवल इंग्लैंड की नीरस सर्दियों को ही जाना था।
जब वे कान्स पहुँचे, तो कैथरीन ट्रेन से उतरी और प्लेटफार्म पर इधर-उधर घूमने लगी। उसे मिंक कोट वाली महिला के बारे में जानने की उत्सुकता हुई और उसने उसके डिब्बे की खिड़कियों की ओर देखा। खिड़कियों पर पर्दे अभी भी लगे हुए थे - पूरी ट्रेन में केवल उन्हीं डिब्बों पर पर्दे लगे थे। कैथरीन को थोड़ा आश्चर्य हुआ, और जब वह ट्रेन में वापस चढ़ी तो गलियारे से गुज़रते हुए उसने देखा कि ये दोनों डिब्बे अभी भी बंद थे। मिंक कोट वाली महिला स्पष्ट रूप से सुबह जल्दी उठने वाली नहीं थी।
कुछ देर बाद कंडक्टर उसके पास आया और उसे बताया कि कुछ ही मिनटों में ट्रेन नीस पहुँच जाएगी। कैथरीन ने उसे टिप दी; उस आदमी ने उसे धन्यवाद दिया, लेकिन फिर भी वहीं रुका रहा।

उसमें कुछ अजीब सा था। कैथरीन, जिसे पहले लगा था कि शायद टिप कम दी गई थी, अब आश्वस्त हो गई थी कि कुछ बहुत गंभीर गड़बड़ है। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, वह बुरी तरह कांप रहा था और ऐसा लग रहा था जैसे डर के मारे उसकी जान निकल गई हो। वह उसे उत्सुकता से देख रहा था। तभी उसने अचानक कहा: "मैडम मुझे माफ़ करेंगी, लेकिन क्या वह नीस में दोस्तों से मिलने की उम्मीद कर रही हैं?"
"शायद," कैथरीन ने कहा। "क्यों?"
लेकिन उस आदमी ने बस अपना सिर हिलाया और कुछ बुदबुदाया जिसे कैथरीन समझ नहीं पाई और वहां से चला गया, और तब तक दोबारा दिखाई नहीं दिया जब तक कि ट्रेन स्टेशन पर रुक नहीं गई, और फिर उसने खिड़की से कैथरीन का सामान नीचे देना शुरू कर दिया।
कैथरीन कुछ पल मंच पर असमंजस में खड़ी रही, लेकिन तभी एक गोरे रंग का भोला- भाला युवक उसके पास आया और कुछ हिचकिचाते हुए बोला:
"मिस ग्रे, है ना?"
कैथरीन ने कहा कि हाँ, और वह युवक देवदूत की तरह मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा और धीरे से बोला:
"मैं चबी हूँ, आप जानते हैं ना - लेडी टैम्पलिन का पति। मुझे लगता है उन्होंने मेरा ज़िक्र किया होगा, लेकिन शायद भूल गईं। क्या आपके पास आपका सामान रखने का टिकट है? इस साल जब मैं बाहर आया तो मेरा टिकट खो गया था, और आप यकीन नहीं करेंगे कि उन्होंने इस पर कितना हंगामा किया। फ्रांसीसी लालफीताशाही तो आम बात है!"
कैथरीन ने उसे निकाला और उसके बगल में जाने ही वाली थी कि तभी एक बहुत ही कोमल और कपटी आवाज उसके कान में फुसफुसाई:
"कृपया थोड़ी देर रुकिए, महोदया।"
कैथरीन ने मुड़कर एक ऐसे व्यक्ति को देखा जिसने अपने छोटे कद की भरपाई सोने की फीती और वर्दी की भारी मात्रा से की थी।
उस व्यक्ति ने समझाया, "कुछ औपचारिकताएँ थीं। शायद महोदया उनके साथ चलने की कृपा करेंगी। पुलिस के नियम--" उसने अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "बेतुका, बेशक, लेकिन यही बात थी।"
श्री चबी इवांस ने बहुत ही अपूर्ण समझ के साथ सुना, क्योंकि उनकी फ्रेंच भाषा का ज्ञान सीमित स्तर का था।

"बिल्कुल फ्रांसीसियों की तरह," श्री इवांस ने धीरे से कहा। वे उन कट्टर देशभक्त ब्रिटिश नागरिकों में से एक थे, जिन्होंने किसी दूसरे देश के एक हिस्से पर अपना अधिकार जमा लिया था और वहाँ के मूल निवासियों से उन्हें बहुत नफरत थी। "हमेशा कोई न कोई बेवकूफी भरी हरकत करते रहते हैं। वैसे, उन्होंने पहले कभी थाने में लोगों से मारपीट नहीं की। यह तो बिलकुल नई बात है। मुझे लगता है आपको जाना ही पड़ेगा।"
कैथरीन अपने गाइड के साथ रवाना हुई। उसे कुछ आश्चर्य हुआ जब गाइड उसे एक साइडिंग की ओर ले गया जहाँ पिछली ट्रेन का एक डिब्बा खड़ा था। उसने उसे उसमें बैठने के लिए कहा और गलियारे में उसके आगे चलते हुए एक डिब्बे का दरवाजा खोल दिया।
उसमें एक भव्य दिखने वाला सरकारी अधिकारी था, और उसके साथ एक साधारण सा दिखने वाला व्यक्ति था जो क्लर्क जैसा लग रहा था। भव्य दिखने वाले अधिकारी ने विनम्रता से उठकर कैथरीन को प्रणाम किया और कहा:
"माफ़ कीजिएगा, महोदया, लेकिन कुछ औपचारिकताओं का पालन करना आवश्यक है। मुझे उम्मीद है कि महोदया फ्रेंच बोलती हैं?"
"मुझे लगता है, पर्याप्त है, महाशय," कैथरीन ने उसी भाषा में उत्तर दिया। "यह अच्छा है। कृपया बैठ जाइए, महोदया। मैं एम. कॉक्स, पुलिस कमिश्नर हूं।" उसने गर्व से अपनी छाती फुला ली, और कैथरीन ने पर्याप्त रूप से प्रभावित दिखने की कोशिश की।
"क्या आप मेरा पासपोर्ट देखना चाहते हैं?" उसने पूछा। "यह रहा।"
कमिश्नर ने उसे गौर से देखा और हल्की सी आह भरी।
"धन्यवाद, महोदया," उसने उनसे पासपोर्ट लेते हुए कहा। उसने अपना गला साफ किया।
"लेकिन मुझे वास्तव में थोड़ी सी जानकारी चाहिए।"
"जानकारी?"
कमिश्नर ने धीरे से अपना सिर हिलाया।
"आपकी सहयात्री एक महिला के बारे में। आपने कल उनके साथ दोपहर का भोजन किया था।"
मुझे खेद है कि मैं उसके बारे में आपको कुछ नहीं बता सकती। भोजन के दौरान हमारी बातचीत शुरू हुई, लेकिन वह मेरे लिए पूरी तरह से अजनबी है। मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा।

"और फिर भी," कमिसरी ने तीखे स्वर में कहा, "तुम दोपहर के भोजन के बाद उसके साथ उसके डिब्बे में वापस गए और कुछ देर तक बैठकर बातें करते रहे?"
"हां," कैथरीन ने कहा, "यह सच है।"
कमिसरी को लग रहा था कि वह कुछ और कहेगी। उसने उसे प्रोत्साहन भरी नजरों से देखा।
"जी महोदया?"
"तो, महाशय?" कैथरीन ने कहा।
"क्या आप मुझे उस बातचीत के बारे में कुछ जानकारी दे सकते हैं?"
"मैं कर सकती हूँ," कैथरीन ने कहा, "लेकिन फिलहाल मुझे ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता।"
कुछ हद तक ब्रिटिश शैली में, उसे गुस्सा आया।
उसे वह विदेशी अधिकारी अभद्र प्रतीत हुआ।
"कोई कारण नहीं?" कमिश्नर चिल्लाया। "जी हां, महोदया, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इसका एक कारण है।"

"तो शायद आप इसे मुझे दे देंगे।"
कमिसरी ने बिना कुछ बोले एक-दो मिनट तक सोच-विचार करते हुए अपनी ठुड्डी को रगड़ा।
अंत में उसने कहा, "महोदया, कारण बहुत सरल है। संबंधित महिला आज सुबह अपने डिब्बे में मृत पाई गई।"
"मर गया!" कैथरीन ने हांफते हुए कहा। "क्या हुआ था - दिल का दौरा?"
"नहीं," कमिश्नर ने सोच-विचार भरे स्वर में कहा। "नहीं - उसकी हत्या की गई थी।"
"हत्या कर दी गई!" कैथरीन चिल्लाई।
"तो आप देख सकती हैं, महोदया, कि हम हर संभव जानकारी प्राप्त करने के लिए इतने उत्सुक क्यों हैं।"
लेकिन उसकी नौकरानी तो अवश्य ही-"
नौकरानी गायब हो गई है।
"ओह!" कैथरीन ने अपने विचारों को इकट्ठा करने के लिए कुछ देर रुककर सोचा।

"चूंकि कंडक्टर ने आपको उसके डिब्बे में उससे बात करते हुए देखा था, इसलिए उसने स्वाभाविक रूप से पुलिस को इसकी सूचना दी, और इसीलिए, महोदया, हमने आपसे कुछ जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद में आपको हिरासत में लिया है।" कैथरीन ने कहा, "मुझे बहुत खेद है, मुझे उसका नाम तक नहीं पता।"
"उसका नाम केटरिंग है। यह हमें उसके पासपोर्ट और उसके सामान पर लगे लेबल से पता चला है। अगर हम -"
डिब्बे के दरवाजे पर दस्तक हुई। एम. कॉक्स ने भौंहें चढ़ाईं। उन्होंने दरवाजा लगभग छह इंच खोला।
"क्या बात है?" उसने सख्ती से कहा। "मुझे परेशान नहीं किया जा सकता।" कैथरीन के साथ रात के खाने पर आए एक परिचित का अंडाकार सिर खिड़की के छेद से दिखाई दिया। उसके चेहरे पर एक खिलखिलाती मुस्कान थी।
उन्होंने कहा, "मेरा नाम हरक्यूल पोइरोट है।"
"नहीं," कमिश्नर हकलाते हुए बोला, "हर्क्यूल पोइरोट नहीं?"
“वही बात,” श्री पोइरोट ने कहा। “मुझे याद है कि मैं आपसे एक बार पेरिस के पुलिस स्टेशन में मिला था, श्री कॉक्स, हालांकि निस्संदेह आप मुझे भूल गए होंगे?”
“बिल्कुल नहीं, महोदय, बिलकुल नहीं,” कमिश्नर ने उत्साहपूर्वक कहा। “लेकिन कृपया अंदर आइए। आप इसके बारे में जानते हैं-”
"हां, मुझे पता है," हरक्यूल पोइरोट ने कहा। "मैं यह देखने आया था कि क्या मैं किसी तरह आपकी मदद कर सकता हूँ?"
"हमें गर्व होना चाहिए," कमिश्नर ने तुरंत जवाब दिया। "मिस्टर पोइरोट, मैं आपको -" उन्होंने अपने हाथ में पकड़े पासपोर्ट को देखते हुए कहा - "मैडम - उह - मैडमोजेल ग्रे से मिलवाता हूँ।"

पोइरोट ने कैथरीन की ओर देखकर मुस्कुराया।
"यह अजीब बात है, है ना," उसने धीरे से कहा, "कि मेरी बातें इतनी जल्दी सच हो गईं?"
"मैडम, अफसोस! वह हमें बहुत कम बता सकती हैं," कमिश्नरी ने कहा।
कैथरीन ने कहा, "मैं समझा रही थी कि यह बेचारी महिला मेरे लिए बिल्कुल अजनबी थी।"
पोइरोट ने सिर हिलाया।

"लेकिन उसने तुमसे बात की थी, है ना?" उसने नरमी से कहा। "तुम्हारे मन में एक धारणा बन गई थी - है ना?"
"हां," कैथरीन ने सोच-विचार करते हुए कहा। "मुझे लगता है मैंने किया था। और वह धारणा यह थी कि-"
"जी हां, मैडम -" कमिश्नर ने खुद को आगे की ओर झटका दिया - "हमें आपकी राय अवश्य बताएं।"
कैथरीन मन ही मन पूरी घटना पर विचार कर रही थी। उसे ऐसा लग रहा था मानो वह किसी का विश्वास तोड़ रही हो, लेकिन 'हत्या' जैसा घिनौना शब्द उसके कानों में गूंज रहा था, इसलिए वह कुछ भी छुपाने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी। बहुत कुछ दांव पर लगा हो सकता था। इसलिए, उसने यथासंभव, मृत महिला के साथ हुई बातचीत को शब्दशः दोहराया।
“यह दिलचस्प है,” कमिश्नर ने दूसरे की ओर देखते हुए कहा। “अरे, मिस्टर पोइरोट, यह दिलचस्प है? चाहे इसका अपराध से कोई संबंध हो या नहीं—” उन्होंने वाक्य अधूरा छोड़ दिया।
"मुझे लगता है कि यह आत्महत्या नहीं हो सकती," कैथरीन ने कुछ संदेह भरे लहजे में कहा।
"नहीं," कमिश्नर ने कहा, "यह आत्महत्या नहीं हो सकती। उसका गला काले रंग की रस्सी से घोंटा गया था।"
"ओह!" कैथरीन कांप उठी। एम. कॉक्स ने माफी मांगते हुए अपने हाथ फैलाए। "यह अच्छा नहीं है - नहीं। मुझे लगता है कि हमारे देश के ट्रेन लुटेरे आपके देश के लुटेरों से कहीं ज्यादा क्रूर हैं।"
"यह बहुत भयानक है।"
"जी हां, जी हां -" वह शांत और क्षमाप्रार्थी स्वर में बोले - "लेकिन आपमें बहुत साहस है, मैडम। आपको देखते ही मैंने मन ही मन कहा, 'मैडम में बहुत साहस है।' इसीलिए मैं आपसे कुछ और करने के लिए कह रहा हूं - कुछ कष्टदायक, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह बहुत आवश्यक है।"
कैथरीन ने आशंका भरी नजरों से उसकी ओर देखा।
उसने माफी मांगते हुए अपने हाथ फैला दिए।
"मैडम, मैं आपसे अनुरोध करने जा रहा हूँ कि आप कृपा करके मेरे साथ अगले डिब्बे तक चलें।"
"क्या मुझे ऐसा करना ही होगा?" कैथरीन ने धीमी आवाज में पूछा।

"किसी को तो उसकी पहचान करनी ही होगी," कमिश्नर ने कहा, "और चूंकि नौकरानी गायब हो गई है -" उसने खांसते हुए कहा - "ऐसा लगता है कि जब से वह ट्रेन में सवार हुई है, तब से आपने ही उसे सबसे ज्यादा देखा है।"
"ठीक है," कैथरीन ने धीमी आवाज़ में कहा, "अगर ज़रूरी हो तो-"
वह उठी। पोइरोट ने सहमति में सिर हिलाया।
“मैडम समझदार हैं,” उन्होंने कहा। “क्या मैं आपके साथ चल सकता हूँ, श्रीमान कॉक्स?”
"मंत्रमुग्ध कर देने वाला, मेरे प्रिय एम. पोइरोट।"
वे गलियारे में गए और एम. कॉक्स ने मृत महिला के कमरे का दरवाज़ा खोला। दूर वाले कमरे के पर्दे आधे खुले हुए थे ताकि रोशनी अंदर आ सके। मृत महिला उनके बाईं ओर बर्थ पर लेटी हुई थी, इतनी स्वाभाविक मुद्रा में कि कोई भी उसे सोता हुआ समझ सकता था। चादर उसके ऊपर खींची हुई थी और उसका सिर दीवार की ओर था, जिससे केवल उसके लाल भूरे बाल ही दिखाई दे रहे थे। एम. कॉक्स ने बहुत धीरे से उसके कंधे पर हाथ रखा और शरीर को वापस घुमाया ताकि चेहरा दिखाई दे। कैथरीन थोड़ी सी सिहर उठी और उसने अपने नाखून हथेलियों में गड़ा दिए। एक ज़ोरदार चोट ने उसके चेहरे को लगभग पहचान से परे बिगाड़ दिया था। पोइरोट ने तीखी आवाज़ में कहा।
"मुझे आश्चर्य है कि यह कब हुआ था? मृत्यु से पहले या बाद में?" उसने पूछा।

"डॉक्टर का कहना है कि बाद में," एम. कॉक्स ने कहा।
"अजीब बात है," पोइरोट ने अपनी भौंहें सिकोड़ते हुए कहा।
उसने कैथरीन की ओर मुड़कर कहा, "हिम्मत रखिए, मैडम, उसे ध्यान से देखिए।
क्या आपको यकीन है कि यह वही महिला है जिससे आपने कल ट्रेन में बात की थी?" कैथरीन में धैर्य था। उसने हिम्मत जुटाकर लेटी हुई आकृति को ध्यान से देखा। फिर वह आगे झुकी और मृत महिला का हाथ थाम लिया।
"मुझे पूरा यकीन है," उसने काफी देर बाद जवाब दिया। "चेहरा इतना विकृत है कि पहचानना मुश्किल है, लेकिन कद-काठी, हाव-भाव और बाल बिल्कुल वैसे ही हैं, और इसके अलावा मैंने यह भी देखा -" उसने मृत महिला की कलाई पर एक छोटे से तिल की ओर इशारा करते हुए कहा - "जब मैं उससे बात कर रही थी।"

"अच्छा," पोइरोट ने सहमति जताते हुए कहा। "आप एक बेहतरीन गवाह हैं, मैडमोजेल। अब पहचान को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन फिर भी यह अजीब है।" उन्होंने व्याकुलता से मृत महिला की ओर भौंहें चढ़ाईं।
एम. कॉक्स ने अपने कंधे उचका दिए।
उन्होंने सुझाव दिया, "हत्यारा निश्चित रूप से क्रोध में बह गया था।" "अगर उसे मार गिराया गया होता, तो बात समझ में आती," पोइरोट ने सोचा, "लेकिन जिस आदमी ने उसका गला घोंटा, वह चुपके से पीछे से आया और उसे अचानक पकड़ लिया। एक हल्की सी घुटन - एक हल्की सी घुरघुराहट - बस यही सुनाई दी होगी, और फिर उसके बाद - उसके चेहरे पर वह ज़ोरदार प्रहार। अब क्यों? क्या उसे उम्मीद थी कि अगर चेहरा पहचानने लायक न रहे तो उसकी पहचान न हो पाए? या वह उससे इतनी नफरत करता था कि मरने के बाद भी वह उस प्रहार को करने से खुद को रोक नहीं पाया?"

कैथरीन सिहर उठी, और वह तुरंत दयालुता से उसकी ओर मुड़ गया।
"मैडम, आपको मेरी बातों से परेशान नहीं होना चाहिए," उन्होंने कहा। "आपके लिए यह सब बहुत भयानक है। लेकिन मेरे लिए, अफसोस! यह तो पुरानी बात है। कृपया आप दोनों एक पल रुकें।"
वे दरवाज़े के पास खड़े होकर उसे देख रहे थे, जब वह तेज़ी से डिब्बे का चक्कर लगा रहा था। उसने देखा कि मृत महिला के कपड़े बर्थ के सिरे पर करीने से तह करके रखे हुए थे, हुक पर एक बड़ा फर का कोट टंगा हुआ था, और रैक पर एक छोटी लाल लाख की टोपी रखी थी। फिर वह बगल वाले डिब्बे में चला गया, जिसमें कैथरीन ने नौकरानी को बैठे देखा था। यहाँ बर्थ बिछाई नहीं गई थी। सीट पर तीन-चार गलीचे बेतरतीब ढंग से रखे हुए थे; वहाँ एक टोपी रखने का डिब्बा और दो सूटकेस थे। वह अचानक कैथरीन की ओर मुड़ा।
"कल आप यहाँ थे," उसने कहा। "क्या आपको कुछ बदला हुआ या गायब दिखाई दे रहा है?"
कैथरीन ने दोनों डिब्बों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया।
"हाँ," उसने कहा, "कुछ गायब है - एक गहरे लाल रंग का मोरक्को चमड़े का डिब्बा। उस पर 'आर.वी.के.' अक्षर खुदे हुए थे। यह शायद एक छोटा ड्रेसिंग बॉक्स या गहनों का बड़ा डिब्बा रहा होगा। जब मैंने इसे देखा, तो नौकरानी इसे पकड़े हुए थी।"

"आह!" पोइरोट ने कहा।
"लेकिन, निश्चित रूप से," कैथरीन ने कहा। "मैं - बेशक, मुझे ऐसी चीजों के बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन अगर नौकरानी और गहनों का डिब्बा गायब हैं, तो यह बात तो बिल्कुल स्पष्ट है, है ना?"
"आपका मतलब है कि चोर नौकरानी थी? नहीं, मैडम; इसके खिलाफ एक बहुत अच्छा कारण है," कमिश्नर ने कहा।
"क्या?"
"नौकरानी पेरिस में ही छूट गई थी।"
उसने पोइरोट की ओर रुख किया।
"मैं चाहूंगा कि आप कंडक्टर की कहानी खुद सुनें," उसने दबे स्वर में कहा। "यह बहुत ही विचारोत्तेजक है।"
"मैडमोजेल भी इसे सुनना पसंद करेंगी," पोइरोट ने कहा। "आपको कोई आपत्ति तो नहीं है, महाशय कमिश्नर?"
"नहीं," कमिश्नर ने कहा, जो स्पष्ट रूप से बहुत आपत्ति जता रहे थे। "नहीं, बिल्कुल नहीं, मिस्टर पोइरोट, अगर आप ऐसा कहते हैं। क्या आपका काम यहाँ समाप्त हो गया है?"
"मुझे ऐसा लगता है। बस एक मिनट।"

वह कालीनों को पलट रहा था, और अब उसने एक कालीन को खिड़की के पास ले जाकर देखा और अपनी उंगलियों से उस पर से कुछ उठाया।
"यह क्या है?" एम. कॉक्स ने तीखे स्वर में पूछा।
"चार भूरे बाल।" वह मृत महिला के ऊपर झुका। "हाँ, ये मैडम के सिर के हैं।" "और इससे क्या फर्क पड़ता है? क्या आप इन्हें महत्व देते हैं?"
पोइरोट ने कालीन को वापस सीट पर गिरने दिया।
"क्या महत्वपूर्ण है? क्या नहीं? इस स्तर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन हमें हर छोटी-छोटी बात को ध्यानपूर्वक नोट करना चाहिए।"
वे वापस पहले डिब्बे में चले गए, और एक या दो मिनट में डिब्बे का कंडक्टर पूछताछ के लिए आ गया।
"आपका नाम पियरे मिशेल है?" कमिश्नर ने पूछा।
"जी हां, कमिश्नर।"

"मैं चाहूंगा कि आप इस सज्जन को -" उन्होंने पोइरोट की ओर इशारा करते हुए कहा - "वह कहानी दोहराएं जो आपने मुझे पेरिस में घटी घटना के बारे में बताई थी।"
"बहुत अच्छा, महाशय कमिश्नर। यह गैरे डे लियोन से निकलने के बाद की बात है। मैं बिस्तर ठीक करने के लिए साथ गया, यह सोचकर कि मैडम खाना खा रही होंगी, लेकिन उनके डिब्बे में खाने की टोकरी थी। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें अपनी नौकरानी को पेरिस में ही छोड़ना पड़ा, इसलिए मुझे केवल एक बर्थ ठीक करनी है। वह अपनी खाने की टोकरी बगल वाले डिब्बे में ले गईं और जब मैं बिस्तर ठीक कर रहा था, तब वह वहीं बैठ गईं; फिर उन्होंने मुझसे कहा कि वह सुबह जल्दी उठना नहीं चाहतीं, उन्हें देर तक सोना अच्छा लगता है। मैंने उनसे कहा कि मैं उनकी बात समझता हूँ, और उन्होंने मुझे 'शुभ रात्रि' कहा।" "क्या आप स्वयं बगल वाले डिब्बे में नहीं गए थे?"
"जी नहीं, महोदय।"
"तो क्या आपने ध्यान दिया कि वहाँ रखे सामान में एक लाल रंग का मोरक्को का सूटकेस भी था?"
"नहीं, महोदय, मैंने ऐसा नहीं किया।"
"क्या बगल वाले डिब्बे में किसी व्यक्ति को छिपाना संभव होता?"
कंडक्टर सोचने लगा।
उन्होंने कहा, "दरवाजा आधा खुला था। अगर उस दरवाजे के पीछे कोई आदमी खड़ा होता तो मैं उसे देख नहीं पाता, लेकिन जब मैडम अंदर गईं तो वह उन्हें साफ-साफ दिखाई देता।"
"बिल्कुल," पोइरोट ने कहा। "क्या आपको हमें कुछ और बताना है?"
"मुझे लगता है बस इतना ही है, महोदय। मुझे और कुछ याद नहीं है।"

"और अब आज सुबह?" पोइरोट ने पूछा।
"जैसा कि मैडम ने आदेश दिया था, मैंने उन्हें परेशान नहीं किया। कान फिल्म फेस्टिवल से ठीक पहले ही मैंने दरवाजा खटखटाने की हिम्मत की। कोई जवाब न मिलने पर मैंने दरवाजा खोला। महिला अपने बिस्तर पर सो रही थी। मैंने उन्हें जगाने के लिए कंधे से पकड़ा, और फिर-"
"और फिर आपने देखा कि क्या हुआ था," पोइरोट ने स्वयं कहा। "बहुत बढ़िया। मुझे लगता है कि मैं वह सब जान गया हूँ जो मैं जानना चाहता हूँ।"

"मुझे उम्मीद है, महाशय आयुक्त, मुझसे कोई लापरवाही नहीं हुई है," उस व्यक्ति ने दयनीय स्वर में कहा। "नीली ट्रेन में ऐसी घटना होना! यह बहुत भयानक है।"
"आप खुद को तसल्ली दीजिए," कमिश्नर ने कहा। "न्याय के हित में ही सही, इस मामले को यथासंभव शांत रखने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। मुझे नहीं लगता कि आपने किसी प्रकार की लापरवाही की है।"
"और महाशय कमिश्नर कंपनी को इसकी रिपोर्ट करेंगे?"
"बिल्कुल, बिल्कुल," एम. कॉक्स ने अधीरता से कहा। "अभी इतना काफी है।" कंडक्टर पीछे हट गया।
"चिकित्सकीय साक्ष्य के अनुसार, महिला की मृत्यु संभवतः ल्योंस पहुँचने से पहले ही हो चुकी थी। तो फिर हत्यारा कौन था? मैडमोजेल की कहानी से स्पष्ट है कि अपनी यात्रा के दौरान कहीं न कहीं उसकी मुलाकात उस व्यक्ति से होनी थी जिसके बारे में उसने बताया था। नौकरानी से छुटकारा पाने का उसका कार्य महत्वपूर्ण प्रतीत होता है। क्या वह व्यक्ति पेरिस में ट्रेन में चढ़ा था, और क्या उसने उसे बगल के डिब्बे में छिपाया था? यदि ऐसा है, तो उनके बीच झगड़ा हुआ होगा, और उसने क्रोध में आकर उसकी हत्या कर दी होगी। यह एक संभावना है। दूसरी, और मेरे विचार से अधिक संभावित संभावना यह है कि उसका हमलावर ट्रेन लुटेरा था जो ट्रेन में यात्रा कर रहा था, वह कंडक्टर की नजरों से बचकर गलियारे से चुपके से निकला, उसकी हत्या कर दी, और लाल मोरोक्को का बक्सा लेकर भाग गया जिसमें निस्संदेह कुछ मूल्यवान गहने थे। पूरी संभावना है कि वह ल्योंस में ट्रेन से उतर गया होगा, और हमने ट्रेन से उतरने वाले किसी भी व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी के लिए पहले ही स्टेशन को टेलीग्राम भेज दिया है।"
"या फिर वह नीस की ओर आ सकता था," पोइरोट ने सुझाव दिया।
"ऐसा हो सकता है," कमिश्नर ने सहमति जताते हुए कहा, "लेकिन यह बहुत साहसिक कदम होगा।"
पोइरोट ने बोलने से पहले एक-दो मिनट का समय लिया और फिर कहा:
"बाद वाले मामले में, क्या आपको लगता है कि वह व्यक्ति एक साधारण ट्रेन लुटेरा था?"
कमिसरी ने अपने कंधे उचका दिए।

"यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। हमें नौकरानी को पकड़ना होगा। हो सकता है कि लाल मोरक्को का बक्सा उसके पास हो। अगर ऐसा है, तो जिस आदमी के बारे में उसने मैडमोजेल से बात की थी, वह इस मामले में शामिल हो सकता है, और यह मामला आवेश में किया गया अपराध हो सकता है। मुझे खुद लगता है कि ट्रेन लुटेरे का मामला ज़्यादा संभावित है। ये लुटेरे आजकल बहुत ही साहसी हो गए हैं।"
पोइरोट ने अचानक कैथरीन की ओर देखा।
"और आप, मैडमोजेल," उसने कहा, "क्या आपने रात के दौरान कुछ भी सुना या देखा नहीं?"
"कुछ नहीं," कैथरीन ने कहा।
पोइरोट ने कमिसरी की ओर रुख किया।
उन्होंने सुझाव दिया, "मुझे लगता है कि अब हमें मैडमोजेल को हिरासत में रखने की जरूरत नहीं है।"
दूसरे ने सिर हिलाया।
"क्या वह हमें अपना पता देगी?" उसने कहा।
कैथरीन ने उन्हें लेडी टैम्पलिन के विला का नाम बताया। पोइरोट ने उन्हें थोड़ा झुककर प्रणाम किया।
“क्या आप मुझे आपसे दोबारा मिलने की अनुमति देंगी, मैडमोजेल?” उसने कहा। “या आपके इतने सारे दोस्त हैं कि आपका सारा समय उसी में लग जाएगा?”
"इसके विपरीत," कैथरीन ने कहा, "मेरे पास काफी खाली समय होगा, और मुझे आपसे दोबारा मिलकर बहुत खुशी होगी।"
"बहुत बढ़िया," पोइरोट ने कहा और उसे एक दोस्ताना अंदाज़ में सिर हिलाकर अभिवादन किया। "यह एक 'रोमन पुलिसियर' (हम मिलकर इस मामले की जांच करेंगे) होगा।"

अध्याय 12

विला मार्गुराइट में

"तो फिर तुम सचमुच इस सब के बीचोंबीच थीं!" लेडी टैम्पलिन ने ईर्ष्या से कहा। "मेरी प्यारी, कितना रोमांचक था!" उसने अपनी नीली आँखें चौड़ी कर लीं और एक हल्की सी आह भरी।
"यह सचमुच एक हत्या थी," श्री इवांस ने गर्व से कहा।
"बेशक चबी को इस तरह की किसी बात का कोई अंदाजा नहीं था," लेडी टैम्प्लिन ने आगे कहा, "वह समझ ही नहीं पा रहा था कि पुलिस तुम्हें क्यों ढूंढ रही है। मेरे प्यारे, कितना बढ़िया मौका है! मुझे लगता है, हाँ, मुझे तो पक्का लगता है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकल सकता है।"
एक चालाक नजर ने नीली आंखों की मासूमियत को धूमिल कर दिया।
कैथरीन को थोड़ी असहजता महसूस हुई। वे लोग अभी दोपहर का भोजन समाप्त कर रहे थे, और उसने बारी-बारी से मेज के चारों ओर बैठे तीनों लोगों को देखा। लेडी टैम्पलिन, व्यावहारिक योजनाओं से भरी हुई; मिस्टर इवांस, भोलेपन भरी प्रशंसा से मुस्कुराते हुए, और लेनोक्स अपने सांवले चेहरे पर एक अजीब सी टेढ़ी मुस्कान लिए हुए।
"कितनी अच्छी किस्मत है," चब्बी ने धीरे से कहा। "काश मैं भी तुम्हारे साथ जा पाता और सारी प्रदर्शनियाँ देख पाता।"
उनकी आवाज में उदासी और मासूमियत थी।
कैथरीन ने कुछ नहीं कहा। पुलिस ने उस पर गोपनीयता का कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था, और स्पष्ट रूप से तथ्यों को दबाना या उन्हें अपनी मेज़बान से छिपाने की कोशिश करना असंभव था।
लेकिन वह चाहती थी कि ऐसा करना संभव होता।
"जी हां," लेडी टैम्पलिन अचानक अपनी तल्लीनता से बाहर आते हुए बोलीं, "मुझे लगता है कुछ किया जा सकता है। एक छोटा सा विवरण, जिसे चतुराई से लिखा गया हो। एक प्रत्यक्षदर्शी, एक नारीवादी स्पर्श: 'मैंने मृत महिला से कैसे बातचीत की, बिना ज्यादा सोचे समझे -' इस तरह की बातें।"

"सड़ जाओ!" लेनोक्स ने कहा।
लेडी टैम्प्लिन ने कोमल, उदास स्वर में कहा, "आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि अखबार एक छोटी सी खबर के लिए कितना पैसा खर्च कर देते हैं! ज़ाहिर है, अगर वह खबर किसी बेहद प्रतिष्ठित सामाजिक प्रतिष्ठा वाले व्यक्ति द्वारा लिखी गई हो। कैथरीन, मुझे यकीन है कि आप इसे खुद नहीं करना चाहेंगी, लेकिन बस मुझे इसकी मुख्य बातें बता दीजिए, मैं आपके लिए सब कुछ संभाल लूंगी। श्री डी हैविलैंड मेरे खास दोस्त हैं। हमारा आपस में अच्छा तालमेल है। वे बहुत ही अच्छे इंसान हैं - बिलकुल भी पत्रकार जैसे नहीं। कैथरीन, आपको यह विचार कैसा लगा?"
"मैं ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहूंगी," कैथरीन ने स्पष्ट रूप से कहा।
इस कठोर इनकार से लेडी टैम्प्लिन काफी परेशान हो गईं। उन्होंने आह भरी और आगे की जानकारी जुटाने की कोशिश करने लगीं।

"आपने कहा कि वह बहुत ही आकर्षक दिखने वाली महिला थी? अब मुझे आश्चर्य हो रहा है कि वह कौन हो सकती थी। आपने उसका नाम नहीं सुना?"
"इसका जिक्र हुआ था," कैथरीन ने स्वीकार किया, "लेकिन मुझे याद नहीं है। दरअसल, मैं काफी परेशान थी।"
"मुझे तो ऐसा ही लगता है," श्री इवांस ने कहा, "यह एक भयानक सदमा रहा होगा।" यह संदेहजनक है कि अगर कैथरीन को नाम याद भी होता, तो क्या वह यह बात मान लेती। लेडी टैम्प्लिन की निर्मम पूछताछ से वह बेचैन हो रही थी। लेनोक्स, जो अपने तरीके से बहुत चौकस थी, ने यह देखा और कैथरीन को ऊपर उसके कमरे में ले जाने की पेशकश की। उसे वहाँ छोड़कर जाने से पहले उसने दयालुता से कहा, "माँ की चिंता मत करो; अगर वह कर सकती तो अपनी मरती हुई दादी से भी कुछ पैसे कमा लेती।"
लेनोक्स दोबारा नीचे गई तो उसने देखा कि उसकी मां और उसके सौतेले पिता नए आने वाले व्यक्ति के बारे में चर्चा कर रहे थे।
"सभ्य," लेडी टैम्पलिन ने कहा, "बिल्कुल सभ्य। उसके कपड़े ठीक हैं। वह ग्रे रंग की चीज़ वही मॉडल है जो ग्लैडिस कूपर ने 'पाम ट्रीज़ इन इजिप्ट' में पहनी थी।"
"क्या आपने उसकी आँखों पर ध्यान दिया है - क्या?" श्री इवांस ने बीच में टोकते हुए कहा।

"उसकी आंखों पर ध्यान मत दो, चबी," लेडी टैम्पलिन ने तीखे लहजे में कहा, "हम उन चीजों पर चर्चा कर रहे हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं।"

"ओह, बिल्कुल," श्री इवांस ने कहा और अपनी दुनिया में सिमट गए।
"वह मुझे बहुत लचीली नहीं लगती," लेडी टैम्पलिन ने सही शब्द चुनने में थोड़ी हिचकिचाहट के साथ कहा।
"उसमें एक सभ्य महिला के सारे गुण हैं, जैसा कि किताबों में लिखा होता है," लेनोक्स ने मुस्कुराते हुए कहा।
"संकीर्ण सोच वाली," लेडी टैम्पलिन ने धीरे से कहा। "शायद इन परिस्थितियों में यही होना तय था।"
"मुझे उम्मीद है कि आप उसे फैलाने की पूरी कोशिश करेंगे," लेनोक्स ने मुस्कुराते हुए कहा, "लेकिन यह आपके लिए आसान नहीं होगा। अभी आपने देखा होगा कि उसने अपने अगले पैर ज़मीन पर जमा लिए और अपने कान पीछे कर लिए और हिलने से इनकार कर दिया।"
"खैर," लेडी टैम्पलिन ने उम्मीद से कहा, "वह मुझे बिल्कुल भी मतलबी नहीं लगती। कुछ लोग, जब उनके पास पैसा आता है, तो उसे जरूरत से ज्यादा महत्व देने लगते हैं।"
"ओह, तुम आसानी से उससे अपनी मनचाही चीज़ हासिल कर लोगे," लेनोक्स ने कहा, "और आखिरकार, यही तो मायने रखता है, है ना? वह इसीलिए तो यहाँ है।"
"वह मेरी चचेरी बहन है," लेडी टैम्पलिन ने गरिमापूर्ण ढंग से कहा।
"चचेरी बहन, है ना?" श्री इवांस ने जागते हुए कहा। "मुझे लगता है कि मुझे उसे कैथरीन कहना चाहिए, है ना?"
"तुम उसे क्या कहकर पुकारती हो, चबी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता," लेडी टैम्पलिन ने कहा।
"अच्छा," श्री इवांस ने कहा, "तो मैं करूँगा। क्या आपको लगता है कि वह टेनिस खेलती है?" उन्होंने आशा भरी नज़रों से पूछा।
"बिल्कुल नहीं," लेडी टैम्पलिन ने कहा। "वह मेरी साथी रही हैं, मैं आपको बता दूं। साथी टेनिस या गोल्फ नहीं खेलतीं। वे शायद गोल्फ-क्रोकेट खेल सकती हैं, लेकिन मैंने हमेशा यही समझा है कि वे दिन का अधिकांश समय ऊन लपेटने और कुत्तों को नहलाने में बिताती हैं।"
"हे भगवान!" श्री इवांस ने कहा, "क्या वे सचमुच ऐसा कर रहे हैं?"

लेनोक्स फिर से ऊपर कैथरीन के कमरे में चली गई। "क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूँ?" उसने बड़े ही बेपरवाही से पूछा।
कैथरीन के स्पष्टीकरण पर, लेनोक्स बिस्तर के किनारे बैठ गई और अपने मेहमान को सोच-विचार करते हुए देखने लगी।
"तुम यहाँ क्यों आए?" उसने अंत में कहा। "मेरा मतलब है, हमारे पास। हम तुम्हारे जैसे लोग नहीं हैं।"
"ओह, मैं सोसाइटी में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।"
"बेवकूफ मत बनो," लेनोक्स ने मुस्कुराते हुए तुरंत कहा। "तुम अच्छी तरह जानते हो कि मेरा मतलब क्या है। तुम बिल्कुल वैसे नहीं हो जैसा मैंने सोचा था। वैसे, तुम्हारे कपड़े अच्छे हैं।"
उसने आह भरी। "कपड़े मेरे किसी काम के नहीं। मैं जन्म से ही अनाड़ी हूँ। यह बहुत दुख की बात है, क्योंकि मुझे कपड़े बहुत पसंद हैं।"

"मुझे भी ये लोग बहुत प्यारे लगते हैं," कैथरीन ने कहा, "लेकिन अब तक इन्हें प्यार करने का कोई खास फायदा नहीं हुआ है। क्या आपको लगता है कि यह अच्छा है?"
उन्होंने और लेनोक्स ने कलात्मक उत्साह के साथ कई मॉडलों पर चर्चा की। "मुझे तुम पसंद हो," लेनोक्स ने अचानक कहा। "मैं तुम्हें माँ की बातों में न आने की चेतावनी देने आया था, लेकिन अब मुझे लगता है कि ऐसा करने की कोई ज़रूरत नहीं है। तुम बेहद ईमानदार और नेक हो, और ऐसी ही कई अजीब बातें हो, लेकिन तुम मूर्ख नहीं हो। अरे बाप रे! अब क्या बात है?"
हॉल से लेडी टैम्पलिन की दर्द भरी आवाज आ रही थी:
"लेनोक्स, डेरेक का अभी-अभी फोन आया था। वो आज रात खाने पर आना चाहता है। क्या ठीक रहेगा? मतलब, हमारे बीच कोई अटपटी बात तो नहीं है, जैसे बटेर वगैरह?"
लेनोक्स ने उसे दिलासा दिया और कैथरीन के कमरे में वापस आ गई। उसका चेहरा पहले से ज्यादा खिलखिला रहा था और उदासी कम हो गई थी।
"मुझे खुशी है कि बूढ़ा डेरेक आ रहा है," उसने कहा, "तुम्हें वह पसंद आएगा।" "डेरेक कौन है?"
"वह लॉर्ड लेकोनबरी का बेटा है, जिसने एक अमीर अमेरिकी महिला से शादी की है। महिलाएं उसके लिए दीवानी हैं।"

"क्यों?"
"अरे, वही पुराना कारण - बहुत ही आकर्षक और बेहद बदमाश। हर कोई उसके पीछे पागल है।"
"क्या आप?"
"कभी-कभी मैं ऐसा सोचती हूँ," लेनोक्स ने कहा, "और कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं किसी अच्छे पादरी से शादी करके गाँव में रहना चाहूँगी और गमलों में पौधे उगाना चाहूँगी।" वह एक मिनट रुकी और फिर बोली, "एक आयरिश पादरी सबसे अच्छा रहेगा, और फिर मैं शिकार करूँगी।"
एक-दो मिनट बाद वह अपने पुराने विषय पर लौट आई। "डेरेक में कुछ अजीब बात है। उसका पूरा परिवार थोड़ा सनकी है - जुआ खेलने के दीवाने हैं, जानते हो। पुराने ज़माने में वे अपनी पत्नियों और जागीरों को जुए में हार जाते थे, और सिर्फ़ शौक के लिए बड़े-बड़े बेपरवाह काम करते थे। डेरेक एक आदर्श डाकू बन सकता था - आकर्षक और खुशमिजाज, बिल्कुल सही तौर-तरीके वाला।" वह दरवाज़े की ओर बढ़ी। "ठीक है, जब मन करे तब आ जाना।"
अकेले रह जाने पर, कैथरीन चिंतन में डूब गई। इस समय वह अपने आसपास के माहौल से बेहद असहज और विचलित महसूस कर रही थी।
ट्रेन में हुई इस घटना के सदमे और नए दोस्तों द्वारा इस खबर को सुनने के तरीके ने उसकी भावनाओं को झकझोर दिया। उसने मृत महिला के बारे में गहराई से सोचा। उसे रूथ के लिए दुख तो हुआ, लेकिन वह ईमानदारी से यह नहीं कह सकती थी कि वह उसे पसंद करती थी। उसने रूथ के व्यक्तित्व की मुख्य विशेषता, उसके निर्मम स्वार्थ को भली-भांति भांप लिया था, और यही बात उसे अरुचि पैदा कर रही थी।
जब उसकी बारी आ गई थी, तब दूसरे ने उसे जिस बेरुखी से खारिज किया था, उससे वह थोड़ी हैरान और थोड़ी दुखी भी हुई थी। कैथरीन को पूरा यकीन था कि उसने कोई फैसला लिया था, लेकिन अब वह सोच रही थी कि वह फैसला क्या था। चाहे जो भी फैसला हो, मौत ने आकर सारे फैसलों को अर्थहीन बना दिया था।
यह कितना अजीब था कि ऐसा हुआ, और उस दुर्भाग्यपूर्ण यात्रा का अंत एक क्रूर अपराध के साथ हुआ। लेकिन अचानक कैथरीन को एक छोटी सी बात याद आई जो शायद उसे पुलिस को बतानी चाहिए थी - एक ऐसी बात जो उस पल उसकी याददाश्त से निकल गई थी। क्या यह वाकई महत्वपूर्ण थी? उसने निश्चित रूप से सोचा था कि उसने एक आदमी को उस खास डिब्बे में जाते देखा था? लेकिन उसे एहसास हुआ कि वह

आसानी से गलत हो सकती थी। हो सकता है वह बगल वाला डिब्बा रहा हो, और निश्चित रूप से वह आदमी कोई ट्रेन लुटेरा नहीं हो सकता था। उसे वह आदमी उन दो मौकों पर बहुत स्पष्ट रूप से याद था - एक बार सैवॉय में और एक बार कुक के कार्यालय में। नहीं, निस्संदेह वह गलत थी। वह मृत महिला के डिब्बे में नहीं गया था, और शायद यह अच्छा ही हुआ कि उसने पुलिस को कुछ नहीं बताया। ऐसा करके वह बहुत बड़ा नुकसान कर सकती थी।
वह बाहर छत पर जाकर बाकी लोगों के साथ शामिल हो गई। मिमोसा की शाखाओं के बीच से उसने भूमध्य सागर के नीले रंग को देखा और लेडी टैम्पलिन की बातों को आधे मन से सुनते हुए उसे खुशी हुई कि वह यहाँ आई थी। यह सेंट मैरी मीड से बेहतर था।
उस शाम उसने बैंगनी गुलाबी रंग की वह पोशाक पहनी जिसे 'सूपिर डी'ऑटोमने' के नाम से जाना जाता था, और दर्पण में अपनी छवि को देखकर मुस्कुराने के बाद, अपने जीवन में पहली बार, थोड़ी सी शर्मिंदगी महसूस करते हुए नीचे चली गई। लेडी टैम्प्लिन के अधिकांश मेहमान आ चुके थे, और चूंकि लेडी टैम्प्लिन की पार्टियों में शोरगुल अनिवार्य था, इसलिए पहले से ही काफी शोर था। चब्बी दौड़कर कैथरीन के पास गया, उसे एक कॉकटेल दिया और उसे अपने संरक्षण में ले लिया।
"ओह, देखो डेरेक," लेडी टैम्प्लिन ने दरवाजा खुलते ही आखिरी मेहमान के अंदर आते ही खुशी से कहा। "अब जाकर हमें कुछ खाने को मिलेगा। मुझे बहुत भूख लगी है।"
कैथरीन ने कमरे में चारों ओर देखा। वह चौंक गई। तो यह डेरेक था, और उसे एहसास हुआ कि उसे आश्चर्य नहीं हुआ था। वह हमेशा से जानती थी कि एक दिन वह उस आदमी से ज़रूर मिलेगी जिसे उसने संयोगवश तीन बार देखा था। उसने यह भी सोचा कि वह उसे पहचान गया है। वह लेडी टैम्पलिन से बात करते-करते अचानक रुक गया, और फिर जैसे किसी कोशिश से बोलने लगा। वे सब खाने के लिए अंदर गए, और कैथरीन ने देखा कि उसे उसके बगल में बैठाया गया है। वह तुरंत उसकी ओर मुड़ा और मुस्कुरा उठा।
"मुझे पता था कि जल्द ही आपसे मुलाकात होगी," उन्होंने कहा, "लेकिन मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि यहाँ होगी। ऐसा होना ही था, आप जानते हैं। एक बार सेवॉय में और एक बार कुक के यहाँ - दो बार मिले बिना तीन बार तो

मिलते ही हैं। यह मत कहना कि तुम्हें मैं याद नहीं हूँ या तुमने मुझे देखा ही नहीं। मैं चाहता हूँ कि तुम मानो मान लो कि तुमने मुझे देखा था।"
"ओह, मैंने देखा था," कैथरीन ने कहा, "लेकिन यह तीसरी बार नहीं है। यह चौथी बार है। मैंने आपको ब्लू ट्रेन में देखा था।"
"नीली ट्रेन पर!" उसके हावभाव में कुछ अवर्णनीय सा भाव आ गया; वह ठीक-ठीक नहीं बता सकती थी कि वह क्या था। ऐसा लग रहा था जैसे उसे कोई झटका लगा हो, कोई निराशा। फिर उसने लापरवाही से कहा:

"आज सुबह क्या हंगामा हुआ था? किसी की मौत हो गई थी, है ना?"
"हां," कैथरीन ने धीरे से कहा, "किसी की मृत्यु हो गई थी।"
"ट्रेन में मरना नहीं चाहिए," डेरेक ने लापरवाही से कहा। "मेरा मानना है कि इससे कई तरह की कानूनी और अंतरराष्ट्रीय समस्याएं पैदा होती हैं, और ट्रेन को सामान्य से भी अधिक देरी से आने का बहाना मिल जाता है।"
"श्रीमान केटरिंग?" सामने बैठी एक हष्ट-पुष्ट अमेरिकी महिला आगे झुकी और अपनी विशिष्ट लय में उनसे बोली, "श्रीमान केटरिंग, मुझे लगता है आप मुझे भूल गए हैं, और मैंने तो आपको एक बेहद प्यारे इंसान के रूप में देखा था।" डेरेक आगे झुककर उसका जवाब देने लगा, और कैथरीन लगभग अचंभित सी बैठी रही। केटरिंग! यही नाम था, बिल्कुल! - उसे अब याद आया - लेकिन कितनी अजीब, विडंबनापूर्ण स्थिति थी! यह वही आदमी था जिसे उसने कल रात अपनी पत्नी के कमरे में जाते देखा था, जिसने उसे सुरक्षित और सही सलामत छोड़ा था, और अब वह वहाँ बैठा था, उसकी पत्नी के साथ जो हुआ था उससे पूरी तरह अनजान। इसमें कोई शक नहीं था। उसे पता ही नहीं था।
एक नौकर डेरेक के ऊपर झुका हुआ था, उसे एक नोट दे रहा था और उसके कान में कुछ फुसफुसा रहा था।
लेडी टैम्पलिन से माफी मांगते हुए, उन्होंने उसे खोला और पढ़ते ही उनके चेहरे पर घोर आश्चर्य के भाव आ गए; फिर उन्होंने अपनी मेज़बान की ओर देखा। "यह तो बहुत ही असाधारण है। रोसैली, मुझे खेद है कि मुझे तुम्हें छोड़कर जाना पड़ेगा। पुलिस प्रमुख मुझसे तुरंत मिलना चाहते हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि किस बारे में बात करूं।"
"तुम्हारे पापों का पर्दाफाश हो गया है," लेनोक्स ने टिप्पणी की।

"ज़रूर कुछ न कुछ बेवकूफी भरी बात होगी," डेरेक ने कहा, "लेकिन मुझे लगता है कि मुझे अब प्रीफेक्चर जाना पड़ेगा। उस बूढ़े आदमी की हिम्मत कैसे हुई मुझे खाने से बाहर निकालने की? ऐसा करने के लिए ज़रूर कोई बहुत गंभीर बात होगी," और वह हंसते हुए अपनी कुर्सी पीछे धकेल कर कमरे से बाहर जाने के लिए उठा।

अध्याय 13

वैन अल्टिन को एक टेलीग्राम मिलता है

15 फरवरी की दोपहर को लंदन पर एक घना पीला कोहरा छा गया था।
रूफस वैन एल्डिन सैवॉय होटल के अपने सुइट में थे और वहां के खुशनुमा माहौल का पूरा फायदा उठाते हुए दुगनी मेहनत कर रहे थे। नाइटन बेहद खुश थे। हाल ही में उन्हें अपने मालिक को काम पर ध्यान केंद्रित करवाना मुश्किल हो रहा था। जब भी उन्होंने कुछ कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश की, वैन एल्डिन ने उन्हें एक संक्षिप्त शब्द से टाल दिया था। लेकिन अब वैन एल्डिन दुगनी ऊर्जा के साथ काम में जुटते दिख रहे थे, और सचिव ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। हमेशा की तरह चतुराई से काम करते हुए, उन्होंने इतनी खामोशी से काम को आगे बढ़ाया कि वैन एल्डिन को कभी शक भी नहीं हुआ।
लेकिन व्यापारिक मामलों में इस तल्लीनता के बीच, वैन एल्डिन के मन में एक छोटी सी बात दबी हुई थी। सचिव द्वारा अनजाने में कही गई नाइटन की एक बात ने इसे जन्म दिया था। अब यह बात अनदेखे ही अंदर ही अंदर पनप रही थी, धीरे-धीरे वैन एल्डिन के मन में घर कर रही थी, अंततः, अपनी इच्छा के विरुद्ध भी, उसे इसके दबाव के आगे झुकना पड़ा।
नाइटन की बातें वह हमेशा की तरह बड़ी ध्यान से सुन रहा था, लेकिन असल में उसकी एक भी बात उसके दिमाग में नहीं बैठी। फिर भी उसने अपने आप ही सिर हिला दिया और सचिव ने दूसरे कागज़ की ओर रुख कर लिया।
जब वह उन्हें छांट रहा था, तभी उसके मालिक ने बात की:
"क्या आप मुझे यह बात दोबारा बता सकते हैं, नाइटन?"
एक पल के लिए नाइटन असमंजस में पड़ गया।
"आपका मतलब इस बारे में है, महोदय?" उन्होंने एक बहुत ही बारीकी से लिखी हुई कंपनी की रिपोर्ट ऊपर उठाई।
"नहीं, नहीं," वैन एल्डिन ने कहा, "कल रात पेरिस में रूथ की नौकरानी को देखने के बारे में आपने जो बताया, वह मुझे समझ नहीं आ रहा है। आपको ज़रूर कोई गलतफहमी हुई होगी।"

"मुझसे कोई गलती नहीं हो सकती, महोदय, मैंने वास्तव में उनसे बात की थी।" "अच्छा, मुझे पूरी बात दोबारा बताओ।"
नाइटन ने बात मान ली।
उन्होंने बताया, "मैंने बार्थर्मर्स के साथ सौदा तय कर लिया था और रात के खाने से पहले और गैरे डू नॉर्ड से नौ बजे की ट्रेन पकड़ने से पहले अपना सामान लेने के लिए रिट्ज़ होटल वापस चला गया था। रिसेप्शन डेस्क पर मैंने एक महिला को देखा, जिसके बारे में मुझे पूरा यकीन था कि वह श्रीमती केटरिंग की नौकरानी थी। मैं उसके पास गया और पूछा कि क्या श्रीमती केटरिंग यहाँ ठहरी हुई हैं।"
"जी हां," वैन एल्डिन ने कहा। "बिल्कुल। स्वाभाविक रूप से। और उसने आपको बताया कि रूथ रिवेरा चली गई थी और उसने उसे आगे के आदेशों की प्रतीक्षा करने के लिए रिट्ज़ होटल भेज दिया था?"
"बिल्कुल वही, महोदय।"
"यह बहुत अजीब है," वैन एल्डिन ने कहा। "वास्तव में बहुत अजीब है, जब तक कि वह महिला अभद्र न रही हो या कुछ इसी तरह की हरकत न की हो।"
"उस स्थिति में," नाइटन ने आपत्ति जताते हुए कहा, "निश्चित रूप से श्रीमती केटरिंग ने उसे कुछ पैसे देकर इंग्लैंड वापस जाने के लिए कह दिया होता। वह उसे रिट्ज़ होटल में तो भेजती ही नहीं।"
"नहीं," करोड़पति ने बुदबुदाते हुए कहा, "यह सच है।"
वह कुछ और कहने ही वाला था, लेकिन खुद को रोक लिया। वह नाइटन को पसंद करता था, उस पर भरोसा करता था और उसे प्यार करता था, लेकिन वह अपनी बेटी के निजी मामलों पर अपने सचिव से चर्चा नहीं कर सकता था। रूथ की बेबाकी से वह पहले ही आहत हो चुका था, और इस अचानक हुए खुलासे से उसकी आशंकाएं और भी बढ़ गईं। पेरिस में रूथ ने अपनी नौकरानी को क्यों निकाल दिया था? ऐसा करने के पीछे उसका संभावित उद्देश्य या मकसद क्या हो सकता था?
उसने कुछ पल संयोग के इस विचित्र संयोजन पर विचार किया। रूथ के मन में यह विचार कैसे आया होगा, सिवाय एक सबसे अजीब संयोग के, कि पेरिस में नौकरानी की पहली मुलाकात उसके पिता के सचिव से ही हो? आह, लेकिन चीजें इसी तरह घटित होती हैं। बातें इसी तरह सामने आती हैं।
अंतिम वाक्य पर वह थोड़ा सहम गया, यह उसके मन में पूरी सहजता से आया था। क्या फिर 'कुछ पता लगाना बाकी था'? वह खुद से यह सवाल पूछना पसंद नहीं करता

था; उसे जवाब के बारे में कोई संदेह नहीं था। जवाब था - उसे पूरा यकीन था - आर्मंड डे ला रोश।
वैन एल्डिन को इस बात का बहुत दुख था कि उसकी बेटी ऐसे आदमी के झांसे में आ गई, फिर भी उसे यह मानना पड़ा कि वह ऐसे लोगों के साथ थी - कि दूसरी सभ्य और बुद्धिमान महिलाएं भी काउंट के आकर्षण में उतनी ही आसानी से फंस गई थीं। पुरुष उसे पहचान लेते थे, महिलाएं नहीं।
अब वह एक ऐसा वाक्यांश खोजने की कोशिश कर रहा था जिससे उसके सचिव के मन में उत्पन्न किसी भी संदेह को दूर किया जा सके।
"रूथ हमेशा पल भर में अपना मन बदल लेती है," उसने टिप्पणी की; और फिर उसने लापरवाही भरे लहजे में कहा, "नौकरानी ने इस योजना में बदलाव का कोई कारण नहीं बताया?"
नाइटन ने जवाब देते समय अपनी आवाज को यथासंभव स्वाभाविक रखने का पूरा ध्यान रखा:
"उन्होंने कहा, महोदय, कि श्रीमती केटरिंग की अचानक एक मित्र से मुलाकात हो गई थी।"
"क्या ऐसा है?"
सचिव के अनुभवी कानों ने उस अनौपचारिक लहजे में छिपी तनाव की झलक को पकड़ लिया।
"ओह, मैं समझ गया। पुरुष या महिला?"
"मुझे लगता है उसने कहा था 'एक आदमी, महोदय'।"
वैन एल्डिन ने सिर हिलाया। उसके सबसे बुरे डर सच हो रहे थे। वह अपनी कुर्सी से उठा और कमरे में इधर-उधर टहलने लगा, उत्तेजित होने पर यह उसकी आदत थी। अपने भावनाओं को और अधिक नियंत्रित न कर पाने के कारण, वह फूट पड़ा:
"एक बात तो तय है कि कोई भी पुरुष ऐसा नहीं कर सकता, और वो है किसी स्त्री को तर्क-वितर्क करने के लिए राजी करना। किसी न किसी तरह, उनमें अक्ल ही नहीं होती। स्त्री की सहज प्रवृत्ति की बात करें तो, यह तो पूरी दुनिया में सर्वविदित है कि कोई भी धूर्त धोखेबाज स्त्री को आसानी से अपना शिकार बना लेती है। दस में से एक स्त्री भी किसी बदमाश को पहचान नहीं पाती; कोई भी आकर्षक दिखने वाला, मीठी बातों से ललचाने वाला पुरुष उन्हें आसानी से अपने जाल में फंसा सकता है। अगर मेरी चलती तो-"

उनकी बात बीच में ही रुक गई। एक सेवक टेलीग्राम लेकर अंदर आया। वैन एल्डिन ने उसे फाड़कर खोला और उनका चेहरा एकदम पीला पड़ गया। उन्होंने खुद को संभालने के लिए कुर्सी का पिछला हिस्सा पकड़ लिया और सेवक को कमरे से बाहर जाने का इशारा किया।
"क्या बात है, महोदय?"
नाइटन चिंता से उठ खड़े हुए थे।
"रूथ!" वैन एल्डिन ने कर्कश स्वर में कहा।
"श्रीमती केटरिंग?"
"मारा गया!"
"ट्रेन का एक्सीडेंट हो गया?"
वैन एल्डिन ने अपना सिर हिलाया।
"नहीं। इससे तो यही लगता है कि उसे लूटा भी गया है। वे 'नाइटन' शब्द का इस्तेमाल नहीं करते, लेकिन मेरी बेचारी लड़की की हत्या कर दी गई है।" "हे भगवान!"
वैन एल्डिन ने अपनी तर्जनी उंगली से टेलीग्राम को छुआ।
"यह नीस पुलिस का संदेश है। मुझे पहली ट्रेन पकड़कर वहां जाना होगा।"

नाइटन हमेशा की तरह कुशल था। उसने घड़ी पर एक नज़र डाली।
"विक्टोरिया से पांच बजे, महोदय।"
"ठीक है। तुम मेरे साथ चलोगे, नाइटन। मेरे आदमी आर्चर को बता देना और अपना सामान खुद पैक कर लेना। यहाँ सब कुछ संभाल लेना। मैं कर्ज़न स्ट्रीट जाना चाहता हूँ।"
टेलीफोन की घंटी तेज आवाज में बजी और सचिव ने रिसीवर को झुकाया।
"हां; वो कौन है?"
फिर वैन एल्डिन के पास।
"श्रीमान गोबी, महोदय।"
"गोबी? मुझे वो अभी दिखाई नहीं दे रहा। नहीं - रुको, हमारे पास अभी बहुत समय है। उनसे कहो कि उसे ऊपर भेज दें।"
वैन एल्डिन एक मजबूत व्यक्ति थे। उन्होंने अपना वह दृढ़ निश्चय और शांति पहले ही प्राप्त कर लिया था। श्री गोबी को दिए गए उनके अभिवादन में शायद ही किसी ने कुछ असामान्य देखा होगा।

"मेरे पास समय कम है, गोबी। क्या तुम्हें मुझे कुछ ज़रूरी बात बतानी है?" श्री गोबी को खांसी आ गई।
"श्रीमान केटरिंग की गतिविधियों के बारे में, महोदय। आप चाहते थे कि आपको उनकी सूचना दी जाए।"

"हाँ - तो?"
"श्रीमान केटरिंग कल सुबह लंदन से रिवेरा के लिए रवाना हुए।"
"क्या?"
उनकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने श्री गोबी को चौंका दिया होगा। उस सज्जन ने अपनी आदत के विपरीत, यानी कभी भी बात करते समय किसी की ओर न देखने की आदत को छोड़कर, उस करोड़पति पर एक क्षणिक नज़र डाली।
"वह किस ट्रेन से गया था?" वैन एल्डिन ने पूछा।
"ब्लू ट्रेन, महोदय।"
मिस्टर गोबी ने फिर से खांसा और मेंटलपीस पर रखी घड़ी से बात की।
"पार्थेनन की नर्तकी मैडमोजेल मिरेल भी उसी ट्रेन से गई थीं।"

अध्याय 14

एडीए मेसन की कहानी

"महाशय, हम आपको बार-बार यह नहीं बता सकते कि हम कितने भयभीत हैं, कितने चिंतित हैं और आपके प्रति कितनी गहरी सहानुभूति रखते हैं।"

इस प्रकार, न्यायाधीश एम. कैरेज ने वैन एल्डिन को संबोधित किया। आयुक्त एम. कॉक्स ने अपने गले से सहानुभूति के भाव व्यक्त किए। वैन एल्डिन ने एक झटके में भय, घबराहट और सहानुभूति को दूर कर दिया। यह दृश्य नीस स्थित जांच मजिस्ट्रेट के कक्ष का था। आयुक्त एम. कैरेज और वैन एल्डिन के अलावा, कमरे में एक और व्यक्ति मौजूद था। अब वही व्यक्ति बोलने लगा।
उन्होंने कहा, "एम. वैन एल्डिन कार्रवाई चाहते हैं - त्वरित कार्रवाई।" "आह!" कमिश्नर ने कहा, "मैंने अभी तक आपका परिचय नहीं कराया है। श्रीमान वैन एल्डिन, ये श्रीमान हरक्यूल पोइरोट हैं; आपने इनके बारे में अवश्य ही सुना होगा। हालांकि वे कुछ वर्षों से अपने पेशे से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, फिर भी उनका नाम आज भी सबसे महान जीवित जासूसों में से एक के रूप में घर-घर में जाना जाता है।"
"आपसे मिलकर खुशी हुई, श्री पोइरोट," वैन एल्डिन ने कुछ साल पहले छोड़े गए अपने पुराने अंदाज़ में कहा। "क्या आप अपने पेशे से सेवानिवृत्त हो चुके हैं?"
"जी हां, महोदय। अब मैं दुनिया का आनंद लेता हूं।"
उस छोटे आदमी ने एक भव्य इशारा किया।
"संयोगवश, मिस्टर पोइरोट ब्लू ट्रेन में यात्रा कर रहे थे," कमिश्नर ने बताया, "और उन्होंने अपने विशाल अनुभव से हमारी सहायता करने की कृपा की है।"
करोड़पति ने पोइरोट को ध्यान से देखा। फिर उसने अप्रत्याशित रूप से कहा: "मैं बहुत धनी व्यक्ति हूँ, श्री पोइरोट। आमतौर पर कहा जाता है कि धनी व्यक्ति यह सोचता है कि वह सब कुछ और हर किसी को खरीद सकता है। यह सच नहीं

है। मैं अपने तरीके से एक बड़ा आदमी हूँ, और एक बड़ा आदमी दूसरे बड़े आदमी से मदद मांग सकता है।"
पोइरोट ने प्रशंसा में सिर हिलाया।
"आपने बहुत ही सटीक बात कही है, श्री वैन एल्डिन। मैं पूरी तरह से आपकी सेवा में तत्पर हूं।"
"धन्यवाद," वैन एल्डिन ने कहा। "मैं बस इतना ही कह सकता हूँ: आप कभी भी मुझसे संपर्क कर सकते हैं, और मैं कभी भी कृतघ्न नहीं होऊंगा। और अब, सज्जनों, काम की बात करते हैं।"
एम. कैरेज ने कहा, "मैं नौकरानी एडा मेसन से पूछताछ करने का प्रस्ताव रखता हूँ। मुझे पता चला है कि वह आपके पास यहाँ है?"
"हां," वैन एल्डिन ने कहा। "पेरिस से गुजरते समय हमारी मुलाकात उनसे हुई। अपनी मालकिन की मौत की खबर सुनकर वह बहुत दुखी थीं, लेकिन उन्होंने अपनी कहानी काफी हद तक स्पष्ट रूप से बताई।"
"तो हम उसे अंदर ले लेंगे," एम. कैरेज ने कहा।
उसने अपनी मेज पर रखी घंटी बजाई, और कुछ ही मिनटों में एडा मेसन कमरे में दाखिल हुई।
वह काले रंग के बेहद सलीके से कपड़े पहने हुए थी और उसकी नाक की नोक लाल थी। उसने अपने भूरे रंग के यात्रा वाले दस्तानों की जगह काले रंग के चमड़े के दस्ताने पहन रखे थे। उसने कुछ घबराहट के साथ जांच मजिस्ट्रेट के कार्यालय में चारों ओर देखा और अपनी मालकिन के पिता की उपस्थिति से राहत महसूस की। जांच मजिस्ट्रेट को अपने मिलनसार स्वभाव पर गर्व था और उन्होंने उसे सहज महसूस कराने की पूरी कोशिश की। इसमें पोइरोट ने उनकी मदद की, जो दुभाषिया के रूप में काम कर रहे थे और जिनका दोस्ताना व्यवहार अंग्रेज को आश्वस्त कर रहा था।
"आपका नाम एडा मेसन है; क्या यह सही है?"
"एडा बीट्रिस प्रथम का नामकरण हुआ था, महोदय," मेसन ने शालीनता से कहा। "बिल्कुल सही। और हम समझ सकते हैं, मेसन, कि यह सब आपके लिए बहुत कष्टदायक रहा है।"
"जी हां, बिल्कुल ऐसा ही हुआ है, महोदय। मैं कई महिलाओं के साथ रहा हूं और हमेशा उन्हें संतुष्टि दी है, मुझे उम्मीद है, और मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे साथ किसी भी स्थिति में ऐसा कुछ होगा।"

"नहीं, नहीं," एम. कैरेज ने कहा।
"स्वाभाविक रूप से मैंने ऐसी बातें रविवार के अखबारों में पढ़ी हैं। और तब से मैं हमेशा यही समझती आई हूँ कि वे विदेशी ट्रेनें-" अचानक उसने अपनी बात रोक दी, यह याद करते हुए कि उससे बात कर रहे सज्जन उसी राष्ट्रीयता के थे जिस राष्ट्रीयता की ट्रेनें थीं।
"चलिए अब इस मामले पर बात करते हैं," एम. कैरेज ने कहा। "मुझे लगता है कि जब आप लंदन से रवाना हुए थे, तो पेरिस में रुकने का कोई सवाल ही नहीं था?"
"ओह नहीं, महोदय। हमें सीधे नीस जाना था।"
"क्या आप पहले कभी अपनी प्रेमिका के साथ विदेश गए हैं?"
"नहीं, महोदय। आप देखिए, मैं उसके साथ केवल दो महीने से ही थी।"
"क्या इस यात्रा की शुरुआत करते समय वह बिल्कुल पहले जैसी ही लग रही थी?" वह चिंतित और थोड़ी परेशान थी, और वह काफी चिड़चिड़ी और आसानी से प्रसन्न न होने वाली थी।
एम. कैरेज ने सिर हिलाया।
"तो फिर, मेसन, आपको पेरिस में रुकने के बारे में पहली बार कब पता चला?" "यह उस जगह की बात है जिसे गारे डे लियोन कहते हैं, महोदय। मेरी प्रेमिका प्लेटफॉर्म पर टहलने के लिए ट्रेन से उतरने की सोच रही थी। वह गलियारे में जा ही रही थी कि अचानक उसने एक आवाज़ निकाली और एक सज्जन के साथ अपने डिब्बे में वापस आ गई। उसने अपने और मेरे डिब्बे के बीच का दरवाज़ा बंद कर लिया, ताकि मैं कुछ देख या सुन न सकूँ, जब तक कि उसने अचानक दरवाज़ा खोलकर मुझे बताया कि उसने अपना इरादा बदल दिया है। उसने मुझे कुछ पैसे दिए और कहा कि मैं उतरकर रिट्ज़ होटल चला जाऊँ। उसने कहा कि वहाँ लोग उसे अच्छी तरह जानते हैं और मुझे एक कमरा दे देंगे। मुझे वहाँ उसका संदेश आने तक इंतज़ार करना था, वह मुझे तार से बताएगी कि मुझे क्या करना है। मेरे पास बस इतना ही समय था कि मैं अपना सामान समेट सकूँ और ट्रेन के चलने से पहले उससे कूद जाऊँ। सब कुछ बहुत अफरा-तफरी भरा था।"
"जब श्रीमती केटरिंग आपको यह बता रही थीं, तब वह सज्जन कहाँ थे?"
"वह दूसरे डिब्बे में खड़ा था, महोदय, खिड़की से बाहर देख रहा था।"
"क्या आप हमें उनके बारे में बता सकते हैं?"
"जी हाँ, महोदय, मैंने उन्हें मुश्किल से ही देखा। वे ज़्यादातर समय मेरी तरफ पीठ करके खड़े थे। वे लंबे कद के और सांवले रंग के सज्जन थे; बस इतना ही

कह सकता हूँ। उन्होंने अन्य सज्जनों की तरह ही गहरे नीले रंग का ओवरकोट और ग्रे रंग की टोपी पहन रखी थी।"
"क्या वह ट्रेन में सवार यात्रियों में से एक था?"
"मुझे ऐसा नहीं लगता, महोदय; मैंने तो यही सोचा था कि वह स्टेशन से गुजरते हुए श्रीमती केटरिंग से मिलने आए थे। बेशक, वह यात्रियों में से एक हो सकते थे; मैंने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं।"
इस सुझाव से मेसन थोड़ा घबराया हुआ सा लग रहा था।
"आह!" एम. कैरेज ने सहजता से विषय बदल दिया। "आपकी मालकिन ने बाद में कंडक्टर से अनुरोध किया कि उन्हें सुबह जल्दी न जगाया जाए। क्या आपको लगता है कि उनके लिए ऐसा करना उचित था?"
"जी हां, महोदय। मालकिन कभी नाश्ता नहीं करती थीं और रात को ठीक से सोती भी नहीं थीं, इसलिए उन्हें सुबह देर तक सोना अच्छा लगता था।"

एम. कैरेज ने फिर से एक अन्य विषय पर चर्चा शुरू कर दी।
"सामान के बीच एक लाल रंग का मोरक्को का बक्सा था, है ना?" उसने पूछा। "तुम्हारी प्रेमिका का गहनों का बक्सा?"
"जी श्रीमान।"
"क्या आपने वह मामला रिट्ज़ होटल में ले गए थे?"
"क्या मैं मालकिन का गहनों का बक्सा रिट्ज़ होटल ले जाऊँ? ओह नहीं, बिल्कुल नहीं, महोदय।" मेसन के स्वर में भय झलक रहा था।
"आप इसे गाड़ी में ही छोड़ आए थे?"
"जी श्रीमान।"
"क्या तुम्हें पता है कि तुम्हारी प्रेमिका के पास बहुत सारे गहने थे?" "काफी बड़ी रकम थी, महोदय; सच कहूँ तो, विदेशों में लूटपाट की उन बुरी कहानियों को सुनकर मुझे कभी-कभी थोड़ी घबराहट होती थी। मुझे पता है कि उनका बीमा था, लेकिन फिर भी यह एक भयानक जोखिम लग रहा था। मालकिन ने मुझे बताया था कि अकेले माणिक ही कई लाख पाउंड के थे।"
"माणिक्य! कौन से माणिक्य?" वैन एल्डिन अचानक चिल्लाया।
मेसन उसकी ओर मुड़ा।
"मुझे लगता है कि आपने ही उन्हें ये चीजें उसे दी थीं, महोदय, कुछ समय पहले।"

"हे भगवान!" वैन एल्डिन चिल्लाया। "क्या आपका मतलब यह है कि उसके पास वे माणिक थे? मैंने उसे उन्हें बैंक में छोड़ने के लिए कहा था।"
मेसन ने एक बार फिर वही धीमी खांसी की, जो जाहिर तौर पर एक नौकरानी के तौर पर उसकी आदत बन चुकी थी। इस बार इसने बहुत कुछ कह दिया। इसने शब्दों से कहीं अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त किया कि मेसन की मालकिन एक ऐसी महिला थी जो अपनी मर्जी से चलती थी।
"रूथ ज़रूर पागल हो गई होगी," वैन एल्डिन ने बुदबुदाते हुए कहा। "आखिर उसे क्या हो गया था?"
इसके बाद एम. कैरेज को खांसी आई, जो फिर से एक महत्वपूर्ण खांसी थी। इसने वैन एल्डिन का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।
"फिलहाल," एम. कैरेज ने मेसन को संबोधित करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि बस इतना ही है। मैडमोजेल, अगर आप अगले कमरे में जाएंगी, तो वे आपको प्रश्न और उत्तर पढ़कर सुनाएंगे, और आप तदनुसार हस्ताक्षर कर देंगी।"
मेसन क्लर्क की सुरक्षा में बाहर चला गया, और वैन एल्डिन ने तुरंत मजिस्ट्रेट से कहा:
"कुंआ?"
एम. कैरेज ने अपनी डेस्क की दराज खोली, उसमें से एक पत्र निकाला और उसे वैन एल्डिन को सौंप दिया।
"यह मैडम के पर्स में मिला था।"
"प्रिय मित्र" (पत्र में यह लिखा था),
मैं आपकी बात मानूंगा, मैं विवेकशील और सावधान रहूंगा - वो सब बातें जो एक प्रेमी को सबसे ज़्यादा नापसंद होती हैं। पेरिस जाना शायद बुद्धिमानी नहीं होती, लेकिन आइल्स डी'ओर दुनिया से बहुत दूर हैं, और आप निश्चिंत रह सकते हैं कि कुछ भी बाहर नहीं निकलेगा। यह आपकी और आपकी दिव्य सहानुभूति की ही देन है कि आप उन प्रसिद्ध रत्नों पर लिखे जा रहे मेरे काम में इतनी रुचि रखते हैं। इन ऐतिहासिक माणिकों को देखना और छूना सचमुच एक असाधारण सौभाग्य होगा। मैं 'हार्ट ऑफ फायर' के लिए एक विशेष अंश समर्पित कर रहा हूं। मेरे प्यारे! जल्द ही मैं आपके साथ बिताए उन सभी दुख भरे वर्षों और खालीपन की भरपाई कर दूंगा।
"आपका सदा स्नेह करने वाला,
"अरमांड।"

अध्याय 15

कॉम्टे डे ला रोशे

वैन एल्डिन ने चुपचाप चिट्ठी पढ़ी। उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया। उसे देख रहे लोगों ने देखा कि उसकी माथे की नसें तन गई हैं और उसके बड़े हाथ अनजाने में मुट्ठी बन गए हैं। उसने बिना कुछ कहे चिट्ठी वापस कर दी। एम. कैरेज अपनी डेस्क पर ध्यान से देख रहे थे, एम. कॉक्स की निगाहें छत पर टिकी थीं और एम. हरक्यूल पोइरोट अपने कोट की आस्तीन से धूल का एक कण बड़े प्यार से झाड़ रहे थे। बड़ी चतुराई से उनमें से किसी ने भी वैन एल्डिन की ओर नहीं देखा।
अपनी प्रतिष्ठा और कर्तव्यों के प्रति सचेत रहते हुए, एम. कैरेज ने ही इस अप्रिय विषय को संभाला।
"शायद, महाशय," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "आपको पता हो कि यह पत्र किसने लिखा है?"
"हां, मुझे पता है," वैन एल्डिन ने भारी स्वर में कहा।
"आह?" मजिस्ट्रेट ने जिज्ञासावश पूछा।
"एक बदमाश जो खुद को कॉम्टे डे ला रोश कहता है।"
कुछ देर का विराम रहा; फिर एम. पोइरोट आगे झुके, जज की मेज पर रखे एक रूलर को सीधा किया और सीधे उस करोड़पति को संबोधित किया।
"माननीय वैन एल्डिन, हम सभी इस बात को भलीभांति समझते हैं कि इन मामलों पर बात करने से आपको कितना कष्ट हो रहा होगा, लेकिन विश्वास कीजिए, महोदय, यह छिपाने का समय नहीं है। यदि न्याय होना है, तो हमें सब कुछ जानना होगा। यदि आप थोड़ा विचार करेंगे, तो आप स्वयं इस सत्य को स्पष्ट रूप से समझ जाएंगे।" वैन एल्डिन एक-दो पल के लिए चुप रहे, फिर लगभग अनिच्छा से उन्होंने सहमति में अपना सिर हिलाया।
"आप बिलकुल सही कह रहे हैं, मिस्टर पोइरोट," उन्होंने कहा। "भले ही यह कितना भी कष्टदायक हो, मुझे कुछ भी छिपाने का कोई अधिकार नहीं है।"

कमिश्नर ने राहत की सांस ली, और जांच मजिस्ट्रेट अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और अपनी लंबी पतली नाक पर लगे चश्मे को ठीक किया।

"शायद आप हमें अपने शब्दों में, श्रीमान वैन एल्डिन," उन्होंने कहा, "इस सज्जन के बारे में आप जो कुछ भी जानते हैं, वह सब बताएँगे।"
"यह ग्यारह या बारह साल पहले पेरिस में शुरू हुआ था। मेरी बेटी तब एक छोटी बच्ची थी, और सभी युवा लड़कियों की तरह उसके भी भोले-भाले, रोमांटिक विचार थे। मुझे बिना बताए, उसकी मुलाकात कॉम्टे डे ला रोश से हो गई। शायद आपने उनके बारे में सुना होगा।"
कमिश्नर और पोइरोट ने सहमति में सिर हिलाया।
"वह खुद को कॉम्टे डे ला रोश कहता है," वैन एल्डिन ने आगे कहा, "लेकिन मुझे संदेह है कि उसे इस उपाधि का कोई अधिकार है या नहीं।"
"आपको उसका नाम गोथा के पंचांग में नहीं मिलता," कमिश्नर ने सहमति जताते हुए कहा।
"मुझे यह बात पता चली," वैन एल्डिन ने कहा। "वह आदमी देखने में सुंदर, चालाक और स्त्रियों के प्रति बेहद आकर्षित था। रूथ उस पर मोहित थी, लेकिन मैंने जल्द ही इस पूरे मामले को खत्म कर दिया। वह आदमी किसी आम ठग से कम नहीं था।" "आप बिलकुल सही कह रहे हैं," कमिश्नर ने कहा। "कॉम्ते डे ला रोश को हम अच्छी तरह जानते हैं। अगर मुमकिन होता, तो हम उसे अब तक पकड़ चुके होते, लेकिन नाकाम करना आसान नहीं है; वह बहुत चालाक है, उसके सारे काम ऊंचे सामाजिक दर्जे की महिलाओं के साथ होते हैं। अगर वह उनसे झूठे बहाने बनाकर या ब्लैकमेल करके पैसे हासिल कर लेता है, तो ज़ाहिर है! वे उस पर मुकदमा नहीं चलाएंगी। दुनिया की नज़रों में बेवकूफ़ दिखना, बिलकुल नहीं, ऐसा कभी नहीं चलेगा, और महिलाओं पर उसका असाधारण प्रभाव है।"
“हाँ, ऐसा ही है,” करोड़पति ने भारी स्वर में कहा। “खैर, जैसा कि मैंने आपको बताया, मैंने उस रिश्ते को बहुत सख्ती से खत्म कर दिया था। मैंने रूथ को साफ-साफ बता दिया था कि वह कैसा आदमी था, और उसे मजबूरी में मेरी बात माननी पड़ी। लगभग एक साल बाद, वह अपने वर्तमान पति से मिली और उससे शादी कर ली। जहाँ तक मुझे पता था, बात यहीं खत्म हो गई थी; लेकिन अभी एक हफ्ते पहले ही मुझे हैरानी के साथ पता चला कि मेरी बेटी ने कॉम्टे डे ला रोश से फिर से मिलना शुरू कर दिया है। वह उससे लंदन और पेरिस में अक्सर मिलती रहती थी।

मैंने उसकी इस नासमझी पर उसे समझाया, क्योंकि मैं आपको बता दूँ, सज्जनों, कि मेरे कहने पर वह अपने पति के खिलाफ तलाक का मुकदमा दायर करने की तैयारी कर रही थी।”
"यह दिलचस्प है," पोइरोट ने धीरे से बुदबुदाया, उसकी निगाहें छत पर टिकी हुई थीं।
वैन एल्डिन ने उसे तीखी नजरों से देखा और फिर आगे बढ़ गया।
मैंने उसे समझाया कि इन परिस्थितियों में कॉम्टे से मिलते रहना मूर्खता है। मुझे लगा कि वह मुझसे सहमत थी।
जांच मजिस्ट्रेट ने धीरे से खांसा।
"लेकिन इस पत्र के अनुसार-" उन्होंने कहना शुरू किया और फिर रुक गए।
वैन एल्डिन का जबड़ा एकदम कस गया।
"मुझे पता है। बातों को घुमा-फिराकर कहने का कोई फायदा नहीं। चाहे कितनी भी अप्रिय बात हो, हमें सच्चाई का सामना करना ही होगा। ऐसा लगता है कि रूथ ने पेरिस जाकर डी ला रोश से मिलने की योजना बनाई थी। हालांकि, मेरी चेतावनियों के बाद, उसने काउंट को पत्र लिखकर मुलाकात की जगह बदलने का सुझाव दिया होगा।"

कमिश्नर ने सोच-समझकर कहा, "आइल्स डी'ओर, हायर्स के ठीक सामने स्थित हैं, जो एक दूरस्थ और रमणीय स्थान है।"
वैन एल्डिन ने सिर हिलाया।
"हे भगवान! रूथ इतनी मूर्ख कैसे हो सकती है?" उसने कड़वाहट से कहा। "रत्नों पर किताब लिखने की ये सारी बातें! लगता है वो शुरू से ही माणिक के पीछे पड़ा था।"
"ये कुछ बहुत प्रसिद्ध माणिक हैं," पोइरोट ने कहा, "ये मूल रूप से रूस के राजसी आभूषणों का हिस्सा थे; ये अपनी तरह के अनूठे हैं और इनका मूल्य लगभग अविश्वसनीय है। ऐसी अफवाह है कि ये हाल ही में एक अमेरिकी के कब्जे में आ गए हैं। क्या हम यह निष्कर्ष निकालने में सही हैं, महाशय, कि आप ही इसके खरीदार थे?"
"हां," वैन एल्डिन ने कहा। "ये लगभग दस दिन पहले पेरिस में मेरे कब्जे में आए थे।"

"क्षमा कीजिए, महोदय, लेकिन आप कुछ समय से उनकी खरीद के लिए बातचीत कर रहे हैं?"
"दो महीने से थोड़ा ज़्यादा। क्यों?"
"ये बातें सबको पता चल जाती हैं," पोइरोट ने कहा। "ऐसे रत्नों की तलाश में हमेशा ही काफी बड़ी भीड़ लगी रहती है।"
एक झटके से दूसरे व्यक्ति का चेहरा विकृत हो गया।
"मुझे याद है," उसने टूटी हुई आवाज़ में कहा, "जब मैंने ये गहने रूथ को दिए थे, तब मैंने उससे एक मज़ाक किया था। मैंने उससे कहा था कि वो इन्हें अपने साथ रिवेरा न ले जाए, क्योंकि मैं गहनों के लिए उसे लूटे जाने और मारे जाने का जोखिम नहीं उठा सकता था। हे भगवान! कैसी-कैसी बातें इंसान कहता है - बिना सपने में भी सोचे या जाने कि वो सच हो जाएँगी।"
कुछ देर तक सहानुभूतिपूर्ण सन्नाटा छाया रहा, और फिर पोइरोट ने एक तटस्थ भाव से बात की।
आइए तथ्यों को क्रमबद्ध और सटीक रूप से व्यवस्थित करें। हमारे वर्तमान सिद्धांत के अनुसार, घटनाक्रम इस प्रकार है। कॉम्टे डे ला रोश को आपके द्वारा इन गहनों की खरीद के बारे में जानकारी है। एक सरल चाल से वह मैडम केटरिंग को पत्थरों को अपने साथ लाने के लिए राजी कर लेता है। यही वह व्यक्ति है जिसे मेसन ने पेरिस में ट्रेन में देखा था।
बाकी तीनों ने सहमति में सिर हिलाया।
"मैडम उसे देखकर आश्चर्यचकित हो जाती हैं, लेकिन वह तुरंत स्थिति को संभाल लेती हैं। मेसन को रास्ते से हटा दिया जाता है; खाने की टोकरी मंगाई जाती है।"
हमें कंडक्टर से पता चला कि उसने पहले डिब्बे में बर्थ तैयार की थी, वह दूसरे डिब्बे में नहीं गया था, और यह भी कि एक आदमी उससे आसानी से छिपा रह सकता था। कॉम्टे अब तक चमत्कारिक रूप से छिपा रहा होगा। मैडम के अलावा किसी को भी ट्रेन में उसकी मौजूदगी का पता नहीं था, उसने इस बात का खास ख्याल रखा था कि नौकरानी उसका चेहरा न देख पाए। वह बस इतना ही कह सकी कि वह लंबा और सांवला था। यह सब बड़ी चालाकी से अस्पष्ट रखा गया है। वे दोनों अकेले हैं - और ट्रेन रात के अंधेरे में तेज़ी से दौड़ रही है। कोई चीख-पुकार नहीं होगी, कोई हाथापाई नहीं होगी, क्योंकि वह आदमी, जैसा कि वह सोचती है, उसका प्रेमी है।

वह धीरे से वैन एल्डिन की ओर मुड़ा।
"महाशय, मृत्यु लगभग तात्कालिक ही रही होगी। हम इस विषय पर जल्दी से चर्चा करेंगे। कॉम्टे अपने हाथ में तैयार पड़े गहनों का बक्सा उठा लेते हैं। कुछ ही देर बाद ट्रेन ल्योंस पहुँच जाती है।"
एम. कैरेज ने सहमति में सिर हिलाया।
"बिल्कुल सही। कंडक्टर नीचे उतरता है। हमारे आदमी के लिए ट्रेन से चुपके से निकल जाना आसान होता; उसके लिए पेरिस या अपनी मनचाही किसी भी जगह वापस जाने वाली ट्रेन पकड़ना आसान होता। और इस अपराध को एक साधारण ट्रेन डकैती मानकर छोड़ दिया जाता। लेकिन मैडम के बैग में मिले उस पत्र के कारण ही कॉम्टे का नाम सामने आया।"
"उस बैग की तलाशी न लेना उसकी ओर से एक चूक थी," कमिश्नर ने घोषणा की। "निस्संदेह उसने सोचा होगा कि उसने वह पत्र नष्ट कर दिया होगा। क्षमा कीजिए, महोदय, उसे अपने पास रखना घोर अविवेक थी।"
"और फिर भी," पोइरोट ने धीरे से कहा, "यह एक ऐसी नासमझी थी जिसका अनुमान कॉम्टे को लगाया जा सकता था।"
"तुम्हारा मतलब है?"
"मेरा मतलब है, हम सभी एक बात पर सहमत हैं, और वह यह है कि कॉम्टे डे ला रोश एक विषय को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं: महिलाएं। महिलाओं को इतना अच्छी तरह से जानने के बावजूद, उन्होंने यह अनुमान क्यों नहीं लगाया कि मैडम ने वह पत्र संभाल कर रखा होगा?"
“जी हां,” जांच मजिस्ट्रेट ने संदेह से कहा, “आपकी बात में कुछ सच्चाई है। लेकिन ऐसे समय में, आप समझते हैं, मनुष्य अपने आप पर नियंत्रण नहीं रख पाता। वह शांत मन से तर्क नहीं कर पाता। हे भगवान!” उन्होंने भावुक होकर आगे कहा, “यदि हमारे अपराधी अपना आपा न खोएं और बुद्धिमत्ता से काम लें, तो हम उन्हें कैसे पकड़ेंगे?”
पोइरोट ने मन ही मन मुस्कुराया।
दूसरे ने कहा, "मुझे तो यह मामला बिल्कुल स्पष्ट लगता है, लेकिन इसे साबित करना मुश्किल है। वह एक धूर्त व्यक्ति है, और जब तक नौकरानी उसकी पहचान नहीं कर लेती, तब तक..."
"ऐसा होने की संभावना बहुत कम है," पोइरोट ने कहा।

"बिल्कुल सही।" जांच मजिस्ट्रेट ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा। "यह मुश्किल होने वाला है।"
"अगर उसने वाकई अपराध किया है तो-" पोइरोट ने कहना शुरू किया। एम. कॉक्स ने बीच में ही टोक दिया।
"अगर - आप कहते हैं अगर?"
"जी हां, माननीय न्यायाधीश, मैं हां कहता हूं।"
दूसरे ने उसे तीखी नज़रों से देखा। अंत में उसने कहा, "तुम सही कह रहे हो, हम बहुत जल्दी कर रहे हैं। हो सकता है कि कॉम्टे के पास कोई पुख्ता सबूत हो। तब हम मूर्ख दिखेंगे।"

"अरे, उदाहरण के लिए," पोइरोट ने उत्तर दिया, "इसका कोई महत्व नहीं है। स्वाभाविक रूप से, यदि उसने अपराध किया है तो उसके पास कोई पुख्ता सबूत होगा। कॉम्टे जैसे अनुभवी व्यक्ति सावधानी बरतने में लापरवाही नहीं करते। नहीं, मैंने 'यदि' शब्द का प्रयोग किसी और कारण से किया था।"
"और वह क्या था?"
पोइरोट ने जोर से अपनी तर्जनी उंगली हिलाई।
"मनोविज्ञान।"
"एह?" कमिसरी ने कहा।
"मनोविज्ञान में गड़बड़ है। कॉम्टे एक बदमाश है - हाँ। कॉम्टे एक धोखेबाज है - हाँ। कॉम्टे महिलाओं का शोषण करता है - हाँ। वह मैडम के गहने चुराने की योजना बनाता है - हाँ। क्या वह हत्या करने वाला आदमी है? मैं कहता हूँ नहीं! कॉम्टे जैसा आदमी हमेशा कायर होता है; वह कोई जोखिम नहीं लेता। वह सुरक्षित, घटिया, जिसे अंग्रेज 'नीच खेल' कहते हैं, खेलता है; लेकिन हत्या, सौ बार नहीं!" उसने असंतुष्ट भाव से सिर हिलाया।
हालांकि, जांच मजिस्ट्रेट उससे सहमत होने के लिए इच्छुक नहीं प्रतीत हुए। “एक दिन ऐसा जरूर आता है जब ऐसे संभ्रांत लोग अपना आपा खो बैठते हैं और हद पार कर देते हैं,” उन्होंने बुद्धिमत्तापूर्वक कहा। “निस्संदेह यहाँ भी यही मामला है। आपसे असहमत होने का मेरा कोई इरादा नहीं है, श्री पोइरोट—” "यह महज एक राय थी," पोइरोट ने तुरंत स्पष्ट किया। "मामला तो पूरी तरह से आपके हाथ में है, और आप वही करेंगे जो आपको उचित लगे।"

"मुझे पूरा यकीन है कि कॉम्टे डे ला रोशे ही वह व्यक्ति है जिसे हमें पकड़ना चाहिए," एम. कैरेज ने कहा। "क्या आप मुझसे सहमत हैं, महाशय आयुक्त?" "बिल्कुल सही।"
और आप, एम. वैन एल्डिन?
"हां," करोड़पति ने कहा। "हां, वह आदमी एक शातिर खलनायक है, इसमें कोई शक नहीं।"
मजिस्ट्रेट ने कहा, "मुझे डर है कि उसे पकड़ना मुश्किल होगा, लेकिन हम पूरी कोशिश करेंगे। तुरंत टेलीग्राम द्वारा निर्देश भेजे जाएंगे।"
"मुझे आपकी सहायता करने की अनुमति दें," पोइरोट ने कहा। "इसमें कोई कठिनाई नहीं होगी।"
"एह?"
बाकी लोग उसे घूर रहे थे। उस छोटे कद के आदमी ने मुस्कुराते हुए उन्हें जवाब दिया।
उन्होंने समझाया, "चीजों की जानकारी रखना मेरा काम है। कॉम्टे एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। वे इस समय एंटीबेस स्थित विला मरीना में हैं, जिसे उन्होंने किराए पर लिया है।"

अध्याय 16

पोइरोट मामले पर चर्चा करते हैं

सभी लोग पोइरोट को आदरपूर्वक देख रहे थे।
इसमें कोई शक नहीं कि उस छोटे आदमी ने खूब अंक हासिल किए थे। कमिश्नर हँसा
- लेकिन उसकी हँसी खोखली थी।
"आप ही तो हमें हमारा सारा काम सिखाते हैं," वह चिल्लाया। "एम. पोइरोट पुलिस से भी ज्यादा जानते हैं।"
पोइरोट ने बनावटी विनम्रता का भाव अपनाते हुए, संतुष्ट भाव से छत की ओर देखा।
"क्या होगा तुम? चीजों के बारे में जानना तो मेरा शौक है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "स्वाभाविक रूप से मेरे पास इसके लिए समय है। मैं कामों के बोझ से दबा हुआ नहीं हूँ।"
"आह!" कमिश्नर ने गंभीर भाव से सिर हिलाते हुए कहा। "जहाँ तक मेरी बात है -" उसने अपने कंधों पर पड़े बोझ को दर्शाने के लिए एक अतिरंजित हावभाव किया। पोइरोट अचानक वैन एल्डिन की ओर मुड़ गया।

"महाशय, क्या आप इस विचार से सहमत हैं? क्या आपको पूरा यकीन है कि कॉम्टे डे ला रोश ही हत्यारा है?"
"क्यों, ऐसा ही लगता है - हाँ, निश्चित रूप से।"
उत्तर में कुछ संशय झलक रहा था, जिससे जांच अधिकारी ने अमेरिकी नागरिक की ओर उत्सुकता से देखा। वैन एल्डिन को मानो उनकी पैनी नजर का एहसास हो गया था और उसने किसी चिंता को दूर करने का प्रयास किया।
"मेरे दामाद का क्या हुआ?" उसने पूछा। "क्या आपने उसे खबर दे दी है? मुझे पता चला है कि वह नीस में है।"
"ज़रूर, महाशय।" कमिश्नर हिचकिचाया, और फिर बहुत ही दबे स्वर में बोला: "आप निःसंदेह इस बात से अवगत होंगे, श्री वैन एल्डिन, कि श्री केटरिंग भी उस रात ब्लू ट्रेन के यात्रियों में से एक थे?"

करोड़पति ने सिर हिलाया।
"लंदन छोड़ने से ठीक पहले मैंने इसे सुना था," उन्होंने संक्षिप्त रूप से पुष्टि की।
कमिश्नर ने आगे बताया, "उसने हमें बताया कि उसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उसकी पत्नी ट्रेन से यात्रा कर रही है।"
"मुझे यकीन है कि उसने ऐसा नहीं किया होगा," वैन एल्डिन ने गंभीर स्वर में कहा। "अगर वह उसे वहाँ देख लेता तो उसे बहुत बड़ा झटका लगता।"
तीनों व्यक्तियों ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।
"मैं सीधे-सीधे बात करूंगा," वैन एल्डिन ने क्रोध से कहा। "कोई नहीं जानता कि मेरी बेचारी लड़की को क्या-क्या सहना पड़ा है। डेरेक केटरिंग अकेला नहीं था। उसके साथ एक महिला भी थी।"
"आह?"
"मिरेल - नर्तकी।"
एम. कैरेज और कमिश्नर ने एक-दूसरे की ओर देखा और सिर हिलाकर किसी पिछली बातचीत की पुष्टि की। एम. कैरेज अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए, हाथ जोड़े और छत पर टकटकी लगाए बैठ गए।
"आह!" उसने फिर से बुदबुदाया। "अचंभित थे।"
उसे खांसी आई। "कुछ अफवाहें सुनी हैं।"
एम. कॉक्स ने कहा, "वह महिला बहुत कुख्यात है।"
"और साथ ही," पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा, "यह बहुत महंगा भी है।"
वैन एल्डिन का चेहरा एकदम लाल हो गया था।
वह आगे झुका और मुट्ठी से मेज पर जोर से प्रहार किया।
"देखो यहाँ," वह चिल्लाया, "मेरा दामाद एक नंबर का बदमाश है!"
उसने एक-एक चेहरे को देखते हुए उन सभी को घूरकर देखा।
"ओह, मुझे पता है," उसने आगे कहा। "अच्छी शक्ल और मनमोहक, सहज स्वभाव। एक समय था जब मैं उसके जाल में फंस गया था। मुझे लगता है कि जब तुमने उसे यह बात बताई तो उसने दुखी होने का नाटक किया होगा - यानी, अगर उसे पहले से पता नहीं था तो।"
"ओह, यह उनके लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक था। वे अभिभूत हो गए थे।" "धिक्कार है इस युवा पाखंडी पर," वैन एल्डिन ने कहा। "शायद यह बनावटी दुःख है?"

"नहीं," कमिश्नर ने सावधानी से कहा। "मैं ऐसा बिल्कुल नहीं कहूंगा - है ना, मिस्टर कैरेज?"
मजिस्ट्रेट ने अपनी उंगलियों के सिरों को आपस में मिलाया और अपनी आंखें आधी बंद कर लीं।
"सदमा, हैरानी, भय - ये सब, हाँ," उन्होंने न्यायिक लहजे में कहा। "गहरा दुख - नहीं - मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए।"
हरक्यूल पोइरोट ने एक बार फिर बात की।
"मुझे यह पूछने की अनुमति दें, श्री वैन एल्डिन, क्या श्री केटरिंग को उनकी पत्नी की मृत्यु से कोई लाभ हुआ है?"
"उसे कुछ मिलियन डॉलर का फायदा होता है," वैन एल्डिन ने कहा।
"डॉलर?"

"मैंने रूथ की शादी के समय यह राशि उसे पूरी तरह से दे दी थी। उसने कोई वसीयत नहीं बनाई और उसके कोई बच्चे भी नहीं हैं, इसलिए यह पैसा उसके पति को मिलेगा।"
"वह जिससे तलाक लेने ही वाली थी," पोइरोट ने धीरे से कहा। "अहा, हाँ - बिल्कुल।"
कमिश्नर ने मुड़कर उसे तीखी नजरों से देखा।
"क्या आपका मतलब है-" उसने कहना शुरू किया।
"मेरा मतलब कुछ नहीं है," पोइरोट ने कहा। "मैं तथ्यों को व्यवस्थित करता हूँ, बस इतना ही।"
वैन एल्डिन ने जागृत रुचि के साथ उसकी ओर देखा।
वह छोटा आदमी उठ खड़ा हुआ।
"मुझे नहीं लगता कि मैं अब आपकी कोई और सेवा कर सकता हूँ, महोदय," उन्होंने विनम्रतापूर्वक श्री कैरिज को झुककर प्रणाम करते हुए कहा। "क्या आप मुझे घटनाक्रम की जानकारी देते रहेंगे? यह मेरे लिए एक उपकार होगा।"
"लेकिन निश्चित रूप से - बिलकुल निश्चित रूप से।"
वैन एल्डिन का कद भी बढ़ा।
"क्या आप मुझे अभी नहीं चाहते?"
"नहीं, महोदय; फिलहाल हमारे पास सभी आवश्यक जानकारी है।"

"तो मैं एम. पोइरोट के साथ थोड़ी दूर चलूंगा। मतलब, अगर उन्हें कोई आपत्ति न हो तो?"
"मुग्ध हो गए, महाशय," उस छोटे आदमी ने झुककर कहा।
वैन एल्डिन ने एक बड़ी सिगार जलाई, इससे पहले उन्होंने पोइरोट को भी एक सिगार दी थी, जिसे पोइरोट ने मना कर दिया था, और फिर उन्होंने अपनी एक छोटी सी सिगरेट जलाई। दृढ़ निश्चयी व्यक्ति वैन एल्डिन एक बार फिर अपने सामान्य स्वभाव में लौट आए थे। एक-दो मिनट चुपचाप टहलने के बाद, करोड़पति ने बोलना शुरू किया:
"मेरा मानना है, श्री पोइरोट, कि आप अब अपने पेशे का अभ्यास नहीं करते हैं?" "जी हां, महोदय। मुझे दुनिया का आनंद आता है।"
"फिर भी आप इस मामले में पुलिस की मदद कर रहे हैं?"
"महाशय, अगर कोई डॉक्टर सड़क पर चल रहा हो और कोई दुर्घटना हो जाए, तो क्या वह यह कहेगा, 'मैंने अपने पेशे से संन्यास ले लिया है, मैं अपना काम जारी रखूंगा,' जबकि उसके पैरों के पास कोई खून बहकर मर रहा हो? अगर मैं पहले से ही नीस में होता, और पुलिस ने मुझे संदेश भेजा होता और मुझसे मदद मांगी होती, तो मैं इनकार कर देता। लेकिन यह मामला, ईश्वर ने मुझ पर थोप दिया।" "आप मौके पर मौजूद थे," वैन एल्डिन ने सोच-समझकर कहा। "आपने डिब्बे की जांच की थी, है ना?"
पोइरोट ने सिर हिलाया।
"निस्संदेह आपको ऐसी चीजें मिली होंगी जो, हम कह सकते हैं, आपके लिए विचारोत्तेजक थीं?"
"शायद," पोइरोट ने कहा।
"मुझे उम्मीद है कि आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कहना चाह रहा हूँ?" वैन एल्डिन ने कहा। "मुझे लगता है कि कॉम्टे डे ला रोश के खिलाफ मामला बिल्कुल स्पष्ट है, लेकिन मैं मूर्ख नहीं हूँ। मैं पिछले एक घंटे से आपको देख रहा हूँ, और मुझे एहसास है कि किसी निजी कारण से आप इस सिद्धांत से सहमत नहीं हैं?"
पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
"हो सकता है मैं गलत हूँ।"
"तो अब मैं आपसे जो मदद मांगना चाहता हूं, उस पर आता हूं। क्या आप इस मामले में मेरी मदद करेंगे?"

"आपके लिए व्यक्तिगत रूप से?"
"मेरा यही मतलब था।"
पोइरोट एक-दो पल के लिए चुप रहे।
फिर उन्होंने कहा:
"क्या आपको पता है कि आप क्या पूछ रहे हैं?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है," वैन एल्डिन ने कहा।
"बहुत अच्छा," पोइरोट ने कहा। "मैं स्वीकार करता हूँ। लेकिन उस स्थिति में, मुझे अपने सवालों के स्पष्ट जवाब चाहिए।"
"जी हां, बिलकुल। यह तो समझ में आ गया है।"
पोइरोट का व्यवहार बदल गया। वह अचानक रूखा और व्यावसायिक हो गया।
"तलाक का यह सवाल," उन्होंने कहा। "क्या आपने ही अपनी बेटी को मुकदमा दायर करने की सलाह दी थी?"
"हाँ।"
"कब?"
"लगभग दस दिन पहले, मुझे उसका एक पत्र मिला था जिसमें उसने अपने पति के व्यवहार की शिकायत की थी, और मैंने उससे बहुत दृढ़ता से कहा था कि तलाक ही एकमात्र उपाय है।"
उसने उसके व्यवहार के बारे में किस तरह शिकायत की?
"उसे एक बेहद कुख्यात महिला के साथ देखा जा रहा था - वही महिला जिसकी हम बात कर रहे हैं - मिरेल।"
"नर्तकी। आह-हा! और मैडम केटरिंग ने आपत्ति जताई? क्या वह अपने पति के प्रति बहुत समर्पित थीं?"
"मैं ऐसा नहीं कहूंगा," वैन एल्डिन ने थोड़ा हिचकिचाते हुए कहा।
"उसके दिल को नहीं, उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंची थी - क्या आप यही कहेंगे?"

"हां, मुझे लगता है कि आप इसे इस तरह कह सकते हैं।"
"मुझे लगता है कि शादी शुरू से ही खुशहाल नहीं थी?"
वैन एल्डिन ने कहा, "डेरेक केटरिंग पूरी तरह से सड़ा हुआ इंसान है। वह किसी भी महिला को खुश करने में असमर्थ है।"
"वह, जैसा कि आप इंग्लैंड में कहते हैं, एक बुरा आदमी है। यह सही है, है ना?" वैन एल्डिन ने सिर हिलाया।

"बहुत बढ़िया! आपने मैडम को तलाक लेने की सलाह दी, वह मान गईं; आपने अपने वकीलों से परामर्श लिया। श्री केटरिंग को इस बारे में कब खबर मिलेगी?" मैंने खुद उसे बुलवाया और उसे वह कार्रवाई समझाई जो मैं करने वाला था।
"और उसने क्या कहा?" पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा।
उस घटना को याद करके वैन एल्डिन का चेहरा उदास हो गया।
वह हद से ज्यादा धृष्ट था।
"माफ़ कीजिए, महोदय, लेकिन क्या उन्होंने स्वयं को ले कॉम्टे डे ला रोशे के रूप में संदर्भित किया था?"
"नाम लेकर तो नहीं," दूसरे ने अनिच्छा से गुर्राते हुए कहा, "लेकिन उसने इस मामले की जानकारी होने का संकेत दिया।"
"अगर मैं पूछ सकता हूँ, तो उस समय एम. केटरिंग की वित्तीय स्थिति क्या थी?" "आपको क्या लगता है कि मुझे यह कैसे पता चलेगा?" वैन एल्डिन ने थोड़ी देर हिचकिचाने के बाद पूछा।
मुझे ऐसा लगा कि आप उस विषय पर जानकारी प्राप्त कर लेंगे।
"हाँ, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं, मैंने ऐसा किया। मुझे पता चला कि केटरिंग की स्थिति खराब थी।"
और अब उन्हें दो मिलियन पाउंड विरासत में मिले हैं! हे भगवान - यह कितनी अजीब बात है, है ना?
वैन एल्डिन ने उसे तीखी नजरों से देखा।
"आपका क्या मतलब है?"
"मैं नैतिकता का उपदेश देता हूँ," पोइरोट ने कहा। "मैं चिंतन करता हूँ, मैं दर्शन की बातें करता हूँ। लेकिन जहाँ हम थे, वहीं लौटते हैं। क्या श्री केटरिंग ने बिना संघर्ष किए तलाक स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा था?"
वैन एल्डिन ने एक-दो मिनट तक कोई जवाब नहीं दिया, फिर उन्होंने कहा:
मुझे ठीक से नहीं पता कि उसके इरादे क्या थे।

"क्या आपने उनसे आगे कोई बातचीत की?"
फिर थोड़ी देर रुकने के बाद वैन एल्डिन ने कहा: "नहीं।"
पोइरोट एकदम रुक गया, अपनी टोपी उतारी और अपना हाथ आगे बढ़ाया।
"मुझे आपको शुभ दिन की शुभकामनाएं देनी होंगी, महोदय। मैं आपके लिए कुछ नहीं कर सकता।"

"तुम क्या कहना चाह रहे हो?" वैन एल्डिन ने गुस्से से पूछा।
"अगर तुम मुझे सच नहीं बताओगे, तो मैं कुछ नहीं कर सकता।"
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाहते हैं।
"मुझे लगता है कि आप जानते हैं। आप निश्चिंत रहें, श्री वैन एल्डिन, कि मैं विवेकशील रहना जानता हूँ।"
"ठीक है," करोड़पति ने कहा। "मैं मानता हूँ कि मैंने अभी सच नहीं बोला। मेरी अपने दामाद से आगे भी बातचीत हुई थी।"
"हाँ?"
"सटीक रूप से कहूँ तो, मैंने अपने सचिव, मेजर नाइटन को उनसे मिलने के लिए भेजा था, और उन्हें निर्देश दिया था कि यदि तलाक बिना किसी विरोध के संपन्न हो जाता है तो उन्हें एक लाख पाउंड नकद की राशि की पेशकश करें।"
पोइरोट ने प्रशंसा करते हुए कहा, "काफी अच्छी रकम है, और आपके दामाद, महाशय का जवाब भी?"
"उसने जवाब में संदेश भेजा कि मैं नरक में जाऊं," करोड़पति ने संक्षिप्त रूप से उत्तर दिया।
"आह!" पोइरोट ने कहा।
उसने किसी भी प्रकार की भावना प्रकट नहीं की। उस समय वह व्यवस्थित रूप से तथ्यों को दर्ज करने में लगा हुआ था।
"महाशय केटरिंग ने पुलिस को बताया है कि इंग्लैंड से यात्रा के दौरान उन्होंने अपनी पत्नी को न तो देखा और न ही उनसे बात की। क्या आप इस बयान पर विश्वास करने को तैयार हैं, महाशय?"
"हां, मैं हूं," वैन एल्डिन ने कहा। "मुझे कहना चाहिए कि वह उससे दूर रहने के लिए विशेष सावधानी बरतता था।"
"क्यों?"
"क्योंकि वह महिला उसके साथ थी।"
"मिरेल?"
"हाँ।"
आपको यह बात कैसे पता चली?
"मैंने उस पर नजर रखने के लिए जिस आदमी को तैनात किया था, उसने मुझे बताया कि वे दोनों उसी ट्रेन से चले गए थे।"

"मैं समझ गया," पोइरोट ने कहा। "उस स्थिति में, जैसा कि आपने पहले कहा था, उसके मैडम केटरिंग के साथ किसी भी प्रकार का संपर्क स्थापित करने का प्रयास करने की संभावना नहीं है।"

वह छोटा आदमी कुछ देर के लिए चुप हो गया।
वैन एल्डिन ने अपनी ध्यान साधना में खलल नहीं डाला।

अध्याय 17

एक कुलीन सज्जन

अगली सुबह पोइरोट ने अपने नौकर से कहा, "जॉर्जेस, क्या तुम पहले भी रिवेरा जा चुके हो?"
जॉर्ज एक बेहद अंग्रेज, बल्कि भावहीन चेहरे वाला व्यक्ति था।
"जी हां, महोदय। मैं दो साल पहले यहां आया था जब मैं लॉर्ड एडवर्ड फ्रैम्पटन की सेवा में था।"
"और आज," उसके मालिक ने धीरे से कहा, "तुम हरक्यूल पोइरोट के साथ यहाँ हो। दुनिया में कितनी तरक्की होती है!"
नौकर ने इस टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कुछ देर रुकने के बाद उसने पूछा:
"ब्राउन लाउंज सूट, महोदय? आज हवा थोड़ी ठंडी है।"
"वेस्टकोट पर ग्रीस का एक धब्बा है," पोइरोट ने आपत्ति जताई। "पिछले मंगलवार को जब मैं रिट्ज़ में दोपहर का भोजन कर रहा था, तब फिलेट डे सोल ए ला जेनेट का एक टुकड़ा उस पर गिर गया था।"

"अब वहां कोई दाग नहीं है, महोदय," जॉर्ज ने शिकायत भरे लहजे में कहा। "मैंने उसे हटा दिया है।"
"बहुत बढ़िया!" पोइरोट ने कहा। "मैं तुमसे बहुत खुश हूँ, जॉर्जेस।" "धन्यवाद महोदय।"
कुछ देर का विराम हुआ, और फिर पोइरोट ने स्वप्निल स्वर में बुदबुदाया: "मान लीजिए, मेरे प्रिय जॉर्ज, कि आपका जन्म आपके दिवंगत स्वामी, लॉर्ड एडवर्ड फ्रैम्पटन के समान सामाजिक वर्ग में हुआ होता - कि आप स्वयं निर्धन होते हुए भी एक अत्यंत धनी पत्नी से विवाह करते, लेकिन वह पत्नी अच्छे कारणों से आपको तलाक देने का प्रस्ताव रखती, तो आप इसके बारे में क्या करते?"
जॉर्ज ने उत्तर दिया, "मैं कोशिश करूंगा, महोदय, कि मैं उसका मन बदल दूं।"

"शांतिपूर्ण तरीकों से या बलपूर्वक तरीकों से?"
जॉर्ज हैरान दिख रहा था।
"आप मुझे क्षमा करेंगे, महोदय," उसने कहा, "लेकिन कुलीन वर्ग का कोई सज्जन व्यक्ति व्हाइटचैपल के ठेले वाले की तरह व्यवहार नहीं करेगा। वह कोई नीच काम नहीं करेगा।"
"क्या वह ऐसा नहीं करेगा, जॉर्जेस? अब मुझे आश्चर्य हो रहा है? शायद आप सही हैं।"

दरवाजे पर दस्तक हुई। जॉर्ज दरवाजे के पास गया और उसे धीरे से एक-दो इंच खोला। धीमी आवाज़ में कुछ बातचीत हुई, और फिर नौकर पोइरोट के पास लौटा। "एक नोट है, महोदय।"
पोइरोट ने इसे ले लिया। यह पुलिस कमिश्नर एम. कॉक्स से मिला था।
"हम कॉम्टे डे ला रोशे से पूछताछ करने वाले हैं। न्यायाधीश आपसे अनुरोध करते हैं कि आप उपस्थित रहें।"
"जल्दी करो, जॉर्जेस। मुझे खुद जल्दी करनी होगी।"
पंद्रह मिनट बाद, अपने भूरे रंग के सूट में एकदम साफ-सुथरे पोइरोट ने जांच मजिस्ट्रेट के कमरे में प्रवेश किया। एम. कॉक्स पहले से ही वहां मौजूद थे, और उन्होंने और एम. कैरेज दोनों ने पोइरोट का विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया।
"यह मामला कुछ हद तक निराशाजनक है," एम. कॉक्स ने धीरे से कहा।
ऐसा प्रतीत होता है कि कॉम्टे हत्या से एक दिन पहले नीस पहुंचे थे।
"अगर यह सच है, तो इससे आपका मामला अच्छे से सुलझ जाएगा," पोइरोट ने जवाब दिया।
एम. कैरेज ने अपना गला साफ किया।
“हमें बिना सावधानीपूर्वक जांच किए इस बहाने को स्वीकार नहीं करना चाहिए,” उन्होंने घोषणा की। उन्होंने हाथ से मेज पर रखी घंटी बजाई। एक मिनट बाद, एक लंबा, सांवला आदमी, शानदार ढंग से कपड़े पहने, कुछ अभिमानी चेहरे के साथ कमरे में दाखिल हुआ। काउंट इतने कुलीन दिखते थे कि यह फुसफुसाना भी धर्मद्रोह जैसा लगता कि उनके पिता नैनटेस में एक साधारण अनाज व्यापारी थे - जो वास्तव में सच था। उन्हें देखकर कोई भी यह मानने को

तैयार हो जाता कि उनके अनगिनत पूर्वज फ्रांसीसी क्रांति में गिलोटिन से मारे गए होंगे।
"मैं यहाँ हूँ, सज्जनों," काउंट ने अभिमानी स्वर में कहा। "क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आप मुझसे क्यों मिलना चाहते हैं?"
"कृपया बैठ जाइए, महाशय महोदय," जांच मजिस्ट्रेट ने विनम्रतापूर्वक कहा। "हम मैडम केटरिंग की मृत्यु के मामले की जांच कर रहे हैं।"
"मैडम केटरिंग की मृत्यु? मुझे समझ नहीं आ रहा है।"
"आप - अहम्! - उस महिला से परिचित थे, मुझे लगता है, महाशय कॉम्टे?"
"मैं उसे ज़रूर जानता था। इससे इस मामले का क्या लेना-देना है?"
आँख में चश्मा लगाकर, उसने ठंडेपन से कमरे में चारों ओर देखा, उसकी निगाह सबसे देर तक पोइरोट पर टिकी रही, जो उसे एक प्रकार की सरल, मासूम प्रशंसा से देख रहा था, जो काउंट के अहंकार को बेहद भा रही थी। एम. कैरेज अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और गला साफ किया।
"शायद आपको पता नहीं है, महाशय ले कॉम्टे -" वह रुका - "कि मैडम केटरिंग की हत्या कर दी गई थी?"
"हत्या? हे भगवान, कितना भयानक!"
आश्चर्य और दुख को बहुत ही बेहतरीन तरीके से दर्शाया गया था - इतना बढ़िया कि वे पूरी तरह से स्वाभाविक प्रतीत हुए।
एम. कैरेज ने आगे कहा, "मैडम केटरिंग का पेरिस और ल्योंस के बीच गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उनके गहने चोरी हो गए।"
"यह तो अन्याय है!" काउंट ने जोश से कहा। "पुलिस को इन ट्रेन लुटेरों के खिलाफ कुछ करना चाहिए। आजकल कोई भी सुरक्षित नहीं है।"
न्यायाधीश ने आगे कहा, "मैडम के पर्स में हमें आपका लिखा एक पत्र मिला। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने आपसे मिलने का प्रबंध किया था।"
काउंट ने अपने कंधे उचकाए और अपने हाथ फैला दिए।
उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, "छिपाने का क्या फायदा? हम सब दुनियादारी जानते हैं। निजी तौर पर और आपस में, मैं इस मामले को स्वीकार करता हूँ।" "मेरा मानना है कि आप उनसे पेरिस में मिले और उनके साथ यात्रा की?" एम. कैरेज ने कहा।
"यह मूल व्यवस्था थी, लेकिन मैडम की इच्छा से इसे बदल दिया गया। मुझे उनसे हायर्स में मिलना था।"

"क्या आप उससे 14 तारीख की शाम को गैरे डे लियोन स्टेशन पर ट्रेन में नहीं मिले थे?"

"इसके विपरीत, मैं उसी दिन सुबह नीस पहुंचा था, इसलिए आपका सुझाव असंभव है।"
"बिल्कुल सही, बिल्कुल सही," एम. कैरेज ने कहा। "दरअसल, आप शायद मुझे 14 तारीख की शाम और रात के दौरान अपनी गतिविधियों का ब्यौरा दे सकते हैं।" काउंट ने एक मिनट तक विचार किया।
"मैंने मोंटे कार्लो में कैफे डे पेरिस में खाना खाया। उसके बाद मैं ले स्पोर्टिंग गया। मैंने कुछ हज़ार फ्रैंक जीते," उसने कंधे उचकाते हुए कहा। "मैं शायद एक बजे घर लौटा।"
"क्षमा कीजिए, महोदय, लेकिन आप घर कैसे लौटे?"
"मेरी अपनी दो सीटों वाली कार में।"
"तुम्हारे साथ कोई नहीं था?"
"किसी को भी नहीं।"
"क्या आप इस बयान के समर्थन में गवाह पेश कर सकते हैं?"
"निस्संदेह उस शाम मेरे कई दोस्तों ने मुझे वहां देखा होगा। मैंने अकेले ही भोजन किया था।"
"क्या आपके नौकर ने विला में आपकी वापसी पर आपका स्वागत किया?"
"मैंने अपनी चाबी से खुद ही अंदर प्रवेश किया।"
"आह!" मजिस्ट्रेट ने धीरे से कहा।
उसने फिर से मेज पर रखी घंटी को हाथ से बजाया। दरवाजा खुला और एक संदेशवाहक प्रकट हुआ।
"नौकरानी को अंदर लाओ, मेसन," एम. कैरेज ने कहा।
"बहुत बढ़िया, माननीय न्यायाधीश।"
एडा मेसन को बुलाया गया।
"क्या आप कृपा करके, मैडमोजेल, इस सज्जन को देखेंगी? क्या आपकी जानकारी के अनुसार, पेरिस में आपकी मालकिन के कमरे में प्रवेश करने वाला व्यक्ति वही था?"
उस महिला ने काउंट को लंबे समय तक और ध्यानपूर्वक देखा, और पोइरोट को लगा कि काउंट इस तरह की गहन जांच से कुछ असहज महसूस कर रहा था।

अंत में मेसन ने कहा, "मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता, महोदय। यह हो भी सकता है और नहीं भी। चूंकि मैंने केवल उनकी पीठ देखी है, इसलिए कुछ कहना मुश्किल है। मुझे लगता है कि वह सज्जन ही थे।"
"लेकिन आपको यकीन नहीं है?"
"नहीं," मेसन ने अनिच्छा से कहा, "नहीं, मुझे यकीन नहीं है।"
"क्या आपने इस सज्जन को पहले कर्ज़न स्ट्रीट में देखा है?"
मेसन ने अपना सिर हिलाया।
उन्होंने समझाया, "मुझे कर्ज़न स्ट्रीट आने वाले किसी भी आगंतुक से मिलने की संभावना नहीं है, जब तक कि वे घर में न ठहर रहे हों।"
"ठीक है, इतना काफी है," जांच मजिस्ट्रेट ने तीखे स्वर में कहा।
जाहिर है, वह निराश थे।
"एक पल रुकिए," पोइरोट ने कहा। "अगर अनुमति हो तो, मैं मैडमोजेल से एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ?"
"बिल्कुल, एम. पोइरोट - बिल्कुल, हर हाल में।"
पोइरोट ने नौकरानी से बात की।
"टिकटों का क्या हुआ?"
"टिकट, महोदय?"
"हां; लंदन से नीस के टिकट। क्या आपके पास या आपकी प्रेमिका के पास थे?" "मालकिन के पास अपना पुलमैन टिकट था, महोदय; बाकी के टिकट मेरे पास थे।" "उनका क्या हुआ?"
"मैंने उन्हें फ्रांसीसी ट्रेन के कंडक्टर को दे दिया था, महोदय; उन्होंने कहा कि यह सामान्य बात है। मुझे उम्मीद है कि मैंने सही किया, महोदय?" "ओह, बिल्कुल सही, बिल्कुल सही। यह तो बस एक छोटी सी बात है।"
एम. कॉक्स और जांच मजिस्ट्रेट दोनों ने उसे उत्सुकता से देखा। मेसन एक-दो मिनट तक अनिश्चितता से खड़ी रही, फिर मजिस्ट्रेट ने उसे संक्षिप्त रूप से सिर हिलाकर जाने का इशारा किया और वह बाहर चली गई। पोइरोट ने कागज के एक टुकड़े पर कुछ लिखा और उसे एम. कैरेज को सौंप दिया। बाद वाले ने उसे पढ़ा और उसकी भौंहें तन गईं।
"अच्छा, सज्जनों," काउंट ने अभिमानपूर्वक पूछा, "क्या मुझे और देर तक रोका जाएगा?"

"बिल्कुल नहीं, बिल्कुल नहीं," एम. कैरेज ने बड़ी विनम्रता से कहा। "इस मामले में आपकी स्थिति अब स्पष्ट हो चुकी है। मैडम के पत्र को देखते हुए, स्वाभाविक रूप से हमें आपसे पूछताछ करनी ही थी।"
काउंट उठे, कोने से अपनी सुंदर छड़ी उठाई और कुछ संक्षिप्त अभिवादन के साथ कमरे से बाहर चले गए।
“और बस यही बात है,” एम. कैरेज ने कहा। “आप बिलकुल सही थे, एम. पोइरोट – बेहतर यही होगा कि उसे यह महसूस होने दिया जाए कि उस पर शक नहीं किया जा रहा है। मेरे दो आदमी दिन-रात उस पर नज़र रखेंगे, और साथ ही हम उसकी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करेंगे। मुझे तो यह बेगुनाही साबित करने की कोशिश कुछ पक्की नहीं लगती।”
"संभवतः," पोइरोट ने सोच-समझकर सहमति जताई।
मजिस्ट्रेट ने आगे कहा, "मैंने आज सुबह एम. केटरिंग को यहाँ आने के लिए कहा था, हालाँकि मुझे संदेह है कि हमें उनसे बहुत कुछ पूछना है, लेकिन एक-दो संदिग्ध परिस्थितियाँ हैं-" वह रुक गए और अपनी नाक रगड़ने लगे।
"जैसे कि?" पोइरोट ने पूछा।
"अच्छा—" मजिस्ट्रेट खांसते हुए बोले—"यह महिला जिसके साथ उनके यात्रा करने की बात कही जा रही है—मैडमोजेल मिरेल। वह एक होटल में ठहरी हैं और वह दूसरे होटल में। यह मुझे—उह—कुछ अजीब सा लगता है।"
एम. कॉक्स ने कहा, "ऐसा लगता है जैसे वे सावधानी बरत रहे थे।"
"बिल्कुल सही," एम. कैरेज ने विजयी भाव से कहा, "और उन्हें किस बात से सावधान रहना चाहिए?"
"अत्यधिक सावधानी बरतना संदेहजनक होता है, है ना?" पोइरोट ने कहा।
"एकदम सही।"
पोइरोट ने धीरे से कहा, "मुझे लगता है कि हम एम. केटरिंग से एक-दो सवाल पूछ सकते हैं।"
मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए। एक-दो क्षण बाद, हमेशा की तरह आकर्षक अंदाज में डेरेक केटरिंग कमरे में दाखिल हुए।
"सुप्रभात, महोदय," न्यायाधीश ने विनम्रतापूर्वक कहा।
"सुप्रभात," डेरेक केटरिंग ने संक्षिप्त लहजे में कहा। "आपने मुझे बुलवाया था। क्या कोई नई खबर मिली है?"
"कृपया बैठ जाइए, महोदय।"

डेरेक बैठ गया और उसने अपनी टोपी और छड़ी मेज पर फेंक दी।
"तो?" उसने अधीरता से पूछा।
एम. कैरेज ने सावधानी से कहा, "हमारे पास अभी तक कोई नया डेटा नहीं है।" "यह तो बहुत दिलचस्प है," डेरेक ने रूखेपन से कहा। "क्या तुमने मुझे यह बताने के लिए ही यहाँ बुलाया है?"
मजिस्ट्रेट ने सख्ती से कहा, "महाशय, हमने स्वाभाविक रूप से सोचा था कि आप मामले की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहेंगे। भले ही कोई प्रगति न हुई हो।"
हम आपसे कुछ प्रश्न भी पूछना चाहते थे।
"पूछ लेना।"
"क्या आपको पूरा यकीन है कि आपने ट्रेन में अपनी पत्नी को न तो देखा और न ही उनसे बात की?"
"मैंने इसका जवाब पहले ही दे दिया है। मैंने ऐसा नहीं किया।"
"आपके पास निश्चित रूप से अपने कारण थे।"
डेरेक ने उसे संदेह भरी निगाहों से देखा।
"मुझे - पता - नहीं - था - कि - वह - ट्रेन - में - थी," उसने अपने शब्दों को विस्तार से समझाते हुए कहा, मानो वह किसी मंदबुद्धि व्यक्ति को समझा रहा हो।
"हाँ, आप यही कह रहे हैं," एम. कैरेज ने धीरे से कहा।
डेरेक के चेहरे पर शिकन छा गई।
मैं जानना चाहता हूँ कि आप क्या कहना चाह रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि मैं क्या सोचता हूँ, श्री कैरिज?
"महाशय, आपका क्या विचार है?"
"मुझे लगता है कि फ्रांसीसी पुलिस को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है। निश्चित रूप से आपके पास ट्रेन लुटेरों के इन गिरोहों के बारे में कुछ आंकड़े तो होंगे ही। यह बेहद शर्मनाक है कि ऐसी घटना उस तरह की आलीशान ट्रेन में हो सकती है, और फ्रांसीसी पुलिस इस मामले से निपटने में असहाय है।"
"हम इससे निपट रहे हैं, महोदय, चिंता न करें।"

"मुझे पता चला है कि मैडम केटरिंग ने कोई वसीयत नहीं छोड़ी थी," पोइरोट ने अचानक बीच में कहा। उनकी उंगलियां आपस में जुड़ी हुई थीं और वे छत को ध्यान से देख रहे थे।
"मुझे नहीं लगता कि उसने कभी ऐसा कुछ बनाया होगा," केटरिंग ने कहा। "क्यों?"
"वहाँ आपको विरासत में एक बहुत ही सुंदर छोटी सी संपत्ति मिलने वाली है," पोइरोट ने कहा - "एक बहुत ही सुंदर छोटी सी संपत्ति।"
हालांकि उसकी निगाहें अभी भी छत पर टिकी हुई थीं, फिर भी वह डेरेक केटरिंग के चेहरे पर उभरती हुई गहरी लालिमा को देखने में कामयाब रहा।
"आपका क्या मतलब है, और आप कौन हैं?"
पोइरोट ने धीरे से अपने घुटने सीधे किए, छत से अपनी नजरें हटाईं और उस युवक के चेहरे की ओर सीधे देखा।
"मेरा नाम हरक्यूल पोइरोट है," उसने शांत स्वर में कहा, "और मैं शायद दुनिया का सबसे महान जासूस हूँ। क्या आपको पूरा यकीन है कि आपने उस ट्रेन में अपनी पत्नी को न तो देखा और न ही उनसे बात की?"
"आप क्या कहना चाह रहे हैं? क्या आप यह इशारा करना चाहते हैं कि मैंने उसे मार डाला?"
वह अचानक हंस पड़ा।
"मुझे अपना आपा नहीं खोना चाहिए, यह सरासर बेतुका है। अगर मैंने उसे मार डाला होता तो मुझे उसके गहने चुराने की कोई ज़रूरत ही नहीं पड़ती, है ना?" "यह सच है," पोइरोट ने कुछ उदास भाव से बुदबुदाते हुए कहा। "मैंने इस बारे में सोचा ही नहीं था।"
"अगर हत्या और लूट का कोई स्पष्ट मामला है, तो यही है," डेरेक केटरिंग ने कहा। "बेचारी रूथ, उन्हीं मनहूस माणिकों ने उसकी जान ले ली। लगता है कि ये सब इसलिए हुआ क्योंकि वो उन्हें अपने साथ रखती थी। मुझे लगता है कि इससे पहले भी इन्हीं पत्थरों के लिए हत्याएं हो चुकी हैं।"
पोइरोट अचानक अपनी कुर्सी पर उठ बैठा। उसकी आँखों में हल्की हरी रोशनी चमक रही थी। वह देखने में बिल्कुल एक चुस्त-दुरुस्त, तंदुरुस्त बिल्ली जैसा लग रहा था।
"एक और सवाल, श्री केटरिंग," उन्होंने कहा। "क्या आप मुझे वह तारीख बता सकते हैं जब आपने अपनी पत्नी को आखिरी बार देखा था?"

"देखने दीजिए," केटरिंग ने सोचा। "यह ज़रूर हुआ होगा - हाँ, तीन सप्ताह से भी ज़्यादा पहले। मुझे खेद है कि मैं आपको ठीक-ठीक तारीख नहीं बता सकता।" "कोई बात नहीं," पोइरोट ने रूखेपन से कहा, "मुझे बस यही जानना था।" "अच्छा," डेरेक केटरिंग ने अधीरता से कहा, "और कुछ?"
उन्होंने एम. कैरेज की ओर देखा। बाद वाले ने पोइरोट से प्रेरणा मांगी, और उन्हें सिर हिलाने के एक बहुत ही हल्के इशारे से वह प्रेरणा मिल गई। "नहीं, श्रीमान केटरिंग," उन्होंने विनम्रता से कहा, "नहीं, मुझे नहीं लगता कि हमें आपको और परेशान करने की आवश्यकता है। आपको सुप्रभात।" "सुप्रभात," केटरिंग ने कहा। वह दरवाजा पटकते हुए बाहर चला गया।
जैसे ही वह युवक कमरे से बाहर निकला, पोइरोट आगे झुके और तीखे स्वर में बोले, "मुझे बताइए, आपने एम. केटरिंग से इन माणिकों के बारे में कब बात की थी?"
"मैंने उनके बारे में बात नहीं की है," एम. कैरेज ने कहा। "हमें उनके बारे में कल दोपहर ही एम. वैन एल्डिन से पता चला।"
"हां; लेकिन कॉम्टे के पत्र में उनका जिक्र था।"
एम. कैरेज दुखी दिख रहे थे।
"स्वाभाविक रूप से मैंने एम. केटरिंग को उस पत्र के बारे में नहीं बताया," उन्होंने हैरान स्वर में कहा। "वर्तमान परिस्थितियों में ऐसा करना अत्यंत अनुचित होता।"

पोइरोट आगे की ओर झुका और मेज पर थपथपाया।
"तो फिर उन्हें इनके बारे में कैसे पता चला?" उन्होंने धीमी आवाज़ में पूछा। "मैडम ने उन्हें नहीं बताया होगा, क्योंकि उन्होंने तीन हफ़्तों से उनसे मुलाक़ात नहीं की है। यह असंभव लगता है कि एम. वैन एल्डिन या उनके सचिव ने इनका ज़िक्र किया हो; उनके साथ उनकी मुलाक़ातें बिल्कुल अलग विषयों पर थीं, और अख़बारों में भी इनका कोई ज़िक्र या संकेत नहीं है।" वह उठा और उसने अपनी टोपी और छड़ी उठाई।
"और फिर भी," उसने मन ही मन बुदबुदाया, "हमारे सज्जन को उनके बारे में सब कुछ पता है। अब मुझे आश्चर्य हो रहा है, हाँ, मुझे आश्चर्य हो रहा है!"

अध्याय 18

डेरेक लंच

डेरेक केटरिंग सीधे नेग्रेस्को गए, जहाँ उन्होंने दो कॉकटेल मंगवाए और जल्दी से पी लिए; फिर वे उदास मन से चमकीले नीले समुद्र को निहारने लगे। उन्होंने राहगीरों को बेमन से देखा - एक बेहद नीरस भीड़, बेढंगे कपड़े पहने हुए और बेहद उबाऊ; आजकल शायद ही कोई देखने लायक चीज़ नज़र आती है। तभी उनका यह आभास तुरंत बदल गया, जब एक महिला उनसे थोड़ी दूरी पर एक मेज पर बैठ गई। उसने नारंगी और काले रंग का एक अद्भुत परिधान पहना हुआ था, और एक छोटी सी टोपी से उसका चेहरा ढका हुआ था। उन्होंने तीसरा कॉकटेल मंगवाया; फिर से समुद्र की ओर देखने लगे, और फिर अचानक चौंक गए। एक जानी-मानी खुशबू उनकी नाक में आई, और उन्होंने ऊपर देखा तो नारंगी और काले रंग के कपड़े पहनी हुई महिला उनके बगल में खड़ी थी। अब उन्होंने उसका चेहरा देखा और उसे पहचान लिया - यह मिरेल थी। वह उसी बेशर्म, मोहक मुस्कान के साथ मुस्कुरा रही थी जिसे वे अच्छी तरह जानते थे।
"डेरीक!" उसने धीरे से कहा। "मुझे देखकर तुम्हें खुशी हुई, है ना?"
वह मेज के दूसरी तरफ एक कुर्सी पर बैठ गई।
"लेकिन फिर मेरा स्वागत करो, मूर्ख," उसने उपहास उड़ाते हुए कहा।
"यह तो अप्रत्याशित खुशी है," डेरेक ने कहा। "आपने लंदन कब छोड़ा?" उसने अपने कंधे उचका दिए।
"एक या दो दिन पहले।"
और पार्थेनन?
मैंने उन्हें निकाल दिया है!
"वास्तव में?"
"तुम बहुत मिलनसार नहीं हो, डेरीक।"
"क्या आप मुझसे ऐसी उम्मीद करते हैं?"

मिरेल ने सिगरेट जलाई और कुछ मिनट तक कश लेने के बाद कहा:

"शायद आपको लगता है कि इतनी जल्दी ऐसा करना विवेकपूर्ण नहीं है?"
डेरेक ने उसे घूरकर देखा, फिर अपने कंधे उचकाए और औपचारिक रूप से कहा:
"आप यहाँ दोपहर का भोजन कर रहे हैं?"
"हाँ, मैं आपके साथ दोपहर का भोजन कर रहा हूँ।"
"मुझे बहुत खेद है," डेरेक ने कहा। "मेरा एक बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।"
"हे भगवान! तुम मर्द तो बच्चों जैसे हो," नर्तकी ने कहा। "हाँ, तुम मेरे साथ बिगड़े हुए बच्चे जैसा बर्ताव करते हो, लंदन में उस दिन से जब तुमने मेरे फ्लैट से खुद को बाहर फेंक दिया था, तब से तुम रूठ जाते हो। आह! लेकिन ये तो पागलपन है!"
"मेरी प्यारी बच्ची," डेरेक ने कहा, "मुझे सच में नहीं पता कि तुम किस बारे में बात कर रही हो। हमने लंदन में इस बात पर सहमति जताई थी कि चूहे डूबते जहाज को छोड़ देते हैं, बस इतना ही कहना है।"
उसके लापरवाह शब्दों के बावजूद, उसका चेहरा थका हुआ और तनावग्रस्त लग रहा था। मिरेल अचानक आगे की ओर झुकी।
"तुम मुझे धोखा नहीं दे सकते," उसने धीरे से कहा। "मैं जानती हूँ - मैं जानती हूँ कि तुमने मेरे लिए क्या किया है।"
उसने तीक्ष्ण दृष्टि से उसकी ओर देखा। उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा छिपा हुआ था जिसने उसका ध्यान आकर्षित कर लिया।
उसने उसकी ओर सिर हिलाया।
"अरे! घबराइए मत; मैं सतर्क हूँ। आप अद्भुत हैं! आपमें असाधारण साहस है, लेकिन फिर भी, यह विचार तो मैंने ही आपको उस दिन दिया था, जब मैंने लंदन में आपसे कहा था कि दुर्घटनाएँ कभी-कभी हो जाती हैं। और आप खतरे में नहीं हैं? पुलिस को आप पर शक नहीं है?"
"कौनसा शैतान -"
"चुप रहो!"
उसने अपना पतला, जैतून के रंग का हाथ ऊपर उठाया, जिसकी छोटी उंगली पर एक बड़ा पन्ना जड़ा हुआ था।
"तुम सही कह रहे हो; मुझे इतनी सार्वजनिक जगह पर नहीं बोलना चाहिए था। हम इस बारे में फिर कभी बात नहीं करेंगे, लेकिन हमारी परेशानियां खत्म हो गई हैं; हमारा साथ में जीवन शानदार होगा - शानदार!"

डेरेक अचानक हंस पड़ा - एक कर्कश, अप्रिय हंसी।
"तो चूहे वापस आ जाते हैं, है ना? दो मिलियन से फर्क पड़ता है - बिल्कुल पड़ता है। मुझे यह पहले ही पता होना चाहिए था।" वह फिर हँसा। "तुम मुझे वह दो मिलियन खर्च करने में मदद करोगी ना, मिरेल? तुम्हें पता है कैसे, मुझसे बेहतर कोई औरत नहीं।" वह फिर हँसा।
"चुप रहो!" नर्तक चिल्लाया। "डेरीक, तुम्हें क्या हुआ है? देखो - लोग तुम्हारी तरफ घूर रहे हैं।"
"मैं? मैं तुम्हें बताता हूँ कि क्या बात है। मेरा तुमसे काम तमाम हो गया है, मिरेल। सुना तुमने? काम तमाम!"
मिरेल ने इसे वैसे नहीं लिया जैसा उसने उससे उम्मीद की थी। उसने एक-दो मिनट तक उसकी ओर देखा और फिर धीरे से मुस्कुराई।
"अरे, तुम तो बच्चे हो! तुम नाराज़ हो - तुम दुखी हो, और ये सब इसलिए क्योंकि मैं व्यावहारिक हूँ। क्या मैंने तुम्हें हमेशा ये नहीं बताया कि मैं तुमसे कितना प्यार करती हूँ?"
वह आगे की ओर झुकी।
"पर मैं तुम्हें जानती हूँ, डेरीक। मेरी तरफ देखो? - देखो, ये मिरेल है जो तुमसे बात कर रही है। तुम उसके बिना नहीं रह सकते, ये तुम जानते हो। मैंने तुम्हें पहले भी प्यार किया था, अब सौ गुना ज़्यादा प्यार करूँगी। मैं तुम्हारी ज़िंदगी को शानदार बना दूँगी - सचमुच शानदार। मिरेल जैसी कोई नहीं है।" उसकी आँखें उसकी आँखों में गड़ी रह गईं। उसने देखा कि उसका चेहरा पीला पड़ गया है और वह गहरी साँसें ले रहा है, और वह मन ही मन संतुष्ट होकर मुस्कुराई। वह पुरुषों पर अपने जादू और प्रभाव को जानती थी।
“बात पक्की हो गई,” उसने धीरे से कहा और हल्की सी हंसी हंसते हुए बोली, “और अब, डेरीक, क्या तुम मुझे दोपहर का खाना दोगे?”
"नहीं।"
उसने गहरी सांस ली और उठ खड़ा हुआ।
मुझे माफ करना, लेकिन मैंने आपको बताया था - मेरा एक कार्यक्रम तय हो गया है।
"तुम किसी और के साथ लंच कर रहे हो? छी! मुझे विश्वास नहीं हो रहा।"
मैं उस महिला के साथ दोपहर का भोजन कर रहा हूँ।

[illegible]
[illegible]
"[illegible]
[illegible]
[illegible]

अध्याय 19

एक अप्रत्याशित आगंतुक

कॉम्टे डे ला रोशे ने अभी-अभी दोपहर का भोजन समाप्त किया था, जिसमें एक बढ़िया जड़ी-बूटी वाला ऑमलेट, एक बियरनेज़ एंट्रेकोट और एक सैवरिन औ रम शामिल था। अपनी सुंदर काली मूंछों को मेज के नैपकिन से धीरे से पोंछते हुए, कॉम्टे मेज से उठे। वे विला के बैठक कक्ष से गुजरे और इधर-उधर बिखरी हुई कुछ कलाकृतियों को प्रशंसा की दृष्टि से देखा। लुई XV की नसवार की डिब्बी, मैरी एंटोनेट द्वारा पहने गए साटन के जूते और अन्य ऐतिहासिक छोटी-मोटी वस्तुएँ कॉम्टे के सजावट का हिस्सा थीं। वे अपने सुंदर मेहमानों को समझाते थे कि ये उनके परिवार की पुश्तैनी वस्तुएँ हैं। छत पर जाते हुए, कॉम्टे ने एक भावहीन दृष्टि से भूमध्य सागर को देखा। वे दृश्यों की सुंदरता की सराहना करने के मूड में नहीं थे। एक पूरी तरह से विकसित योजना अचानक धराशायी हो गई थी, और उन्हें अपनी योजनाओं को नए सिरे से बनाना पड़ा था। एक टोकरीनुमा कुर्सी पर आराम से लेटते हुए, अपनी सफेद उंगलियों के बीच एक सिगरेट पकड़े हुए, कॉम्टे गहन चिंतन में डूबे हुए थे।
कुछ देर बाद उनके नौकर हिप्पोलिटे कॉफी और कई तरह के लिकर लेकर आए। कॉम्टे ने कुछ बेहतरीन पुरानी ब्रांडी चुनी।
जब नौकर जाने की तैयारी कर रहा था, तभी कॉम्टे ने एक हल्के इशारे से उसे रोक लिया। हिप्पोलिटे सम्मानपूर्वक सावधान मुद्रा में खड़ा हो गया।
उनका चेहरा देखने में आकर्षक नहीं था, लेकिन उनके व्यवहार की शालीनता ने इस तथ्य को काफी हद तक छुपा दिया।
अब वह अत्यंत सम्मानपूर्वक उपस्थित होने का साक्षात उदाहरण था।
कॉम्टे ने कहा, "संभव है कि अगले कुछ दिनों में कई अजनबी घर आएं। वे आपसे और मैरी से जान-पहचान बनाने की कोशिश करेंगे। वे शायद मुझसे संबंधित कई सवाल पूछेंगे।"
"हां, काउंट।"
"शायद यह पहले ही हो चुका है?"

"नहीं, काउंट।"
"क्या उस जगह पर कोई अजनबी नहीं था? क्या आप निश्चित हैं?"
"कोई नहीं आया है, महाशय कॉम्टे।"
कॉम्टे ने रूखेपन से कहा, "यह तो ठीक है, फिर भी वे आएंगे - मुझे पूरा यकीन है। वे सवाल पूछेंगे।"
हिप्पोलिटे ने बुद्धिमत्तापूर्ण प्रत्याशा के साथ अपने स्वामी की ओर देखा।
कॉम्टे ने हिप्पोलिटे की ओर देखे बिना धीरे-धीरे बात की।
"जैसा कि आप जानते हैं, मैं पिछले मंगलवार की सुबह यहाँ पहुँचा था। यदि पुलिस या कोई अन्य पूछताछकर्ता आपसे सवाल करे, तो इस तथ्य को मत भूलिएगा। मैं मंगलवार, 14 तारीख को पहुँचा था - बुधवार, 15 तारीख को नहीं। समझे?" "बिल्कुल सही, गिनती करो।"
"जब किसी मामले में कोई महिला शामिल हो, तो हमेशा सावधानी बरतना आवश्यक होता है। मुझे पूरा विश्वास है, हिप्पोलिटे, कि आप सावधानी बरत सकते हैं।" "मैं सावधानी बरत सकता हूँ, महोदय।"
और मैरी?
"मैरी भी। मैं उसकी तरफ से जवाब दूंगा।"
"तो यह अच्छी बात है," कॉम्टे ने धीरे से कहा।

जब हिप्पोलिटे चले गए, तो कॉम्टे ने चिंतनशील भाव से अपनी काली कॉफी की चुस्की ली। कभी-कभी वे भौंहें चढ़ाते, एक बार उन्होंने अपना सिर हल्का सा हिलाया, दो बार उन्होंने सहमति में सिर हिलाया - इन्हीं विचारों के बीच हिप्पोलिटे एक बार फिर आ गए।
"एक महिला, महोदय।"
"एक महिला?"
कॉम्टे हैरान थे। विला मरीना में किसी महिला का आना कोई असामान्य बात नहीं थी, लेकिन उस खास मौके पर कॉम्टे यह नहीं सोच पा रहे थे कि वह महिला कौन हो सकती है।
"मुझे लगता है कि वह महिला महाशय को ज्ञात नहीं है," नौकर ने मदद करते हुए धीरे से कहा।
कॉम्टे की जिज्ञासा बढ़ती ही जा रही थी।

"हिप्पोलिट, उसे यहाँ से बाहर ले आओ," उसने आदेश दिया।
कुछ ही देर बाद नारंगी और काले रंग के परिधान में एक अद्भुत शख्सियत विदेशी फूलों की तेज खुशबू के साथ छत पर निकली।
"महाशय ले कॉम्टे डे ला रोशे?"
"हम आपकी सेवा में तत्पर हैं, महोदया," कॉम्टे ने झुकते हुए कहा।
"मेरा नाम मिरेल है। शायद आपने मेरे बारे में सुना होगा।"

"अहा, सचमुच, मैडमोजेल, लेकिन मैडमोजेल मिरेल के नृत्य से कौन मंत्रमुग्ध नहीं हुआ है? बेहद खूबसूरत!"
नर्तकी ने एक संक्षिप्त, बनावटी मुस्कान के साथ इस प्रशंसा को स्वीकार किया।
"मेरा आप पर आना एक अनौपचारिक प्रक्रिया है," उसने कहना शुरू किया। "कृपया बैठ जाइए, मैडमोजेल," कॉम्टे ने एक कुर्सी आगे बढ़ाते हुए कहा। अपने विनम्र व्यवहार के पीछे वह उसे गौर से देख रहा था। कॉम्टे महिलाओं के बारे में बहुत कम ही बातें नहीं जानता था। यह सच है कि उसका अनुभव मिरेल जैसी महिलाओं के साथ नहीं रहा था, जो खुद भी चालाक होती थीं। वह और नर्तकी एक तरह से एक ही जैसे थे। कॉम्टे जानता था कि मिरेल पर उसकी कला बेकार जाएगी। वह पेरिस की रहने वाली थी, और बड़ी चतुर थी। फिर भी, एक बात ऐसी थी जिसे कॉम्टे देखते ही पहचान लेता था। वह तुरंत समझ गया कि वह एक बहुत गुस्से वाली महिला के सामने है, और कॉम्टे को अच्छी तरह पता था कि गुस्से वाली महिला हमेशा जरूरत से ज्यादा बोलती है, और कभी-कभी शांत रहने वाले समझदार सज्जन के लिए फायदे का सौदा साबित होती है।
"मैडम, मेरे इस साधारण से घर को इस प्रकार सम्मानित करने के लिए आपका बहुत आभार।"
"पेरिस में हमारे कुछ साझा मित्र हैं," मिरेले ने कहा। "मैंने उनके ज़रिए आपके बारे में सुना है, लेकिन आज मैं आपसे किसी और कारण से मिलने आई हूँ। मैंने आपके बारे में नीस आने के बाद से सुना है - एक अलग तरीके से, आप समझ रहे हैं ना।"
"आह?" कॉम्टे ने धीरे से कहा।

नर्तकी ने आगे कहा, "मैं निर्मम रहूंगी, फिर भी विश्वास रखिए कि मैं आपकी भलाई चाहती हूं। नीस में लोग कह रहे हैं, महाशय कॉम्टे, कि आप अंग्रेज महिला मैडम केटरिंग के हत्यारे हैं।"
"मैं - मैडम केटरिंग का हत्यारा? छी! लेकिन यह कितना हास्यास्पद है!" उसने आक्रोश के बजाय अधिक सुस्त स्वर में बात की, यह जानते हुए कि ऐसा करने से वह उसे और अधिक उत्तेजित कर देगा।
"लेकिन हां," उसने जोर देकर कहा, "यह वैसा ही है जैसा मैं आपको बता रही हूं।"
कॉम्टे ने उदासीनता से बुदबुदाते हुए कहा, "लोगों को बातें करना अच्छा लगता है। ऐसे बेबुनियाद आरोपों को गंभीरता से लेना मेरे लिए उचित नहीं होगा।"
"तुम समझते नहीं हो।" मिरेल आगे झुकी, उसकी गहरी आँखों में चमक थी। "यह सड़कों पर घूमने वालों की बेकार की बातें नहीं हैं। यह पुलिस है।" "पुलिस - आह?"
कॉम्टे एक बार फिर सतर्क होकर उठ बैठा।
मिरेल ने कई बार जोर से अपना सिर हिलाया।
"जी हां। आप मुझे समझ रहे हैं - मेरे दोस्त हर जगह हैं। खुद प्रीफेक्ट भी -" उसने कंधे उचकाते हुए वाक्य को अधूरा छोड़ दिया।
"खूबसूरत औरत के मामले में कौन बेपरवाह नहीं रहता?" काउंट ने विनम्रता से बुदबुदाया।
"पुलिस का मानना है कि आपने श्रीमती केटरिंग की हत्या की है। लेकिन वे गलत हैं।"
"निश्चित रूप से वे गलत हैं," कॉम्टे ने सहजता से सहमति जताई।
"तुम ऐसा कहते हो, लेकिन तुम्हें सच्चाई नहीं पता। मुझे पता है।"
कॉम्टे ने उसे उत्सुकता से देखा।
"क्या आप जानती हैं कि मैडम केटरिंग की हत्या किसने की? क्या आप यही कहेंगी, मैडमोजेल?"
मिरेल ने ज़ोर से सिर हिलाया।
"हाँ।"
"वह कौन था?" कॉम्टे ने तीखे स्वर में पूछा।

"उसके पति ने।" वह कॉम्टे के और करीब झुकी और गुस्से और उत्तेजना से कांपती धीमी आवाज में बोली, "उसके पति ने ही उसकी हत्या की थी।"
कॉम्टे अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए। उनका चेहरा भावहीन था।
"मुझे आपसे एक सवाल पूछने दीजिए, मैडमोजेल - आपको यह कैसे पता चला?"
"मुझे कैसे पता?" मिरेले हंसते हुए उछल पड़ी। "उसने पहले ही इसका बखान किया था। वह बर्बाद हो चुका था, दिवालिया हो चुका था, बदनाम हो चुका था। केवल उसकी पत्नी की मृत्यु ही उसे बचा सकती थी। उसने मुझे यही बताया था। वह उसी ट्रेन में सफर कर रहा था - लेकिन उसे यह पता नहीं चलना था। मैं पूछती हूँ, ऐसा क्यों था? ताकि वह रात में चुपके से उस पर हमला कर सके - आह! -" उसने अपनी आँखें बंद कर लीं - "मैं इसे होते हुए देख सकती हूँ..."
काउंट को खांसी आ गई।
"शायद - शायद," उसने धीरे से कहा। "लेकिन निश्चित रूप से, मैडमोजेल, उस स्थिति में वह गहने नहीं चुराएगा?"
"ये गहने!" मिरेल ने धीमी आवाज़ में कहा। "ये गहने। आह! वे माणिक्य..." उसकी आँखों में नमी छा गई, मानो दूर कहीं की रोशनी चमक रही हो। कॉम्टे ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा, मानो सौवीं बार स्त्रीत्व पर कीमती पत्थरों के जादुई प्रभाव पर आश्चर्य व्यक्त कर रहा हो। उसने उसे व्यावहारिक बातों की ओर याद दिलाया।
"आप मुझसे क्या करवाना चाहती हैं, मैडमोजेल?"
मिरेल एक बार फिर सतर्क और पेशेवर हो गई।
"यह तो बहुत आसान है। आप पुलिस के पास जाएँगे। आप उनसे कहेंगे कि श्री केटरिंग ने यह अपराध किया है।"

"और अगर वे मेरी बात पर यकीन न करें? अगर वे सबूत मांगें?" वह उसे गौर से देख रहा था।
मिरेल धीरे से हंसी और उसने अपने नारंगी और काले रंग के शॉल को अपने चारों ओर और कसकर लपेट लिया।
"उन्हें मेरे पास भेज दीजिए, महाशय कॉम्टे," उसने धीरे से कहा, "मैं उन्हें वह सबूत दे दूंगी जो वे चाहते हैं।"
इसके बाद वह एक प्रचंड बवंडर की तरह चली गई, उसका काम पूरा हो गया था।
कॉम्टे ने अपनी भौहें थोड़ी सी उठाकर उसे ध्यान से देखा।

“वह बहुत गुस्से में है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “अब ऐसा क्या हुआ है जिससे वह परेशान है? लेकिन वह अपने इरादे बहुत स्पष्ट रूप से ज़ाहिर कर रही है। क्या उसे सच में लगता है कि मिस्टर केटरिंग ने अपनी पत्नी की हत्या की है? वह चाहती है कि मैं भी यही मान लूँ। वह तो यहाँ तक चाहती है कि पुलिस भी यही माने।”
वह मन ही मन मुस्कुराया। उसका पुलिस के पास जाने का कोई इरादा नहीं था। उसे कई अन्य संभावनाएं दिखाई दे रही थीं; उसकी मुस्कान से ऐसा लग रहा था कि वे संभावनाएं काफी सुखद थीं।
लेकिन तभी उनके माथे पर चिंता की लकीरें उभर आईं। मिरेल के अनुसार, पुलिस को उन पर शक था। यह सच हो भी सकता है और नहीं भी।
नर्तकी जैसी गुस्सैल महिला को अपने कथनों की सत्यता की परवाह होने की संभावना कम ही थी। दूसरी ओर, वह आसानी से अंदरूनी जानकारी प्राप्त कर सकती थी।
उस स्थिति में—उसके होंठ गंभीर हो गए—उस स्थिति में उसे कुछ सावधानियां बरतनी होंगी।
वह घर के अंदर गया और हिप्पोलिटे से एक बार फिर बारीकी से पूछताछ की कि क्या कोई अजनबी घर आया था। नौकर ने पूरी तरह आश्वस्त होकर कहा कि ऐसा नहीं था। कॉम्टे अपने शयनकक्ष में गया और दीवार से लगी एक पुरानी अलमारी के पास पहुँचा। उसने उसका ढक्कन खोला और अपनी कोमल उंगलियों से एक खाने के पीछे लगी स्प्रिंग को खोजने लगा।
एक गुप्त दराज खुल कर बाहर आ गई; उसमें एक छोटा सा भूरे रंग का कागज़ का पैकेट था। कॉम्टे ने उसे बाहर निकाला और एक-दो मिनट तक ध्यान से अपने हाथ में तौला। अपना हाथ सिर पर उठाते हुए, हल्के से मुँह बनाते हुए उन्होंने उसमें से एक बाल निकाला। उन्होंने उसे दराज के किनारे पर रखा और सावधानी से बंद कर दिया। छोटा सा पैकेट हाथ में लिए ही वे नीचे गए और घर से बाहर गैरेज में पहुँचे, जहाँ एक लाल रंग की दो सीटों वाली कार खड़ी थी। दस मिनट बाद वे मोंटे कार्लो के लिए निकल पड़े।
उन्होंने कैसिनो में कुछ घंटे बिताए, फिर शहर की ओर टहलते हुए निकल गए। थोड़ी देर बाद वे कार में वापस बैठे और मेंटोन की दिशा में चल दिए। दोपहर में उन्होंने अपने पीछे थोड़ी दूरी पर एक साधारण सी भूरी कार देखी थी। अब उन्होंने उसे फिर से देखा। वे मन ही मन मुस्कुराए। सड़क लगातार ऊपर की ओर

चढ़ रही थी। कॉम्टे ने एक्सीलरेटर पर ज़ोर से पैर रखा। छोटी लाल कार कॉम्टे के डिज़ाइन के अनुसार विशेष रूप से बनाई गई थी, और उसके इंजन का आकार देखकर जितना अनुमान लगाया जा सकता था, उससे कहीं अधिक शक्तिशाली था। कार तेज़ी से आगे बढ़ गई।
कुछ देर बाद उसने पीछे मुड़कर देखा और मुस्कुराया; भूरे रंग की कार उसके पीछे-पीछे आ रही थी। धूल से सनी छोटी लाल कार सड़क पर उछलती हुई आगे बढ़ रही थी। वह अब खतरनाक रफ्तार से चल रही थी, लेकिन कॉम्टे एक बेहतरीन ड्राइवर था।
अब वे ढलान पर जा रहे थे, लगातार घुमावदार रास्तों से गुज़रते हुए। थोड़ी देर में गाड़ी की रफ़्तार धीमी हुई और अंत में एक डाकघर के सामने रुक गई। कॉम्टे गाड़ी से कूदकर बाहर निकले, टूल बॉक्स का ढक्कन उठाया, छोटा सा भूरे रंग का कागज़ का पार्सल निकाला और जल्दी से डाकघर में चले गए। दो मिनट बाद वे फिर से मेंटोन की ओर गाड़ी चला रहे थे। जब उनकी धूसर रंग की गाड़ी वहाँ पहुँची, तो कॉम्टे एक होटल की छत पर बैठकर अंग्रेज़ी स्टाइल की शाम की चाय पी रहे थे।
बाद में, वह वापस मोंटे कार्लो चला गया, वहाँ भोजन किया और ग्यारह बजे फिर से घर पहुँचा। हिप्पोलिटे परेशान चेहरे के साथ उससे मिलने बाहर आया। "अरे! काउंट आ गए। कहीं उन्होंने मुझे फोन तो नहीं किया?"
कॉम्टे ने अपना सिर हिलाया।
"और फिर भी तीन बजे मुझे महाशय ले कॉम्टे से एक सम्मन मिला, जिसमें मुझे नीस में स्थित नेग्रेस्को में उनके समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया था।"
कॉम्टे ने कहा, "सचमुच, और तुम चले गए?"
"बिल्कुल, महाशय, लेकिन नेग्रेस्को में वे महाशय ले कॉम्टे के बारे में कुछ नहीं जानते थे - वे वहाँ नहीं आए थे।"
कॉम्टे ने कहा, "अरे, उस समय मैरी दोपहर की खरीदारी के लिए बाहर गई होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।"
"जी हां, काउंट।"
"खैर," कॉम्टे ने कहा, "इसका कोई महत्व नहीं है। एक गलती है।"
वह मन ही मन मुस्कुराते हुए ऊपर चला गया।

अपने कमरे में पहुँचकर उसने दरवाज़ा बंद कर लिया और चारों ओर ध्यान से देखा। सब कुछ सामान्य लग रहा था। उसने कई दराजें और अलमारियाँ खोलीं। फिर उसने खुद को सिर हिलाकर सहमति दी।
चीज़ें लगभग उसी तरह वापस रखी गई थीं जैसे उसने छोड़ी थीं, लेकिन पूरी तरह नहीं। यह स्पष्ट था कि बहुत गहन तलाशी ली गई थी।
वह दराज के पास गया और उसमें छिपी स्प्रिंग को दबाया। दराज खुल गई, लेकिन बाल वहाँ नहीं थे जहाँ उसने रखे थे। उसने कई बार सिर हिलाया।
"हमारी फ्रांसीसी पुलिस बहुत बढ़िया है," उसने मन ही मन बुदबुदाया - "बेहतरीन। उनसे कुछ भी नहीं बचता।"

अध्याय 20

कैथरीन ने एक दोस्त बनाया

अगली सुबह कैथरीन और लेनोक्स विला मार्गुराइट की छत पर बैठे थे। उम्र के अंतर के बावजूद, उनके बीच दोस्ती की एक नई शुरुआत हो रही थी। लेनोक्स के बिना, कैथरीन को विला मार्गुराइट में रहना बिल्कुल असहनीय लगता। केटरिंग मामला उस समय चर्चा का विषय था। लेडी टैम्प्लिन ने इस मामले से अपने मेहमान के जुड़ाव का भरपूर फायदा उठाया।
कैथरीन द्वारा किए गए लगातार तिरस्कार भी लेडी टैम्प्लिन के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे। लेनोक्स ने एक तटस्थ रवैया अपनाया, मानो वह अपनी माँ की चालों से आनंदित हो रही हो, फिर भी कैथरीन की भावनाओं को सहानुभूतिपूर्वक समझ रही थी।
स्थिति को चबी ने और भी बदतर बना दिया, जिसकी भोली खुशी कभी बुझने वाली नहीं थी, और जिसने कैथरीन को सभी से इस प्रकार मिलवाया:
"ये मिस ग्रे हैं। आपको ब्लू ट्रेन का मामला याद है ना? वो उसमें बुरी तरह फंसी हुई थीं! हत्या से कुछ घंटे पहले ही उनकी रूथ केटरिंग से लंबी बातचीत हुई थी! उनके लिए किस्मत की बात है, है ना?"
इस तरह की कुछ टिप्पणियों ने उस सुबह कैथरीन को असामान्य रूप से तीखी प्रतिक्रिया देने के लिए उकसाया था, और जब वे दोनों अकेले थे तो लेनोक्स ने अपनी धीमी आवाज में कहा:
"शोषण की आदत तो नहीं है ना? कैथरीन, तुम्हें अभी बहुत कुछ सीखना है।"

मुझे खेद है कि मैंने अपना आपा खो दिया। मैं आमतौर पर ऐसा नहीं करता।
अब समय आ गया है कि तुम अपना गुस्सा निकालना सीख लो। चबी तो बस एक गधा है; उसमें कोई बुराई नहीं है। माँ बेशक कोशिश कर रही है, लेकिन तुम चाहे जितना भी गुस्सा करो, कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वो बड़ी-बड़ी उदास नीली आँखों से तुम्हें देखेगी और उसे ज़रा भी परवाह नहीं होगी।

कैथरीन ने इस स्नेहपूर्ण टिप्पणी का कोई उत्तर नहीं दिया, और लेनोक्स ने तुरंत अपनी बात जारी रखी:
"मैं काफी हद तक चबी जैसा हूं। मुझे हत्या करने में आनंद आता है, और इसके अलावा - खैर, डेरेक को जानने से फर्क पड़ता है।"
कैथरीन ने सिर हिलाया।
"तो तुमने कल उसके साथ दोपहर का खाना खाया था?" लेनोक्स ने सोच-विचार करते हुए पूछा। "क्या तुम उसे पसंद करती हो, कैथरीन?"
कैथरीन ने एक-दो मिनट तक सोचा।
"मुझे नहीं पता," उसने बहुत धीरे से कहा।
वह बहुत आकर्षक है।
"हां, वह आकर्षक है।"
आपको उसमें क्या पसंद नहीं है?

कैथरीन ने सवाल का जवाब नहीं दिया, या कम से कम सीधे तौर पर तो नहीं। उसने कहा, "उन्होंने अपनी पत्नी की मृत्यु के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह यह दिखावा नहीं करेंगे कि यह उनके लिए किसी चमत्कारिक सौभाग्य के अलावा कुछ और था।"
"और मुझे लगता है कि इससे आपको झटका लगा होगा," लेनोक्स ने कहा। वह थोड़ी देर रुकी और फिर कुछ अजीब लहजे में बोली: "वह तुम्हें पसंद करता है, कैथरीन।"
"उन्होंने मुझे बहुत अच्छा लंच कराया," कैथरीन ने मुस्कुराते हुए कहा। लेनोक्स ने अपना ध्यान भटकाने से इनकार कर दिया।
"मैंने उसे यहाँ आने वाली रात ही देखा था," उसने सोच-विचार करते हुए कहा। "जिस तरह से उसने तुम्हें देखा; और तुम उसकी पसंदीदा लड़की नहीं हो - बिलकुल विपरीत। खैर, मुझे लगता है कि यह धर्म की तरह है - एक निश्चित उम्र में समझ आ जाता है।"
"मैडमोजेल को फोन पर बुलाया जा रहा है," मैरी ने सैलून की खिड़की पर आकर कहा। "श्री हरक्यूल पोइरोट उनसे बात करना चाहते हैं।"
"और भी खून-खराबा और हंगामा। जाओ, कैथरीन; जाओ और अपने जासूस के साथ समय बिताओ।"

एम. हरक्यूल पोइरोट की आवाज कैथरीन के कानों तक साफ और सटीक स्वर में पहुंची।
"क्या आप मैडमोजेल ग्रे बोल रही हैं? मैडमोजेल, मुझे मैडम केटरिंग के पिता एम. वैन एल्डिन से आपके लिए एक संदेश मिला है। वे आपसे विला मार्गुराइट में या अपने होटल में, जो भी आपको पसंद हो, बात करना चाहते हैं।"
कैथरीन ने कुछ देर सोचा, लेकिन फिर उसने फैसला किया कि वैन एल्डिन का विला मार्गरेट आना कष्टदायक और अनावश्यक होगा। लेडी टैम्प्लिन तो उनके आगमन का बहुत ही खुशी से स्वागत करतीं। उन्हें करोड़पतियों से संबंध बनाने का कोई मौका नहीं छूटता था। उन्होंने पोइरोट से कहा कि वह नीस आना ज़्यादा पसंद करेंगी।
"बहुत बढ़िया, महोदया। मैं खुद आपको कार से लेने आऊंगा। लगभग पौने घंटे में?"
ठीक समय पर पोइरोट आ गए। कैथरीन उनका इंतजार कर रही थी, और वे तुरंत गाड़ी में सवार होकर निकल पड़े।
"तो, मैडमोजेल, कैसा चल रहा है?"
उसने उसकी टिमटिमाती आँखों को देखा, और उसकी पहली धारणा की पुष्टि हो गई कि एम. हरक्यूल पोइरोट में कुछ बहुत ही आकर्षक था।
"यह हमारी अपनी रोमन पोलिसियर है, है ना?" पोइरोट ने कहा। "मैंने तुमसे वादा किया था कि हम इसे साथ मिलकर पढ़ेंगे। और मैं - मैं हमेशा अपने वादे निभाता हूँ।"
"आप बहुत दयालु हैं," कैथरीन ने धीरे से कहा।
"अरे, तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो; लेकिन क्या तुम इस मामले की प्रगति सुनना चाहते हो या नहीं?"
कैथरीन ने स्वीकार किया कि उसने ऐसा किया था, और पोइरोट ने उसके लिए कॉम्टे डे ला रोश का एक संक्षिप्त चित्र बनाना शुरू कर दिया।
"तुम्हें लगता है कि उसने ही उसकी हत्या की है," कैथरीन ने सोच-विचार करते हुए कहा।
"यही सिद्धांत है," पोइरोट ने सावधानीपूर्वक कहा।
"क्या आप स्वयं ऐसा मानते हैं?"
मैंने ऐसा नहीं कहा। और आप, मैडमोजेल, आपका क्या विचार है?
कैथरीन ने अपना सिर हिलाया।

मुझे कैसे पता चलेगा? मुझे इन चीजों के बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन मुझे कहना चाहिए कि-"
"हां," पोइरोट ने उत्साहपूर्वक कहा।
"खैर - आपकी बातों से तो ऐसा नहीं लगता कि काउंट किसी की हत्या करने वाला आदमी होगा।"
"आह! बहुत बढ़िया," पोइरोट ने कहा, "आप मुझसे सहमत हैं, मैंने भी बिल्कुल यही कहा था।"
उसने उसे तीखी नजरों से देखा। "लेकिन मुझे बताओ, क्या तुम मिस्टर डेरेक केटरिंग से मिली हो?"
"मैं उनसे लेडी टैम्पलिन के यहाँ मिला था, और मैंने कल उनके साथ दोपहर का भोजन किया था।"
"यह एक बुरा विषय है," पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा, "लेकिन महिलाओं को यह पसंद आता है, है ना?"
उसने कैथरीन की ओर देखकर आँख मारी और वह हँस पड़ी।
"वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन पर किसी का भी ध्यान जाएगा," पोइरोट ने आगे कहा। "निश्चित रूप से आपने उन्हें ब्लू ट्रेन में देखा होगा?"
"हां, मैंने उसे देखा था।"
"रेस्टोरेंट की गाड़ी में?"
"नहीं। मैंने उन्हें भोजन के समय बिल्कुल भी नहीं देखा। मैंने उन्हें केवल एक बार देखा था - अपनी पत्नी के डिब्बे में जाते हुए।"
पॉयरॉट ने सिर हिलाया। "अजीब बात है," उन्होंने धीरे से कहा। "मुझे लगता है आपने कहा था कि आप जाग रही थीं, मैडमोजेल, और आपने अपनी खिड़की से ल्योंस की तरफ देखा था? क्या आपने कॉम्टे डे ला रोश जैसे किसी लंबे, सांवले आदमी को ट्रेन से उतरते नहीं देखा?"
कैथरीन ने सिर हिलाया। उसने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैंने किसी को देखा। एक जवान लड़का टोपी और ओवरकोट पहने हुए था जो ट्रेन से उतरा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह ट्रेन से उतर रहा था, बस प्लेटफार्म पर इधर-उधर घूम रहा था। एक मोटा-सा दाढ़ी वाला फ्रांसीसी आदमी था, जिसने पजामा और ओवरकोट पहना हुआ था, जिसे एक कप कॉफी चाहिए थी। इसके अलावा, मुझे लगता है कि वहाँ सिर्फ ट्रेन अटेंडेंट ही थे।"

पॉयरॉट ने कई बार सिर हिलाया। "बात कुछ इस तरह है," उन्होंने धीरे से कहा, "कॉम्टे डे ला रोश के पास एक पुख्ता सबूत है। पुख्ता सबूत, यह एक बहुत ही खतरनाक चीज है, और हमेशा गंभीर संदेह के घेरे में रहती है। लेकिन हम यहीं हैं!"
वे सीधे वैन एल्डिन के सुइट में गए, जहाँ उन्हें नाइटन मिला। पोइरोट ने उसका परिचय कैथरीन से कराया। कुछ औपचारिक बातचीत के बाद, नाइटन ने कहा, "मैं श्री वैन एल्डिन को बता दूंगा कि मिस ग्रे यहाँ हैं।"
वह दूसरे दरवाजे से होते हुए बगल वाले कमरे में चला गया। वहाँ धीमी आवाज़ों की गूंज सुनाई दी, और फिर वैन एल्डिन कमरे में आया और कैथरीन की ओर हाथ बढ़ाते हुए बढ़ा, साथ ही उसे एक तीक्ष्ण और भेदक नज़र से देखा।
"आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई, मिस ग्रे," उन्होंने सरल शब्दों में कहा। "मैं रूथ के बारे में आपसे कुछ जानने के लिए बहुत उत्सुक था।"
करोड़पति के शांत और सरल स्वभाव ने कैथरीन को बेहद आकर्षित किया। उसे ऐसा महसूस हुआ मानो वह एक सच्चे दुःख की उपस्थिति में है, जो बाहरी संकेतों के अभाव के कारण और भी अधिक वास्तविक लग रहा था।
उसने एक कुर्सी आगे खींच ली।
"जहाँ बैठो, और मुझे इसके बारे में सब कुछ बताओ।"
पॉयरॉट और नाइटन चुपचाप दूसरे कमरे में चले गए, और कैथरीन और वैन एल्डिन अकेले रह गए। उसे अपने काम में कोई कठिनाई नहीं हुई। उसने बड़ी सरलता और सहजता से रूथ केटरिंग के साथ हुई बातचीत को शब्दशः दोहराया, जितना संभव हो सका। वह चुपचाप सुनता रहा, अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुककर, एक हाथ से अपनी आँखों को छाया दे रहा था।
जब उसने बोलना समाप्त कर लिया तो उसने धीरे से कहा: "धन्यवाद, मेरी प्रिय।" वे दोनों एक-दो मिनट तक चुपचाप बैठे रहे।
कैथरीन को लगा कि सहानुभूति के शब्द उचित नहीं होंगे। जब करोड़पति ने बात की, तो उसका लहजा बिल्कुल अलग था:
"मैं आपका बहुत आभारी हूँ, मिस ग्रे। मुझे लगता है कि आपने मेरी बेचारी रूथ के जीवन के अंतिम क्षणों में उसके मन को शांत करने में कुछ मदद की। अब मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ। आप जानती हैं - एम. पोइरोट ने आपको बताया होगा - उस बदमाश के बारे में जिससे मेरी बेचारी रूथ उलझ गई थी। वही वह आदमी था जिसके बारे में उसने आपसे बात की थी - वही आदमी जिससे वह मिलने जा रही थी।

आपके विचार से क्या उसने आपसे बात करने के बाद अपना इरादा बदल लिया होगा? क्या आपको लगता है कि वह अपने वादे से मुकरना चाहती थी?"
"मैं ईमानदारी से आपको नहीं बता सकती। उसने निश्चित रूप से कोई निर्णय लिया था, और परिणामस्वरूप वह अधिक प्रसन्न लग रही थी।"
"उसने आपको इस बात का कोई अंदाजा नहीं दिया कि वह स्कंक से कहां मिलने वाली थी - पेरिस में या हायर्स में?"
कैथरीन ने अपना सिर हिलाया।
"उसने इस बारे में कुछ नहीं कहा।"
"आह!" वैन एल्डिन ने सोच-विचार करते हुए कहा, "और यही तो महत्वपूर्ण बात है। खैर, समय ही बताएगा।"
वह उठा और बगल वाले कमरे का दरवाजा खोला। पोइरोट और नाइटन वापस आ गए।
कैथरीन ने करोड़पति के दोपहर के भोजन के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया, और नाइटन उसके साथ नीचे गया और उसे इंतजार कर रही कार तक पहुँचाया।
जब वह लौटा तो उसने देखा कि पोइरोट और वैन एल्डिन गहरी बातचीत में मशगूल थे।
करोड़पति ने सोच-विचार करते हुए कहा, "काश हमें पता होता कि रूथ ने क्या फैसला लिया। उसके पास आधे दर्जन विकल्प हो सकते थे। हो सकता है उसने पेरिस में ट्रेन से उतरकर मुझे तार भेजने का सोचा हो। हो सकता है उसने दक्षिणी फ्रांस जाकर वहाँ काउंट से बात करने का सोचा हो। हमें कुछ भी पता नहीं है - बिलकुल भी नहीं। लेकिन नौकरानी ने बताया है कि पेरिस स्टेशन पर काउंट को देखकर वह चौंक गई थी और घबरा भी गई थी। यह तो उसकी पहले से बनी योजना का हिस्सा बिल्कुल नहीं था - क्या तुम मुझसे सहमत हो, नाइटन?"
सचिव ने बोलना शुरू किया, "श्रीमान वैन एल्डिन, मुझे क्षमा करें। मैं सुन नहीं रहा था।"
"दिमाग में खोए हुए हो, है ना?" वैन एल्डिन ने कहा। "तुम्हारा स्वभाव ऐसा नहीं है। मुझे लगता है कि उस लड़की ने तुम्हें पूरी तरह से मोहित कर लिया है।"
नाइटन का चेहरा लाल हो गया।
"वह एक बेहद अच्छी लड़की है," वैन एल्डिन ने सोच-समझकर कहा, "बहुत अच्छी। क्या आपने उसकी आँखों पर ध्यान दिया?"
नाइटन ने कहा, "कोई भी आदमी उसकी आंखों को देखकर मोहित हो जाएगा।"

अध्याय 21

टेनिस में

कई दिन बीत गए थे। एक सुबह कैथरीन अकेले टहलने गई थी और जब वह वापस लौटी तो उसने देखा कि लेनोक्स उम्मीद भरी नजरों से उसकी ओर मुस्कुरा रहा है। "तुम्हारा प्रेमी तुम्हें लगातार फोन कर रहा है, कैथरीन!"
"तुम मेरे उस युवक को क्या कहते हो?"
"एक नया आदमी - रूफस वैन एल्डिन का सचिव। लगता है तुमने वहाँ काफी अच्छा प्रभाव छोड़ा है। कैथरीन, तुम तो लोगों का दिल तोड़ने में माहिर होती जा रही हो। पहले डेरेक केटरिंग, और अब ये नौजवान नाइटन। मज़े की बात ये है कि मुझे वो अच्छी तरह याद है। वो माँ के युद्ध अस्पताल में था, जिसे वो यहाँ चलाती थीं। उस समय मैं लगभग आठ साल का बच्चा था।"
"क्या वह बुरी तरह घायल हो गया था?"
"अगर मुझे ठीक से याद है तो उसके पैर में गोली लगी थी - काफी गंभीर मामला था। मुझे लगता है डॉक्टरों ने थोड़ी गड़बड़ कर दी। उन्होंने कहा था कि वह लंगड़ाएगा नहीं या ऐसा कुछ नहीं होगा, लेकिन जब वह यहां से गया तो वह बिल्कुल बेसुध था।"
लेडी टैम्पलिन बाहर आईं और उनके साथ शामिल हो गईं।
"क्या तुमने कैथरीन को मेजर नाइटन के बारे में बताया?" उसने पूछा। "कितने प्यारे इंसान थे! पहले तो मुझे उनका नाम याद ही नहीं आया - इतने सारे लोगों से मेरा सामना होता था - लेकिन अब सब याद आ गया।"
लेनोक्स ने कहा, "पहले वो इतने महत्वहीन थे कि उन्हें कोई याद नहीं रखता था। अब जब वो एक अमेरिकी करोड़पति के सचिव हैं, तो मामला बिल्कुल अलग है।" "डार्लिंग!" लेडी टैम्पलिन ने अपनी अस्पष्ट और तिरस्कारपूर्ण आवाज में कहा।
"मेजर नाइटन ने किस बारे में फोन किया था?" कैथरीन ने पूछा।
"उसने पूछा कि क्या तुम आज दोपहर टेनिस देखने जाना चाहोगी? अगर हाँ, तो वो तुम्हें कार से लेने आ जाएगा। माँ और मैंने तुम्हारे लिए बड़ी विनम्रता से

हाँ कर दी। जब तक तुम एक करोड़पति की सेक्रेटरी के साथ समय बिता रही हो, कैथरीन, मुझे उस करोड़पति के साथ एक मौका दे दो। मुझे लगता है कि वो लगभग साठ साल का है, इसलिए वो मुझ जैसी प्यारी और मासूम लड़की की तलाश में होगा।"
लेडी टैम्पलिन ने गंभीरता से कहा, "मैं श्री वैन एल्डिन से मिलना चाहूंगी। उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। पश्चिमी दुनिया के वे शानदार, दमदार व्यक्तित्व—" वह रुक गईं—"कितने आकर्षक हैं," उन्होंने धीरे से कहा। "मेजर नाइटन ने बार-बार यही कहा कि यह मिस्टर वैन एल्डिन का निमंत्रण था," लेनोक्स ने कहा। "उन्होंने इतनी बार यह बात दोहराई कि मुझे कुछ गड़बड़ लगने लगी। कैथरीन, तुम और नाइटन की जोड़ी बहुत अच्छी लगेगी। भगवान तुम दोनों को आशीर्वाद दे, मेरे बच्चों!"
कैथरीन हंस पड़ी और कपड़े बदलने के लिए ऊपर चली गई।
नाइटन दोपहर के भोजन के तुरंत बाद पहुंचे और लेडी टैम्पलिन की पहचान की खुशी को उन्होंने साहसपूर्वक सहन किया।
जब वे दोनों कान्स की ओर एक साथ गाड़ी चला रहे थे, तो उन्होंने कैथरीन से कहा: "लेडी टैम्प्लिन में आश्चर्यजनक रूप से बहुत कम बदलाव आया है।" "व्यवहार या दिखावट में?"
"दोनों। मुझे लगता है कि उनकी उम्र चालीस से अधिक होगी, लेकिन वह अब भी बेहद खूबसूरत महिला हैं।"
"हाँ, वह है," कैथरीन ने सहमति जताई।
"मुझे बहुत खुशी है कि आप आज आ सकीं," नाइटन ने आगे कहा। "मिस्टर पोइरोट भी वहाँ होंगे। वह कितने असाधारण व्यक्ति हैं। क्या आप उन्हें अच्छी तरह जानती हैं, मिस ग्रे?"
कैथरीन ने सिर हिलाया। "मैं उससे यहाँ आते समय ट्रेन में मिली थी। मैं एक जासूसी उपन्यास पढ़ रही थी, और मैंने गलती से कह दिया कि ऐसी चीजें असल जिंदगी में नहीं होतीं - बेशक, मुझे पता नहीं था कि वह कौन है।"
"वह एक बहुत ही असाधारण व्यक्ति हैं," नाइटन ने धीरे से कहा, "और उन्होंने कुछ बहुत ही असाधारण काम किए हैं। उनमें मामले की तह तक जाने की एक अनोखी प्रतिभा है, और अंत तक किसी को भी यह पता नहीं चलता कि वह वास्तव में क्या सोच रहे हैं। मुझे याद है कि मैं यॉर्कशायर के एक घर में ठहरा हुआ था, और लेडी क्लैनरावोन के गहने चोरी हो गए थे। पहले तो यह एक साधारण सी चोरी लग

रही थी, लेकिन इसने स्थानीय पुलिस को पूरी तरह से हैरान कर दिया। मैं चाहता था कि वे हरक्यूल पोइरोट को बुलाएँ, और मैंने कहा कि वही एकमात्र व्यक्ति हैं जो उनकी मदद कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्कॉटलैंड यार्ड पर भरोसा जताया।"
"और क्या हुआ?" कैथरीन ने उत्सुकता से पूछा।
"वे गहने कभी बरामद नहीं हुए," नाइटन ने रूखेपन से कहा।
"क्या आप सचमुच उन पर विश्वास करते हैं?"
"जी हां, बिल्कुल। कॉम्टे डे ला रोश बड़े ही धूर्त व्यक्ति हैं। वे लगभग हर चीज से बच निकलते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हरक्यूल पोइरोट के रूप में उन्हें टक्कर का कोई मिल गया है।"
कैथरीन ने सोच-विचार करते हुए कहा, "कॉम्टे डे ला रोश, तो क्या आपको सच में लगता है कि उसने ही यह किया था?"
"बिल्कुल।" नाइटन ने हैरानी से उसकी ओर देखा। "क्या तुम नहीं हो?"
"ओह हाँ," कैथरीन ने जल्दी से कहा, "मतलब, अगर यह सिर्फ एक साधारण ट्रेन डकैती न होती।"
"ऐसा हो सकता है, बिल्कुल," दूसरे ने सहमति जताते हुए कहा, "लेकिन मुझे लगता है कि कॉम्टे डे ला रोश इस मामले में विशेष रूप से उपयुक्त बैठते हैं।"
और फिर भी उसके पास एक पुख्ता सबूत है कि वह कहीं और था।
"ओह, बहाने!" नाइटन हँस पड़ा, उसके चेहरे पर उसकी मनमोहक लड़कपन वाली मुस्कान खिल उठी।
"आप मानती हैं कि आप जासूसी कहानियां पढ़ती हैं, मिस ग्रे। आपको पता होना चाहिए कि जिसके पास पुख्ता सबूत होता है, उस पर हमेशा गंभीर संदेह बना रहता है।"
"क्या आपको लगता है कि असल जिंदगी ऐसी ही होती है?" कैथरीन ने मुस्कुराते हुए पूछा।
"क्यों नहीं? कल्पना तो तथ्यों पर आधारित होती है।"
"लेकिन यह उससे कहीं बेहतर है," कैथरीन ने सुझाव दिया।
"शायद। वैसे भी, अगर मैं अपराधी होता तो मैं नहीं चाहता कि हरक्यूल पोइरोट मेरे पीछे पड़े हों।"
"अब मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए," कैथरीन ने कहा और हंस पड़ी।

पहुँचने पर उनका स्वागत पोइरोट ने किया। चूंकि दिन गर्म था, इसलिए उन्होंने सफेद रंग का सूट पहना हुआ था और बटनहोल में सफेद रंग का कैमेलिया फूल लगाया हुआ था।
"बोनजोर, मैडमोजेल," पोइरोट ने कहा। "मैं देखने में बिल्कुल अंग्रेज़ जैसा लगता हूँ, है ना?"
"आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं," कैथरीन ने चतुराई से कहा।
"तुम मेरे सामने खुद का मजाक उड़ा रहे हो," पोइरोट ने सौहार्दपूर्वक कहा, "लेकिन कोई बात नहीं। पापा पोइरोट, आखिर में हंसी तो हमेशा उन्हीं की होती है।"
"मिस्टर वैन एल्डिन कहाँ हैं?" नाइटन ने पूछा।
"वह हमसे हमारी सीटों पर मिलेंगे। सच कहूँ तो, मेरे दोस्त, वह मुझसे कुछ ज़्यादा खुश नहीं हैं। ओह, ये अमेरिकी - उनकी शांति, उनका धैर्य, उन्हें इसका एहसास ही नहीं! श्री वैन एल्डिन, वह चाहते हैं कि मैं नाइस की सभी गलियों से होते हुए अपराधियों का पीछा करूँ।"

"मुझे खुद लगता था कि यह कोई बुरा प्लान नहीं होता," नाइटन ने कहा।
"आप गलत हैं," पोइरोट ने कहा, "इन मामलों में ऊर्जा नहीं, बल्कि कुशलता की आवश्यकता होती है। टेनिस में हर किसी से मुलाकात होती है। यही तो सबसे महत्वपूर्ण है। आह, श्री केटरिंग वहां हैं।"
डेरेक अचानक उनके पास आया। वह बेपरवाह और गुस्से में लग रहा था, मानो किसी बात ने उसे परेशान कर दिया हो। उसने और नाइटन ने एक-दूसरे का अभिवादन कुछ रूखेपन से किया।
केवल पोइरोट ही तनाव से बेखबर प्रतीत हो रहे थे और उन्होंने सभी को सहज महसूस कराने के सराहनीय प्रयास में सुखद बातचीत की। उन्होंने बहुत कम प्रशंसा की।
“यह आश्चर्यजनक है, श्री केटरिंग, कि आप कितनी अच्छी फ्रेंच बोलते हैं,” उन्होंने टिप्पणी की - “इतनी अच्छी कि यदि आप चाहें तो आपको फ्रांसीसी समझा जा सकता है। अंग्रेजों में यह एक बहुत ही दुर्लभ उपलब्धि है।”
"काश मैं ऐसा कर पाती," कैथरीन ने कहा। "मुझे इस बात का भली-भांति एहसास है कि मेरी फ्रेंच भाषा बेहद ब्रिटिश स्तर की है।"

वे अपनी सीटों पर पहुंचे और बैठ गए, और लगभग तुरंत ही नाइटन ने अदालत के दूसरे छोर से अपने नियोक्ता को इशारा करते हुए देखा और उनसे बात करने के लिए चले गए।
"मैं तो उस नौजवान को पसंद करता हूँ," पोइरोट ने विदा होते सचिव को मुस्कुराते हुए कहा, "और आप, मैडमोजेल?"
मुझे वो बहुत पसंद है।
और आप, श्री केटरिंग?
डेरेक के होंठों पर तुरंत कुछ कहने की इच्छा जाग उठी, लेकिन उसने खुद को रोक लिया, मानो उस नन्हे बेल्जियन की चमकती आँखों ने उसे अचानक सतर्क कर दिया हो। उसने सावधानी से, सोच-समझकर शब्दों का चुनाव करते हुए बात की। "नाइटन बहुत अच्छा आदमी है," उसने कहा। एक पल के लिए कैथरीन को लगा कि पोइरोट निराश दिख रहे हैं।
"वह आपके बहुत बड़े प्रशंसक हैं, श्रीमान पोइरोट," उसने कहा और नाइटन द्वारा कही गई कुछ बातें बताईं। उसे यह देखकर मज़ा आया कि वह छोटा आदमी पक्षी की तरह पंख फैलाकर, सीना तानकर, और बनावटी विनम्रता का ऐसा भाव अपना रहा था जिसे देखकर कोई भी धोखा नहीं खा सकता था।
"मुझे याद आया, मैडमोजेल," उसने अचानक कहा, "मुझे आपसे एक छोटे से काम के बारे में बात करनी है। जब आप ट्रेन में उस बेचारी महिला से बात कर रही थीं, तो मुझे लगता है कि आपसे सिगरेट का डिब्बा गिर गया होगा।"
कैथरीन काफी आश्चर्यचकित दिखीं। उन्होंने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता।" पोइरोट ने अपनी जेब से मुलायम नीले चमड़े का सिगरेट केस निकाला, जिस पर सोने के अक्षरों में "K" लिखा हुआ था।
"नहीं, यह मेरा नहीं है," कैथरीन ने कहा।
"अरे, बहुत-बहुत माफी। यह निश्चित रूप से मैडम का ही था। 'के' का मतलब केटरिंग है। हमें संदेह इसलिए हुआ क्योंकि उनके बैग में एक और सिगरेट का डिब्बा था, और यह अजीब लग रहा था कि उनके पास दो डिब्बे हों।"
वह अचानक डेरेक की ओर मुड़ा। "मुझे लगता है कि आप नहीं जानते कि यह आपकी पत्नी का मामला था या नहीं?"
डेरेक कुछ पल के लिए अचंभित सा हो गया। उसने हकलाते हुए जवाब दिया: "मुझे - मुझे नहीं पता। शायद ऐसा ही हो।"
"क्या यह आपका तो नहीं है?"

"बिल्कुल नहीं। अगर यह मेरा होता तो शायद ही मेरी पत्नी के पास होता।" पोइरोट पहले से कहीं अधिक भोले और मासूम दिख रहे थे।
"मुझे लगा कि शायद आपने इसे अपनी पत्नी के डिब्बे में रहते हुए गिरा दिया होगा," उसने भोलेपन से समझाया।
"मैं वहां कभी था ही नहीं। मैं पुलिस को यह बात पहले भी एक दर्जन बार बता चुका हूं।"
"हजारों क्षमादान," पोइरोट ने अपने अत्यंत क्षमाप्रार्थी लहजे में कहा। "यहीं मैडमोजेल ने बताया था कि उन्होंने आपको अंदर जाते हुए देखा था।"
वह शर्मिंदगी भरे भाव से रुक गया।
कैथरीन ने डेरेक की ओर देखा। उसका चेहरा कुछ पीला पड़ गया था, लेकिन शायद यह उसका भ्रम था। जब वह हंसा, तो वह काफी स्वाभाविक था।
“आपने गलती की, मिस ग्रे,” उन्होंने सहजता से कहा। “पुलिस ने मुझे जो बताया है, उससे मुझे पता चला है कि मेरा डिब्बा मेरी पत्नी के डिब्बे से बस एक-दो दरवाजे की दूरी पर था – हालाँकि उस समय मुझे इस बात का ज़रा भी शक नहीं था। आपने मुझे अपने डिब्बे में जाते हुए ज़रूर देखा होगा।” वैन एल्डिन और नाइटन को पास आते देख वह झट से उठ खड़े हुए।
"मैं अब तुम्हें छोड़कर जा रहा हूँ," उसने घोषणा की। "मैं किसी भी कीमत पर अपने ससुर को बर्दाश्त नहीं कर सकता।"
वैन एल्डिन ने कैथरीन का बहुत ही विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया, लेकिन स्पष्ट रूप से वह खराब मूड में थे।
"लगता है आपको टेनिस देखना बहुत पसंद है, मिस्टर पोइरोट," उसने गुर्राते हुए कहा।
"हाँ, मुझे इसमें खुशी है," पोइरोट ने शांत भाव से कहा।
"अच्छा हुआ कि तुम फ्रांस में हो," वैन एल्डिन ने कहा। "अमेरिका में हम लोग ज्यादा मजबूत इरादे वाले हैं। वहां काम को मौज-मस्ती से पहले रखा जाता है।"
पोइरोट को बुरा नहीं लगा; बल्कि, उन्होंने क्रोधित करोड़पति पर सौम्य और विश्वासपूर्ण मुस्कान बिखेरी।
"कृपया क्रोधित न हों, मैं आपसे विनती करता हूँ। हर किसी के अपने तरीके होते हैं। मुझे तो हमेशा से काम और मनोरंजन को एक साथ जोड़ना एक सुखद और आनंददायक विचार लगा है।"

उसने बाकी दोनों पर एक नज़र डाली। वे गहरी बातचीत में मग्न थे, एक-दूसरे में खोए हुए थे। पोइरोट ने संतुष्टि से सिर हिलाया और फिर करोड़पति की ओर झुकते हुए अपनी आवाज़ धीमी कर ली।
"मैं यहाँ केवल मनोरंजन के लिए नहीं आया हूँ, श्रीमान वैन एल्डिन। हमारे ठीक सामने उस बीमार बूढ़े व्यक्ति को देखिए - पीले चेहरे और आदरणीय दाढ़ी वाले व्यक्ति को।"
"अच्छा, उसका क्या हुआ?"
पोइरोट ने कहा, "वह एम. पापोपोलस हैं।"
"एक यूनानी, है ना?"
"जैसा कि आपने कहा - वह एक यूनानी है। वह विश्व भर में ख्याति प्राप्त प्राचीन वस्तुओं का व्यापारी है। पेरिस में उसकी एक छोटी सी दुकान है, और पुलिस को उस पर कुछ और होने का संदेह है।"
"क्या?"
"चोरी के माल, विशेषकर गहनों का सौदागर। रत्नों की नक्काशी और जड़ाई के बारे में उसे हर बात की जानकारी है। वह यूरोप के सबसे ऊंचे तबके से लेकर अंडरवर्ल्ड के सबसे निचले तबके के लोगों तक से लेन-देन करता है।"
वैन एल्डिन अचानक जागृत हुई एकाग्रता के साथ पोइरोट को देख रहा था।
"तो?" उसने अपनी आवाज में एक नया स्वर लाते हुए पूछा।
"मैं खुद से पूछता हूँ," पोइरोट ने कहा, "मैं, हरक्यूल पोइरोट -" उसने नाटकीय अंदाज़ में अपनी छाती पर हाथ पटका - "खुद से पूछता हूँ कि एम. पापोपोलस अचानक नीस क्यों आए हैं?"
वैन एल्डिन प्रभावित हुआ। एक पल के लिए उसे पोइरोट पर शक हुआ था और उसे लगा था कि वह छोटा सा आदमी अपने काम के लायक नहीं है, बस दिखावा कर रहा है - लेकिन पल भर में ही वह अपने मूल विचार पर लौट आया। उसने सीधे उस छोटे जासूस की ओर देखा।
"मुझे आपसे माफी मांगनी होगी, एम. पोइरोट।"
पोइरोट ने एक भव्य हावभाव के साथ माफी को एक तरफ रख दिया।
"वाह!" वह चिल्लाया, "इन सब बातों का कोई महत्व नहीं है। अब सुनिए, श्रीमान वैन एल्डिन; मेरे पास आपके लिए एक खबर है।"
करोड़पति ने पूरी दिलचस्पी के साथ उसकी ओर तीक्ष्ण दृष्टि डाली।
पोइरोट ने सिर हिलाया।

"जैसा मैंने कहा, वैसा ही है। आपको इसमें दिलचस्पी होगी। जैसा कि आप जानते हैं, श्री वैन एल्डिन, कॉम्टे डे ला रोश, न्यायिक न्यायाधीश के साथ अपनी मुलाकात के बाद से ही निगरानी में हैं। उसके अगले दिन, उनकी अनुपस्थिति में, विला मरीना की पुलिस ने तलाशी ली।"
"अच्छा," वैन एल्डिन ने कहा, "क्या उन्हें कुछ मिला? मुझे यकीन है कि उन्हें कुछ नहीं मिला होगा।"
पोइरोट ने उन्हें थोड़ा झुककर प्रणाम किया।
"आपकी सूझबूझ में कोई कमी नहीं है, श्री वैन एल्डिन। उन्हें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। इसकी उम्मीद भी नहीं थी। जैसा कि आपने अपने शब्दों में कहा है, कॉम्टे डे ला रोश कल ही पैदा नहीं हुए थे। वे एक अनुभवी और चतुर सज्जन हैं।"
"ठीक है, आगे बढ़ो," वैन एल्डिन गुर्राया।
"यह संभव है कि कॉम्टे के पास छिपाने के लिए कुछ भी आपत्तिजनक न हो। लेकिन हमें इस संभावना को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। अगर उनके पास कुछ छिपाने के लिए है, तो वह कहाँ है? उनके घर में तो नहीं - पुलिस ने पूरी तरह से तलाशी ली है। उनके पास भी नहीं, क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें किसी भी क्षण गिरफ्तार किया जा सकता है। बस एक ही चीज़ बची है - उनकी कार। जैसा कि मैंने कहा, उन पर नज़र रखी जा रही थी। उस दिन मोंटे कार्लो तक उनका पीछा किया गया। वहाँ से वे खुद गाड़ी चलाकर सड़क मार्ग से मेंटोन गए। उनकी कार बहुत शक्तिशाली है, वह पीछा करने वालों से काफी आगे निकल गई और लगभग पंद्रह मिनट तक वे उन्हें देख नहीं पाए।"
"और आपको क्या लगता है कि उस दौरान उसने सड़क किनारे कुछ छिपाया था?" वैन एल्डिन ने बड़ी उत्सुकता से पूछा।
सड़क किनारे, नहीं। यह व्यावहारिक नहीं है। लेकिन अब सुनिए - मैंने श्री कैरिज को एक छोटा सा सुझाव दिया है। उन्होंने सहर्ष इसे स्वीकार कर लिया है। आस-पास के प्रत्येक डाक कार्यालय में यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई न कोई कॉम्टे डे ला रोश को जानता हो। क्योंकि, महोदय, किसी भी चीज़ को छिपाने का सबसे अच्छा तरीका उसे डाक से भेजना है।
"तो?" वैन एल्डिन ने पूछा; उनका चेहरा उत्सुकता और उम्मीद से चमक रहा था। "अच्छा-" नाटकीय अंदाज में पोइरोट ने अपनी जेब से एक ढीला-ढाला भूरे कागज का पैकेट निकाला, जिसमें से धागा हटा दिया गया था।

"उस पंद्रह मिनट के अंतराल के दौरान, हमारे सज्जन ने यह पत्र भेजा।" "पता?" दूसरे ने तीखे स्वर में पूछा।
पोइरोट ने सिर हिलाया।
"इससे हमें कुछ पता चल सकता था, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। पैकेज पेरिस की उन छोटी-छोटी अखबार की दुकानों में से एक के पते पर भेजा गया था, जहां चिट्ठियों और पार्सलों को तब तक रखा जाता है जब तक कि उन्हें मामूली कमीशन के भुगतान पर वापस नहीं ले लिया जाता।"
"हाँ, लेकिन अंदर क्या है?" वैन एल्डिन ने बेसब्री से पूछा।
पोइरोट ने भूरे रंग का कागज़ खोला और अंदर एक चौकोर गत्ते का डिब्बा दिखाई दिया। उसने चारों ओर देखा।
"यह अच्छा समय है," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। "सभी की निगाहें टेनिस पर टिकी हैं। देखिए, महोदय!"
उसने पल भर के लिए डिब्बे का ढक्कन उठाया। करोड़पति के मुंह से घोर आश्चर्य की एक चीख निकली। उसका चेहरा एकदम सफेद पड़ गया।
"हे भगवान!" उसने धीमी आवाज़ में कहा, "माणिक रत्न!"
वह एक मिनट के लिए जैसे अचेत अवस्था में बैठा रहा। पोइरोट ने डिब्बा वापस अपनी जेब में रख लिया। फिर अचानक करोड़पति जैसे अपनी तंद्रा से बाहर आ गया; वह पोइरोट की ओर झुका और इतनी ज़ोर से अपना हाथ मलने लगा कि पोइरोट दर्द से कराह उठा।
"यह बहुत बढ़िया है," वैन एल्डिन ने कहा। "बहुत बढ़िया! आप वाकई कमाल के हैं, मिस्टर पोइरोट। आप वाकई कमाल के हैं।"
"यह कुछ भी नहीं है," पोइरोट ने विनम्रता से कहा। "व्यवस्था, विधि, और संभावित परिस्थितियों के लिए पहले से तैयार रहना - बस इतना ही है।"
"और अब, मुझे लगता है, कॉम्टे डे ला रोश को गिरफ्तार कर लिया गया है?" वैन एल्डिन ने उत्सुकता से आगे कहा।
"नहीं," पोइरोट ने कहा।
वैन एल्डिन के चेहरे पर घोर आश्चर्य का भाव छा गया।
"लेकिन क्यों? आपको और क्या चाहिए?"
"कॉम्टे का अलबी अभी भी अचूक है।"
"लेकिन यह बकवास है।"

"हां," पोइरोट ने कहा, "मुझे तो यह बकवास लगता है, लेकिन दुर्भाग्य से हमें इसे साबित करना ही होगा।"
"इस बीच वह तुम्हारे हाथों से फिसल जाएगा।"
पोइरोट ने बहुत ही जोश से अपना सिर हिलाया।
"नहीं," उन्होंने कहा, "वह ऐसा नहीं करेगा। कॉम्टे जिस एक चीज़ का बलिदान नहीं कर सकता, वह है उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा। हर हाल में उसे रुकना होगा और निर्भीकता से इसका सामना करना होगा।"
वैन एल्डिन अब भी असंतुष्ट थे।
लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता -
पोइरोट ने हाथ उठाया। "महोदय, मुझे थोड़ा समय दीजिए। मेरे मन में एक विचार आया है। बहुत से लोगों ने हरक्यूल पोइरोट के छोटे-छोटे विचारों का मज़ाक उड़ाया है - और वे गलत साबित हुए हैं।"
"अच्छा," वैन एल्डिन ने कहा, "आगे बढ़ो। यह छोटा सा विचार क्या है?" पोइरोट एक पल के लिए रुका और फिर बोला:
"मैं कल सुबह ग्यारह बजे आपके होटल में आपसे मिलने आऊंगा। तब तक किसी से कुछ मत कहना।"

अध्याय 22

एम. पापोपोलोस नाश्ते पर

एम. पापोपोलस नाश्ता कर रहे थे। उनके सामने उनकी बेटी ज़िया बैठी थी। बैठक के कमरे के दरवाजे पर दस्तक हुई और एक शिकारी (शिकारी) एक कार्ड लेकर अंदर आया, जिसे उसने श्री पापोपोलस को दिया। श्री पापोपोलस ने कार्ड को ध्यान से देखा, अपनी भौंहें उठाईं और उसे अपनी बेटी को सौंप दिया।
"आह!" एम. पापोपोलस ने सोचते हुए अपना बायां कान खुजाते हुए कहा, "हर्क्यूल पोइरोट। अब मुझे आश्चर्य हो रहा है।"
पिता और बेटी ने एक-दूसरे की ओर देखा।
"मैंने उसे कल टेनिस खेलते देखा था," एम. पापोपोलस ने कहा। "ज़िया, मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया।"
"एक समय वह आपके लिए बहुत उपयोगी था," उसकी बेटी ने उसे याद दिलाया।
"यह सच है," एम. पापोपोलस ने स्वीकार किया, "मैंने सुना है कि वे सक्रिय कार्य से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।"
पिता और पुत्री के बीच ये बातचीत उनकी अपनी भाषा में होती रही। अब एम. पापोपोलस ने शिकारी की ओर मुड़कर फ्रांसीसी में कहा:
"इस सज्जन को ऊपर आने दीजिए।"
कुछ मिनट बाद, हरक्यूल पोइरोट, बेहतरीन पोशाक पहने हुए और एक छड़ी को बड़े ही चंचल अंदाज में घुमाते हुए, कमरे में दाखिल हुए।
"मेरे प्रिय श्री पापोपोलस।"
"मेरे प्रिय एम. पोइरोट।"
"और मैडमोजेल ज़िया।" पोइरोट ने उन्हें झुककर प्रणाम किया।
एम. पापोपोलस ने अपने लिए एक और कप कॉफी डालते हुए कहा, "हमें नाश्ता जारी रखने की अनुमति दें। आपका फोन - उम्म! - थोड़ा जल्दी आ गया है।"
"यह शर्मनाक है," पोइरोट ने कहा, "लेकिन फिर मिलते हैं, मुझे बहुत जरूरी काम है।"

"आह!" एम. पापोपोलस ने बुदबुदाते हुए कहा, "तो क्या आप किसी के साथ अफेयर में हैं?"
पोइरोट ने कहा, "यह एक बहुत ही गंभीर मामला है, मैडम केटरिंग की मृत्यु।" "देखने दीजिए," एम. पापोपोलस ने मासूमियत से छत की ओर देखा, "क्या यह वही महिला थी जिसकी नीली ट्रेन में मौत हो गई थी? मैंने अखबारों में इसका जिक्र देखा था, लेकिन इसमें किसी साजिश का कोई संकेत नहीं है।"
पोइरोट ने कहा, "न्याय के हित में, उस तथ्य को दबा देना ही सबसे अच्छा समझा गया।"
कुछ देर का विराम रहा।
"और मैं आपकी किस प्रकार सहायता कर सकता हूँ, श्री पोइरोट?" डीलर ने विनम्रतापूर्वक पूछा।
"लो," पोइरोट ने कहा, "मैं सीधे मुद्दे पर आता हूँ।" उन्होंने अपनी जेब से वही डिब्बा निकाला जो उन्होंने कान्स में प्रदर्शित किया था, और उसे खोलकर उसमें से माणिक निकाले और उन्हें मेज पर पैपोपोलस की ओर बढ़ा दिया। हालांकि पोइरोट उसे ध्यान से देख रहा था, बूढ़े आदमी के चेहरे की एक भी मांसपेशी नहीं हिली। उसने गहने उठाए और एक प्रकार की तटस्थ रुचि के साथ उनका निरीक्षण किया, फिर उसने जासूस की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा: "शानदार हैं ना?" पोइरोट ने पूछा।
"बेहद शानदार," एम. पापोपोलस ने कहा।
"आप इनकी कीमत कितनी आंकेंगे?"
उस यूनानी का चेहरा थोड़ा कांप उठा।
"क्या आपको यह बताना वाकई जरूरी है, मिस्टर पोइरोट?" उन्होंने पूछा।
"आप बड़े चतुर हैं, श्री पापोपोलस। नहीं, ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए, इनकी कीमत पाँच लाख डॉलर नहीं है।"
पापोपोलस हँसा, और पोइरोट भी उसके साथ हँस पड़ा।

पापोपोलस ने पोइरोट को वापस देते हुए कहा, "नकल के तौर पर, जैसा कि मैंने कहा, ये बहुत बढ़िया हैं। क्या यह पूछना अनुचित होगा, मिस्टर पोइरोट, कि आपको ये कहाँ से मिले?"
"बिल्कुल नहीं," पोइरोट ने कहा, "मुझे आप जैसे पुराने दोस्त को बताने में कोई आपत्ति नहीं है। वे कॉम्टे डे ला रोश के कब्जे में थे।"

एम. पापोपोलस की भौहें बड़े ही प्रभावशाली ढंग से ऊपर उठ गईं।
"जी हां," उसने धीरे से कहा।
पोइरोट आगे की ओर झुका और उसने अपना सबसे मासूम और मोहक अंदाज़ अपना लिया।
“श्रीमान पापोपोलस,” उन्होंने कहा, “मैं अपनी बात साफ़-साफ़ कह रहा हूँ।
इन गहनों की असली प्रतियाँ मैडम केटरिंग से ब्लू ट्रेन में चोरी हो गई थीं। अब मैं आपसे पहले यह कहना चाहता हूँ: इन गहनों की बरामदगी से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। यह पुलिस का काम है। मैं पुलिस के लिए नहीं, बल्कि श्रीमान वैन एल्डिन के लिए काम कर रहा हूँ। मैं मैडम केटरिंग के हत्यारे को पकड़ना चाहता हूँ। गहनों में मेरी दिलचस्पी सिर्फ़ इतनी है कि वे मुझे उस आदमी तक पहुँचा सकें। आप समझ रहे हैं?”
अंतिम दो शब्द अत्यंत भव्यता के साथ कहे गए। एम. पापोपोलस ने अपने चेहरे पर कोई भावविभोरता न दिखाते हुए शांत स्वर में कहा: "आगे बढ़ो।"
"महाशय, मुझे लगता है कि यह संभव है कि गहने नीस में ही बेचे जाएंगे - शायद ऐसा हो भी चुका है।"
"आह!" एम. पापोपोलस ने कहा।
उन्होंने चिंतनशील भाव से अपनी कॉफी की चुस्की ली और सामान्य से कुछ अधिक नेक और पितृसत्तात्मक प्रतीत हुए।
पोइरोट ने उत्साह से आगे कहा, "मैं मन ही मन सोचता हूँ, कितनी अच्छी किस्मत है! मेरा पुराना दोस्त, एम. पापोपोलस, नीस में है। वह मेरी मदद करेगा।" "और आपको क्या लगता है कि मैं आपकी किस प्रकार सहायता कर सकता हूँ?" एम. पापोपोलस ने ठंडे स्वर में पूछा।
मैंने मन ही मन सोचा, इसमें कोई शक नहीं कि एम. पापोपोलस व्यापार के सिलसिले में नीस में हैं।
"बिल्कुल नहीं," एम. पापोपोलस ने कहा, "मैं यहां अपनी सेहत के लिए आया हूं - डॉक्टर के आदेश पर।"
उसने खोखली सी खांसी की।
"यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ," पोइरोट ने कुछ बनावटी सहानुभूति दिखाते हुए जवाब दिया। "लेकिन चलिए आगे बढ़ते हैं। जब कोई रूसी ग्रैंड ड्यूक, ऑस्ट्रियाई आर्चडचेस या इतालवी राजकुमार अपने पारिवारिक गहनों को बेचना चाहते हैं, तो वे किसके पास जाते हैं? एम. पापोपोलस के पास, है ना? जो इन चीजों को कुशलतापूर्वक निपटाने के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।"

दूसरे ने सिर झुकाया।
"तुम मेरी झूठी तारीफ कर रहे हो।"

"विवेकशीलता एक बड़ी खूबी है," पोइरोट ने मन ही मन सोचा, और उसे यूनानी के चेहरे पर आई क्षणिक मुस्कान से संतुष्टि मिली। "मैं भी विवेकशील हो सकता हूँ।"
दोनों पुरुषों की निगाहें मिलीं।
फिर पोइरोट बहुत धीरे-धीरे बोलने लगे, और जाहिर तौर पर अपने शब्दों को सावधानीपूर्वक चुन रहे थे।
मैं मन ही मन सोचता हूँ, अगर नीस में इन गहनों का लेन-देन हुआ होता, तो श्री पापोपोलस को इसकी जानकारी ज़रूर होती। उन्हें गहनों की दुनिया में होने वाली हर बात की जानकारी है।
"आह!" एम. पापोपोलस ने कहा और खुद ही एक क्रोइसैन्ट उठा लिया।
एम. पोइरोट ने कहा, "आप समझ रहे हैं ना, पुलिस इस मामले में दखल नहीं देती।
यह एक निजी मामला है।"
"अफवाहें तो सुनने को मिलती ही हैं," एम. पापोपोलस ने सावधानीपूर्वक स्वीकार किया।
"जैसे कि?" पोइरोट ने उत्सुकता से पूछा।
"क्या कोई ऐसा कारण है जिसकी वजह से मुझे इन्हें आगे देना चाहिए?"
"जी हां," पोइरोट ने कहा, "मुझे लगता है कि ऐसा है। आपको याद होगा, श्री पापोपोलस, कि सत्रह साल पहले एक खास चीज़ आपके पास थी, जिसे एक बहुत ही - अहम् - प्रतिष्ठित व्यक्ति ने ज़मानत के तौर पर वहां छोड़ा था। वह आपके पास थी और रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। आप, अगर अंग्रेज़ी मुहावरे का इस्तेमाल करूं तो, बड़ी मुसीबत में पड़ गए थे।"
उसकी निगाहें धीरे से उस लड़की पर पड़ीं। उसने अपना प्याला और प्लेट एक तरफ रख दी थी, और दोनों कोहनियों को मेज पर टिकाकर और ठुड्डी को हाथों पर रखकर उत्सुकता से सुन रही थी। उस पर नज़र रखते हुए वह आगे बोला:
मैं उस समय पेरिस में था। आपने मुझे बुलवाया। आपने खुद को मेरे हवाले कर दिया। आपने कहा कि अगर मैं आपको वह वस्तु लौटा दूं, तो मैं आपका अमर आभार अर्जित करूंगा। ठीक है! मैंने वह वस्तु आपको लौटा दी।
एम. पापोपोलस ने एक लंबी आह भरी।

"यह मेरे करियर का सबसे अप्रिय क्षण था," उन्होंने धीरे से कहा। "सत्रह साल लंबा समय होता है," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा, "लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं यह कहने में सही हूं, महाशय, कि आपकी जाति भूलती नहीं है।"
"एक यूनानी?" पापोपोलस ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ बुदबुदाया। "मेरा मतलब यूनानी के रूप में नहीं था," पोइरोट ने कहा।
कुछ देर सन्नाटा छा गया, और फिर बूढ़ा आदमी गर्व से सीधा खड़ा हो गया।
"आप सही कह रहे हैं, मिस्टर पोइरोट," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। "मैं एक यहूदी हूँ। और जैसा कि आप कहते हैं, हमारी जाति भूलती नहीं है।"
"तो क्या आप मेरी मदद करेंगे?"
"जवाहरों के संबंध में, महोदय, मैं कुछ नहीं कर सकता।"
उस बूढ़े व्यक्ति ने भी, जैसा कि पोइरोट ने अभी किया था, अपने शब्दों का चुनाव बहुत सावधानी से किया।
"मुझे कुछ नहीं पता। मैंने कुछ नहीं सुना है, लेकिन शायद मैं आपकी मदद कर सकता हूँ - बशर्ते आपको रेसिंग में दिलचस्पी हो।"
"कुछ खास परिस्थितियों में मैं ऐसा कर सकता हूँ," पोइरोट ने उसे लगातार देखते हुए कहा।
"लॉन्गचैम्प्स में एक घोड़ा दौड़ रहा है, जिस पर मुझे लगता है कि ध्यान देना उचित होगा। मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता, आप समझ रहे हैं; यह खबर कई लोगों के हाथों से गुजरी है।"
वह रुक गया और पोइरोट को घूरने लगा, मानो यह सुनिश्चित करना चाहता हो कि पोइरोट उसकी बात समझ रहा है या नहीं।
"बिल्कुल, बिल्कुल," पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा।
एम. पापोपोलस ने पीछे झुकते हुए और अपनी उंगलियों के सिरों को आपस में जोड़ते हुए कहा, "घोड़े का नाम मार्क्विस है। मुझे लगता है, लेकिन मैं निश्चित नहीं हूँ, कि यह एक अंग्रेजी घोड़ा है, है ना, ज़िया?"
"मुझे भी ऐसा ही लगता है," लड़की ने कहा।
पोइरोट फुर्ती से उठ खड़ा हुआ।
"धन्यवाद, महोदय," उन्होंने कहा। "अंग्रेज़ों की भाषा में जिसे 'अस्तबल से सलाह' कहते हैं, वह मिलना बड़ी बात है। अलविदा, महोदय, और बहुत-बहुत धन्यवाद।"

वह लड़की की ओर मुड़ा।
"अलविदा, मैडमोजेल ज़िया। मुझे ऐसा लगता है जैसे कल ही मैंने आपको पेरिस में देखा था। ऐसा लगता है जैसे ज़्यादा से ज़्यादा दो साल ही बीते हों।" "सोलह और तैंतीस में फर्क होता है," जिया ने अफसोस जताते हुए कहा।
"तुम्हारे मामले में ऐसा नहीं है," पोइरोट ने बड़े ही विनम्र लहजे में कहा। "हो सकता है कि तुम और तुम्हारे पिता एक रात मेरे साथ भोजन करें।"
"हमें बहुत खुशी होगी," जिया ने उत्तर दिया।
"तो हम इसका इंतजाम कर लेंगे," पोइरोट ने घोषणा की, "और अब - मैं खुद को बचा लूँगा।"
पोइरोट सड़क पर चलते हुए गुनगुना रहा था। वह अपनी छड़ी को बड़े ही चंचल अंदाज़ में घुमा रहा था, और एक-दो बार धीरे से मुस्कुरा भी रहा था। फिर वह सामने आए पहले डाक कार्यालय में गया और एक टेलीग्राम भेज दिया।
इसे लिखने में उसे कुछ समय लगा, लेकिन यह सांकेतिक भाषा में था और उसे अपनी स्मृति का सहारा लेना पड़ा। इसमें एक गुमशुदा स्कार्फ-पिन के बारे में बताया गया था और यह स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर जैप को संबोधित था। इसका अर्थ संक्षिप्त और सटीक था। "मुझे उस व्यक्ति के बारे में सब कुछ बताओ जिसका उपनाम मार्क्विस है।"

अध्याय 23

एक नया सिद्धांत

ठीक ग्यारह बजे पोइरोट वैन एल्डिन के होटल में पहुंचे। उन्होंने वहां करोड़पति को अकेले पाया।
"आप समय के पाबंद हैं, एम. पोइरोट," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा और जासूस का अभिवादन करने के लिए उठ खड़े हुए।
"मैं हमेशा समय का पाबंद रहता हूँ," पोइरोट ने कहा। "मैं हमेशा समय की पाबंदी का पालन करता हूँ। बिना किसी नियम या विधि के।"
उन्होंने बात अधूरी छोड़ दी। "अरे, लेकिन हो सकता है कि मैंने ये बातें आपसे पहले भी कही हों। चलिए सीधे मेरे आने के उद्देश्य पर आते हैं।" "तुम्हारा छोटा सा विचार?"
"जी हां, मेरा यही सुझाव था।" पोइरोट मुस्कुराया। "सबसे पहले, महोदय, मैं नौकरानी एडा मेसन से एक बार फिर मिलना चाहूंगा। क्या वह यहां है?" "हां, वह यहीं है।"
"आह!"
वैन एल्डिन ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा। उसने घंटी बजाई और मेसन को ढूंढने के लिए एक संदेशवाहक को भेजा गया।
पोइरोट ने हमेशा की तरह विनम्रता से उसका अभिवादन किया, जिसका उस विशेष वर्ग पर हमेशा असर होता था।
"शुभ दोपहर, महोदया," उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक कहा। "यदि महोदय अनुमति दें, तो कृपया बैठ जाइए।"
"जी हां, बैठ जाओ, मेरी बच्ची," वैन एल्डिन ने कहा।
"धन्यवाद, महोदय," मेसन ने नज़ाकत से कहा और कुर्सी के बिल्कुल किनारे पर बैठ गई। वह पहले से कहीं ज़्यादा दुबली-पतली और चिड़चिड़ी लग रही थी। "मैं आपसे कुछ और सवाल पूछने आया हूँ," पोइरोट ने कहा। "हमें इस मामले की तह तक जाना होगा। मैं हमेशा ट्रेन में मिले उस आदमी के सवाल पर लौट आता हूँ।

आपको कॉम्टे डे ला रोश को दिखाया गया है। आप कहते हैं कि संभव है कि वही वह आदमी था, लेकिन आप निश्चित नहीं हैं।"
"जैसा कि मैंने आपको बताया, महोदय, मैंने उस सज्जन का चेहरा कभी नहीं देखा। यही बात इसे इतना मुश्किल बना देती है।"
पोइरोट मुस्कुराया और सिर हिलाया।
"बिल्कुल, एकदम सही। मैं आपकी कठिनाई को अच्छी तरह समझती हूँ। अब, मैडम, आपने कहा कि आप मैडम केटरिंग की सेवा में दो महीने से हैं। इस दौरान आप अपनी मालकिन से कितनी बार मिलीं?"
मेसन ने एक-दो मिनट सोचा और फिर कहा:

"सिर्फ दो बार, महोदय।"
"और क्या वह पास था, या दूर था?"
"जी हाँ, एक बार, महोदय, वह कर्ज़न स्ट्रीट आए थे। मैं ऊपर थी, और मैंने रेलिंग के ऊपर से देखा तो उन्हें नीचे हॉल में देखा। मुझे थोड़ी जिज्ञासा हुई, आप समझ रहे हैं ना, क्योंकि मुझे पता था कि हालात कैसे थे।" मेसन ने धीरे से खांसते हुए अपनी बात समाप्त की।
और दूसरी बार?
"मैं पार्क में थी, महोदय, एनी के साथ - जो घर की नौकरानियों में से एक थी, महोदय, और उसने मुझे मालिक को एक विदेशी महिला के साथ चलते हुए दिखाया।" पोइरोट ने फिर सिर हिलाया।
"अब सुनो, मेसन, जिस आदमी को तुमने गैरे डे लियोन में अपनी मालकिन से बात करते हुए गाड़ी में देखा था, तुम्हें कैसे पता कि वह तुम्हारा मालिक नहीं था?"
"मालिक? ओह, मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ होगा।"
"लेकिन आपको यकीन नहीं है," पोइरोट ने जोर देकर कहा।
"खैर - मैंने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं था, महोदय।"
मेसन इस विचार से स्पष्ट रूप से नाराज था।
"तुमने सुना होगा कि तुम्हारा मालिक भी ट्रेन में था। इससे ज्यादा स्वाभाविक क्या हो सकता है कि वही गलियारे से गुजरा हो।"

"लेकिन जो सज्जन उस महिला से बात कर रहे थे, वे बाहर से ही आए होंगे, महोदय। उन्होंने सड़क के कपड़े पहने हुए थे। एक ओवरकोट और नरम टोपी।"
"जी हां, महोदया, लेकिन एक मिनट सोचिए। ट्रेन अभी-अभी गैरे डे लियोन पहुंची है। कई यात्री घाट पर टहल रहे हैं। आपकी मालकिन भी ऐसा ही करने वाली थीं, और इसीलिए उन्होंने अपना फर कोट पहना होगा, है ना?"
"जी सर," मेसन ने सहमति जताई।
"तो फिर, आपके मालिक भी ऐसा ही करते हैं। ट्रेन में हीटर लगा है, लेकिन स्टेशन पर बाहर ठंड है। वह अपना ओवरकोट और टोपी पहनते हैं और ट्रेन के साथ-साथ चलते हैं, और रोशन खिड़कियों की ओर देखते हुए अचानक उन्हें मैडम केटरिंग दिखाई देती हैं। तब तक उन्हें पता ही नहीं था कि वह ट्रेन में हैं। स्वाभाविक रूप से, वह डिब्बे में चढ़ते हैं और उनके डिब्बे में जाते हैं। उन्हें देखकर वह आश्चर्य से चिल्लाती हैं और जल्दी से दोनों डिब्बों के बीच का दरवाजा बंद कर देती हैं क्योंकि संभव है कि उनकी बातचीत निजी प्रकृति की हो।"
वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और सुझाव के धीरे-धीरे असर को देखने लगा। हरक्यूल पोइरोट से बेहतर कोई नहीं जानता था कि मेसन जिस वर्ग से संबंधित है, उसे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।
उसे अपनी पूर्वकल्पित धारणाओं से छुटकारा पाने के लिए उसे समय देना होगा। तीन मिनट बाद उसने कहा:
जी हाँ, बिल्कुल, महोदय, ऐसा हो सकता है। मैंने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं था। मालिक लंबा और सांवला है, और कद-काठी भी लगभग वैसी ही है। टोपी और कोट देखकर ही मुझे बाहर से लगा कि वह कोई सज्जन व्यक्ति है। हाँ, हो सकता है वह मालिक ही हो। मैं निश्चित रूप से कुछ भी कहना नहीं चाहूँगा। "बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदया। अब मुझे और कुछ नहीं चाहिए। आह, बस एक और बात।" उसने अपनी जेब से सिगरेट का डिब्बा निकाला जो उसने पहले ही कैथरीन को दिखाया था। "क्या यह आपकी मालकिन का डिब्बा है?" उसने मेसन से कहा। "नहीं, महोदय, यह मालकिन की नहीं है - कम से कम -"
वह अचानक चौंक गई। उसके मन में एक विचार तेज़ी से उभर रहा था।
"हां," पोइरोट ने उत्साहपूर्वक कहा।
"मुझे लगता है, महोदय - मैं निश्चित नहीं हो सकता, लेकिन मुझे लगता है - यह एक ऐसा बक्सा है जिसे मालकिन ने मालिक को उपहार में देने के लिए खरीदा था।"

"आह," पोइरोट ने अनिर्णयपूर्ण लहजे में कहा।
"लेकिन उसने उसे वह दिया था या नहीं, यह मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता।" "बिल्कुल सही," पोइरोट ने कहा, "बिल्कुल सही। मुझे लगता है कि बस इतना ही काफी है, मैडमोजेल। आपको शुभ दोपहर।"
एडा मेसन चुपचाप चली गईं और अपने पीछे दरवाजा बिना आवाज किए बंद कर दिया। पोइरोट ने वैन एल्डिन की ओर देखा, उनके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान थी। करोड़पति स्तब्ध रह गए।
"तुम्हें क्या लगता है - तुम्हें क्या लगता है कि यह डेरेक था?" उसने पूछा, "लेकिन - सब कुछ दूसरी तरफ इशारा करता है। दरअसल, काउंट गहनों के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है।"
"नहीं।"
लेकिन आपने मुझे बताया था -
"मैंने तुमसे क्या कहा था?"
"वह गहनों वाली कहानी। आपने ही मुझे वे गहने दिखाए थे।"
"नहीं।"
वैन एल्डिन उसे घूरता रहा।
"आपका मतलब है कि आपने मुझे वे नहीं दिखाए।"
"नहीं।"
"कल - टेनिस मैच में?"
"नहीं।"

"क्या आप पागल हैं, एम. पोइरोट, या मैं?"
"हम दोनों में से कोई पागल नहीं है," जासूस ने कहा। "आप मुझसे एक सवाल पूछते हैं; मैं उसका जवाब देता हूँ। आप कहते हैं कि क्या मैंने आपको उस दिन गहने नहीं दिखाए थे? मैं जवाब देता हूँ - नहीं। वैन एल्डिन, मैंने आपको जो दिखाया था, वह एक बेहतरीन नकली गहना था, जिसे असली से केवल एक विशेषज्ञ ही पहचान सकता था।"

अध्याय 24

पोइरोट सलाह देता है

करोड़पति को यह बात समझने में कुछ मिनट लग गए। वह अवाक होकर पोइरोट को घूरने लगा। उस छोटे बेल्जियन ने धीरे से सिर हिलाकर उसे अभिवादन किया। "हां," उन्होंने कहा, "इससे स्थिति बदल जाती है, है ना?"
"नकल!"
वह आगे की ओर झुका।
"क्या आप शुरू से ही इस विचार को लेकर चिंतित थे, श्री पोइरोट? क्या आप शुरू से ही इसी बात पर जोर दे रहे थे? क्या आपको कभी यह विश्वास नहीं हुआ कि कॉम्टे डे ला रोश ही हत्यारा था?"
"मुझे संदेह था," पोइरोट ने शांत स्वर में कहा। "मैंने आपसे भी यही कहा था। हिंसा और हत्या के साथ डकैती -" उन्होंने ज़ोर से सिर हिलाया - "नहीं, इसकी कल्पना करना मुश्किल है। यह कॉम्टे डे ला रोश के व्यक्तित्व से मेल नहीं खाता।"

"लेकिन आपको लगता है कि उसका इरादा माणिक चुराने का था?"
"बिल्कुल। इसमें कोई शक नहीं है। देखिए, मैं आपको पूरा मामला अपने नज़रिए से बताता हूँ। कॉम्टे को माणिक्यों के बारे में पता था और उसने उसी के अनुसार योजना बनाई। उसने अपनी लिखी किताब की एक मनगढ़ंत कहानी बनाई, ताकि आपकी बेटी उन्हें अपने साथ ले आए। उसने अपने लिए एक हूबहू नकली माणिक्य तैयार करवा लिया। यह स्पष्ट है, है ना, कि उसका मकसद उन्हें बदलवाना था। महोदया, आपकी बेटी गहनों की विशेषज्ञ नहीं थी। उसे शायद बहुत समय बाद पता चलता कि क्या हुआ है। और जब उसे पता चलता - तो - मुझे नहीं लगता कि वह कॉम्टे पर मुकदमा चलाती। बहुत कुछ सामने आ जाता। उसके पास आपकी बेटी के कई पत्र होते। हाँ, कॉम्टे के नज़रिए से यह बहुत ही सुरक्षित योजना थी - ऐसी योजना जिसे उसने शायद पहले भी अंजाम दिया होगा।"
"यह काफी स्पष्ट प्रतीत होता है, हाँ," वैन एल्डिन ने सोचते हुए कहा।

"यह कॉम्टे डे ला रोश के व्यक्तित्व के अनुरूप है," पोइरोट ने कहा।
"हाँ, लेकिन अब-" वैन एल्डिन ने दूसरे की ओर ध्यान से देखा। "असल में हुआ क्या? मुझे बताइए, मिस्टर पोइरोट।"
पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
उन्होंने कहा, "यह बहुत सरल है, कॉम्टे से पहले ही कोई और इस पद पर आ गया।"

काफी लंबा विराम था।
वैन एल्डिन अपने मन में बातों का गहराई से विश्लेषण कर रहे थे। जब वे बोलते थे तो सीधे-सीधे बात करते थे।
"मेरे दामाद पर आपको कब से शक है, मिस्टर पोइरोट?"
"शुरू से ही। उसके पास मकसद और मौका दोनों थे। सभी को लगता था कि पेरिस में मैडम के कमरे में बैठा आदमी कॉम्टे डी ला रोश ही था। मुझे भी ऐसा ही लगा था। फिर आपने बताया कि एक बार आपने कॉम्टे को अपना दामाद समझ लिया था। इससे मुझे पता चला कि उनकी लंबाई और कद-काठी एक जैसी थी और रंग भी मिलता-जुलता था। इससे मेरे मन में कुछ अजीबोगरीब ख्याल आए। नौकरानी आपकी बेटी के साथ थोड़े ही समय से थी। यह मुमकिन नहीं था कि वह मिस्टर केटरिंग को देखकर पहचानती हो, क्योंकि वह कर्ज़न स्ट्रीट में नहीं रहते थे; साथ ही, वह आदमी अपना चेहरा दूसरी तरफ मोड़े रखने में भी सावधानी बरतता था।"
"तुम्हें लगता है कि उसने उसकी हत्या की है," वैन एल्डिन ने कर्कश स्वर में कहा।
पोइरोट ने झट से हाथ उठाया।
"नहीं, नहीं, मैंने ऐसा नहीं कहा - लेकिन यह एक संभावना है - एक बहुत प्रबल संभावना।" वह एक बेहद मुश्किल स्थिति में था, उसका अस्तित्व खतरे में था। यही एक रास्ता था उससे बाहर निकलने का।
लेकिन गहने क्यों ले जा रहे हो?
"अपराध को ट्रेन लुटेरों द्वारा किए गए एक सामान्य अपराध के रूप में दिखाने के लिए। अन्यथा संदेह सीधे उस पर ही पड़ जाता।"
"अगर ऐसा है, तो उसने माणिक्यों का क्या किया?"
"यह तो देखना बाकी है। कई संभावनाएं हैं। नीस में एक आदमी है जो मदद कर सकता है, वही आदमी जिसकी ओर मैंने टेनिस मैच के दौरान इशारा किया था।"

वह उठ खड़ा हुआ और वैन एल्डिन भी उठा और उसने उस छोटे आदमी के कंधे पर हाथ रख दिया।
बोलते समय उनकी आवाज भावनाओं से भरी हुई और कर्कश थी।
"मेरे लिए रूथ के हत्यारे को ढूंढ निकालो," उसने कहा, "बस यही मेरी गुजारिश है।"
पोइरोट ने खुद को सीधा खड़ा किया।
उन्होंने बड़ी कुशलता से कहा, "इसे हरक्यूल पोइरोट के हाथों में छोड़ दो, चिंता मत करो। मैं सच्चाई का पता लगा लूंगा।"
उसने अपनी टोपी से एक छोटा सा रोआं झाड़ा, करोड़पति को आश्वस्त करने वाली मुस्कान दी और कमरे से बाहर निकल गया। फिर भी, जैसे ही वह सीढ़ियों से नीचे उतरा, उसके चेहरे से कुछ आत्मविश्वास गायब हो गया।
“सब ठीक है,” उसने मन ही मन बुदबुदाया, “लेकिन मुश्किलें तो हैं। हाँ, बहुत बड़ी मुश्किलें हैं।” होटल से निकलते हुए वह अचानक रुक गया। दरवाजे के सामने एक कार आकर रुकी थी। उसमें कैथरीन ग्रे बैठी थी और डेरेक केटरिंग उसके बगल में खड़े होकर उससे गंभीरता से बातें कर रहे थे।
एक-दो मिनट बाद कार चली गई और डेरेक फुटपाथ पर खड़ा उसे देखता रहा। उसके चेहरे पर एक अजीब सा भाव था। उसने अचानक अधीरता से कंधे हिलाए, गहरी साँस ली और मुड़कर देखा तो हरक्यूल पोइरोट उसके बगल में खड़े थे। वह खुद पर काबू न रख सका और चौंक गया। दोनों ने एक-दूसरे को देखा। पोइरोट स्थिर और दृढ़ भाव से देख रहे थे, जबकि डेरेक हल्के-फुल्के अंदाज़ में चुनौती दे रहा था। बोलते समय उसके लहजे में सहज उपहास के पीछे एक व्यंग्य छिपा था, और बोलते हुए उसने अपनी भौहें थोड़ी ऊपर उठाईं।
"काफी प्यारी है ना?" उसने सहजता से पूछा।
उनका व्यवहार बिल्कुल स्वाभाविक था।
"जी हां," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा, "यह मैडमोजेल कैथरीन का बहुत सटीक वर्णन है। यह मुहावरा बहुत ही अंग्रेजी है, और मैडमोजेल कैथरीन भी बिल्कुल अंग्रेजी हैं।"
डेरेक बिना कोई जवाब दिए एकदम स्थिर खड़ा रहा।
"और फिर भी वह सहानुभूतिपूर्ण है, क्या ऐसा नहीं है?"
"हां," डेरेक ने कहा, "उसके जैसी बहुत कम महिलाएं हैं।"

वह धीमी आवाज़ में बोला, मानो खुद से ही बात कर रहा हो। पोइरोट ने सहमति में सिर हिलाया। फिर वह दूसरे की ओर झुका और एक अलग स्वर में बोला, एक शांत, गंभीर स्वर जो डेरेक केटरिंग के लिए बिल्कुल नया था।
"महाशय, यदि कोई वृद्ध व्यक्ति आपसे कुछ ऐसा कहे जिसे आप अभद्र समझें, तो आप उसे क्षमा कर देंगे। मैं आपको आपकी एक अंग्रेजी कहावत सुनाना चाहूंगा। वह कहती है कि 'नए प्रेम में पड़ने से पहले पुराने प्रेम से छुटकारा पाना बेहतर होता है।'"
केटरिंग गुस्से से उसकी ओर मुड़ा। "तुम्हारा मतलब क्या है?"
"तुम मुझ पर गुस्सा हो रहे हो," पोइरोट ने शांत भाव से कहा। "मुझे यही उम्मीद थी। मेरा मतलब है - महाशय, एक दूसरी कार है जिसमें एक महिला बैठी है। अगर आप अपना सिर घुमाएंगे तो आपको वह दिख जाएगी।"
डेरेक तेज़ी से घूमा। उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया।
"मिरेल, धिक्कार है उसे!" उसने बुदबुदाया। "मैं जल्द ही..."
पोइरोट ने अपनी उस हरकत को रोक दिया जो वह करने ही वाला था।
"क्या तुम जो करने जा रहे हो वह समझदारी भरा है?" उसने चेतावनी भरे लहजे में पूछा। उसकी आँखों में हरी रोशनी चमक रही थी। लेकिन डेरेक ने चेतावनी के संकेतों को नज़रअंदाज़ कर दिया था। उसके हाव-भाव से साफ पता चल रहा था कि वह बिल्कुल बेखबर है।
"मैंने उससे पूरी तरह से नाता तोड़ लिया है, और वह यह जानती है," डेरेक ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा।
"तुमने उससे रिश्ता तोड़ लिया है, हाँ, लेकिन क्या उसने तुमसे रिश्ता तोड़ा है?" डेरेक अचानक ज़ोर से हँस पड़ा।
"अगर वो ऐसा कर सकती है तो वो दो मिलियन पाउंड नहीं तोड़ेगी," उसने निर्मम स्वर में कहा, "इस मामले में मिरेल पर भरोसा करो।"
पोइरोट ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"तुम्हारा नजरिया निराशावादी है," उसने धीरे से कहा।
"क्या मैंने ऐसा किया है?" उनकी अचानक चौड़ी मुस्कान में कोई खुशी नहीं थी। "मैं इस दुनिया में इतने लंबे समय से जी रहा हूँ, मिस्टर पोइरोट, कि मुझे पता है कि सभी महिलाएं लगभग एक जैसी होती हैं।" उनका चेहरा अचानक नरम पड़ गया। "सिर्फ एक को छोड़कर।"

[illegible]
"[illegible]!" [illegible]
[illegible]
"[illegible]" [illegible]
[illegible]
"[illegible]" [illegible]
[illegible]
"[illegible]" [illegible]
[illegible]
"[illegible]" [illegible]
[illegible]
"[illegible]" [illegible]
[illegible]
"[illegible]," [illegible]
"Ça y est," said M. Hercule Poirot, "it is time, i think, that i return chez moi."
[illegible]

"आज का दिन सुखद रहा, जॉर्जेस, थोड़ा थका देने वाला था, लेकिन दिलचस्प भी था," उन्होंने कहा।
जॉर्ज ने इन टिप्पणियों को अपने हमेशा की तरह भावहीन तरीके से सुना।
"जी हां, महोदय।"
"एक अपराधी का व्यक्तित्व, जॉर्जेस, एक दिलचस्प विषय है। कई हत्यारे बेहद आकर्षक व्यक्तित्व वाले होते हैं।"
"मैंने हमेशा सुना है, महोदय, कि डॉ. क्रिपेन एक मधुर भाषी सज्जन थे। और फिर भी उन्होंने अपनी पत्नी को कीमा बनाकर रख दिया।"
"जॉर्जेस, आपके उदाहरण हमेशा सटीक होते हैं।"
नौकर ने कोई जवाब नहीं दिया, और उसी क्षण टेलीफोन की घंटी बजी। पोइरोट ने रिसीवर उठा लिया।
"हैलो - हैलो - हाँ, हाँ, यह हरक्यूल पोइरोट बोल रहा है।"
"यह नाइटन है। क्या आप एक मिनट के लिए लाइन पर बने रहेंगे, मिस्टर पोइरोट? मिस्टर वैन एल्डिन आपसे बात करना चाहते हैं।"
कुछ पल का सन्नाटा छा गया, फिर करोड़पति की आवाज सुनाई दी।
"क्या आप हैं, मिस्टर पोइरोट? मैं बस आपको बताना चाहता था कि मेसन अभी अपनी मर्जी से मेरे पास आई है। वह इस बारे में सोच रही थी, और उसका कहना है कि उसे लगभग यकीन है कि पेरिस में मिला आदमी डेरेक केटरिंग ही था। उसका कहना है कि उस समय उसमें कुछ जाना-पहचाना सा लगा था, लेकिन उस समय वह ठीक से बता नहीं पा रही थी। अब वह काफी हद तक आश्वस्त लग रही है।"
"आह," पोइरोट ने कहा, "धन्यवाद, एम. वैन एल्डिन। इससे हमें प्रगति मिली है।" उसने रिसीवर वापस रख दिया और एक-दो मिनट तक अपने चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान लिए खड़ा रहा। जॉर्ज को उससे दो बार बात करनी पड़ी, तब जाकर उसे जवाब मिला।
"एह?" पोइरोट ने कहा। "तुम मुझसे क्या कह रहे हो?"
"क्या आप यहीं दोपहर का भोजन करेंगे, महोदय, या आप बाहर जा रहे हैं?" "दोनों में से कोई नहीं," पोइरोट ने कहा। "मैं सोने जाऊंगा और चाय पीऊंगा। जो होना था वही हुआ है, और जब ऐसा होता है तो हमेशा मुझे भावुकता महसूस होती है।"

अध्याय 25

DEFIANCE

जैसे ही डेरेक केटरिंग कार के पास से गुजरे, मिरेल ने कार से बाहर की ओर झुककर देखा।
"डेरिक - मुझे आपसे थोड़ी देर बात करनी है -"
लेकिन, अपनी टोपी उठाते हुए, डेरेक बिना रुके सीधे आगे बढ़ गया।

जब वह अपने होटल वापस लौटा, तो चौकीदार ने अपने लकड़ी के बाड़े से खुद को अलग किया और उससे बातचीत की।
"एक सज्जन आपसे मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, महोदय।"
"यह कौन है?" डेरेक ने पूछा।
"उन्होंने मुझे अपना नाम नहीं बताया, महोदय, लेकिन उन्होंने कहा कि आपके साथ उनका काम महत्वपूर्ण है, और वे इंतजार करेंगे।"
"कहाँ है वह?"
"छोटे से सैलून में, महोदय। उन्होंने कहा कि उन्हें लाउंज की तुलना में यह अधिक पसंद है, क्योंकि यह अधिक एकांतपूर्ण है।"
डेरेक ने सिर हिलाया और उस दिशा में अपने कदम बढ़ाए।
छोटा सा हॉल आगंतुक के अलावा खाली था, जो डेरेक के प्रवेश करते ही सहज विदेशी अंदाज में उठ खड़ा हुआ और झुककर अभिवादन किया। संयोगवश, डेरेक ने कॉम्टे डे ला रोश को केवल एक बार ही देखा था, लेकिन उस कुलीन व्यक्ति को पहचानने में उसे कोई कठिनाई नहीं हुई और उसने गुस्से से भौंहें चढ़ा लीं। कितनी बड़ी गुस्ताखी है!
"कॉम्टे डे ला रोश, है ना?" उसने कहा। "मुझे लगता है कि यहाँ आकर आपने अपना समय बर्बाद किया है।"
"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा," कॉम्टे ने सहमति से कहा।
उसके सफेद दांत चमक रहे थे।

कॉम्टे का आकर्षक व्यवहार आमतौर पर उनकी अपनी ही जाति के लोगों पर बेअसर रहता था। सभी पुरुष, बिना किसी अपवाद के, उन्हें दिल से नापसंद करते थे। डेरेक केटरिंग को पहले से ही इस बात का तीव्र मन कर रहा था कि वह काउंट को कमरे से बाहर निकाल दे। बस इस बात का एहसास होने पर कि इस समय बदनामी होना ठीक नहीं होगा, उसने खुद को रोक लिया। उसे फिर से आश्चर्य हुआ कि रूथ इस आदमी की परवाह कैसे कर सकती थी, जैसा कि उसने निश्चित रूप से किया था। एक धूर्त, और धूर्त से भी बदतर। उसने काउंट के बेहद सजे-धजे हाथों को घृणा से देखा।
कॉम्टे ने कहा, "मैं एक छोटे से व्यावसायिक मामले के सिलसिले में आया था। मुझे लगता है कि आपके लिए मेरी बात सुनना उचित होगा।"
एक बार फिर डेरेक को उसे बाहर निकालने का तीव्र मन हुआ, लेकिन उसने फिर से खुद को रोक लिया। धमकी का संकेत उसे समझ में आ गया था, लेकिन उसने उसका अर्थ अपने तरीके से निकाला। कॉम्टे की बात सुनना बेहतर क्यों होगा, इसके कई कारण थे।
वह बैठ गया और अधीरता से अपनी उंगलियों से मेज पर थपथपाने लगा।
"अच्छा," उसने तीखे स्वर में कहा, "क्या बात है?"
कॉम्टे का तरीका यह नहीं था कि वह एकदम से सबके सामने आ जाएं।
"माननीय महोदय, मैं आपके हाल ही में हुए दुखद निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूँ।"
"अगर तुम मुझसे कोई बदतमीजी करो," डेरेक ने शांत स्वर में कहा, "तो तुम उस खिड़की से बाहर चले जाना।"
उसने कॉम्टे के बगल वाली खिड़की की ओर सिर हिलाया, और कॉम्टे बेचैनी से हिल गया।
"महाशय, यदि आप यही चाहते हैं तो मैं अपने मित्रों को आपके पास भेज दूंगा," उसने अभिमानपूर्वक कहा।
डेरेक हँस पड़ा।
"द्वंद्वयुद्ध, है ना? मेरे प्रिय काउंट, मैं आपको इसके लिए गंभीरता से नहीं लेता। लेकिन मुझे आपको प्रोमेनेड डेस एंग्लिस पर लात मारकर गिराने में बहुत आनंद आएगा।"
कॉम्टे को जरा भी नाराज होने की इच्छा नहीं थी। उन्होंने बस अपनी भौहें उठाईं और धीरे से कहा:

"अंग्रेज़ बर्बर हैं।"
"अच्छा," डेरेक ने कहा, "तुम्हें मुझसे क्या कहना है?"
कॉम्टे ने कहा, "मैं स्पष्टवादी हूं, मैं सीधे मुद्दे पर आता हूं। यह हम दोनों के लिए ठीक रहेगा, है ना?"
एक बार फिर उन्होंने अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरी।
"आगे बढ़ो," डेरेक ने संक्षिप्त लहजे में कहा।
कॉम्टे ने छत की ओर देखा, अपनी उंगलियों के सिरों को आपस में जोड़ा और धीरे से बुदबुदाया:
"महाशय, आपको बहुत सारा धन प्राप्त हुआ है।"
इससे तुम्हारा क्या लेना-देना है?
कॉम्टे ने खुद को सीधा खड़ा किया।
"महामहिम, मेरा नाम कलंकित हो गया है! मुझ पर जघन्य अपराध का संदेह है - आरोप लगाया गया है।"
डेरेक ने ठंडे लहजे में कहा, "यह आरोप मेरी तरफ से नहीं लगाया गया है। एक हितधारक के रूप में मैंने कोई राय व्यक्त नहीं की है।"
"मैं निर्दोष हूँ," कॉम्टे ने कहा, "मैं स्वर्ग के सामने शपथ लेता हूँ -" उसने अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया - "कि मैं निर्दोष हूँ।"
"मेरा मानना है कि एम. कैरेज इस मामले के प्रभारी न्यायिक न्यायाधीश हैं," डेरेक ने विनम्रतापूर्वक संकेत दिया।
कॉम्टे ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।
"न केवल मुझ पर उस अपराध का अनुचित संदेह है जो मैंने नहीं किया है, बल्कि मुझे पैसों की भी सख्त जरूरत है।"
उसने धीरे से और संकेतपूर्ण ढंग से खांसा।
डेरेक उठ खड़ा हुआ।
“मैं इसी का इंतज़ार कर रहा था,” उसने धीरे से कहा, “अरे, ब्लैकमेल करने वाले दरिंदे! मैं तुम्हें एक पैसा भी नहीं दूंगा। मेरी पत्नी मर चुकी है, और अब तुम जो भी बदनामी फैलाओगे, उसका उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुझे लगता है उसने तुम्हें बेवकूफी भरे पत्र लिखे थे। अगर मैं अभी तुमसे उन्हें मोटी रकम देकर खरीद लूँ, तो मुझे पूरा यकीन है कि तुम उनमें से एक-दो अपने पास रख लोगे; और मैं तुम्हें बता दूँ, श्रीमान डी ला रोश, ब्लैकमेल करना

इंग्लैंड और फ्रांस दोनों जगह एक बुरा शब्द है। यही मेरा जवाब है। शुभ दोपहर।”
"एक पल रुकिए-" जब डेरेक कमरे से बाहर जाने के लिए मुड़ रहा था, तो कॉम्टे ने हाथ बढ़ाते हुए कहा, "महाशय, आप गलत हैं। आप पूरी तरह गलत हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं एक 'सज्जन' हूँ।"
डेरेक हँस पड़ा।
"किसी महिला द्वारा मुझे लिखे गए किसी भी पत्र को मैं पवित्र मानूंगा।" उन्होंने बड़े ही सलीके से सिर पीछे झुकाया। "जो प्रस्ताव मैं आपके सामने रख रहा था, वह बिल्कुल अलग तरह का था। जैसा कि मैंने कहा, मेरे पास पैसों की बहुत कमी है, और मेरा अंतरात्मा मुझे कुछ जानकारी के साथ पुलिस के पास जाने के लिए मजबूर कर सकती है।"
डेरेक धीरे-धीरे कमरे में वापस आया।
"आपका क्या मतलब है?"
कॉम्टे के चेहरे पर एक बार फिर मनमोहक मुस्कान खिल उठी।
"विस्तार से बताने की कोई ज़रूरत नहीं है," उसने नरमी से कहा। "वे कहते हैं कि अपराध से किसे फ़ायदा होता है, यह पता लगाओ, है ना? जैसा कि मैंने अभी कहा, हाल ही में तुम्हारे पास काफ़ी पैसा आया है।"
डेरेक हँस पड़ा।
"अगर बस इतना ही है तो-" उसने तिरस्कारपूर्वक कहा।
लेकिन कॉम्टे अपना सिर हिला रहे थे। "लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती, महोदय। अगर मेरे पास इससे कहीं अधिक सटीक और विस्तृत जानकारी न होती, तो मैं आपके पास नहीं आता। महोदय, हत्या के आरोप में गिरफ्तार होना और मुकदमा झेलना मुझे अच्छा नहीं लगता।"
डेरेक उसके करीब आया। उसके चेहरे पर इतना भयंकर क्रोध था कि कॉम्टे अनजाने में ही एक-दो कदम पीछे हट गया।
"क्या तुम मुझे धमकी दे रहे हो?" युवक ने क्रोधित होकर पूछा।
"इस मामले के बारे में आपको और कुछ नहीं सुनने को मिलेगा," कॉम्टे ने उन्हें आश्वासन दिया।
"मैंने आज तक जितने भी बड़े-बड़े धोखे किए हैं, उनमें से..."
कॉम्टे ने अपना सफेद हाथ उठाया।

"आप गलत हैं। यह कोई धोखा नहीं है। आपको यकीन दिलाने के लिए मैं आपको यह बता दूं। मेरी जानकारी एक खास महिला से मिली है। उसी के पास इस बात का अकाट्य सबूत है कि आपने ही हत्या की है।"
"वह जो?"
"मिस मिरेल।"

डेरेक ऐसे पीछे हट गया जैसे उसे कोई चोट लगी हो।
"मिरेल," उसने बुदबुदाया।
कॉम्टे ने तुरंत उस अवसर का लाभ उठाने की कोशिश की जिसे वह अपना फायदा समझता था।
उन्होंने कहा, "एक लाख फ्रैंक की मामूली रकम। मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए।"
"एह?" डेरेक ने अनमने ढंग से कहा।
"मैं कह रहा था, महोदय, कि एक लाख फ्रैंक की मामूली रकम मेरे अंतरात्मा को संतुष्ट कर देगी।"
डेरेक को जैसे होश आया। उसने कॉम्टे की ओर गंभीरता से देखा।
"क्या आप मेरा जवाब अभी चाहते हैं?"
"यदि आप चाहें, महोदय।"
"तो ये रहा। तुम शैतान के पास जा सकते हो। समझे?"
कॉम्टे को इतना आश्चर्यचकित छोड़कर कि वह कुछ बोल ही न सके, डेरेक मुड़ा और कमरे से बाहर निकल गया।
होटल से बाहर निकलते ही उसने एक टैक्सी ली और मिरेल के होटल की ओर चल पड़ा। पूछताछ करने पर उसे पता चला कि नर्तकी अभी-अभी होटल में आई है। डेरेक ने होटल के कर्मचारी को अपना कार्ड दे दिया।
"इसे मैडमोजेल के पास ले जाओ और पूछो कि क्या वह मुझसे मिलेंगी।"
कुछ ही क्षणों का अंतराल बीता, और फिर डेरेक को एक शिकारी के पीछे चलने का आदेश दिया गया।
जैसे ही डेरेक ने नर्तकी के अपार्टमेंट की दहलीज पार की, एक अनोखी सुगंध की लहर उसकी नाक में घुस गई। कमरा कार्नेशन, ऑर्किड और मिमोसा की खुशबू से भरा हुआ था। मिरेल झागदार लेस से बने एक सुंदर वस्त्र में खिड़की के पास खड़ी थी।

वह अपने हाथ फैलाए उसकी ओर बढ़ी।
"डेरेक - तुम मेरे पास आ ही गए। मुझे पता था तुम आओगे।"
उसने अपनी चिपकी हुई बाहों को एक तरफ रख दिया और उसे सख्ती से नीचे की ओर देखा।
"आपने कॉम्टे डे ला रोश को मेरे पास क्यों भेजा?"
उसने आश्चर्य से उसकी ओर देखा, जिसे उसने वास्तविक आश्चर्य समझा। "मैं? कॉम्टे डे ला रोश को आपके पास भेजूं? लेकिन किसलिए?"
"जाहिर तौर पर - ब्लैकमेल के लिए," डेरेक ने गंभीर स्वर में कहा।
उसने फिर से घूरना शुरू किया। फिर अचानक वह मुस्कुराई और उसने अपना सिर हिलाया।
"बेशक। इसकी उम्मीद थी। वह ऐसा ही करता, इस तरह का आदमी। मुझे पता होना चाहिए था। नहीं, डेरीक, मैंने उसे नहीं भेजा था।"

उसने उसे भेदक निगाहों से देखा, मानो वह उसके मन की बात जानने की कोशिश कर रहा हो।
"मैं तुम्हें बताऊंगी," मिरेले ने कहा। "मुझे शर्म आ रही है, लेकिन मैं तुम्हें बताऊंगी। उस दिन, तुम समझ रहे हो ना, मैं गुस्से से पागल हो गई थी, बिलकुल पागल -" उसने एक भावपूर्ण इशारा किया। "मेरा स्वभाव धैर्यवान नहीं है। मैं तुमसे बदला लेना चाहती थी, इसलिए मैं कॉम्टे डे ला रोश के पास गई और उनसे कहा कि वे पुलिस के पास जाकर ऐसा-ऐसा कहें। लेकिन डरने की कोई बात नहीं, डेरीक। मैंने अपना आपा पूरी तरह नहीं खोया था; सबूत सिर्फ मेरे पास है। पुलिस मेरे कहे बिना कुछ नहीं कर सकती, तुम समझते हो ना? और अब - अब?" वह उसके करीब आकर बैठ गई और पिघलती हुई आँखों से उसे देखने लगी।
उसने उसे ज़ोर से धक्का देकर खुद से दूर कर दिया। वह वहीं खड़ी रही, उसकी छाती ऊपर-नीचे हो रही थी, उसकी आँखें बिल्ली की तरह पतली हो गई थीं। "सावधान रहो, डेरीक, बहुत सावधान रहो। तुम मेरे पास वापस आ गए हो, है ना?" "मैं तुम्हारे पास कभी वापस नहीं आऊंगा," डेरेक ने स्थिर स्वर में कहा। "आह!"
नर्तकी पहले से कहीं ज़्यादा बिल्ली जैसी लग रही थी। उसकी पलकें फड़क रही थीं। "तो कोई और औरत भी है? वही जिसके साथ तुमने उस दिन दोपहर का खाना खाया था। है ना, क्या मैं सही कह रही हूँ?"

"मैं उस महिला को शादी के लिए प्रपोज करने का इरादा रखता हूं। आपको यह बात पता होनी चाहिए।"
"वह संस्कारी अंग्रेज़ महिला! क्या आपको लगता है कि मैं एक पल के लिए भी उसका समर्थन करूँगी? बिलकुल नहीं।" उसका सुंदर लचीला शरीर काँप उठा। "सुनो, डेरीक, क्या तुम्हें लंदन में हुई हमारी वो बातचीत याद है? तुमने कहा था कि तुम्हें बचाने का एकमात्र उपाय तुम्हारी पत्नी की मृत्यु है। तुम्हें इस बात का अफसोस था कि वो इतनी स्वस्थ थी। फिर तुम्हारे दिमाग में एक दुर्घटना का ख्याल आया। और वो दुर्घटना से कहीं बढ़कर थी।"
डेरेक ने तिरस्कारपूर्वक कहा, "मुझे लगता है कि यही बातचीत आपने कॉम्टे डे ला रोश को दोहराई थी।"
मिरेल हंस पड़ी।
"क्या मैं मूर्ख हूँ? क्या पुलिस इस तरह की अस्पष्ट कहानी के आधार पर कुछ कर सकती है? देखो - मैं तुम्हें आखिरी मौका दे रही हूँ। तुम इस अंग्रेज़ औरत को छोड़ दोगे। तुम मेरे पास लौट आओगे। और फिर, प्रिय, मैं कभी चैन की साँस नहीं ले पाऊँगी -"
"सांस लेना क्या?"
वह धीरे से हंसी। "तुम्हें लगा कि तुम्हें किसी ने नहीं देखा -"
"आपका क्या मतलब है?"
"जैसा कि मैंने कहा, आपको लगा कि किसी ने आपको नहीं देखा - लेकिन मैंने आपको देखा, डेरीक, मेरे दोस्त; मैंने आपको उस रात ट्रेन के ल्योंस पहुंचने से ठीक पहले आपकी पत्नी मैडम के डिब्बे से बाहर आते देखा। और मुझे इससे भी ज़्यादा पता है। मुझे पता है कि जब आप उनके डिब्बे से बाहर आए, तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।"
उसने उसे घूर कर देखा। फिर, जैसे कोई स्वप्न में हो, वह बहुत धीरे से मुड़ा और कमरे से बाहर निकल गया, चलते समय वह थोड़ा लड़खड़ा रहा था।

अध्याय 26

एक चेतावनी

"और इसलिए," पोइरोट ने कहा, "हम अच्छे दोस्त हैं और एक-दूसरे से कोई रहस्य नहीं रखते हैं।"
कैथरीन ने उसकी ओर देखने के लिए अपना सिर घुमाया। उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था, गंभीरता का एक अंतर्निहित भाव, जो उसने पहले कभी नहीं सुना था।
वे मोंटे कार्लो के बगीचों में बैठे थे। कैथरीन अपने दोस्तों के साथ आई थी और आते ही उनकी मुलाकात नाइटन और पोइरोट से हो गई। लेडी टैम्प्लिन ने नाइटन को घेर लिया और पुरानी यादों में खो बैठीं, जिनमें से ज्यादातर के बारे में कैथरीन को हल्का सा शक था कि वे मनगढ़ंत थीं। वे दोनों साथ-साथ आगे बढ़े, लेडी टैम्प्लिन ने युवक के हाथ पर हाथ रखा हुआ था। नाइटन ने पीछे मुड़कर दो-तीन बार देखा और पोइरोट की आँखों में हल्की सी चमक आ गई जब उन्होंने उन्हें देखा।
"बेशक हम दोस्त हैं," कैथरीन ने कहा।
"शुरू से ही हम एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते आए हैं," पोइरोट ने मन ही मन सोचा।
"जब आपने मुझे बताया कि 'रोमन पुलिसियर' जैसी कहानी असल जिंदगी में भी घटित होती है।"
"और मैं सही था, है ना?" उसने अपनी तर्जनी उंगली से इशारा करते हुए उसे चुनौती दी। "हम यहाँ एक ऐसे ही विवाद के बीच में फँस गए हैं। यह मेरे लिए स्वाभाविक है - यह मेरा पेशा है - लेकिन तुम्हारे लिए यह अलग है। हाँ," उसने चिंतनशील स्वर में कहा, "तुम्हारे लिए यह अलग है।"
उसने उसे तीखी निगाहों से देखा। ऐसा लग रहा था मानो वह उसे चेतावनी दे रहा हो, किसी ऐसे खतरे की ओर इशारा कर रहा हो जिसे उसने पहले नहीं देखा था। "आप ऐसा क्यों कह रहे हैं कि मैं इसमें शामिल हूँ? यह सच है कि श्रीमती केटरिंग की मृत्यु से ठीक पहले मेरी उनसे बातचीत हुई थी, लेकिन अब - अब वह सब खत्म हो चुका है। मेरा इस मामले से अब कोई लेना-देना नहीं है।"

"आह, मैडमोजेल, मैडमोजेल, क्या हम कभी कह सकते हैं, 'मैंने यह या वह काम पूरा कर लिया है'?"
कैथरीन ने चुनौती भरे अंदाज में मुड़कर उसका सामना किया।
"क्या बात है?" उसने पूछा। "तुम मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहे हो - बल्कि समझाने की कोशिश कर रहे हो। लेकिन मैं इशारे समझने में माहिर नहीं हूँ। मैं चाहूँगी कि तुम जो कुछ भी कहना चाहते हो, सीधे-सीधे कह दो।"
पॉयरॉट ने उदास होकर उसकी ओर देखा। "आह, लेकिन यह अंग्रेज़ी में ऐसा ही है," उसने धीरे से कहा, "सब कुछ साफ़-साफ़ लिखा होता है, सब कुछ स्पष्ट और परिभाषित होता है। लेकिन जीवन ऐसा नहीं है, मैडमोजेल। कुछ चीज़ें अभी तक नहीं हुई हैं, लेकिन उनकी छाया पहले से ही दिखाई देती है।"

उन्होंने अपने माथे को एक बड़े रेशमी रुमाल से पोंछा और बुदबुदाए: "अरे, बात तो ये है कि मैं काव्यात्मक हो रहा हूँ। जैसा कि आप कहते हैं, चलिए केवल तथ्यों की बात करते हैं। और तथ्यों की बात करें तो, मुझे बताइए कि आप मेजर नाइटन के बारे में क्या सोचते हैं।"
कैथरीन ने गर्मजोशी से कहा, "मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूँ; वे वाकई बहुत अच्छे इंसान हैं।"
पोइरोट ने आह भरी।
"क्या बात है?" कैथरीन ने पूछा।
"तुम इतनी गर्मजोशी से जवाब देते हो," पोइरोट ने कहा। "अगर तुमने उदासीन स्वर में कहा होता, 'ओह, काफी अच्छा,' तो तुम्हें पता है कि मैं और भी खुश होता।"
कैथरीन ने कोई जवाब नहीं दिया। वह थोड़ी असहज महसूस कर रही थी। पोइरोट स्वप्निल स्वर में बोलते रहे: "और फिर भी, कौन जानता है? महिलाओं के पास अपनी भावनाओं को छिपाने के कई तरीके होते हैं - और हार्दिक भाव-भंगिमा शायद अन्य तरीकों की तरह ही एक अच्छा तरीका है।"
उसने आह भरी।
"मुझे समझ नहीं आ रहा है-" कैथरीन ने कहना शुरू किया।
उसने उसकी बात काट दी।

"क्या आपको समझ नहीं आ रहा कि मैं इतना अभद्र क्यों हो रहा हूँ, मैडम? मैं बूढ़ा हो चुका हूँ और कभी-कभार - बहुत कम बार - मुझे कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाता है जिसकी भलाई मेरे लिए मायने रखती है। हम दोस्त हैं, मैडम। आपने खुद भी ऐसा कहा है। और बात बस इतनी सी है - मैं आपको खुश देखना चाहता हूँ।" कैथरीन सीधे अपने सामने देख रही थी। उसके पास क्रेटन का एक धूप से बचने वाला पर्दा था, और उसकी नोक से वह अपने पैरों के पास पड़ी बजरी पर छोटी- छोटी आकृतियाँ बना रही थी।
मैंने आपसे मेजर नाइटन के बारे में एक सवाल पूछा था, अब मैं आपसे एक और सवाल पूछूंगा। क्या आपको मिस्टर डेरेक केटरिंग पसंद हैं?
"मैं उसे मुश्किल से ही जानती हूँ," कैथरीन ने कहा।
"यह कोई जवाब नहीं है।"
"मुझे लगता है ऐसा है।"
उसने उसकी ओर देखा, उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने उसे स्तब्ध कर दिया। फिर उसने गंभीरता से और धीरे से अपना सिर हिलाया।
"शायद आप सही कह रही हैं, महोदया। देखिए, मैं, जो आपसे बात कर रहा हूँ, मैंने दुनिया को बहुत करीब से देखा है, और मैं जानता हूँ कि दो बातें सच हैं। एक अच्छा आदमी एक बुरी औरत के प्यार में बर्बाद हो सकता है - लेकिन इसका उल्टा भी सच है। एक बुरा आदमी भी उतनी ही बुरी औरत के प्यार में बर्बाद हो सकता है।"
कैथरीन ने अचानक ऊपर की ओर देखा।

"जब आप बर्बाद कहते हैं -"
"मेरा मतलब उसके दृष्टिकोण से है। अपराध में भी उतना ही पूर्ण समर्पण होना चाहिए जितना कि अन्य सभी चीजों में।"
"तुम मुझे चेतावनी देने की कोशिश कर रही हो," कैथरीन ने धीमी आवाज़ में कहा। "किसके खिलाफ?"
"मैं आपके दिल की बात नहीं जान सकता, मैडम; मुझे नहीं लगता कि अगर मैं जान भी सकूँ तो आप मुझे ऐसा करने देंगी। मैं बस इतना ही कहूँगा। कुछ पुरुष ऐसे होते हैं जिन्हें महिलाओं के प्रति एक अजीब सा आकर्षण होता है।"
"कॉम्टे डे ला रोश," कैथरीन ने मुस्कुराते हुए कहा।

"कुछ और भी हैं - कॉम्टे डे ला रोश से भी ज़्यादा खतरनाक। उनमें कुछ ऐसे गुण हैं जो आकर्षित करते हैं - बेपरवाही, दिलेरी, निर्भीकता। आप मोहित हैं, मैडमोजेल; मैं देख सकता हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि यह बस इतना ही है। मुझे उम्मीद है ऐसा ही हो। जिस व्यक्ति की मैं बात कर रहा हूँ, उसकी भावनाएँ काफी सच्ची हैं, लेकिन फिर भी -"
"हाँ?"
वह उठा और उसे नीचे देखते हुए खड़ा हो गया। फिर उसने धीमी, स्पष्ट आवाज़ में कहा:
"आप शायद किसी चोर से प्यार कर सकती हैं, मैडमोजेल, लेकिन किसी हत्यारे से नहीं।"
वह अचानक मुड़ा और उसे वहीं बैठा छोड़कर चला गया।

उसने उसकी हल्की सी आह सुनी, पर उसने कोई ध्यान नहीं दिया। उसने जो कहना चाहा था कह दिया था। उसने उसे वहीं छोड़ दिया ताकि वह उस आखिरी स्पष्ट वाक्य को समझ सके।
कैसिनो से बाहर धूप में आते हुए डेरेक केटरिंग ने उसे बेंच पर अकेले बैठे देखा और उसके साथ बैठ गया।
"मैं जुआ खेल रहा था," उसने हल्की हंसी के साथ कहा, "हार गया। मैंने सब कुछ खो दिया है - मतलब, जो कुछ भी मेरे पास था।"
कैथरीन ने परेशान चेहरे से उसकी ओर देखा। उसे तुरंत उसके व्यवहार में कुछ नयापन महसूस हुआ, कोई छिपा हुआ उत्साह जो सौ अलग-अलग सूक्ष्म संकेतों में प्रकट हो रहा था।
"मुझे लगता है कि आप हमेशा से जुआरी रहे होंगे। जुए का शौक आपको आकर्षित करता है।"
"क्या आप हर दिन और हर तरह से जुआ खेलते हैं? आप लगभग सही हैं। क्या आपको इसमें कुछ रोमांचक नहीं लगता? एक ही दांव पर सब कुछ लगा देना - इससे बेहतर कुछ नहीं।"
हालांकि कैथरीन खुद को शांत और संयमित मानती थी, फिर भी उसे एक हल्की सी रोमांचकारी अनुभूति हुई।
डेरेक ने आगे कहा, "मैं आपसे बात करना चाहता हूँ, और कौन जानता है कि मुझे दोबारा ऐसा मौका कब मिलेगा? एक अफवाह फैली हुई है कि मैंने अपनी पत्नी की

हत्या की है - नहीं, कृपया बीच में दखल न दें। यह बिलकुल बेतुका है।" वह एक-दो मिनट के लिए रुका, फिर संभलकर बोलने लगा। "यहाँ पुलिस और स्थानीय अधिकारियों से निपटते समय मुझे दिखावटी शिष्टाचार का ढोंग करना पड़ा। मैं आपके साथ ऐसा ढोंग नहीं करना चाहता। मेरा इरादा पैसे वाली औरत से शादी करने का था। जब मैं पहली बार रूथ वैन एल्डिन से मिला, तब मैं पैसे की तलाश में था। वह दुबली-पतली मैडोना जैसी दिखती थी, और मैंने - खैर - हर तरह के अच्छे संकल्प लिए - और बुरी तरह से निराश हुआ। मेरी पत्नी मुझसे शादी करने से पहले किसी और से प्यार करती थी। उसने मेरी ज़रा भी परवाह नहीं की। ओह, मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ; यह एक बिल्कुल सम्मानजनक सौदा था। उसे लेकोनबरी चाहिए था और मुझे पैसा। परेशानी बस रूथ के अमेरिकी खून की वजह से पैदा हुई। मेरी ज़रा भी परवाह किए बिना, वह चाहती थी कि मैं हमेशा उसकी सेवा में लगा रहूँ। बार-बार वह मुझे लगभग यही कहती थी कि उसने मुझे खरीदा है और मैं उसका हूँ। नतीजा यह हुआ कि मैंने उसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। मेरे ससुर आपको यह बात बताएँगे, और वह बिल्कुल सही हैं। रूथ की मृत्यु के समय, मैं घोर विपत्ति का सामना कर रहा था।" वह अचानक हंस पड़ा। "रूफस वैन एल्डिन जैसे व्यक्ति का सामना करने पर व्यक्ति को घोर आपदा का सामना करना पड़ता है।"
"और फिर?" कैथरीन ने धीमी आवाज में पूछा।
"और फिर," डेरेक ने कंधे उचकाते हुए कहा, "रूथ की हत्या कर दी गई - यह बहुत ही संयोगवश हुआ।"
वह हँसा, और उसकी हँसी की आवाज़ से कैथरीन को तकलीफ़ हुई। वह सिहर उठी। "हाँ," डेरेक ने कहा। "वो बात अच्छी नहीं थी। पर ये बिल्कुल सच है। अब मैं तुम्हें कुछ और बताने जा रहा हूँ। जिस पल मैंने तुम्हें देखा, उसी पल मुझे पता चल गया था कि तुम ही दुनिया की एकमात्र महिला हो जो मेरे लिए बनी हो। मैं तुमसे डरता था। मुझे लगता था कि तुम मेरे लिए बदकिस्मती ला सकती हो।" "बदकिस्मती?" कैथरीन ने तीखे स्वर में कहा।
उसने उसे घूरकर देखा। "तुम इसे बार-बार क्यों दोहराती हो? तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?"
मैं उन बातों के बारे में सोच रहा था जो लोगों ने मुझसे कही हैं।
डेरेक अचानक मुस्कुराया। "वे मेरे बारे में तुमसे बहुत कुछ कहेंगे, मेरी प्यारी, और उनमें से ज़्यादातर बातें सच होंगी। हाँ, और इससे भी बुरी बातें

- ऐसी बातें जो मैं तुम्हें कभी नहीं बताऊंगा। मैं हमेशा से जुआरी रहा हूँ
- और मैंने बड़े-बड़े दांव लगाए हैं। मैं अभी या कभी भी तुमसे ये बात कबूल नहीं करूंगा। अतीत बीत चुका है। एक बात है जिस पर मैं चाहता हूँ कि तुम यकीन करो। मैं तुमसे पूरी ईमानदारी से कसम खाता हूँ कि मैंने अपनी पत्नी की हत्या नहीं की।"
उसने ये शब्द काफी गंभीरता से कहे, फिर भी उनमें किसी न किसी तरह का नाटकीय अंदाज था। उसने उसकी परेशान निगाहों से नज़रें मिलाईं और आगे बोला:
"मुझे पता है। मैंने उस दिन झूठ बोला था। मैं अपनी पत्नी के डिब्बे में गया था।"
"आह," कैथरीन ने कहा।
"यह समझाना मुश्किल है कि मैं अंदर क्यों गया, लेकिन मैं कोशिश करूंगा। मैंने यह अचानक ही किया। दरअसल, मैं अपनी पत्नी पर एक तरह से नज़र रख रहा था। मैं ट्रेन में छिपकर बैठा था। मिरेल ने मुझे बताया था कि मेरी पत्नी पेरिस में कॉम्टे डे ला रोश से मिल रही है। खैर, जहाँ तक मैंने देखा था, ऐसा नहीं था। मुझे शर्म महसूस हुई, और अचानक मुझे लगा कि उससे एक बार खुलकर बात कर लेना ही बेहतर होगा, इसलिए मैंने दरवाजा धक्का देकर खोला और अंदर चला गया।"
वह रुका।
"हां," कैथरीन ने धीरे से कहा।
"रूथ बंक पर सो रही थी - उसका चेहरा मुझसे दूर था - मैं केवल उसके सिर का पिछला हिस्सा देख पा रहा था। मैं उसे जगा सकता था, बेशक। लेकिन अचानक मुझे एक प्रतिक्रिया महसूस हुई। आख़िरकार, ऐसी क्या बात थी जो हम दोनों ने पहले सौ बार न कही हो? वह वहाँ लेटी हुई कितनी शांत लग रही थी। मैं जितना हो सके चुपचाप डिब्बे से बाहर निकल गया।"
"पुलिस से झूठ क्यों बोलना?" कैथरीन ने पूछा।
"क्योंकि मैं पूरी तरह से मूर्ख नहीं हूँ। मैंने शुरू से ही यह महसूस किया है कि मकसद के लिहाज़ से मैं एक आदर्श हत्यारा हूँ। अगर मैंने एक बार भी यह स्वीकार कर लिया कि उसकी हत्या से ठीक पहले मैं उसके डिब्बे में था, तो मैं हमेशा के लिए खुद को खत्म कर लूँगा।"
"अच्छा ऐसा है।"

क्या उसने देखा? वह खुद को नहीं बता सकती थी। वह डेरेक के व्यक्तित्व के चुंबकीय आकर्षण को महसूस कर रही थी, लेकिन उसके भीतर कुछ ऐसा था जो विरोध कर रहा था, जो उसे रोक रहा था...
"कैथरीन -"
"हाँ?"
"तुम जानते हो कि मैं तुम्हारी परवाह करता हूँ। क्या तुम भी मेरी परवाह करते हो?"
मुझे नहीं पता।
वहाँ कमजोरी थी। या तो उसे पता था या उसे नहीं पता था।
अगर - अगर केवल -
उसने हताशा से चारों ओर नज़र घुमाई, मानो किसी ऐसी चीज़ की तलाश कर रही हो जो उसकी मदद कर सके। तभी एक लंबा, गोरा आदमी लंगड़ाते हुए उनकी ओर तेज़ी से आता दिखा - मेजर नाइटन। यह देखकर उसके गालों पर हल्की लाली आ गई।
जब उसने उसका अभिवादन किया तो उसकी आवाज में राहत और अप्रत्याशित गर्माहट थी।
डेरेक गुस्से से भौंहें चढ़ाकर खड़ा हो गया, उसका चेहरा काले बादलों की तरह लाल हो गया था।
"क्या लेडी टैम्पलिन जुआ खेल रही हैं?" उसने सहजता से कहा। "मुझे भी उनके साथ शामिल होना चाहिए और उन्हें अपने सिस्टम का लाभ देना चाहिए।"
वह अपनी एड़ी पर घूमकर उन दोनों को वहीं छोड़कर चला गया। कैथरीन फिर से बैठ गई। उसका दिल तेजी से और अनियमित रूप से धड़क रहा था, लेकिन जैसे ही वह अपने बगल में बैठे शांत, कुछ शर्मीले आदमी से सामान्य बातें करने लगी, उसका आत्म-नियंत्रण वापस आ गया।
फिर उसे यह जानकर बहुत हैरानी हुई कि नाइटन भी डेरेक की तरह ही अपने दिल की बात सबके सामने रख रहा था, लेकिन बिल्कुल अलग तरीके से।
वह शर्मीला और हकलाने वाला था। उसके शब्द रुक-रुक कर निकलते थे, उनमें बोलने की कला का कोई अंश नहीं था।
"जब से मैंने तुम्हें देखा है - मुझे इतनी जल्दी नहीं बोलना चाहिए था - लेकिन श्री वैन एल्डिन किसी भी दिन यहाँ से जा सकते हैं, और शायद मुझे दूसरा मौका न मिले। मुझे पता है कि तुम इतनी जल्दी मेरी परवाह नहीं कर सकतीं - यह असंभव है। वैसे भी, यह मेरी ओर से एक तरह की गुस्ताखी है। मेरे

पास निजी साधन हैं, लेकिन बहुत ज़्यादा नहीं - नहीं, कृपया अभी जवाब मत दीजिए। मुझे पता है कि तुम्हारा जवाब क्या होगा। लेकिन अगर मैं अचानक चली जाऊं तो मैं बस तुम्हें यह बताना चाहती थी - कि मैं तुम्हारी परवाह करती हूँ।"
वह स्तब्ध रह गई - भावुक हो गई। उनका व्यवहार इतना सौम्य और आकर्षक था। "एक और बात है। मैं बस इतना कहना चाहता था कि अगर कभी आप मुसीबत में हों, तो मैं आपकी किसी भी तरह से मदद कर सकता हूँ।"
उसने उसका हाथ अपने हाथ में लिया, एक मिनट तक कसकर पकड़े रखा, फिर हाथ छोड़ दिया और पीछे मुड़े बिना तेजी से कैसिनो की ओर चल पड़ा।
कैथरीन एकदम शांत बैठी, उसे देखती रही। डेरेक केटरिंग - रिचर्ड नाइटन - दो आदमी, कितने अलग - बहुत अलग। नाइटन में कुछ दयालुता थी, दयालु और भरोसेमंद। जहाँ तक डेरेक की बात है - तभी अचानक कैथरीन को एक अजीब सी अनुभूति हुई। उसे लगा कि वह अब कैसिनो के बगीचे में अकेली नहीं बैठी है, बल्कि कोई उसके बगल में खड़ा है, और वह कोई और नहीं बल्कि मृत महिला, रूथ केटरिंग थी। उसे यह भी आभास हुआ कि रूथ उसे कुछ बताना चाहती थी - बहुत ज़ोर से। यह आभास इतना अजीब, इतना स्पष्ट था कि इसे भुलाया नहीं जा सका। उसे पूरा यकीन था कि रूथ केटरिंग की आत्मा उसे कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण बात कहना चाह रही थी। यह आभास धीरे-धीरे कम हो गया। कैथरीन कांपते हुए उठी। रूथ केटरिंग आखिर क्या कहना चाहती थी?

अध्याय 27

मिरेल के साथ साक्षात्कार

कैथरीन को छोड़कर नाइटन हरक्यूल पोइरोट की तलाश में निकल पड़ा, जिसे उसने कमरों में पाया, जहाँ वह बड़े चाव से सम संख्याओं पर न्यूनतम दांव लगा रहा था। जैसे ही नाइटन उसके पास पहुँचा, तैंतीसवीं संख्या आ गई और पोइरोट का दांव गायब हो गया।
"बदकिस्मती!" नाइटन ने कहा, "क्या तुम फिर से दांव लगाने जा रहे हो?" पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
"अभी नहीं।"
"क्या आपको जुए का आकर्षण महसूस होता है?" नाइटन ने उत्सुकता से पूछा।

"रूलेट में नहीं।"
नाइटन ने उस पर एक सरसरी नज़र डाली। उसका अपना चेहरा भी परेशान हो गया।
उसने रुक-रुक कर, थोड़ी विनम्रता के साथ बात की।
"मुझे आश्चर्य है, क्या आप व्यस्त हैं, श्री पोइरोट? मुझे आपसे कुछ पूछना है।"
मैं आपकी सेवा में हूँ। क्या हम बाहर चलें? धूप में मौसम सुहावना है।
वे दोनों साथ-साथ बाहर टहलने लगे, और नाइटन ने गहरी सांस ली।
उन्होंने कहा, "मुझे रिवेरा बहुत पसंद है। मैं बारह साल पहले, युद्ध के दौरान, पहली बार यहाँ आया था, जब मुझे लेडी टैम्पलिन अस्पताल भेजा गया था।
फ़्लैंडर्स से यहाँ आना मेरे लिए स्वर्ग जैसा था।"
"ऐसा ही हुआ होगा," पोइरोट ने कहा।
"अब तो युद्ध कितना पुराना लगता है!" नाइटन ने मन ही मन सोचा।
वे कुछ दूर तक चुपचाप चलते रहे।
"क्या तुम्हारे मन में कुछ चल रहा है?" पोइरोट ने कहा।
नाइटन ने कुछ हैरानी से उसकी ओर देखा।

"आप बिलकुल सही हैं," उसने स्वीकार किया। "लेकिन मुझे नहीं पता कि आपको यह कैसे पता चला।"

"यह बात तो बिल्कुल स्पष्ट हो गई थी," पोइरोट ने रूखेपन से कहा।
मुझे नहीं पता था कि मैं इतना पारदर्शी हूं।
"चेहरे की बनावट का अवलोकन करना मेरा काम है," उस छोटे कद के व्यक्ति ने गरिमापूर्ण ढंग से समझाया।
"मैं आपको बताता हूँ, श्री पोइरोट। क्या आपने इस नर्तकी महिला - मिरेल - के बारे में सुना है?"
"वह कौन है जो श्री डेरेक केटरिंग की प्रिय मित्र है?"
"जी हां, वही है; और यह जानकर आप समझ जाएंगे कि श्री वैन एल्डिन स्वाभाविक रूप से उसके प्रति पूर्वाग्रही हैं। उसने उन्हें पत्र लिखकर मुलाकात का अनुरोध किया था। उन्होंने मुझे एक संक्षिप्त इनकार पत्र लिखवाने को कहा, जो मैंने कर दिया। आज सुबह वह होटल आई और अपना कार्ड भेजकर कहा कि श्री वैन एल्डिन से तुरंत मिलना उसके लिए अत्यंत आवश्यक है।"
"आपमें मेरी दिलचस्पी है," पोइरोट ने कहा।
श्रीमान वैन एल्डिन बहुत क्रोधित थे। उन्होंने मुझे बताया कि मुझे उसे क्या संदेश भेजना है। मैंने उनसे असहमति जताने का साहस किया। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि यह महिला मिरेल हमें बहुमूल्य जानकारी दे सकती है। हम जानते हैं कि वह नीली ट्रेन में थी, और हो सकता है उसने कुछ ऐसा देखा या सुना हो जो हमारे लिए जानना अत्यंत महत्वपूर्ण हो। क्या आप मुझसे सहमत नहीं हैं, श्रीमान पोइरोट?
"हाँ," पोइकोट ने रूखेपन से कहा। "अगर मैं कहूँ तो, श्री वैन एल्डिन ने बेहद मूर्खतापूर्ण व्यवहार किया।"
"मुझे खुशी है कि आप इस मामले को इस तरह देखते हैं," सचिव ने कहा। "अब मैं आपको कुछ बताने जा रहा हूँ, श्री पोइरोट। मुझे श्री वैन एडिन के रवैये की इतनी नासमझी महसूस हुई कि मैं चुपके से नीचे गया और उस महिला से मुलाकात की।"
"कुंआ?"
"मुश्किल यह थी कि वह श्री वैन एल्डिन से खुद मिलने पर अड़ी हुई थी। मैंने उनके संदेश को यथासंभव नरम कर दिया। सच कहूँ तो, मैंने इसे बिल्कुल अलग

तरीके से बताया। मैंने कहा कि श्री वैन एल्डिन इस समय उनसे मिलने के लिए बहुत व्यस्त हैं, लेकिन वह मुझसे जो चाहे कह सकती हैं। हालांकि, वह ऐसा नहीं कर सकीं और बिना कुछ और कहे चली गईं। लेकिन मुझे पूरा यकीन है, श्री पोइरोट, कि वह महिला कुछ जानती है।"
"यह गंभीर मामला है," पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा। "क्या आपको पता है कि वह कहाँ ठहरी हुई है?"
"हां।" नाइटन ने होटल का नाम बताया।
"अच्छा," पोइरोट ने कहा, "हम तुरंत वहाँ चलेंगे।"
सचिव संशय में दिख रहा था।
"और श्री वैन एल्डिन?" उन्होंने संदेहपूर्वक पूछा।

"श्रीमान वैन एल्डिन एक हठी आदमी हैं," पोइरोट ने रूखेपन से कहा। "मैं हठी लोगों से बहस नहीं करता। मैं उनके बावजूद काम करता हूँ। हम तुरंत जाकर उस महिला से मिलेंगे। मैं उन्हें बताऊँगा कि श्रीमान वैन एल्डिन ने आपको उनके लिए काम करने का अधिकार दिया है, और आप मुझसे असहमति जताने से खुद को अच्छी तरह बचाकर रखेंगी।"
नाइटन अब भी थोड़ा संशय में दिख रहा था, लेकिन पोइरोट ने उसकी झिझक पर कोई ध्यान नहीं दिया।
होटल में उन्हें बताया गया कि मैडमोजेल अंदर हैं, और पोइरोट ने अपने और नाइटन दोनों के कार्ड ऊपर भेज दिए, जिन पर पेंसिल से "श्री वैन एल्डिन की ओर से" लिखा हुआ था।
खबर मिली कि मैडमोजेल मिरेल उन्हें ग्रहण करेंगी।
जब उन्हें नर्तकी के अपार्टमेंट में ले जाया गया, तो पोइरोट ने तुरंत नेतृत्व संभाला।
"मैडम," उसने बहुत झुकते हुए धीरे से कहा, "हम यहां एम. वैन एल्डिन की ओर से आए हैं।"
"अरे! और वह खुद क्यों नहीं आया?"
"उनकी तबीयत ठीक नहीं है," पोइरोट ने झूठ बोलते हुए कहा, "उन्हें रिवेरा का गला हो गया है, लेकिन मैं और उनके सचिव मेजर नाइटन, दोनों ही उनकी ओर से काम करने के लिए अधिकृत हैं। हां, अगर मैडमोजेल दो हफ्ते या उससे ज़्यादा इंतज़ार करना चाहें तो बात अलग है।"

अगर पोइरोट को किसी एक बात का काफी हद तक यकीन था, तो वह यह था कि मिरेल जैसे स्वभाव के लिए "इंतजार करो" शब्द मात्र ही अभिशाप था।

"हाँ, मैं बोलूंगी, महोदय," वह चिल्लाई। "मैंने सब्र किया है। मैंने अपना हाथ थामे रखा है। और किसलिए? कि मेरा अपमान किया जाए! हाँ, अपमान! आह! क्या वह मिरेल के साथ ऐसा व्यवहार करने की सोचता है? उसे पुराने दस्ताने की तरह फेंक देने की। मैं आपको बता दूं, कोई भी आदमी मुझसे कभी नहीं ऊबा। हमेशा मैं ही उनसे ऊब जाती हूँ।"
वह कमरे में इधर-उधर चक्कर लगा रही थी, उसका दुबला-पतला शरीर गुस्से से कांप रहा था। एक छोटी सी मेज उसके रास्ते में बाधा बन रही थी, इसलिए उसने उसे फेंककर एक कोने में रख दिया, जहाँ वह दीवार से टकराकर चकनाचूर हो गई। "मैं उसके साथ यही करूंगी," वह चिल्लाई, "और वो भी!"
लिली के फूलों से भरा एक कांच का कटोरा उठाकर उसने उसे अंगीठी में फेंक दिया, जहां वह सौ टुकड़ों में बिखर गया।
नाइटन उसे ठंडी, ब्रिटिश शैली की अस्वीकृति भरी निगाहों से देख रहा था। वह शर्मिंदा और असहज महसूस कर रहा था। दूसरी ओर, पोइरोट चमकती आँखों से इस दृश्य का भरपूर आनंद ले रहा था।
"वाह, यह तो शानदार है!" वह चिल्लाया। "यह तो साफ दिख रहा है - मैडम का स्वभाव ही अलग है।"
"मैं एक कलाकार हूँ," मिरेल ने कहा, "हर कलाकार का अपना स्वभाव होता है। मैंने डेरीक को सावधान रहने को कहा था, लेकिन उसने मेरी बात नहीं मानी।" वह अचानक पोइरोट की ओर मुड़ी और बोली, "क्या यह सच नहीं है कि वह उस अंग्रेज़ लड़की से शादी करना चाहता है?"
पोइरोट को खांसी आ गई।
"मैंने सुना है," उसने धीरे से कहा, "कि वह उससे बेहद प्यार करता है।" मिरेल उनकी ओर आई।
“उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी,” वह चीखी। “लो – अब तुम्हें पता चल गया! उसने मुझे पहले ही बता दिया था कि वह ऐसा करने वाला है। वह एक ऐसी स्थिति में पहुँच गया था जहाँ उसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था – धत्! उसने सबसे आसान रास्ता चुन लिया।”
"आप कहते हैं कि एम. केटरिंग ने अपनी पत्नी की हत्या की।"

"जी हां, जी हां, जी। क्या मैंने तुम्हें पहले नहीं बताया था?"
पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा, "पुलिस को उस - अह - बयान का सबूत चाहिए होगा।"
मैं आपको बताता हूं कि मैंने उस रात ट्रेन में उसे उसके डिब्बे से बाहर आते देखा था।
"कब?" पोइरोट ने तीखे स्वर में पूछा।
"ट्रेन के ल्योंस पहुंचने से ठीक पहले।"
"क्या आप इसकी शपथ लेंगी, मैडमोजेल?"
अब बोलने वाला पोइरोट बिल्कुल अलग था, तीक्ष्ण और निर्णायक।
"हाँ।"

एक पल के लिए सन्नाटा छा गया। मिरेल हांफ रही थी, और उसकी आंखें, आधी विद्रोही, आधी भयभीत, एक आदमी के चेहरे से दूसरे आदमी के चेहरे पर घूम रही थीं।
"यह एक गंभीर मामला है, मैडम," जासूस ने कहा। "क्या आपको पता है कि यह कितना गंभीर है?"
"बिल्कुल करता हूँ।"
"यह अच्छी बात है," पोइरोट ने कहा। "तो आप समझ गई होंगी, मैडम, कि समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। कृपया आप तुरंत हमारे साथ जांच मजिस्ट्रेट के कार्यालय चलें।"
मिरेल अचंभित रह गई। वह हिचकिचाई, लेकिन जैसा कि पोइरोट ने पहले ही अनुमान लगा लिया था, उसके पास बचने का कोई रास्ता नहीं था।
"ठीक है," उसने बुदबुदाते हुए कहा। "मैं एक कोट ले आती हूँ।"
जब पोइरोट और नाइटन अकेले रह गए, तो उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा।
"मौका देखकर तुरंत कार्रवाई करना ज़रूरी है," पोइरोट ने धीरे से कहा। "वह बहुत जल्दी भावुक हो जाती है; शायद एक घंटे में उसे पछतावा हो और वह पीछे हटना चाहे। हमें हर हाल में ऐसा होने से रोकना होगा।"
मिरेले रेत के रंग के मखमली लबादे में लिपटी हुई, तेंदुए की खाल से सजी हुई, फिर से प्रकट हुई। वह देखने में बिल्कुल एक मादा तेंदुए जैसी लग रही थी, भूरी और खतरनाक। उसकी आँखों में अब भी क्रोध और दृढ़ संकल्प झलक रहा था।

उन्होंने एम. कॉक्स और जांच मजिस्ट्रेट को एक साथ पाया। पोइरोट के कुछ संक्षिप्त परिचयात्मक शब्दों के बाद, मैडमोजेल मिरेल से विनम्रतापूर्वक अपनी कहानी बताने का अनुरोध किया गया। उन्होंने लगभग उन्हीं शब्दों में अपनी कहानी सुनाई, जैसे उन्होंने नाइटन और पोइरोट को सुनाई थी, हालांकि इस बार उनका व्यवहार कहीं अधिक संयमित था।
"यह एक असाधारण कहानी है, मैडमोजेल," एम. कैरेज ने धीरे से कहा। वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए, अपने चश्मे को ठीक किया और उसके माध्यम से नर्तकी को ध्यानपूर्वक और खोजपूर्ण ढंग से देखने लगे।
"क्या आप चाहते हैं कि हम यह मान लें कि एम. केटरिंग ने वास्तव में आपसे पहले ही इस अपराध के बारे में शेखी मारी थी?"
"हां, हां। वह बहुत स्वस्थ थी," उसने कहा। "अगर उसकी मौत होती है तो यह एक दुर्घटना ही होगी - वह सब कुछ व्यवस्थित कर देगा।"
"मैडम, क्या आप जानती हैं कि आप स्वयं को घटना से पहले ही एक सहयोगी के रूप में पेश कर रही हैं?" एम. कैरेज ने सख्ती से कहा।
"मैं? बिलकुल भी नहीं, महोदय। मैंने उस कथन को एक पल के लिए भी गंभीरता से नहीं लिया। अरे नहीं, बिल्कुल नहीं! मैं लोगों को जानता हूँ, महोदय; वे बहुत अजीब बातें कहते हैं। अगर कोई उनकी कही हर बात को अक्षरशः सच मान ले तो यह एक अजीब स्थिति होगी।"
जांच मजिस्ट्रेट ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
तो क्या हम यह मान लें कि आपने एम. केटरिंग की धमकियों को महज़ कोरी बातें समझा? क्या मैं पूछ सकती हूँ, मैडम, आपने लंदन में अपने सारे कार्यक्रम रद्द करके रिवेरा आने का फैसला क्यों किया?
मिरेल ने पिघलती हुई काली आँखों से उसकी ओर देखा।
"मैं अपने प्रिय व्यक्ति के साथ रहना चाहती थी," उसने सरल शब्दों में कहा। "क्या यह इतना अस्वाभाविक था?"
पोइरोट ने बड़ी नरमी से एक प्रश्न पूछा।
तो क्या आप एम. केटरिंग की इच्छा पर ही उनके साथ नीस गए थे?
मिरेल को इसका जवाब देने में थोड़ी कठिनाई हुई। बोलने से पहले वह स्पष्ट रूप से हिचकिचाई। जब उसने बोलना शुरू किया, तो उसके लहजे में एक अभिमानी उदासीनता झलक रही थी।
"ऐसे मामलों में मैं अपनी मर्जी से फैसला लेती हूँ, महाशय," उसने कहा।

तीनों व्यक्तियों ने यह बात गौर की कि वह जवाब असल में कोई जवाब था ही नहीं। उन्होंने कुछ नहीं कहा।
"आपको पहली बार कब यकीन हुआ कि एम. केटरिंग ने अपनी पत्नी की हत्या की थी?" "जैसा कि मैंने आपको बताया, महोदय, मैंने ट्रेन के ल्योंस पहुँचने से ठीक पहले एम. केटरिंग को उनकी पत्नी के डिब्बे से बाहर आते देखा। उनके चेहरे पर एक भाव था - आह! उस समय मैं उसे समझ नहीं पाया - एक डरावना और भयावह भाव। मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा।"
उसकी आवाज तीखी हो गई और उसने एक भव्य हावभाव में अपनी बाहें फैला दीं। "बिल्कुल सही," एम. कैरेज ने कहा।
"बाद में, जब मुझे पता चला कि ट्रेन के ल्योंस से रवाना होने के समय मैडम केटरिंग की मृत्यु हो चुकी थी, तब - तब मुझे पता चला!"
"और फिर भी - आप पुलिस के पास नहीं गईं, मैडमोजेल," कमिश्नर ने नरमी से कहा। मिरेल ने बड़ी खूबसूरती से उसकी तरफ देखा; वह स्पष्ट रूप से अपनी भूमिका का आनंद ले रही थी।
"क्या मैं अपने प्रेमी को धोखा दूं?" उसने पूछा। "अरे नहीं; किसी महिला से ऐसा करने के लिए मत कहो।"
"लेकिन अब-" एम. कॉक्स ने संकेत दिया।
"अब मामला अलग है। उसने मुझे धोखा दिया है! क्या मैं चुपचाप यह सब सहन कर लूँगी?"
जांच मजिस्ट्रेट ने उसकी जांच की।
"बिल्कुल सही, बिल्कुल सही," उसने धीरे से शांत स्वर में कहा।
"और अब, मैडम, शायद आप हमारे सामने रखी गई अपनी बातों का विवरण एक बार फिर पढ़ लें, देख लें कि यह सही है और इस पर हस्ताक्षर कर दें।"
मिरेल ने दस्तावेज़ पर ज़रा भी समय बर्बाद नहीं किया।
"जी हां," उसने कहा, "यह सही है।" वह खड़ी हो गई। "अब आपको मेरी आवश्यकता नहीं है, महोदय?"
"फिलहाल नहीं, मैडमोजेल।"
"और डेरीक को गिरफ्तार किया जाएगा?"
"तुरंत, मैडमोजेल।"
मिरेल ने बेरहमी से हंसते हुए अपने फर के पर्दे अपने चारों ओर और कसकर लपेट लिए।

"उसे मेरा अपमान करने से पहले इस बारे में सोचना चाहिए था," वह रोते हुए बोली।
"एक छोटी सी बात है-" पोइरोट ने माफी मांगते हुए खांसा- "बस एक छोटी सी बात है।"
"हाँ?"
"आपको ऐसा क्यों लगता है कि जब ट्रेन ल्योंस से रवाना हुई थी तब मैडम केटरिंग की मृत्यु हो चुकी थी?"
मिरेल घूरती रही।
लेकिन वह मर चुकी थी।
"क्या वो?"
"जी हां, बिल्कुल। मैं-"
वह अचानक रुक गई। पोइरोट उसे ध्यान से देख रहा था, और उसने उसकी आँखों में सतर्कता का भाव देखा।
मुझे यही बताया गया है। सब लोग यही कहते हैं।
"ओह," पोइरोट ने कहा, "मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी कि इस तथ्य का उल्लेख जांच मजिस्ट्रेट के कार्यालय के बाहर भी किया गया था।"
मिरेल कुछ विचलित सी लग रही थी।
"ऐसी बातें सुनने को मिलती हैं," उसने अस्पष्ट स्वर में कहा, "ये बातें फैलती रहती हैं। किसी ने मुझे बताया था। मुझे याद नहीं आ रहा कि किसने बताया था।"
वह दरवाजे की ओर बढ़ी। एम. कॉक्स ने उसके लिए दरवाजा खोलने के लिए आगे कदम बढ़ाया, और जैसे ही उसने ऐसा किया, पोइरोट की आवाज एक बार फिर धीरे से ऊंची हो गई।
"और गहनों के बारे में? क्षमा कीजिए, महोदया। क्या आप मुझे उनके बारे में कुछ बता सकती हैं?"
"वे गहने? कौन से गहने?"
"कैथरीन द ग्रेट के माणिक। चूंकि आप इनके बारे में इतना सुनते हैं, तो आपने इनके बारे में जरूर सुना होगा।"
"मुझे गहनों के बारे में कुछ नहीं पता," मिरेल ने तीखे स्वर में कहा।
वह दरवाजा बंद करके बाहर चली गई। एम. कॉक्स अपनी कुर्सी पर वापस आ गए; जांच मजिस्ट्रेट ने आह भरी।

"कितना भयानक है!" उसने कहा, "लेकिन बेहद आकर्षक भी। मुझे आश्चर्य है कि क्या वह सच कह रही है? मुझे तो ऐसा ही लगता है।"
"उसकी कहानी में कुछ सच्चाई तो जरूर है," पोइरोट ने कहा। "हमें मिस ग्रे से इसकी पुष्टि मिली है। ट्रेन के ल्योंस पहुंचने से कुछ ही समय पहले वह गलियारे में देख रही थी और उसने एम. केटरिंग को अपनी पत्नी के डिब्बे में जाते हुए देखा।"
"उसके खिलाफ मामला बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है," कमिश्नर ने आह भरते हुए कहा, "यह बहुत अफसोस की बात है," उसने बुदबुदाया।
"आपका क्या मतलब है?" पोइरोट ने पूछा।
"कॉम्टे डे ला रोशे को बुरी तरह हराना मेरी जिंदगी का सपना रहा है। इस बार, मुझे लगा था कि हमने उसे हरा दिया है। लेकिन यह दूसरा मौका उतना संतोषजनक नहीं रहा।"
एम. कैरेज ने अपनी नाक रगड़ी।
"अगर कुछ गड़बड़ हुई," उन्होंने सावधानी से कहा, "तो बहुत ही असहज स्थिति होगी। श्री केटरिंग कुलीन वर्ग से हैं। यह अखबारों में छप जाएगा। अगर हमने कोई गलती की है तो-" उन्होंने आशंका से अपने कंधे उचका दिए।
कमिश्नर ने कहा, "अब उन गहनों की बात करते हैं, आपको क्या लगता है उसने उनके साथ क्या किया होगा?"
"ज़ाहिर है, उन्होंने उन्हें एक पौधा समझकर ही लिया था," एम. कैरेज ने कहा, "वे उनके लिए बहुत असुविधाजनक रहे होंगे और उनसे छुटकारा पाना बहुत मुश्किल रहा होगा।"
पोइरोट मुस्कुराया।
"मेरे मन में उन गहनों के बारे में अपना एक विचार है। महोदय, बताइए, आप मार्क्विस नामक व्यक्ति के बारे में क्या जानते हैं?"
कमिसरी उत्साह से आगे की ओर झुक गया।
"मार्क्विस," उसने कहा, "मार्क्विस? क्या आपको लगता है कि वह इस मामले में शामिल है, मिस्टर पोइरोट?"
मैं आपसे पूछता हूं कि आप उसके बारे में क्या जानते हैं।
कमिसरी ने भावपूर्ण ढंग से मुंह बनाया।
"जितना हम चाहते हैं, उतना नहीं," उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा। "वह पर्दे के पीछे से काम करता है, आप समझ रहे हैं ना? उसके पास कुछ लोग हैं जो उसके

गंदे काम करते हैं। लेकिन वह कोई ऊँचा आदमी है। हमें इस बात का पूरा यकीन है। वह अपराधी वर्ग से नहीं आता।"
"एक फ्रांसीसी?"
"हाँ। कम से कम हमें तो ऐसा ही लगता है। लेकिन हम निश्चित नहीं हैं। उसने फ्रांस, इंग्लैंड और अमेरिका में काम किया है। पिछले पतझड़ में स्विट्जरलैंड में कई चोरियां हुईं, जिनका आरोप उस पर लगाया गया। सभी के अनुसार वह एक रईस है, जो फ्रेंच और अंग्रेजी दोनों भाषाएं समान रूप से अच्छी तरह बोलता है और उसकी उत्पत्ति एक रहस्य है।"
पोइरोट ने सिर हिलाया और जाने के लिए उठ खड़े हुए।
"क्या आप हमें इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकते, मिस्टर पोइरोट?" कमिश्नर ने आग्रह किया।
"फिलहाल तो नहीं," पोइरोट ने कहा, "लेकिन हो सकता है कि मेरे होटल में मुझे कोई खबर मिले।"
एम. कैरेज असहज दिखे। "अगर मार्क्विस को इसमें दिलचस्पी है तो-" उन्होंने कहना शुरू किया और फिर रुक गए।
"इससे हमारे विचार आहत होते हैं," एम. कॉक्स ने शिकायत की।
"इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं है," पोइरोट ने कहा। "इसके विपरीत, मुझे लगता है कि यह उन्हें बहुत पसंद आया है। अलविदा महोदय; यदि मुझे कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलता है तो मैं आपको तुरंत सूचित करूँगा।"
वह गंभीर चेहरे के साथ अपने होटल की ओर वापस चल पड़ा। उसकी अनुपस्थिति में उसे एक टेलीग्राम मिला था। उसने अपनी जेब से पेपर कटर निकालकर उसे खोला। यह एक लंबा टेलीग्राम था, जिसे उसने दो बार पढ़ा और फिर धीरे से अपनी जेब में रख लिया। ऊपर, जॉर्ज अपने मालिक का इंतजार कर रहा था।
"मैं बहुत थक गया हूँ, जॉर्जेस, बहुत ज्यादा थक गया हूँ। क्या आप मेरे लिए चॉकलेट का एक छोटा डिब्बा मंगवा देंगे?"
चॉकलेट का ऑर्डर दिया गया और उसे लाया गया, और जॉर्ज ने उसे अपने मालिक के बगल में छोटी सी मेज पर रख दिया। जब वह सोने की तैयारी कर रहे थे, तो पोइरोट ने कहा:
"मुझे लगता है, जॉर्जेस, कि आपको अंग्रेजी अभिजात वर्ग का अच्छा ज्ञान है?" पोइरोट ने धीरे से कहा।
जॉर्ज ने माफी मांगते हुए मुस्कुराया।

"मुझे लगता है कि मैं कह सकता हूँ कि मैंने ऐसा किया है, महोदय," उन्होंने उत्तर दिया।
"मुझे लगता है कि जॉर्जेस, आपकी यही राय है कि अपराधी हमेशा निचले तबके से ही आते हैं।"
"हमेशा नहीं, महोदय। ड्यूक ऑफ डेविज़ के छोटे बेटों में से एक के साथ बहुत परेशानी हुई थी। वह विवादों में घिरकर ईटन से निकल गया, और उसके बाद उसने कई मौकों पर काफी चिंता पैदा की। पुलिस ने यह मानने से इनकार कर दिया कि यह चोरी की आदत थी। महोदय, वह बहुत ही होशियार नौजवान था, लेकिन अगर आप मेरी बात समझ रहे हैं तो वह पूरी तरह से दुष्ट था। महामहिम ने उसे ऑस्ट्रेलिया भेज दिया, और मैंने सुना है कि उसे वहाँ दूसरे नाम से दोषी ठहराया गया था। बहुत अजीब बात है, महोदय, लेकिन यही सच है। कहने की शायद ही ज़रूरत है कि वह नौजवान आर्थिक रूप से किसी भी तरह से वंचित नहीं था।"
पोइरोट ने धीरे से अपना सिर हिलाया।
"रोमांच का शौक," उसने धीरे से कहा, "और दिमाग में कहीं न कहीं थोड़ी सी सनक है। अब मैं सोचता हूँ -"
उसने अपनी जेब से टेलीग्राम निकाला और उसे दोबारा पढ़ा।
“फिर लेडी मैरी फॉक्स की बेटी थी,” नौकर ने पुरानी यादों में खोते हुए कहा। “उसने व्यापारियों को बुरी तरह ठगा। अगर मैं कहूँ तो, इससे अच्छे-अच्छे परिवारों को भी बहुत चिंता हुई, और ऐसे कई और अजीबोगरीब मामले हैं जिनका मैं जिक्र कर सकता हूँ।”

"जॉर्जेस, आपके पास व्यापक अनुभव है," पोइरोट ने धीरे से कहा। "मैं अक्सर सोचता हूँ कि इतने कुलीन परिवारों के साथ रहने के बावजूद आप मेरे यहाँ नौकर बनकर अपना अपमान क्यों करते हैं। मैं इसे रोमांच के प्रति आपके प्रेम का नतीजा मानता हूँ।"
"बिल्कुल नहीं, महोदय," जॉर्ज ने कहा। "मैंने संयोगवश 'सोसाइटी स्निपेट्स' में पढ़ा कि आपका बकिंघम पैलेस में स्वागत किया गया था। उस समय मैं एक नई नौकरी की तलाश में था। उसमें लिखा था कि महामहिम अत्यंत दयालु और मित्रवत थे और आपकी क्षमताओं की बहुत सराहना करते थे।"
"आह," पोइरोट ने कहा, "हर किसी को चीजों के पीछे का कारण जानना अच्छा लगता है।"

वह कुछ क्षण सोच में डूबा रहा और फिर बोला:
"क्या आपने मैडमोजेल पापोपोलस को फोन किया था?"
"जी हाँ, महोदय; वह और उनके पिता आज रात आपके साथ भोजन करके प्रसन्न होंगे।"
"आह," पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा। उन्होंने अपनी चॉकलेट पी ली, कप और तश्तरी को ट्रे के बीचोंबीच करीने से रखा और धीरे से बोले, मानो नौकर से बात करने के बजाय खुद से ही बात कर रहे हों।
"गिलहरी, मेरे प्यारे जॉर्जेस, मेवे इकट्ठा करती है। वह उन्हें पतझड़ में जमा करती है ताकि बाद में उनका लाभ उठा सके। मानवता को सफल बनाने के लिए, जॉर्जेस, हमें पशु जगत में अपने से नीचे के प्राणियों से सीख लेनी चाहिए। मैंने हमेशा ऐसा ही किया है। मैं चूहे के बिल पर नज़र रखने वाली बिल्ली रही हूँ। मैं गंध का पीछा करने वाला अच्छा कुत्ता रही हूँ, जो निशान से अपनी नाक नहीं हटाता। और हाँ, मेरे प्यारे जॉर्जेस, मैं गिलहरी भी रही हूँ। मैंने यहाँ-वहाँ छोटी-छोटी बातें याद रखी हैं। अब मैं अपने भंडार में जाती हूँ और एक खास मेवा निकालती हूँ, एक ऐसा मेवा जिसे मैंने सत्रह साल पहले जमा किया था। क्या तुम मेरी बात समझ रहे हो, जॉर्जेस?"

"मुझे तो बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, महोदय," जॉर्ज ने कहा, "कि मेवे इतने लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगे, हालांकि मुझे पता है कि बोतलों में सामान सुरक्षित रखने से कमाल किया जा सकता है।"
पोइरोट ने उसकी ओर देखा और मुस्कुराया।

अध्याय 28

पोइरोट गिलहरी की भूमिका निभाता है

पोइरोट अपने डिनर के लिए तय समय से पौने घंटे पहले ही निकल पड़े। उनका एक मकसद था। कार उन्हें सीधे मोंटे कार्लो नहीं, बल्कि केप मार्टिन स्थित लेडी टैम्प्लिन के घर ले गई, जहाँ उन्होंने मिस ग्रे के बारे में पूछा। महिलाएँ तैयार हो रही थीं और पोइरोट को एक छोटे से कमरे में इंतज़ार करने के लिए कहा गया। वहाँ तीन-चार मिनट बाद लेनोक्स टैम्प्लिन उनके पास आईं। "कैथरीन अभी पूरी तरह तैयार नहीं है," उसने कहा। "क्या मैं उसे संदेश दे सकती हूँ, या आप उसके आने तक इंतजार करना चाहेंगे?"
पोइरोट ने उसे ध्यान से देखा। जवाब देने में उन्हें एक-दो मिनट लगे, मानो उनके फैसले पर कोई बहुत महत्वपूर्ण बात टिकी हो। जाहिर है, इतने सरल प्रश्न का उत्तर उनके लिए मायने रखता था।
अंत में उन्होंने कहा, "नहीं, नहीं, मुझे नहीं लगता कि मुझे मैडमोजेल कैथरीन से मिलने के लिए इंतजार करना चाहिए। शायद मुझे लगता है कि बेहतर यही होगा कि मैं इंतजार न करूं। ये चीजें कभी-कभी मुश्किल होती हैं।" लेनोक्स ने विनम्रतापूर्वक प्रतीक्षा की, उसकी भौहें थोड़ी उठी हुई थीं। "मेरे पास एक खबर है," पोइरोट ने आगे कहा। "शायद आप अपने दोस्त को बताएंगे। एम. केटरिंग को आज रात अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।"
"क्या तुम चाहती हो कि मैं कैथरीन को यह बताऊँ?" लेनोक्स ने पूछा। वह काफी तेज़ साँस ले रही थी, मानो दौड़कर आई हो; पोइरोट को लगा कि उसका चेहरा पीला और तनावग्रस्त दिख रहा था - काफी स्पष्ट रूप से।
"यदि आप चाहें, महोदया।"
"क्यों?" लेनोक्स ने कहा। "क्या आपको लगता है कि कैथरीन नाराज होगी? क्या आपको लगता है कि उसे परवाह है?"

"मुझे नहीं पता, मैडमोजेल," पोइरोट ने कहा। "देखिए, मैं खुलकर स्वीकार करता हूँ। आम तौर पर मुझे सब कुछ पता होता है, लेकिन इस मामले में, मैं - खैर, मुझे नहीं पता। शायद आप मुझसे बेहतर जानती हों।"
"हां," लेनोक्स ने कहा, "मुझे पता है - लेकिन मैं फिर भी आपको सब कुछ नहीं बताने वाला।"
वह एक-दो मिनट के लिए रुक गई, उसकी गहरी भौहें गुस्से से सिकुड़ गईं। "क्या आपको लगता है कि उसने ऐसा किया?" उसने अचानक कहा। पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
पुलिस का यही कहना है।
"अरे," लेनोक्स ने कहा, "क्या तुम टालमटोल कर रहे हो? तो टालमटोल करने के लिए कुछ तो है।"
वह फिर चुप हो गई, उसके चेहरे पर शिकन थी। पोइरोट ने धीरे से कहा:
"आप डेरेक केटरिंग को काफी लंबे समय से जानते हैं, है ना?"
"बचपन से ही कभी-कभार ऐसा होता रहा है," लेनोक्स ने रूखेपन से कहा।
पोइरोट ने बिना कुछ बोले कई बार सिर हिलाया।
लेनोक्स ने अपनी एक अटपटी हरकत से एक कुर्सी आगे खींची और उस पर बैठ गई, उसकी कोहनियाँ मेज पर टिकी थीं और चेहरा हाथों से टिका हुआ था। इस तरह बैठी हुई वह सीधे मेज के उस पार पोइरोट की ओर देख रही थी।
"उनके पास क्या सुराग है?" उसने पूछा। "शायद कोई मकसद होगा। हो सकता है कि उसकी मौत के समय उन्हें कुछ पैसे मिले हों।"

"उसने दो मिलियन कमाए।"
"और अगर वह न मरती तो वह बर्बाद हो जाता?"
"हाँ।"
"लेकिन इसके अलावा भी कुछ और रहा होगा," लेनोक्स ने जोर देकर कहा। "मुझे पता है कि उसने उसी ट्रेन से यात्रा की थी, लेकिन - केवल यही काफी नहीं होगा।"
"श्रीमती केटरिंग के डिब्बे में एक सिगरेट का डिब्बा मिला जिस पर 'K' अक्षर अंकित था और वह श्रीमती केटरिंग का नहीं था, और ट्रेन के ल्योंस पहुंचने से ठीक पहले दो लोगों ने उसे डिब्बे में प्रवेश करते और बाहर निकलते देखा था।"

"कौन से दो लोग?"
"आपकी सहेली मिस ग्रे उनमें से एक थीं। दूसरी थीं मैडमोजेल मिरेल, जो एक नर्तकी थीं।"
"और डेरेक, इस बारे में उसका क्या कहना है?" लेनोक्स ने तीखे स्वर में पूछा।
"वह अपनी पत्नी के डिब्बे में प्रवेश करने से पूरी तरह इनकार करता है," पोइरोट ने कहा।
"बेवकूफ!" लेनोक्स ने तीखे लहजे में कहा, भौंहें चढ़ाते हुए। "ल्योंस से ठीक पहले, तुम कह रहे हो? क्या किसी को नहीं पता कि वह कब मरी?"
पोइरोट ने कहा, "डॉक्टरों के साक्ष्य निश्चित रूप से बहुत निर्णायक नहीं हो सकते। उनका मानना है कि लियोन्स छोड़ने के बाद मृत्यु होने की संभावना नहीं थी। और हम इतना तो जानते हैं कि लियोन्स छोड़ने के कुछ ही क्षण बाद श्रीमती केटरिंग की मृत्यु हो गई थी।"
"आप यह कैसे जानते हैं?"
पोइरोट मन ही मन अजीब तरह से मुस्कुरा रहा था।
"कोई और उसके डिब्बे में गया और उसे मृत पाया।"
"और उन्होंने ट्रेन को नहीं जगाया?"
"नहीं।"
"ऐसा क्यों था?"
"निस्संदेह उनके पास इसके कारण थे।"
लेनोक्स ने उसे तीखी नजरों से देखा।
क्या आपको कारण पता है?
"मुझे ऐसा लगता है - हाँ।"
लेनोक्स चुपचाप बैठी अपने मन में कई बातें सोच रही थी। पोइरोट उसे चुपचाप देखता रहा। अंत में उसने ऊपर देखा। उसके गालों पर हल्की लाली आ गई थी और उसकी आँखें चमक रही थीं।
"आपको लगता होगा कि ट्रेन में किसी ने उसकी हत्या की होगी, लेकिन ऐसा होना ज़रूरी नहीं है। जब ट्रेन ल्योंस स्टेशन पर रुकी थी, तो कोई भी ट्रेन में चढ़कर उसे मार सकता था? वे सीधे उसके डिब्बे में जा सकते थे, उसका गला घोंट सकते थे, माणिक ले सकते थे और बिना किसी को पता चले ट्रेन से उतर सकते थे। हो सकता है कि उसकी हत्या ल्योंस स्टेशन पर ही हुई हो। तब डेरेक के अंदर

जाने के समय वह जीवित रही होगी, और दूसरे व्यक्ति के मिलने पर वह मृत पाई गई होगी।"
पोइरोट अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए। उन्होंने एक गहरी सांस ली। उन्होंने लड़की की ओर देखा और तीन बार सिर हिलाया, फिर एक लंबी आह भरी।
"महोदया, आपने जो कहा वह बिल्कुल सही है - बिल्कुल सच है। मैं अंधकार में भटक रहा था, और आपने मुझे प्रकाश दिखाया है। एक बात थी जो मुझे उलझन में डाल रही थी और आपने उसे स्पष्ट कर दिया है।"
वह उठ गया।
"और डेरेक?" लेनोक्स ने कहा।
"कौन जाने?" पोइरोट ने कंधे उचकाते हुए कहा। "लेकिन मैं आपको यह बता दूं, मैडमोजेल। मैं संतुष्ट नहीं हूं; नहीं, मैं, हरक्यूल पोइरोट, अभी तक संतुष्ट नहीं हूं। हो सकता है कि आज रात ही मुझे कुछ और पता चल जाए। कम से कम, मैं कोशिश तो करूंगा।"
"क्या आप किसी से मिल रहे हैं?"

"हाँ।"
"कोई ऐसा व्यक्ति जो कुछ जानता हो?"
"कोई ऐसा व्यक्ति जिसे कुछ जानकारी हो सकती है। इन मामलों में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। अलविदा, मैडमोजेल।"
लेनोक्स उसे दरवाजे तक ले गया।
"क्या मैंने मदद की?" उसने पूछा।
पोइरोट का चेहरा नरम पड़ गया जब उसने ऊपर दरवाजे की सीढ़ी पर खड़ी उस महिला को देखा।
"जी मैडम, आपने मदद की है। अगर हालात बहुत खराब हों, तो हमेशा यह बात याद रखना।"
जब गाड़ी चली गई तो वह फिर से गहरी सोच में डूब गया, लेकिन उसकी आँखों में वही हल्की हरी चमक थी जो हमेशा आने वाली जीत का संकेत होती थी। वह तय समय पर कुछ मिनट देर से पहुँचा और पाया कि एम. पापोपोलस और उनकी बेटी उससे पहले ही पहुँच चुके थे। उसने बड़ी विनम्रता से माफी मांगी और शिष्टाचार व छोटी- छोटी बातों का ध्यान रखते हुए बहुत ही सजग रहा। उस शाम यूनानी विशेष रूप से सौम्य और नेक लग रहा था, मानो एक निर्दोष जीवन जीने वाला दुखी मुखिया हो।

ज़िया सुंदर और हंसमुख दिख रहा था। भोजन सुखद रहा। पोइरोट अपने सबसे अच्छे और जोशीले रूप में था। उसने किस्से सुनाए, चुटकुले सुनाए, ज़िया पापोपोलस की प्रशंसा की और अपने करियर की कई रोचक घटनाएँ सुनाईं। भोजन का चयन बहुत ही सावधानीपूर्वक किया गया था और शराब बेहतरीन थी।
रात के खाने के अंत में, एम. पापोपोलस ने विनम्रतापूर्वक पूछा: "और मैंने आपको जो टिप दी थी? क्या आपने घोड़े पर थोड़ा सा दांव लगाया था?"
"मैं अपने सट्टेबाज से संपर्क में हूँ," पोइरोट ने जवाब दिया।
दोनों पुरुषों की निगाहें मिलीं।
"एक मशहूर घोड़ा, है ना?"
"नहीं," पोइरोट ने कहा; "यह वही है जिसे हमारे अंग्रेज मित्र 'डार्क हॉर्स' कहते हैं।"
"आह!" एम. पापोपोलस ने सोच-विचार करते हुए कहा।
"अब हमें कैसिनो में जाकर रूलेट टेबल पर अपनी किस्मत आज़मानी चाहिए," पोइरोट ने खुशी से कहा।
कैसिनो में दल अलग हो गया, पोइरोट ने अपना पूरा ध्यान ज़िया पर केंद्रित कर लिया, जबकि पापोपोलस खुद दूर चला गया।
पोइरोट भाग्यशाली नहीं था, लेकिन ज़िया का भाग्य अच्छा चल रहा था और उसने जल्द ही कुछ हज़ार फ़्रैंक जीत लिए।
"अच्छा होगा अगर मैं अभी रुक जाऊं," उसने पोइरोट से रूखेपन से कहा।
पोइरोट की आँखों में चमक आ गई।
"शानदार!" उन्होंने कहा। "आप अपने पिता की बेटी हैं, मैडमोजेल ज़िया। कब रुकना है, यह जानना। आह! यही तो कला है।"
उसने कमरों का चारों ओर से जायजा लिया।
"मुझे आपके पिताजी कहीं नज़र नहीं आ रहे," उसने लापरवाही से कहा। "मैं आपके लिए आपका लबादा ले आता हूँ, मैडमोजेल, और हम बगीचे में चलते हैं।" हालांकि, वह सीधे क्लोकरूम में नहीं गया। उसकी पैनी नजरों ने एम. पापोपोलस के प्रस्थान से कुछ ही क्षण पहले का दृश्य देखा था।
वह यह जानने के लिए बेचैन था कि उस धूर्त यूनानी का क्या हुआ। उसने अचानक बड़े प्रवेश कक्ष में उसका पीछा किया और उसे मार गिराया।
वह एक खंभे के पास खड़ा था और अभी-अभी आई एक महिला से बात कर रहा था। वह महिला मिरेल थी।

पोइरोट चुपचाप कमरे के चारों ओर घूम गया। वह खंभे के दूसरी तरफ पहुंचा, और उन दो लोगों की नजरों से बच गया जो आपस में जोश से बातें कर रहे थे - या यूं कहें कि नर्तकी बातें कर रही थी, और पापोपोलस कभी-कभार एक-एक शब्द बोल रहा था और कई भावपूर्ण इशारे कर रहा था।
नर्तकी कह रही थी, "मैं आपसे कहती हूं कि मुझे समय चाहिए। अगर आप मुझे समय देंगे तो मैं पैसे ले आऊंगी।"
"इंतजार करना -" उस यूनानी ने अपने कंधे उचकाते हुए कहा - "यह अजीब है।" दूसरे ने विनती करते हुए कहा, "बस थोड़ी देर।" "अरे! लेकिन आपको ऐसा करना ही होगा! एक हफ्ता - दस दिन - बस इतना ही मैं चाहता हूँ। आप निश्चिंत रह सकते हैं कि आपका काम हो जाएगा। पैसा जल्द ही मिल जाएगा।"

पापोपोलस थोड़ा सा हिला और बेचैनी से अपने चारों ओर देखा - तो पाया कि पोइरोट लगभग उसकी कोहनी के पास एक मुस्कुराते हुए मासूम चेहरे के साथ खड़ा था।
"आह! आप यहाँ हैं, श्रीमान पापोपोलस। मैं आपको ही ढूंढ रहा था। क्या मैं मैडमोजेल ज़िया को बगीचे में थोड़ी देर घुमाने ले जा सकता हूँ? शुभ संध्या, मैडमोजेल।" उन्होंने मिरेले को बहुत झुककर प्रणाम किया। "माफ़ कीजिएगा कि मैं आपसे तुरंत नहीं मिल पाया।"
नर्तकी ने कुछ अधीरता से उसका अभिवादन स्वीकार किया। वह स्पष्ट रूप से अपनी बातचीत में बाधा पड़ने से नाराज़ थी। पोइरोट तुरंत इशारा समझ गया। पापोपोलस पहले ही बुदबुदा चुका था: "ज़रूर - लेकिन ज़रूर," और पोइरोट तुरंत वहाँ से चला गया। उसने ज़िया का लबादा लिया और दोनों साथ में बगीचों में टहलने निकल गए।
"यहीं पर आत्महत्याएं होती हैं," जिया ने कहा।
पॉयरॉट ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ऐसा कहा जाता है। पुरुष मूर्ख होते हैं, है ना मैडमोजेल? खाना-पीना, ताज़ी हवा में सांस लेना, ये सब बहुत सुखद होता है, मैडमोजेल। लेकिन सिर्फ पैसे की कमी या दिल के दर्द के कारण इन सब चीजों को छोड़ देना मूर्खता है। प्रेम, यह तो कई लोगों की मौत का कारण बनता है, है ना?"
जिया हंस पड़ी।

"आपको प्यार पर नहीं हंसना चाहिए, मैडमोजेल," पोइरोट ने अपनी तर्जनी उंगली को उनकी ओर जोर से हिलाते हुए कहा। "आप जो युवा और सुंदर हैं।"
"ऐसा बिलकुल नहीं," ज़िया ने कहा, "आप भूल रहे हैं कि मैं तैंतीस साल की हूँ, श्री पोइरोट। मैं आपसे खुलकर बात कर रही हूँ, क्योंकि इसके अलावा कुछ और कहने का कोई फायदा नहीं है। जैसा कि आपने मेरे पिता को बताया था, पेरिस में आपने हमारी मदद की थी, ठीक सत्रह साल हो गए हैं।"
"जब मैं आपको देखता हूँ, तो ऐसा नहीं लगता," पोइरोट ने विनम्रता से कहा। "आप तब भी बिल्कुल वैसी ही थीं जैसी अब हैं, मैडमोजेल, थोड़ी दुबली, थोड़ी पीली, थोड़ी गंभीर। सोलह साल की उम्र में, पेंशन से अभी-अभी निकली थीं। पूरी तरह से पेंशनभोगी नहीं, पूरी तरह से महिला भी नहीं। आप बहुत ही प्यारी, बहुत ही आकर्षक थीं, मैडमोजेल ज़िया; निःसंदेह, दूसरे भी ऐसा ही सोचते थे।"
जिया ने कहा, "सोलह साल की उम्र में इंसान भोला और थोड़ा नासमझ होता है।" "ऐसा हो सकता है," पोइरोट ने कहा, "हाँ, ऐसा बिल्कुल हो सकता है। सोलह साल की उम्र में इंसान आसानी से विश्वास कर लेता है, है ना? वह वही मानता है जो उसे बताया जाता है।"
अगर उसने लड़की की तिरछी नज़र देखी भी तो उसने ऐसा जताने का नाटक किया जैसे उसने कुछ देखा ही न हो। वह स्वप्निल स्वर में बोला, "यह तो एक अजीबोगरीब घटना थी। मैडमोजेल, आपके पिता को इसकी असल गहराई कभी समझ नहीं आई।" "नहीं?"
"जब उन्होंने मुझसे विवरण और स्पष्टीकरण मांगे, तो मैंने उनसे कहा: 'बिना किसी बदनामी के, मैंने आपके लिए वह चीज़ वापस ला दी है जो खो गई थी। आपको कोई सवाल नहीं पूछना चाहिए।' क्या आप जानती हैं, मैडमोजेल, मैंने ये बातें क्यों कहीं?"
"मुझे कोई जानकारी नहीं है," लड़की ने ठंडे स्वर में कहा।
"ऐसा इसलिए था क्योंकि मेरे दिल में एक छोटे से पेंशनभोगी के लिए एक खास जगह थी, जो इतना पीला, इतना पतला और इतना गंभीर था।"
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या कह रहे हो," जिया ने गुस्से से चिल्लाकर कहा।
"क्या आप नहीं भूलीं, मैडमोजेल? क्या आप एंटोनियो पिरेज़ियो को भूल गई हैं?"

उसने उसकी सांस की तेज आवाज सुनी - लगभग एक कराह।
वह दुकान में सहायक बनकर आया था, लेकिन इस तरह वह अपनी मनचाही चीज़ हासिल नहीं कर सकता था। एक सहायक अपने मालिक की बेटी पर नज़रें गड़ा सकता है, है ना? अगर वह जवान, सुंदर और मीठी बातों वाला हो। और चूंकि वे हर समय प्रेम नहीं कर सकते, इसलिए उन्हें कभी-कभी उन चीज़ों पर बात करनी पड़ती है जिनमें दोनों की रुचि हो - जैसे कि वह बहुत ही दिलचस्प चीज़ जो कुछ समय के लिए श्री पापोपोलस के पास थी। और जैसा कि आप कहती हैं, मैडमोजेल, युवा लोग नासमझ और भोले होते हैं, इसलिए उस पर विश्वास करना और उसे वह चीज़ दिखाना, उसे यह बताना कि वह कहाँ रखी है, आसान था। और बाद में जब वह चीज़ गायब हो गई - जब वह अविश्वसनीय विपत्ति घटित हुई। हाय! बेचारी छोटी पेंशनर। वह कितनी दयनीय स्थिति में है। वह डरी हुई है, बेचारी। बोले या न बोले? और फिर वह शानदार आदमी, हरक्यूल पोइरोट आ जाता है। यह लगभग एक चमत्कार ही रहा होगा, जिस तरह से सब कुछ व्यवस्थित हुआ। अनमोल पारिवारिक धरोहरें वापस मिल गईं और कोई अटपटा सवाल नहीं उठा।
जिया ने उस पर जमकर हमला किया।
"तुम्हें तो पहले से ही पता था? तुम्हें किसने बताया? क्या यह एंटोनियो था?"
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
"मुझे किसी ने नहीं बताया," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "मैंने अंदाज़ा लगाया। मेरा अंदाज़ा अच्छा था, है ना मैडमोजेल? देखिए, अगर आप अंदाज़ा लगाने में माहिर नहीं हैं, तो जासूस होने का कोई खास फायदा नहीं है।" वह लड़की कुछ मिनट तक चुपचाप उसके बगल-बगल चलती रही। फिर उसने कठोर स्वर में कहा:
"अच्छा, तो तुम इसके बारे में क्या करने वाले हो, क्या तुम मेरे पिता को बताने वाले हो?"
"नहीं," पोइरोट ने तीखे स्वर में कहा। "बिल्कुल नहीं।"
उसने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
"तुम्हें मुझसे कुछ चाहिए?"
"मुझे आपकी मदद चाहिए, मैडमोजेल।"
"आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं आपकी मदद कर सकता हूँ?" मुझे ऐसा नहीं लगता। मैं तो बस आशा करता हूँ।

"और अगर मैं तुम्हारी मदद नहीं करूंगी, तो तुम मेरे पिता को बता दोगे?" "लेकिन नहीं, लेकिन नहीं! मैडम, इस विचार को त्याग दीजिए। मैं ब्लैकमेलर नहीं हूँ। मैं आपके रहस्य को आपके सिर पर रखकर आपको धमका नहीं रहा हूँ।" "अगर मैं आपकी मदद करने से इनकार कर दूं तो-" लड़की ने धीरे-धीरे कहना शुरू किया।
"तो फिर आप इनकार कर दीजिए, और बात खत्म।"
"तो फिर क्यों-" वह रुक गई।
"सुनिए, मैं आपको इसका कारण बताता हूँ। मैडम, महिलाएं उदार होती हैं। यदि वे किसी ऐसे व्यक्ति की सेवा कर सकती हैं जिसने उनकी सेवा की हो, तो वे ऐसा अवश्य करती हैं। मैडम, मैं भी एक बार आपके प्रति उदार था। जब मुझे बोलने का मौका मिल सकता था, तब मैंने चुप रहना ही बेहतर समझा।"
फिर सन्नाटा छा गया; तभी लड़की ने कहा, "मेरे पिताजी ने आपको उस दिन एक संकेत दिया था।"
"यह उनकी बहुत बड़ी मेहरबानी थी।"
जिया ने धीरे से कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें कुछ जोड़ सकती हूँ।" अगर पोइरोट निराश थे तो उन्होंने इसे ज़ाहिर नहीं किया। उनके चेहरे की एक भी मांसपेशी नहीं बदली।
"अच्छा!" उसने प्रसन्नता से कहा, "तो हमें अन्य बातों पर चर्चा करनी चाहिए।"
और वह उत्साहपूर्वक बातें करने लगा। हालाँकि, लड़की कुछ खोई-खोई सी थी, और उसके जवाब यांत्रिक और हमेशा सटीक नहीं होते थे। जब वे एक बार फिर कैसीनो के पास पहुँच रहे थे, तब जाकर उसने कोई निर्णय लिया।
"एम. पोइरोट?"
"जी हां, मैडमोजेल?"
"अगर मैं कर सकता तो मैं आपकी मदद करना चाहूंगा।"
"आप बहुत ही मिलनसार हैं, मैडम - बहुत ही मिलनसार।"
फिर से सन्नाटा छा गया। पोइरोट ने उस पर दबाव नहीं डाला। वह इंतजार करने और उसे अपना समय लेने देने में पूरी तरह संतुष्ट था।
"अरे नहीं," ज़िया ने कहा, "आखिर मैं तुम्हें क्यों न बताऊँ? मेरे पिता बहुत सावधान हैं - वे जो कुछ भी कहते हैं, बहुत सावधानी बरतते हैं। लेकिन मुझे पता है कि तुम्हारे साथ ऐसा करना ज़रूरी नहीं है। तुमने हमें बताया

है कि तुम सिर्फ़ हत्यारे की तलाश कर रहे हो, और तुम्हें गहनों की चिंता नहीं है। मुझे तुम पर विश्वास है। तुमने जो अंदाज़ा लगाया था कि हम माणिक्यों की वजह से नीस में हैं, वह बिल्कुल सही था। योजना के अनुसार उन्हें यहाँ सौंप दिया गया है। अब वे मेरे पिता के पास हैं। उन्होंने तुम्हें परसों हमारे रहस्यमय ग्राहक के बारे में एक संकेत दिया था।" "मार्क्विस?" पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा।
"जी हां, मार्क्विस।"
"क्या आपने कभी मार्क्विस को देखा है, मैडमोजेल ज़िया?"

"एक बार," लड़की ने कहा। "लेकिन ठीक से नहीं," उसने आगे कहा। "यह एक ताले के छेद से था।"
"इससे हमेशा मुश्किलें आती हैं," पोइरोट ने सहानुभूतिपूर्वक कहा, "लेकिन फिर भी आपने उसे देखा। क्या आप उसे दोबारा पहचान पाएंगे?"
जिया ने अपना सिर हिलाया।
"उसने मास्क पहना हुआ था," उसने बताया।
"युवा या बूढ़े?"
"उनके बाल सफेद थे। हो सकता है कि वह विग हो, या हो भी सकता है। विग उन पर बहुत अच्छी लग रही थी। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह बूढ़े थे। उनकी चाल-ढाल युवा जैसी थी, और उनकी आवाज भी।"
"उनकी आवाज़?" पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा। "आह, उनकी आवाज़! क्या आप उन्हें फिर से पहचान पाएंगी, मैडमोजेल ज़िया?"
"शायद," लड़की ने कहा।
"तुम्हें उसमें दिलचस्पी थी, है ना? उसी वजह से तुम उस दरवाजे तक पहुँचे।" जिया ने सिर हिलाया।
"हां, हां। मुझे जिज्ञासा थी। मैंने उसके बारे में बहुत कुछ सुना था - वह कोई साधारण चोर नहीं है - वह इतिहास या प्रेम कहानियों के किसी पात्र जैसा है।"
"हां," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा, "हां; शायद ऐसा ही हो।"
"लेकिन मेरा मतलब आपको यह बताने का नहीं था," ज़िया ने कहा। "यह तो बस एक और छोटी सी बात थी जो मुझे लगा कि आपके लिए उपयोगी हो सकती है।"
"जी?" पोइरोट ने उत्साहपूर्वक कहा।

"जैसा कि मैंने कहा, माणिक्य मेरे पिता को नीस में सौंपे गए थे। मैंने उन्हें सौंपने वाले व्यक्ति को नहीं देखा, लेकिन-"
"हाँ?"
मुझे एक बात पता है। वह एक महिला थी।

अध्याय 29

घर से एक पत्र

प्रिय कैथरीन,
"आजकल आप अपने बड़े-बड़े दोस्तों के बीच रह रही हैं, इसलिए मुझे नहीं लगता कि आपको हमारी कोई खबर सुनने में कोई दिलचस्पी होगी; लेकिन जैसा कि मैंने हमेशा आपको समझदार लड़की समझा है, शायद आप मेरी सोच से थोड़ी कम घमंडी हों। यहाँ सब कुछ पहले जैसा ही चल रहा है। नए पादरी को लेकर बहुत हंगामा हुआ है, जो हद से ज़्यादा शराब पीता है। मेरी नज़र में, वह एक रोमन से कम या ज़्यादा कुछ नहीं है। सबने पादरी से इस बारे में बात की है, लेकिन आप जानती हैं कि पादरी कैसा है - सिर्फ़ ईसाई धर्म की बातें करता है, उसमें कोई नैतिकता नहीं है। आजकल मुझे नौकरानियों से बहुत परेशानी हो रही है। वह लड़की एनी बिल्कुल बेकार थी - घुटनों तक की स्कर्ट पहनती थी और ऊनी मोज़े भी नहीं पहनती थी। उनमें से कोई भी बात बर्दाश्त नहीं कर सकती। मुझे गठिया के दर्द से बहुत तकलीफ़ हो रही है, और डॉक्टर हैरिस ने मुझे लंदन के एक विशेषज्ञ को दिखाने के लिए मना लिया - जैसा कि मैंने उनसे कहा, तीन गिनी और एक रेल टिकट का किराया बर्बाद हो गया; लेकिन बुधवार तक इंतज़ार करके मुझे कम खर्च में वापसी का टिकट मिल गया। लंदन के डॉक्टर ने मुँह बना लिया और घुमा-फिराकर बातें कीं, सीधी बात नहीं की।" जब तक मैंने उनसे यह नहीं कहा, 'मैं एक सीधी-सादी महिला हूँ, डॉक्टर साहब, और मुझे बातें स्पष्ट रूप से कही हुई पसंद हैं। क्या यह कैंसर है, या नहीं?' और फिर, ज़ाहिर है, उसे कहना ही था। कहते हैं कि एक साल देखभाल के साथ और ज़्यादा दर्द के बिना गुज़ारा हो सकता है, हालाँकि मुझे यकीन है कि मैं किसी भी ईसाई महिला की तरह दर्द सह सकती हूँ। ज़िंदगी कभी-कभी काफ़ी अकेली लगती है, मेरे ज़्यादातर दोस्त मर चुके हैं या मुझसे पहले ही गुज़र चुके हैं। काश तुम सेंट मैरी मीड में होतीं, मेरी प्यारी, और यह सच है। अगर तुम्हें इतना पैसा न मिला होता और तुम ऊँचे समाज में न गई होतीं, तो मैं तुम्हें मेरी देखभाल करने के लिए उस तनख्वाह से दुगुनी तनख्वाह देती जो बेचारी जेन ने तुम्हें दी थी; लेकिन

क्या करें - जो मिल नहीं सकता उसे चाहने का कोई फ़ायदा नहीं। हालाँकि, अगर तुम्हारे साथ कुछ बुरा हो जाए - और ऐसा हमेशा हो सकता है। मैंने ऐसे कई किस्से सुने हैं जिनमें नकली रईस लड़कियों से शादी करके उनका पैसा हड़प लेते हैं और फिर उन्हें चर्च के दरवाज़े पर छोड़ देते हैं। मुझे यकीन है कि तुम इतनी समझदार हो कि तुम्हारे साथ ऐसा कुछ नहीं होगा, लेकिन कौन जानता है; और कभी किसी तरह का ध्यान न मिलने के कारण अब यह बात तुम्हारे दिमाग़ पर चढ़ सकती है। इसलिए, मेरी प्यारी, याद रखना कि तुम्हारे लिए यहाँ हमेशा एक घर है; और हालाँकि मैं एक सीधी-सादी महिला हूँ वह दयालु भी था।
"आपका स्नेही पुराना दोस्त,

"अमेलिया वाइन।"
"पुनश्च: मैंने अखबार में आपकी और आपकी चचेरी बहन, विस्काउंटेस टैम्प्लिन के बारे में पढ़ा था, और मैंने उसे काटकर अपने अखबारों की कटिंग के साथ रख लिया। मैंने रविवार को आपके लिए प्रार्थना की कि आप अहंकार और घमंड से दूर रहें।"

कैथरीन ने इस विशेष पत्र को दो बार पढ़ा, फिर उसे नीचे रख दिया और अपने शयनकक्ष की खिड़की से भूमध्य सागर के नीले पानी को निहारने लगी। उसके गले में एक अजीब सी गांठ सी महसूस हुई। सेंट मैरी मीड के लिए अचानक एक तीव्र लालसा उमड़ पड़ी। वह जगह जानी-पहचानी, रोज़मर्रा की, छोटी-छोटी बेवकूफी भरी चीज़ों से भरी थी - और फिर भी - घर जैसी थी। उसका मन कर रहा था कि वह अपना सिर बाहों पर रखकर जी भर कर रो ले।
सही समय पर आकर लेनोक्स ने उसकी जान बचाई।
"हेलो, कैथरीन," लेनोक्स ने कहा। "मैं पूछ रहा हूँ - क्या बात है?"
"कुछ नहीं," कैथरीन ने कहा और मिस वाइनर का पत्र उठाकर अपने हैंडबैग में डाल दिया।
"तुम कुछ अजीब से लग रहे थे," लेनोक्स ने कहा। "मैं कहता हूँ - मुझे उम्मीद है कि तुम्हें बुरा नहीं लगेगा - मैंने तुम्हारे जासूस दोस्त, एम. पोइरोट को फोन किया और उन्हें नीस में हमारे साथ दोपहर के भोजन पर बुलाया। मैंने उनसे कहा कि तुम उनसे मिलना चाहोगे, क्योंकि मुझे लगा कि शायद वो मेरे लिए नहीं आएंगे।"

"तो क्या तुम उससे मिलना चाहती थी?" कैथरीन ने पूछा।
"हां," लेनोक्स ने कहा। "मैं तो उस पर फिदा हो गई हूं। मैंने पहले कभी किसी ऐसे आदमी से मुलाकात नहीं की जिसकी आंखें सचमुच बिल्ली की तरह हरी हों।" "ठीक है," कैथरीन ने कहा। उसकी आवाज़ में उदासी थी। पिछले कुछ दिन काफी तनावपूर्ण रहे थे। डेरेक केटरिंग की गिरफ्तारी चर्चा का मुख्य विषय थी, और ब्लू ट्रेन रहस्य पर हर संभव दृष्टिकोण से विचार-विमर्श किया गया था। "मैंने कार का ऑर्डर दे दिया है," लेनोक्स ने कहा, "और मैंने माँ से कुछ झूठ बोला है - दुर्भाग्य से मुझे ठीक से याद नहीं है कि क्या बोला था; लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि उन्हें कभी याद नहीं रहता। अगर उन्हें पता होता कि हम कहाँ जा रहे हैं, तो वह भी आना चाहतीं, मिस्टर पोइरोट को सबक सिखाने के लिए।"
दोनों लड़कियां नेग्रेस्को पहुंचीं तो वहां पोइरोट उनका इंतजार कर रहे थे।
वह फ्रांसीसी शिष्टाचार से परिपूर्ण था और दोनों लड़कियों की इतनी प्रशंसा कर रहा था कि वे जल्द ही हँसी से लोटपोट हो गईं, फिर भी भोजन का माहौल खुशनुमा नहीं था। कैथरीन ख्यालों में खोई हुई और विचलित थी, और लेनोक्स बीच-बीच में चुप रहकर बातें कर रही थी। जब वे छत पर बैठकर कॉफी पी रही थीं, तभी अचानक उसने पोइरोट पर तीखे शब्दों में हमला बोल दिया। "कैसा चल रहा है? आप समझ रहे हैं ना मेरा मतलब?"
पोइरोट ने अपने कंधे उचकाए। "वे अपना रास्ता खुद तय करते हैं," उन्होंने कहा।
"और आप उन्हें बस अपना रास्ता खुद तय करने दे रहे हैं?"
उसने लेनोक्स की ओर थोड़ी उदासी से देखा।

"आप अभी युवा हैं, मैडमोजेल, लेकिन तीन चीजें ऐसी हैं जिनमें जल्दबाजी नहीं की जा सकती - भगवान, प्रकृति और बूढ़े लोग।"
"बकवास!" लेनोक्स ने कहा। "तुम बूढ़े नहीं हो।"
"अहा, आपने जो कहा वो काफी हद तक सही है।"
"ये रहे मेजर नाइटन," लेनोक्स ने कहा। कैथरीन ने जल्दी से चारों ओर देखा और फिर वापस मुड़ गई।

"वह श्री वैन एल्डिन के साथ हैं," लेनोक्स ने आगे कहा। "मुझे मेजर नाइटन से कुछ पूछना है। मुझे बस एक मिनट लगेगा।"
जब वे दोनों अकेले रह गए, तो पोइरोट आगे की ओर झुका और कैथरीन से धीरे से बोला:
"आप विचलित हैं, मैडमोजेल; आपके विचार कहीं और ही हैं, है ना?"
"बस इंग्लैंड तक, इससे आगे नहीं।"
अचानक आए एक आवेग से प्रेरित होकर, उसने सुबह प्राप्त पत्र उठाया और उसे पढ़ने के लिए उसे सौंप दिया।
"मेरे पुराने जीवन से जो पहला शब्द मेरे मन में आया है, वह यही है; किसी न किसी तरह से - यह मुझे दुख पहुंचाता है।"
उसने उसे पूरा पढ़ा और फिर उसे वापस दे दिया। "तो तुम सेंट मैरी मीड वापस जा रही हो?" उसने धीरे से कहा।
"नहीं, मैं नहीं हूँ," कैथरीन ने कहा, "मैं क्यों होऊँ?"
"आह," पोइरोट ने कहा, "यह मेरी गलती है। कृपया मुझे एक मिनट के लिए क्षमा करें।"
वह टहलते हुए उस जगह पर गया जहाँ लेनोक्स टैम्प्लिन, वैन एल्डिन और नाइटन से बात कर रहा था।
अमेरिकी व्यक्ति बूढ़ा और थका हुआ लग रहा था। उसने पोइरोट का अभिवादन केवल एक संक्षिप्त इशारे से किया, लेकिन उसमें कोई और जीवंतता नहीं दिखी। लेनोक्स द्वारा की गई किसी टिप्पणी का जवाब देने के लिए मुड़ते ही, पोइरोट ने नाइटन को एक तरफ खींच लिया।
उन्होंने कहा, "एम. वैन एल्डिन बीमार लग रहे हैं।"
"क्या आपको आश्चर्य होता है?" नाइटन ने पूछा। "डेरेक केटरिंग की गिरफ्तारी के घोटाले ने, जहाँ तक उसका सवाल है, मामले को लगभग दबा दिया है। उसे तो इस बात का भी पछतावा हो रहा है कि उसने आपको सच्चाई का पता लगाने के लिए कहा था।"
"उसे इंग्लैंड वापस चले जाना चाहिए," पोइरोट ने कहा।
हम परसों जा रहे हैं।
"यह तो अच्छी खबर है," पोइरोट ने कहा।
वह हिचकिचाया और उसने छत के उस पार देखा जहाँ कैथरीन बैठी थी।
"काश," उसने धीरे से कहा, "आप मिस ग्रे को यह बात बता पातीं।"

"उसे क्या बताऊं?"
"मेरा मतलब है कि एम. वैन एल्डिन ही इंग्लैंड लौट रहे हैं।"
नाइटन थोड़ा असमंजस में लग रहा था, लेकिन वह तुरंत छत पार करके कैथरीन के पास चला गया।
पोइरोट ने संतुष्टि से सिर हिलाते हुए उसे जाते देखा और फिर लेनोक्स और अमेरिकी के साथ शामिल हो गए। एक-दो मिनट बाद वे बाकी लोगों से मिल गए। कुछ मिनटों तक सामान्य बातचीत हुई, फिर करोड़पति और उनके सचिव चले गए। पोइरोट भी जाने की तैयारी करने लगे।
"आपकी मेहमाननवाज़ी के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदया," वह चिल्लाया, "यह एक बेहद शानदार दोपहर का भोजन था। हे भगवान, मुझे इसकी बहुत ज़रूरत थी!" उसने अपनी छाती फुलाकर ठोंकी। "मैं अब एक शेर हूँ - एक दैत्य। आह, मैडमोजेल कैथरीन, आपने मुझे उस रूप में नहीं देखा है जैसा मैं हो सकता हूँ। आपने सौम्य, शांत हरक्यूल पोइरोट को देखा है; लेकिन एक और हरक्यूल पोइरोट भी है। मैं अब धमकाने, डराने और मेरी बात सुनने वालों के दिलों में दहशत पैदा करने जा रहा हूँ।"
उसने आत्मसंतुष्ट भाव से उनकी ओर देखा, और वे दोनों उससे काफी प्रभावित प्रतीत हुईं, हालांकि लेनोक्स अपने निचले होंठ को काट रही थी, और कैथरीन के मुंह के कोनों में एक संदिग्ध फड़कन थी।
"और मैं इसे करूँगा," उसने गंभीरता से कहा। "हाँ, मैं ज़रूर सफल होऊंगा।" वह अभी कुछ ही कदम चला था कि कैथरीन की आवाज सुनकर वह मुड़ गया।
"मिस्टर पोइरोट, मैं - मैं आपको बताना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि आपने जो कहा वह सही था। मैं लगभग तुरंत ही इंग्लैंड वापस जा रहा हूँ।"
पोइरोट ने उसे बहुत ध्यान से देखा, और उसकी तीखी निगाहों के कारण वह शर्म से लाल हो गई।
"मैं समझ गया," उसने गंभीरता से कहा।
"मुझे नहीं लगता कि तुम ऐसा करते हो," कैथरीन ने कहा।
"मैडम, मैं जितना आप सोचती हैं उससे कहीं ज्यादा जानता हूं," उसने धीमी आवाज में कहा।
वह अपने होठों पर एक अजीब सी मुस्कान लिए उसे छोड़कर चला गया। एक इंतज़ार कर रही कार में बैठकर वह एंटीबेस के लिए रवाना हो गया।

कॉम्टे डे ला रोश का भावहीन नौकर हिप्पोलिटे, विला मरीना में अपने मालिक की खूबसूरत कांच की मेज को चमकाने में व्यस्त था। कॉम्टे डे ला रोश स्वयं एक दिन के लिए मोंटे कार्लो गए हुए थे।
खिड़की से बाहर देखते हुए हिप्पोलिटे की नज़र एक आगंतुक पर पड़ी जो तेज़ी से हॉल के दरवाज़े की ओर बढ़ रहा था। वह आगंतुक इतना असामान्य था कि हिप्पोलिटे, जो अनुभवी होने के बावजूद, उसे पहचान नहीं पा रहे थे। रसोई में व्यस्त अपनी पत्नी मैरी को बुलाकर उन्होंने उसका ध्यान उस व्यक्ति की ओर दिलाया जिसे उन्होंने "ce type là" (असामान्य प्रकार का व्यक्ति) कहा। "कहीं फिर पुलिस तो नहीं आ गई?" मैरी ने घबराकर कहा।

"खुद ही देख लो," हिप्पोलिटे ने कहा।
मैरी ने देखा।
"पुलिस तो बिल्कुल नहीं," उसने कहा। "मुझे खुशी है।"
"उन्होंने हमें ज़्यादा परेशान नहीं किया," हिप्पोलिटे ने कहा। "दरअसल, अगर महाशय ले कॉम्टे ने चेतावनी न दी होती, तो मैं कभी अंदाज़ा भी नहीं लगा पाता कि शराब की दुकान पर मिला वह अजनबी कौन था।"
हॉल की घंटी बजी और हिप्पोलिटे ने गंभीर और शालीन तरीके से दरवाजा खोलने के लिए कदम बढ़ाया।
मुझे खेद है कि श्रीमान ले कॉम्टे घर पर नहीं हैं।
बड़ी-बड़ी मूंछों वाला छोटा आदमी शांति से मुस्कुरा रहा था।
"मुझे पता है," उसने जवाब दिया। "आप हिप्पोलिटे फ्लेवेल हैं, है ना?"
"जी हां, महोदय, यही मेरा नाम है।"
"और आपकी पत्नी हैं, मैरी फ्लेवेल?"
"जी हां, महोदय, लेकिन -"
"मैं आप दोनों से मिलना चाहता हूँ," अजनबी ने कहा और फुर्ती से हिप्पोलिटे के पास से गुजरते हुए हॉल में चला गया।
उन्होंने कहा, "आपकी पत्नी निश्चित रूप से रसोई में होंगी। मैं वहीं जाता हूँ।"
इससे पहले कि हिप्पोलिटे अपनी सांसें संभाल पाता, दूसरे ने हॉल के पीछे का सही दरवाजा चुन लिया और गलियारे से होते हुए रसोई में चला गया, जहां मैरी उसे हैरानी से देखती हुई मुंह खुला रखकर रुक गई।

"वाह!" अजनबी ने कहा और लकड़ी की कुर्सी पर बैठ गया, "मैं हरक्यूल पोइरोट हूँ।"
"जी श्रीमान?"
"क्या आप नाम नहीं जानते?"
"मैंने इसके बारे में कभी नहीं सुना," हिप्पोलिटे ने कहा।
मुझे यह कहने की अनुमति दें कि आपकी शिक्षा ठीक से नहीं हुई है। यह इस दुनिया के महान लोगों में से एक का नाम है।
उसने आह भरी और अपने हाथों को अपनी छाती पर बांध लिया।
हिप्पोलिटे और मैरी उसे बेचैनी से घूर रहे थे। वे इस अप्रत्याशित और बेहद अजीब आगंतुक के बारे में कुछ भी समझने में असमर्थ थे।
"महाशय चाहते हैं -" हिप्पोलाइट यंत्रवत् बुदबुदाया।
मैं यह जानना चाहता हूं कि आपने पुलिस से झूठ क्यों बोला।
"महाशय!" हिप्पोलिटे चिल्लाया, "मैंने पुलिस से झूठ बोला? मैंने ऐसा कभी नहीं किया।"
एम. पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
“आप गलत हैं,” उन्होंने कहा, “आपने कई बार ऐसा किया है। मुझे देखने दीजिए।” उन्होंने अपनी जेब से एक छोटी नोटबुक निकाली और उसमें देखा। “अरे हाँ; कम से कम सात बार। मैं आपको बताता हूँ।”
उन्होंने सौम्य और भावहीन स्वर में उन सात घटनाओं का संक्षिप्त विवरण देना शुरू किया।
हिप्पोलिटे अचंभित रह गया।
"लेकिन मैं इन पिछली गलतियों के बारे में बात नहीं करना चाहता," पोइरोट ने आगे कहा, "बस, मेरे प्यारे दोस्त, खुद को बहुत चालाक समझने की आदत मत डालो। अब मैं उस खास झूठ पर आता हूँ जिससे मेरा संबंध है - तुम्हारा यह बयान कि कॉम्टे डे ला रोश 14 जनवरी की सुबह इस विला में पहुँचे थे।"
"लेकिन वह झूठ नहीं था, महाशय; वह सच था। महाशय ले कॉम्टे मंगलवार, 14 तारीख की सुबह यहाँ पहुँचे थे। हाँ, मैरी, ऐसा ही है ना?"
मैरी ने उत्सुकतापूर्वक सहमति दी।
"हाँ, बिल्कुल सही। मुझे अच्छी तरह याद है।"
"आह," पोइरोट ने कहा, "और उस दिन आपने अपने स्वामी को दोपहर के भोजन में क्या दिया था?"

"मैं-" मैरी रुक गई, खुद को संभालने की कोशिश कर रही थी।
पोइरोट ने कहा, "यह अजीब बात है कि इंसान कुछ बातें याद रखता है और कुछ भूल जाता है।"
वह आगे झुका और मुट्ठी से मेज पर एक जोरदार प्रहार किया; उसकी आँखों में क्रोध की चमक थी।
"हाँ, हाँ, जैसा मैंने कहा वैसा ही है। तुम झूठ बोलते हो और सोचते हो कि किसी को पता नहीं है। लेकिन दो लोग हैं जो जानते हैं। हाँ - दो लोग। एक हैं भगवान -"
उसने आसमान की ओर हाथ उठाया, फिर अपनी कुर्सी पर वापस बैठते हुए और पलकें बंद करते हुए, उसने आराम से बुदबुदाया:
और दूसरा है हरक्यूल पोइरोट।
"मैं आपको आश्वस्त करता हूँ, महाशय, आप पूरी तरह से गलत हैं। महाशय ले कॉम्टे सोमवार रात को पेरिस से रवाना हो गए थे।"
"हाँ," पोइरोट ने कहा, "रैपिड जहाज से। मुझे नहीं पता कि उसने अपनी यात्रा कहाँ रोकी थी। शायद आपको भी यह नहीं पता होगा। मुझे बस इतना पता है कि वह यहाँ बुधवार की सुबह पहुँचा था, मंगलवार की सुबह नहीं।"
"महाशय को गलतफहमी हुई है," मैरी ने दृढ़ता से कहा।
पोइरोट उठ खड़ा हुआ।

"तो फिर कानून को अपना काम करना ही होगा," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "अफसोस की बात है।"
"आपका क्या मतलब है, महाशय?" मैरी ने थोड़ी बेचैनी के साथ पूछा।
"श्रीमती केटरिंग, जो एक अंग्रेज महिला थीं, की हत्या में सहभागी होने के आरोप में आपको गिरफ्तार किया जाएगा और हिरासत में रखा जाएगा।"
"हत्या!"
उस आदमी का चेहरा पीला पड़ गया था, उसके घुटने आपस में टकरा रहे थे। मैरी ने बेलन गिरा दिया और रोने लगी।
"लेकिन यह असंभव है - असंभव। मैंने सोचा था -"
"चूंकि आप अपनी बात पर अड़े हुए हैं, इसलिए कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि आप दोनों मूर्ख हैं।"

वह दरवाजे की ओर मुड़ ही रहा था कि एक उत्तेजित आवाज ने उसे रोक दिया। "महोदय, महोदय, बस एक पल रुकिए। मुझे - मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इस तरह का मामला है। मुझे लगा कि यह सिर्फ एक महिला से जुड़ा मामला है। महिलाओं को लेकर पुलिस के साथ पहले भी कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें हुई हैं। लेकिन हत्या - यह बिल्कुल अलग बात है।"
"मुझे तुम लोगों से कोई सब्र नहीं है," पोइरोट चिल्लाया। वह उनकी ओर मुड़ा और गुस्से से हिप्पोलिटे के चेहरे पर मुट्ठी तान दी। "क्या मुझे सारा दिन यहीं बैठकर दो मूर्खों से बहस करनी पड़ेगी? मुझे सच चाहिए। अगर तुम मुझे सच नहीं बताओगे, तो यही तुम्हारा अंजाम होगा। आख़िरकार, महाशय कॉम्टे विला मरीना कब पहुँचे थे - मंगलवार सुबह या बुधवार सुबह?"
"बुधवार," उस आदमी ने हांफते हुए कहा, और उसके पीछे खड़ी मैरी ने सिर हिलाकर पुष्टि की।
पोइरोट ने एक-दो मिनट तक उन्हें देखा, फिर गंभीरता से अपना सिर झुका लिया। उन्होंने शांत स्वर में कहा, "तुम समझदार हो, मेरे बच्चों। तुम बाल-बाल गंभीर मुसीबत में पड़ गए थे।"
वह मन ही मन मुस्कुराते हुए विला मरीना से निकल गया।
"एक अनुमान सही साबित हुआ," उसने मन ही मन बुदबुदाया। "क्या मुझे दूसरे पर भी दांव लगाना चाहिए?"
शाम के छह बज रहे थे जब मिरेल के पास मिस्टर हरक्यूल पोइरोट का कार्ड लाया गया।
उसने एक-दो पल तक उसे घूरा और फिर सिर हिलाया। जब पोइरोट अंदर आया, तो उसने देखा कि वह कमरे में बेचैनी से इधर-उधर घूम रही थी। वह गुस्से से उसकी ओर मुड़ी।
"तो?" वह चिल्लाई। "तो? अब क्या है? क्या तुम सबने मुझे काफी सताया नहीं है? क्या तुमने मुझे मेरे बेचारे डेरीक के साथ विश्वासघात करने पर मजबूर नहीं किया? अब तुम्हें और क्या चाहिए?"
"बस एक छोटा सा सवाल, मैडम। ल्योंस से ट्रेन छूटने के बाद, जब आप श्रीमती केटरिंग के डिब्बे में दाखिल हुईं -"
"वह क्या है?"
पोइरोट ने हल्के से आहत भाव से उसकी ओर देखा और फिर से बोलना शुरू किया। "मैं कहता हूँ कि जब आप श्रीमती केटरिंग के डिब्बे में दाखिल हुए थे -"

"मैंने कभी नहीं किया।"
और उसे ढूंढ लिया -
"मैंने कभी नहीं किया।"
"अरे वाह!"
वह क्रोधित होकर उस पर झपटा और चिल्लाया, जिससे वह डरकर उसके सामने पीछे हट गई।
"क्या तुम मुझसे झूठ बोलोगी? मैं तुमसे कहती हूँ कि मुझे सब कुछ ऐसे पता है जैसे मैं खुद वहाँ मौजूद थी। तुम उसके डिब्बे में गई और तुमने उसे मृत पाया। मैं तुमसे कहती हूँ कि मुझे यह पता है। मुझसे झूठ बोलना खतरनाक है। सावधान रहो, मैडमोजेल मिरेल।"
उसकी निगाहें उसकी निगाहों के सामने डगमगाईं और फिर झुक गईं।
"मैं - मैंने नहीं -" उसने अनिश्चितता से कहना शुरू किया और रुक गई।

"मुझे बस एक ही बात पर हैरानी है," पोइरोट ने कहा। "मुझे हैरानी है, मैडमोजेल, कि क्या आपको वह मिल गया जिसकी आप तलाश कर रही थीं या फिर..." "क्या?"
"या फिर आपसे पहले कोई और वहां रहा हो।"
"मैं अब और किसी सवाल का जवाब नहीं दूंगी," नर्तकी चीखी। उसने पोइरोट के हाथ से खुद को छुड़ाया और उन्माद में ज़मीन पर गिरते हुए चीखने-चिल्लाने लगी। एक डरी हुई नौकरानी दौड़ती हुई अंदर आई।
हरक्यूल पोइरोट ने अपने कंधे उचकाए, अपनी भौहें उठाईं और चुपचाप कमरे से बाहर निकल गए।
लेकिन वह संतुष्ट प्रतीत हुआ।

अध्याय 30

मिस वाइनर फैसला सुनाती हैं

कैथरीन ने मिस वाइनर के शयनकक्ष की खिड़की से बाहर देखा। बारिश हो रही थी, तेज़ नहीं, बल्कि शांत और सौम्य लय में। खिड़की से सामने के बगीचे का एक छोटा सा हिस्सा दिखाई देता था, जिसमें गेट तक जाने वाला एक रास्ता था और दोनों ओर फूलों की छोटी-छोटी क्यारियाँ थीं, जहाँ बाद में गुलाब, गुलाबी और नीले हाइसिंथ खिलेंगे। मिस वाइनर एक बड़े विक्टोरियन पलंग पर लेटी हुई थीं। नाश्ते के बचे हुए टुकड़े वाली ट्रे एक तरफ रखी थी और वह अपने पत्रों को खोलकर उन पर तरह-तरह की तीखी टिप्पणियाँ करने में व्यस्त थीं।
कैथरीन के हाथ में एक खुला पत्र था और वह उसे दूसरी बार पढ़ रही थी। यह पत्र पेरिस के रिट्ज़ होटल से भेजा गया था।
"प्रिय मिस कैथरीन (यह इस तरह शुरू हुआ),
मुझे उम्मीद है कि आप स्वस्थ होंगे और इंग्लैंड की सर्दी आपको ज्यादा उदास नहीं कर रही होगी। मैं अपनी जांच पूरी लगन से कर रहा हूं। यह मत सोचिए कि मैं यहां छुट्टी मना रहा हूं। बहुत जल्द मैं इंग्लैंड में रहूंगा और आशा करता हूं कि तब आपसे एक बार फिर मिलने का सौभाग्य मिलेगा। ऐसा ही होगा, है ना? लंदन पहुंचते ही मैं आपको पत्र लिखूंगा। आपको याद होगा कि हम इस मामले में सहयोगी हैं? वैसे, मुझे लगता है कि आप यह बात अच्छी तरह जानते हैं। "आप निश्चिंत रहें, महोदया, मेरे मन में आपके लिए अत्यंत सम्मान और निष्ठा है।"
हरक्यूल पोइरोट।
कैथरीन ने थोड़ा सा माथा सिकोड़ा। ऐसा लग रहा था मानो पत्र में लिखी कोई बात उसे उलझन और जिज्ञासा से भर रही हो।
"सचमुच, ये तो गायक मंडली के लड़कों की पिकनिक है," मिस वाइनर ने कहा। "टॉमी सॉन्डर्स और अल्बर्ट डाइक्स को तो यहीं छोड़ देना चाहिए, और अगर ऐसा नहीं हुआ तो मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ। ये दोनों लड़के रविवार को चर्च में क्या कर रहे हैं, मुझे समझ नहीं आता। टॉमी ने 'हे भगवान, हमें बचाने में

जल्दी करो' गाया और फिर कभी अपने होंठ नहीं खोले, और अगर अल्बर्ट डाइक्स मिंट की टॉफी नहीं चूस रहा था, तो मेरी नाक वैसी नहीं है जैसी हमेशा से रही है।"
"मुझे पता है, वे बहुत बुरे हैं," कैथरीन ने सहमति जताते हुए कहा।
उसने अपना दूसरा पत्र खोला और अचानक उसके गाल लाल हो गए। कमरे में मिस विनर की आवाज़ मानो दूर कहीं गुम हो गई।
जब उन्हें अपने आसपास की स्थिति का होश आया, तब तक मिस विनर एक लंबे भाषण को विजयी समापन की ओर ले जा रही थीं।
और मैंने उनसे कहा, 'बिल्कुल नहीं। संयोग से, मिस ग्रे लेडी टैम्पलिन की चचेरी बहन हैं।' इस बारे में आपका क्या विचार है?'
"क्या तुम मेरे लिए मेरी लड़ाई लड़ रहे थे? यह तुम्हारी बहुत बड़ी कृपा थी।"
"आप चाहें तो इसे इस तरह कह सकते हैं। मेरे लिए उपाधि का कोई महत्व नहीं है। पादरी की पत्नी हो या न हो, वह औरत एक बिल्ली है। यह इशारा करता है कि आपने पैसे देकर समाज में अपनी जगह बनाई है।"
"शायद वह पूरी तरह से गलत नहीं थी।"
"और तुम्हें देखो," मिस विनर ने आगे कहा। "क्या तुम एक अकड़ू और सजी-धजी महिला बनकर लौटी हो, जैसा कि तुम कर सकती थी? नहीं, तुम तो पहले जैसी ही समझदार हो, अच्छे बालब्रिगन स्टॉकिंग्स और अच्छे जूते पहने हुए। मैंने कल ही एलेन से इस बारे में बात की थी। 'एलेन,' मैंने कहा, 'तुम मिस ग्रे को देखो। वह देश के कुछ बड़े लोगों के साथ मेलजोल रखती रही है, और वह भी तुम्हारी तरह घुटनों तक की स्कर्ट और रेशमी स्टॉकिंग्स पहनती है जो देखने भर से फट जाती हैं, और ऐसे जूते पहनती है जो मैंने आज तक नहीं देखे।"
कैथरीन मन ही मन मुस्कुराई; जाहिर तौर पर मिस वाइनर के पूर्वाग्रहों के अनुरूप चलना सार्थक रहा था। बुढ़िया ने और भी जोश के साथ बोलना जारी रखा। "मुझे बहुत राहत मिली है कि तुम्हारा ध्यान कहीं और नहीं गया। अभी कुछ दिन पहले ही मैं अपनी कटिंग्स ढूंढ रही थी। मेरे पास लेडी टैम्पलिन और उनके युद्ध अस्पताल वगैरह के बारे में कई कटिंग्स हैं, लेकिन वे मुझे मिल नहीं रही हैं। काश तुम उन्हें ढूंढ लेतीं, मेरी प्यारी; तुम्हारी नज़र मुझसे बेहतर है। वे सब अलमारी के दराज में एक डिब्बे में रखी हैं।"

कैथरीन ने अपने हाथ में पकड़े पत्र पर एक नज़र डाली और कुछ बोलने ही वाली थी कि उसने खुद को रोक लिया और दराज के पास जाकर कटी हुई चिट्ठियों का डिब्बा निकाला और उन्हें देखने लगी। सेंट मैरी मीड लौटने के बाद से ही वह मिस वाइनर के धैर्य और साहस की प्रशंसा करती हुई उनके प्रति श्रद्धा से भर उठी थी। उसे लगता था कि वह अपनी इस पुरानी दोस्त के लिए कुछ खास नहीं कर सकती, लेकिन उसे अपने अनुभव से पता था कि बूढ़े लोगों के लिए ये छोटी-छोटी बातें कितनी मायने रखती हैं।
“ये लीजिए,” उसने थोड़ी देर बाद कहा। “'विस्काउंटेस टैम्प्लिन, जो नीस में अपने विला को अधिकारियों के अस्पताल के रूप में चला रही हैं, हाल ही में एक सनसनीखेज डकैती का शिकार हुई हैं, उनके गहने चोरी हो गए हैं। उनमें कुछ बहुत प्रसिद्ध पन्ना भी शामिल थे, जो टैम्प्लिन परिवार की पुश्तैनी धरोहर थे।'”
"शायद नकली हैं," मिस विनर ने कहा, "इन समाज की कई महिलाओं के गहने नकली ही होते हैं।"
"ये रही एक और तस्वीर," कैथरीन ने कहा। "उसकी एक तस्वीर, 'विस्काउंटेस टैम्प्लिन और उनकी छोटी बेटी लेनोक्स की एक मनमोहक कैमरा-फोटो'।"
"मुझे देखने दीजिए," मिस विनर ने कहा। "बच्चे का चेहरा ठीक से दिखाई नहीं दे रहा है, है ना? लेकिन मुझे लगता है कि यह अच्छा ही है। इस दुनिया में चीजें विपरीत ही होती हैं और खूबसूरत माताओं के बदसूरत बच्चे होते हैं। मुझे लगता है कि फोटोग्राफर को समझ आ गया होगा कि बच्चे के सिर के पिछले हिस्से की तस्वीर लेना ही उसके लिए सबसे अच्छा काम था।"
कैथरीन हंस पड़ी।
"इस सीजन में रिवेरा की सबसे समझदार मेजबानों में से एक विस्काउंटेस टैम्प्लिन हैं, जिनका कैप मार्टिन में एक विला है। उनकी चचेरी बहन, मिस ग्रे, जिन्होंने हाल ही में बेहद रोमांटिक तरीके से एक विशाल संपत्ति विरासत में पाई है, उनके साथ वहीं ठहरी हुई हैं।"
"मुझे यही चाहिए था," मिस विनर ने कहा। "मुझे लगता है कि आपकी तस्वीर किसी अखबार में छपी होगी जो मुझसे छूट गई हो, आप जानती ही हैं ना, किस तरह की तस्वीर। श्रीमती जोन्स-विलियम्स, किसी पॉइंट-टू-पॉइंट प्रतियोगिता में, आमतौर पर एक छड़ी लिए और एक पैर हवा में उठाए हुए। उनमें से कुछ लोगों के लिए यह देखना भी एक चुनौती होगी कि वे कैसी दिखती हैं।"

कैथरीन ने कोई जवाब नहीं दिया। वह अपनी उंगली से कटे हुए हिस्से को चिकना कर रही थी, और उसके चेहरे पर उलझन और चिंता के भाव थे। फिर उसने लिफाफे से दूसरा पत्र निकाला और एक बार फिर उसकी सामग्री को ध्यान से पढ़ा। वह अपनी सहेली की ओर मुड़ी।
"मिस वाइनर? मुझे आश्चर्य हो रहा है - मेरी एक दोस्त है, जिससे मैं रिवेरा में मिली थी, जो यहाँ आकर मुझसे मिलना चाहती है?"
"एक आदमी," मिस विनर ने कहा।
"हाँ।"
"कौन है ये?"
"वह अमेरिकी करोड़पति श्री वैन एल्डिन के सचिव हैं।"
"इसका नाम क्या है?"
"नाइटन, मेजर नाइटन।"
"हम्म - एक करोड़पति की सेक्रेटरी। और यहाँ आना चाहती है। अब, कैथरीन, मैं तुमसे कुछ कहना चाहती हूँ, जो तुम्हारे भले के लिए है। तुम एक अच्छी और समझदार लड़की हो, और हालाँकि तुम ज़्यादातर मामलों में सही सोच रखती हो, हर औरत ज़िंदगी में एक बार बेवकूफ़ बन जाती है। दस में से एक चांस है कि यह आदमी तुम्हारे पैसे के पीछे पड़ा है।"
एक इशारे से उसने कैथरीन के जवाब को रोक दिया। "मैं इसी तरह की बात का इंतज़ार कर रही थी। एक करोड़पति का सचिव कैसा होता है? दस में से नौ बार यह एक ऐसा नौजवान होता है जिसे आरामदेह जीवन जीना पसंद होता है। एक ऐसा नौजवान जिसके तौर-तरीके अच्छे हों, विलासिता का शौक हो, लेकिन दिमाग और उद्यमशीलता न हो। और अगर करोड़पति के सचिव होने से भी आसान कोई काम है, तो वह है किसी अमीर औरत से उसके पैसे के लिए शादी करना। मैं यह नहीं कह रही कि तुम किसी आदमी की पसंद नहीं हो सकती। लेकिन तुम जवान नहीं हो, और भले ही तुम्हारा रंग-रूप बहुत अच्छा हो, तुम खूबसूरत नहीं हो। और मैं तुमसे यही कहती हूँ कि खुद को मूर्ख मत बनाओ; लेकिन अगर तुम ऐसा करने पर तुली हुई हो, तो ध्यान रखना कि तुम्हारा पैसा ठीक से खुद पर ही खर्च हो। बस, अब मैंने अपनी बात खत्म कर दी। अब तुम्हें क्या कहना है?"
"कुछ नहीं," कैथरीन ने कहा, "लेकिन क्या आपको कोई आपत्ति होगी अगर वह मुझसे मिलने नीचे आ जाए?"

"मैं इससे अपना हाथ खींचती हूँ," मिस विनर ने कहा। "मैंने अपना कर्तव्य निभा दिया है, और अब जो भी होगा उसकी ज़िम्मेदारी आपकी होगी। क्या आप उन्हें दोपहर के भोजन पर बुलाना चाहेंगे या रात के खाने पर? मुझे लगता है कि एलेन रात का खाना संभाल सकती है - बशर्ते वह अपना आपा न खो दे।"
"दोपहर का भोजन बहुत अच्छा रहेगा," कैथरीन ने कहा। "आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी है, मिस वाइनर। उन्होंने मुझे उन्हें फोन करने के लिए कहा था, इसलिए मैं ऐसा करूँगी और कहूँगी कि अगर वे हमारे साथ दोपहर का भोजन करें तो हमें बहुत खुशी होगी। वे शहर से गाड़ी से आ जाएँगे।"
मिस विनर ने कहा, "एलेन ग्रिल्ड टमाटर के साथ स्टेक ठीक-ठाक बनाती है। वो इसे बहुत अच्छा तो नहीं बनाती, लेकिन बाकी सब से बेहतर बनाती है। टार्ट खाने का कोई फायदा नहीं क्योंकि वो पेस्ट्री में कुछ ज्यादा ही डाल देती है; लेकिन उसके छोटे कैसल पुडिंग बुरे नहीं होते, और मुझे यकीन है कि एबॉट की दुकान पर आपको स्टिल्टन चीज़ का एक बढ़िया टुकड़ा मिल जाएगा। मैंने हमेशा सुना है कि सज्जनों को स्टिल्टन चीज़ का एक बढ़िया टुकड़ा पसंद होता है, और पिताजी की वाइन भी काफी बची है, शायद स्पार्कलिंग मोसेले की एक बोतल।"
"ओह नहीं, मिस वाइनर; इसकी बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है।"
"बकवास है, मेरे बच्चे। कोई भी सज्जन व्यक्ति भोजन के साथ कुछ पिए बिना खुश नहीं रहता। अगर तुम्हें लगता है कि उन्हें व्हिस्की पसंद आएगी, तो यहाँ कुछ बढ़िया पुरानी व्हिस्की रखी है। अब मेरी बात मानो और बहस मत करो। वाइन सेलर की चाबी ड्रेसिंग टेबल के तीसरे दराज में, बाईं ओर मोजों की दूसरी जोड़ी में है।"
कैथरीन आज्ञाकारी ढंग से बताए गए स्थान पर चली गई।
"ध्यान रहे, दूसरे जोड़े पर ध्यान दें," मिस विनर ने कहा। "पहले जोड़े में मेरी हीरे की बालियां और मेरा बारीक कारीगरी वाला ब्रोच है।"
"ओह," कैथरीन ने थोड़ा अचंभित होकर कहा, "क्या आप इन्हें अपने गहनों के डिब्बे में रखना नहीं चाहेंगे?"
मिस वाइनर ने एक ज़ोरदार और लंबी सी खर्राटे की आवाज़ निकाली।
"नहीं, बिलकुल नहीं! मैं इन सब बातों के लिए बहुत समझदार हूँ, धन्यवाद। अरे हाँ, मुझे अच्छी तरह याद है कि मेरे बेचारे पिता ने नीचे वाले कमरे में एक तिजोरी बनवाई थी। वे उससे बहुत खुश थे और उन्होंने मेरी माँ से कहा, 'मैरी,

तुम हर रात अपने गहने उनके बक्से में भरकर मुझे दे देना और मैं उन्हें तुम्हारे लिए ताला लगा दूँगा।' मेरी माँ बहुत ही समझदार महिला थीं और वे जानती थीं कि सज्जनों को अपनी मनमानी पसंद होती है, इसलिए उन्होंने ठीक वैसे ही गहनों का बक्सा ताला लगाकर उन्हें दे दिया जैसा उन्होंने कहा था।" "और एक रात चोर घर में घुस आए, और ज़ाहिर सी बात है - सबसे पहले उन्होंने तिजोरी पर हाथ डाला! मेरे पिताजी पूरे गाँव में इसके बारे में बढ़-चढ़कर बातें करते और डींगें मारते रहे, यहाँ तक कि ऐसा लगता था मानो उन्होंने उसमें सुलेमान राजा के सारे हीरे रखे हों। चोरों ने सब कुछ लूट लिया, टंकी, चाँदी के प्याले, और वह सोने की थाली जो मेरे पिताजी को भेंट में मिली थी, और गहनों का डिब्बा भी।"

वह यादों में खोई हुई आह भरते हुए बोली, "मेरे पिता मेरी माँ के गहनों को लेकर बहुत परेशान थे। उनमें वेनिस का सेट, कुछ बेहद खूबसूरत कैमियो, कुछ हल्के गुलाबी मूंगे और बड़े-बड़े पत्थरों वाली दो हीरे की अंगूठियाँ थीं। और फिर, ज़ाहिर है, मेरी माँ को उन्हें बताना पड़ा कि एक समझदार महिला होने के नाते, उन्होंने अपने गहनों को एक कोर्सेट में लपेटकर रखा था, और वे आज भी उतने ही सुरक्षित हैं।"
"और गहनों का डिब्बा बिल्कुल खाली था?"
"अरे नहीं, प्यारी," मिस विनर ने कहा, "तब तो वज़न बहुत कम होता। मेरी माँ बहुत समझदार थीं, उन्होंने इसका ध्यान रखा। वह अपने बटन गहनों के डिब्बे में रखती थीं, और वह बहुत सुविधाजनक जगह थी। बूट के बटन ऊपर वाली ट्रे में, ट्राउज़र के बटन दूसरी ट्रे में, और बाकी के बटन नीचे। मज़े की बात यह है कि मेरे पिताजी उनसे बहुत नाराज़ थे। उन्होंने कहा कि उन्हें छल पसंद नहीं है। लेकिन मुझे ज़्यादा बकबक नहीं करनी चाहिए; तुम जाओ और अपनी दोस्त को फ़ोन करो, और ध्यान रखना कि बढ़िया सा स्टेक चुनो, और एलेन को बता देना कि दोपहर के खाने पर खाना परोसते समय उसकी मोज़ों में छेद नहीं होने चाहिए।" "क्या उनका नाम एलेन है या हेलेन, मिस वाइनर? मुझे लगा था -"
मिस वाइनर ने अपनी आंखें बंद कर लीं।
"मैं 'ह' का उच्चारण किसी और की तरह ही कर सकती हूँ, प्रिय, लेकिन हेलेन एक नौकरानी के लिए उपयुक्त नाम नहीं है। मुझे नहीं पता कि आजकल निम्न वर्ग की माताएँ क्या कर रही हैं।"

जब नाइटन कुटिया पर पहुँचे तब तक बारिश रुक चुकी थी। हल्की, रुक-रुक कर आती धूप कुटिया पर पड़ रही थी और कैथरीन के चेहरे को चमका रही थी, जो उनका स्वागत करने के लिए दरवाजे पर खड़ी थी। वह लगभग बचकाने अंदाज़ में तेज़ी से उसके पास गए।
"मैं कहना चाहता हूँ, मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा। मुझे बस आपसे जल्द ही दोबारा मिलना था। मुझे उम्मीद है कि जिस दोस्त के साथ आप ठहरे हुए हैं, उसे भी कोई आपत्ति नहीं होगी।"
"अंदर आओ और उससे दोस्ती करो," कैथरीन ने कहा। "वह बहुत डरावनी लग सकती है, लेकिन जल्द ही तुम्हें पता चलेगा कि उसका दिल दुनिया में सबसे नरम है।" ड्राइंग रूम में मिस विनर भव्यता से विराजमान थीं, उन्होंने परिवार में सौभाग्य से संरक्षित किए गए कैमियो का पूरा सेट पहना हुआ था। उन्होंने नाइटन का सम्मानपूर्वक और संयमित विनम्रता से अभिवादन किया, जो कई पुरुषों को झिझक पैदा कर देता। हालांकि, नाइटन के व्यवहार में एक ऐसा आकर्षण था जिसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकता था, और लगभग दस मिनट बाद मिस विनर का उत्साह कुछ हद तक कम हो गया। दोपहर का भोजन आनंदमय था, और एलेन (या हेलेन), बिना किसी छेद वाली नई रेशमी मोजों में, सेवा भाव से अद्भुत प्रदर्शन कर रही थीं। बाद में, कैथरीन और नाइटन टहलने गए और वापस आकर उन्होंने अकेले में चाय पी, क्योंकि मिस विनर आराम करने चली गई थीं।
जब गाड़ी आखिरकार चली गई तो कैथरीन धीरे-धीरे ऊपर की ओर गई। एक आवाज ने उसे पुकारा और वह मिस विनर के बेडरूम में चली गई।
"दोस्त चला गया?"
"जी हां। मुझे उन्हें नीचे बुलाने की अनुमति देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"
"मुझे धन्यवाद देने की कोई ज़रूरत नहीं है। क्या आपको लगता है कि मैं उस तरह का बूढ़ा चिड़चिड़ा आदमी हूँ जो कभी किसी के लिए कुछ नहीं करेगा?" "मुझे लगता है कि तुम बहुत प्यारी हो," कैथरीन ने स्नेहपूर्वक कहा। "हम्म," मिस विनर ने शांत होकर कहा।
जब कैथरीन कमरे से बाहर जा रही थी, तब उसने उसे वापस बुलाया।
"कैथरीन?"
"हाँ।"

"[illegible] [illegible] [illegible] [

अध्याय 31

श्री आरोन के दोपहर के भोजन

"आह!" श्री जोसेफ आरोन्स ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा।
उसने अपने गिलास से एक लंबा घूंट लिया, आह भरते हुए उसे नीचे रखा, अपने होठों से झाग पोंछा और मेज के उस पार अपने मेजबान, महाशय हरक्यूल पोइरोट की ओर मुस्कुराते हुए देखा।
श्री आरोन्स ने कहा, "मुझे एक बढ़िया पोर्टरहाउस स्टेक और पीने लायक किसी चीज़ का एक बड़ा गिलास दे दो, और बाकी सब तुम्हारे फ्रेंच फॉलल्स और बाकी सब, तुम्हारे ऑर्डूव, तुम्हारे आमलेट और तुम्हारे बटेर के छोटे-छोटे टुकड़े ले सकते हैं। मुझे एक पोर्टरहाउस स्टेक दे दो।"
पोइरोट, जिसने अभी-अभी इस अनुरोध का पालन किया था, सहानुभूतिपूर्वक मुस्कुराया।
श्री आरोन्स ने आगे कहा, "स्टेक और किडनी पुडिंग में कुछ बुराई नहीं है। सेब का टार्ट? जी हाँ, मुझे सेब का टार्ट चाहिए, धन्यवाद महोदया, और साथ में एक जग क्रीम भी।"
भोजन शुरू हुआ। अंत में, एक लंबी आह भरते हुए, श्री आरोन्स ने चम्मच और कांटा नीचे रख दिया और अन्य मामलों पर ध्यान देने से पहले कुछ पनीर चखने लगे।
"मुझे लगता है आपने एक छोटे से व्यावसायिक मामले का जिक्र किया था, महाशय पोइरोट," उन्होंने कहा। "आपकी सहायता के लिए मैं जो कुछ भी कर सकता हूँ, मुझे उसमें अत्यंत प्रसन्नता होगी।"
"आपकी बहुत मेहरबानी है," पोइरोट ने कहा। "मैंने मन ही मन सोचा, 'अगर आप नाट्यकला के बारे में कुछ भी जानना चाहते हैं, तो एक ही व्यक्ति है जो सब कुछ जानता है और वह मेरे पुराने मित्र, श्री जोसेफ आरोन्स हैं।'"
श्री आरोन्स ने आत्मसंतुष्टि से कहा, "और आप बिलकुल गलत नहीं कह रहे हैं, चाहे अतीत हो, वर्तमान हो या भविष्य, जो आरोन्स ही वह व्यक्ति हैं जिनसे संपर्क करना चाहिए।"

"बिल्कुल। अब मैं आपसे पूछना चाहता हूँ, महाशय आरोन्स, कि आप किड नाम की एक युवती के बारे में क्या जानते हैं।"
"किड? किट्टी किड?"
"किटी किड।"
"काफी होशियार थी वो। पुरुष की नकल करने वाली, गाना गाने और नाचने वाली - वही वाली?"
"यही वह है।"
"वह बहुत बुद्धिमान थी। अच्छी कमाई करती थी। कभी भी काम से खाली नहीं रहती थी।" ज्यादातर पुरुष की नकल करती थी, लेकिन सच कहें तो, चरित्र अभिनेत्री के रूप में उसका कोई मुकाबला नहीं था।
"मैंने तो यही सुना है," पोइरोट ने कहा, "लेकिन वो आजकल कहीं नजर नहीं आ रही हैं, है ना?"
नहीं। एकदम से गायब हो गई। फ्रांस चली गई और वहाँ किसी रईस आदमी से शादी कर ली। मुझे लगता है कि उसने तब हमेशा के लिए रंगमंच छोड़ दिया।
"ऐसा कितने समय पहले था?"
"देखने दीजिए। तीन साल पहले की बात है। और उसका जाना एक बहुत बड़ा नुकसान रहा है - मैं आपको यह बता दूं।"
"क्या वह चतुर थी?"
"बंदरों से भरी गाड़ी जितना चालाक।"
"क्या आप उस आदमी का नाम नहीं जानते जिससे पेरिस में उसकी दोस्ती हुई थी?" "वह एक रईस आदमी था, यह मुझे पता है। एक काउंट - या फिर एक मार्क्विस? अब जब मैं इस बारे में सोचता हूँ, तो मुझे लगता है कि वह एक मार्क्विस ही था।" "और उसके बाद से आप उसके बारे में कुछ नहीं जानते?"
"कुछ नहीं। कभी गलती से भी उससे सामना नहीं हुआ। मुझे यकीन है कि वो इन विदेशी रिसॉर्ट्स में मौज-मस्ती कर रही होगी। शान से रहने वाली मार्क्विज़। किटी को बेवकूफ बनाना नामुमकिन है। वो जैसे को तैसा जवाब देने में कभी पीछे नहीं हटती।"
"मैं समझ गया," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा।
"मुझे खेद है कि मैं आपको इससे अधिक जानकारी नहीं दे सकता, महाशय पोइरोट," दूसरे ने कहा। "यदि मैं आपकी सहायता कर सकूँ तो मुझे बहुत खुशी होगी। आपने एक बार मेरी मदद की थी।"

"अरे, लेकिन इस बात पर तो हम बराबर हैं; तुमने भी मेरा भला किया।"
"एक अच्छा काम दूसरे अच्छे काम को जन्म देता है। हा हा!" श्री आरोन्स ने कहा।
"आपका पेशा बहुत ही दिलचस्प होगा," पोइरोट ने कहा।
श्री आरोन्स ने टालमटोल भरे लहजे में कहा, "ठीक-ठाक। उतार-चढ़ाव तो चलते ही रहते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो मैं इसमें इतना बुरा भी नहीं हूँ, लेकिन आपको सतर्क रहना होगा। कभी पता नहीं चलता कि जनता आगे क्या चाहती है।" "पिछले कुछ वर्षों में नृत्य को बहुत अधिक महत्व मिला है," पोइरोट ने चिंतनशील भाव से बुदबुदाया।
"मैंने इस रूसी बैले में कुछ खास नहीं देखा, लेकिन लोगों को यह पसंद आता है। मेरे लिए यह बहुत ही बौद्धिक है।"
"मेरी मुलाकात रिवेरा में एक नर्तकी से हुई - मैडमोजेल मिरेल।"
"मिरेल? वो तो हर लिहाज से बेहद हॉट है। हमेशा पैसे का लेन-देन होता रहता है - वैसे, इस लिहाज से देखा जाए तो वो लड़की डांस में माहिर है; मैंने उसे देखा है और मैं जानता हूँ कि मैं क्या कह रहा हूँ। मेरा उससे ज़्यादा वास्ता नहीं रहा, लेकिन मैंने सुना है कि उससे निपटना बेहद मुश्किल है। हर समय नखरे और गुस्सा करती रहती है।"
"हां," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा, "हां, मुझे ऐसा ही लगता है।"
"स्वभाव!" श्री आरोन्स ने कहा, "स्वभाव! वे इसे यही कहते हैं। मेरी पत्नी मुझसे शादी करने से पहले एक नर्तकी थी, लेकिन मैं शुक्रगुजार हूं कि उसमें कभी भी गुस्सैल स्वभाव नहीं था। आप घर में गुस्सैल स्वभाव नहीं चाहते, महाशय पोइरोट।"
"मैं आपसे सहमत हूं, मेरे दोस्त; यह वहां बिल्कुल भी उचित नहीं है।"
श्री आरोन्स ने कहा, "एक महिला को शांत और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए, और एक अच्छी रसोइया होनी चाहिए।"
"मिरेल को जनता के सामने आए ज्यादा समय नहीं हुआ है, है ना?" पोइरोट ने पूछा।
श्री आरोन्स ने कहा, "लगभग ढाई साल, बस इतना ही। किसी फ्रांसीसी ड्यूक ने उसे शुरू करवाया था। अब मुझे पता चला है कि उसने ग्रीस के पूर्व

प्रधानमंत्री के साथ संबंध बना लिए हैं। ये वो लोग हैं जो चुपचाप पैसा जमा करने में माहिर हैं।"
"यह तो मेरे लिए नई बात है," पोइरोट ने कहा।
"अरे, वो तो खाली बैठने वालों में से नहीं है। कहते हैं कि जवान केटरिंग ने उसकी वजह से अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। मुझे पक्का पता नहीं। खैर, वो जेल में है, और उसे अपने लिए रास्ता ढूंढना पड़ा, और उसने बड़ी चतुराई से काम लिया है। कहते हैं कि उसने कबूतर के अंडे के आकार का माणिक पहना हुआ है
- मैंने खुद कभी कबूतर का अंडा नहीं देखा, लेकिन कहानियों में उसे यही कहते हैं।"
"कबूतर के अंडे के आकार का माणिक!" पोइरोट ने कहा। उसकी आँखें हरी और बिल्ली जैसी थीं। "कितना दिलचस्प!"
श्री आरोन्स ने कहा, "यह मुझे मेरे एक दोस्त से मिला था। लेकिन, जहाँ तक मुझे पता है, यह रंगीन कांच भी हो सकता है। ये औरतें सब एक जैसी होती हैं - अपने गहनों के बारे में बड़ी-बड़ी कहानियाँ सुनाना कभी बंद नहीं करतीं। मिरेल तो यहाँ शेखी बघारती फिरती है कि इस पर श्राप है। मुझे लगता है वह इसे 'आग का दिल' कहती है।"
"लेकिन अगर मुझे सही याद है," पोइरोट ने कहा, "जिस माणिक का नाम 'हार्ट ऑफ फायर' है, वह एक हार का मध्य रत्न है।"
"लो! क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि औरतें अपने गहनों के बारे में झूठ बोलने की कोई सीमा नहीं होती? यह एक अकेला पत्थर है, जो उसके गले में प्लैटिनम की चेन पर लटका हुआ है; लेकिन, जैसा कि मैंने पहले कहा था, दस में से एक बार यह रंगीन कांच का टुकड़ा ही होगा।"
"नहीं," पोइरोट ने नरमी से कहा, "नहीं - मुझे किसी तरह नहीं लगता कि यह रंगीन कांच है।"

अध्याय 32

कैथरीन और पोइरोट अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

"आप बदल गई हैं, मैडमोजेल," पोइरोट ने अचानक कहा। वह और कैथरीन सैवॉय होटल में एक छोटी सी मेज पर आमने-सामने बैठे थे।
"हां, तुम बदल गए हो," उन्होंने आगे कहा।
"किस तरह से?"
"मैडम, इन बारीकियों को व्यक्त करना कठिन है।"
मैं बूढ़ा हूँ।
"हाँ, आप उम्रदराज हो गई हैं। और मेरा मतलब यह नहीं है कि आपके चेहरे पर झुर्रियाँ और बारीक रेखाएँ आ गई हैं। जब मैंने आपको पहली बार देखा था, मैडम, तब आप जीवन को एक दर्शक की तरह देख रही थीं। आपके चेहरे पर एक शांत, प्रसन्न भाव था, जैसे कोई दर्शक दीर्घा में बैठकर नाटक देख रहा हो।"
और अब?
"अब तुम देखते नहीं हो। शायद यह कहना बेतुका लगे, लेकिन तुम्हारे चेहरे पर एक ऐसे योद्धा की सतर्कता झलकती है जो एक मुश्किल खेल खेल रहा हो।" कैथरीन ने मुस्कुराते हुए कहा, "मेरी पत्नी कभी-कभी थोड़ी नखरीली होती हैं, लेकिन मैं आपको यकीन दिला सकती हूं कि मैं उनसे कोई जानलेवा बहस नहीं करती। आपको एक दिन उनसे मिलने जरूर जाना चाहिए, श्रीमान पोइरोट। मुझे लगता है कि आप उन लोगों में से हैं जो उनकी हिम्मत और हौसले की सराहना करेंगे।"

वेटर ने बड़ी कुशलता से उन्हें चिकन एन कैसरोल परोसा, इस दौरान सन्नाटा छा गया। उसके जाने के बाद पोइरोट ने कहा:
"क्या आपने मुझे मेरे मित्र हेस्टिंग्स के बारे में बात करते सुना है? - वही जिसने कहा था कि मैं एक इंसान सीप हूँ। खैर, मैडमोजेल, मुझे आप जैसा प्रतिद्वंदी मिल गया है। आप मुझसे कहीं ज़्यादा अकेले ही खेलती हैं।" "बकवास," कैथरीन ने हल्के से कहा।
"हर्क्यूल पोइरोट कभी बकवास नहीं करता। जैसा मैं कहता हूं वैसा ही होता है।"
फिर सन्नाटा छा गया। पोइरोट ने यह सवाल पूछकर सन्नाटा तोड़ा:
"क्या आपने वापस आने के बाद से हमारे रिवेरा के किसी दोस्त को देखा है, मैडमोजेल?"
मैंने मेजर नाइटन के बारे में कुछ जानकारी देखी है।
"अहा! क्या सच में ऐसा है?"
पोइरोट की चमकती आंखों में कुछ ऐसा था जिसने कैथरीन को अपनी निगाहें नीचे करने पर मजबूर कर दिया।
"तो क्या श्री वैन एल्डिन लंदन में ही रहेंगे?"
"हाँ।"
मुझे कल या परसों उससे मिलने की कोशिश करनी चाहिए।
"क्या आपके पास उसके लिए कोई खबर है?"
"आप ऐसा किस लिए सोचते हो?"
"मैं बस सोच रहा था, बस इतना ही।"
पोइरोट ने चमकती आंखों से उसकी ओर देखा।

"और अब, मैडम, मुझे लगता है कि आप मुझसे बहुत कुछ पूछना चाहती हैं। और क्यों नहीं? क्या ब्लू ट्रेन का मामला हमारा अपना 'रोमन पुलिसियर' नहीं है?" "हां, कुछ चीजें हैं जो मैं आपसे पूछना चाहता हूं।"
"कुंआ?"
कैथरीन ने अचानक दृढ़ निश्चय के साथ ऊपर देखा।
"आप पेरिस में क्या कर रहे थे, महाशय पोइरोट?"
पोइरोट ने हल्की सी मुस्कान दी।
मैंने रूसी दूतावास में फोन किया।

"ओह।"
"मुझे पता है कि इससे आपको कुछ पता नहीं चलता। लेकिन मैं कोई कमजोर इंसान नहीं बनूंगा। नहीं, मैं अपने पत्ते खोल कर रख दूंगा, जो निश्चित रूप से सीपियां नहीं करतीं। आपको शक है ना कि मैं डेरेक केटरिंग के खिलाफ मामले से संतुष्ट नहीं हूं?"
"मैं भी यही सोच रहा था। मुझे लगा था कि नीस में आपने वह केस खत्म कर दिया था।"
"आप अपनी सारी बातें खुलकर नहीं कहतीं, महोदया। लेकिन मैं सब कुछ स्वीकार करता हूँ। यह मैं ही था - मेरी जाँच-पड़ताल - जिसने डेरेक केटरिंग को उस स्थिति में पहुँचाया जहाँ वह आज है। लेकिन मेरे लिए, जाँच मजिस्ट्रेट अभी भी कॉम्टे डे ला रोश पर अपराध का आरोप लगाने की व्यर्थ कोशिश कर रहे होते। खैर, महोदया, मैंने जो किया है उसका मुझे कोई पछतावा नहीं है। मेरा केवल एक ही कर्तव्य है - सच्चाई का पता लगाना, और यही रास्ता मुझे सीधे मिस्टर केटरिंग तक ले गया। लेकिन क्या बात यहीं खत्म हो गई? पुलिस कहती है हाँ, लेकिन मैं, हरक्यूल पोइरोट, इससे संतुष्ट नहीं हूँ।"
वह अचानक रुक गया। "बताइए, मैडमोजेल, क्या आपने हाल ही में मैडमोजेल लेनोक्स से कोई खबर सुनी है?"
"एक बहुत छोटा, बेतरतीब सा पत्र। मुझे लगता है कि वह मेरे इंग्लैंड वापस आने से नाराज है।"
पोइरोट ने सिर हिलाया।
"जिस रात श्री केटरिंग को गिरफ्तार किया गया था, उसी रात मेरा उनसे साक्षात्कार हुआ था। यह साक्षात्कार कई मायनों में दिलचस्प था।"
वह फिर चुप हो गया, और कैथरीन ने उसके विचारों में कोई दखल नहीं दिया।
अंत में उन्होंने कहा, "महोदया, अब मैं एक नाजुक स्थिति में हूँ, फिर भी मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि कोई है जो महाशय केटरिंग से प्यार करता है - अगर मैं गलत हूँ तो मुझे सुधार दें - और उनकी खातिर - खैर - उनकी खातिर मैं आशा करता हूँ कि मैं सही हूँ और पुलिस गलत है। क्या आप जानती हैं कि वह कौन है?"
कुछ देर रुकने के बाद कैथरीन ने कहा: "हां - मुझे लगता है कि मुझे पता है।" पोइरोट मेज के उस पार उसकी ओर झुक गया।

"मैं संतुष्ट नहीं हूँ, महोदया; नहीं, मैं संतुष्ट नहीं हूँ। तथ्य, मुख्य तथ्य, सीधे महाशय केटरिंग की ओर इशारा करते हैं। लेकिन एक बात ऐसी है जिस पर ध्यान नहीं दिया गया है।"
"और वह क्या है?"
"पीड़ित का विकृत चेहरा। मैंने खुद से सौ बार पूछा है, मैडम, 'क्या डेरेक केटरिंग उस तरह का आदमी था जो हत्या करने के बाद उस पर इतना घातक प्रहार करता?' इससे क्या मकसद पूरा होता? इससे क्या लाभ होता? क्या यह श्री केटरिंग के स्वभाव के अनुरूप था? और, मैडम, इन सवालों के जवाब बेहद असंतोषजनक हैं। बार-बार मैं उसी एक सवाल पर लौटता हूँ - 'क्यों?' और इस समस्या का हल निकालने में मेरी मदद करने वाली एकमात्र चीज़ें यही हैं।" उसने अपना पर्स झट से निकाला और उसमें से कुछ निकालकर अपनी उंगली और अंगूठे के बीच पकड़ लिया।
"क्या आपको याद है, मैडमोजेल? आपने मुझे रेलगाड़ी के डिब्बे में कालीन से ये बाल निकालते हुए देखा था।"
कैथरीन आगे की ओर झुकी और बालों का बारीकी से निरीक्षण करने लगी।
पोइरोट ने कई बार धीरे-धीरे अपना सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि आपको इनसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है, मैडम। फिर भी - मुझे लगता है कि आप काफी कुछ समझ रही हैं।"
कैथरीन ने धीरे से कहा, "मेरे मन में कुछ विचार आए हैं, कुछ अजीबोगरीब विचार। इसीलिए मैं आपसे पूछ रही हूँ कि आप पेरिस में क्या कर रहे थे, महाशय पोइरोट।"
"जब मैंने आपको लिखा था -"
"रिट्ज से?"
पोइरोट के चेहरे पर एक जिज्ञासु मुस्कान आ गई।
"हां, जैसा कि आपने कहा, रिट्ज़ होटल से। मैं कभी-कभी विलासिता पसंद करने वाला व्यक्ति बन जाता हूँ - जब कोई करोड़पति भुगतान करता है।"
कैथरीन ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "रूसी दूतावास। नहीं, मुझे नहीं लगता कि इसका इससे कोई लेना-देना है।"
"यह सीधे तौर पर नहीं हुआ है, मैडम। मैं वहां कुछ खास जानकारी लेने गया था। मैंने एक खास व्यक्ति को देखा और उसे धमकी दी - जी हां, मैडम, मैंने, हरक्यूल पोइरोट ने, उसे धमकी दी।"

"पुलिस के साथ?"
"नहीं," पोइरोट ने रूखेपन से कहा, "प्रेस के साथ - यह कहीं अधिक घातक हथियार है।"
उसने कैथरीन की ओर देखा और वह मुस्कुराई, बस अपना सिर हिला दिया।
"क्या आप फिर से सीप में नहीं बदल रहे हैं, महाशय पोइरोट?"
"नहीं, नहीं! मैं रहस्य नहीं बनाना चाहता। देखिए, मैं आपको सब कुछ बता देता हूँ। मुझे शक है कि यह आदमी श्रीमान वैन एल्डिन के गहनों की बिक्री में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मैंने उससे इस बारे में पूछताछ की, और अंत में उससे पूरी कहानी निकलवा ली। मुझे पता चला कि गहने कहाँ सौंपे गए थे, और मुझे उस आदमी के बारे में भी पता चला जो बाहर सड़क पर इधर-उधर टहल रहा था - एक आदरणीय सफेद बालों वाला आदमी, लेकिन जो एक नौजवान की तरह फुर्तीले कदमों से चल रहा था - और मैंने उस आदमी को अपने मन में एक नाम दे दिया - 'श्रीमान ले मार्क्विस'।"
"और अब आप श्री वैन एल्डिन से मिलने लंदन आए हैं?"
"पूरी तरह से इस वजह से नहीं। मुझे और भी काम करना था। लंदन आने के बाद से मैं दो और लोगों से मिला हूँ - एक थिएटर एजेंट और एक हार्ले स्ट्रीट डॉक्टर। इन दोनों से मुझे कुछ जानकारी मिली है। मैडमोजेल, इन बातों को एक साथ जोड़कर देखिए कि क्या आप भी वही निष्कर्ष निकाल सकती हैं जो मैंने निकाला है।"
"मैं?"
"जी हां, आप ही। मैं आपको एक बात बता दूं, मैडम। मेरे मन में हमेशा से यह संदेह रहा है कि क्या डकैती और हत्या एक ही व्यक्ति ने की थी। लंबे समय तक मुझे इस बात का यकीन नहीं था-"
और अब?
"और अब मुझे पता चल गया है।"
कुछ देर सन्नाटा छा गया। फिर कैथरीन ने अपना सिर उठाया। उसकी आँखें चमक रही थीं।
"मैं आपकी तरह चतुर नहीं हूँ, महाशय पोइरोट। आपने मुझे जो कुछ बताया है, उसमें से आधी बातें मुझे किसी भी ओर इशारा करती हुई प्रतीत नहीं होतीं। मेरे मन में जो विचार आए हैं, वे बिल्कुल ही अलग दृष्टिकोण से आए हैं।"

"अरे, लेकिन ऐसा हमेशा होता है," पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा। "आईना सच दिखाता है, लेकिन आईने में देखने के लिए हर कोई अलग-अलग स्थिति में खड़ा होता है।"
"मेरे विचार बेतुके हो सकते हैं - वे आपके विचारों से पूरी तरह भिन्न हो सकते हैं, लेकिन -"
"हाँ?"
"मुझे बताओ, क्या इससे तुम्हें कोई मदद मिली?"
उसने उसके बढ़े हुए हाथ से अखबार की एक कतरन ले ली। उसने उसे पढ़ा और ऊपर देखते हुए गंभीरता से सिर हिलाया।
"जैसा कि मैंने आपको बताया था, मैडमोजेल, दर्पण में देखने के लिए व्यक्ति अलग-अलग कोण से खड़ा होता है, लेकिन दर्पण वही होता है और उसमें वही चीजें प्रतिबिंबित होती हैं।"
कैथरीन उठ खड़ी हुई। "मुझे जल्दी करनी होगी," उसने कहा। "मेरे पास ट्रेन पकड़ने के लिए बस थोड़ा ही समय है, महाशय पोइरोट-"
"जी हां, मैडमोजेल।"

"यह - यह ज्यादा देर तक नहीं चलना चाहिए, आप समझ रहे हैं ना। मैं - मैं अब और ज्यादा देर तक नहीं चल सकता।"
उसकी आवाज में एक कंपन थी।
उसने उसे दिलासा देते हुए उसके हाथ पर थपथपाया।
"हिम्मत रखिए, मैडमोजेल, अब आपको हार नहीं माननी चाहिए; अंत बहुत निकट है।"

अध्याय 33

एक नया सिद्धांत

"महाशय पोइरोट आपसे मिलना चाहते हैं, महोदय।"
"धिक्कार है उस आदमी पर!" वैन एल्डिन ने कहा।
नाइटन सहानुभूतिपूर्वक चुप रहे। वैन एल्डिन अपनी कुर्सी से उठे और इधर-उधर टहलने लगे।
"मुझे लगता है कि आपने आज सुबह के वो मनहूस अखबार देखे होंगे?"
मैंने उन पर एक नज़र डाल ली है, महोदय।
"अभी भी पूरी लगन से लगे हुए हो?"
"हाँ, मुझे ऐसा ही लगता है, महोदय।"
करोड़पति फिर से बैठ गया और अपना हाथ अपने माथे पर रख लिया।
"अगर मुझे इसका ज़रा भी अंदाज़ा होता," उसने आह भरी। "काश मैंने उस छोटे बेल्जियन को सच्चाई का पता लगाने के लिए न कहा होता। रूथ के हत्यारे को ढूंढना - बस यही मेरे दिमाग में चल रहा था।"
"क्या आप नहीं चाहते थे कि आपका दामाद बिना किसी सजा के छूट जाए?"
वैन एल्डिन ने आह भरी।
"मैं कानून को अपने हाथ में लेना पसंद करता।"
"मुझे नहीं लगता कि यह कोई बहुत ही बुद्धिमानी भरा कदम होता, महोदय।"
फिर भी - क्या आपको यकीन है कि वह आदमी मुझसे मिलना चाहता है?
"जी हां, श्री वैन एल्डिन। उन्हें इस बारे में बहुत जल्दी है।"
"तो मुझे लगता है कि उसे आना ही पड़ेगा। अगर वह चाहे तो आज सुबह आ सकता है।" पोइरोट को बड़े ही सजग और मिलनसार अंदाज में अंदर लाया गया। उन्हें करोड़पति के व्यवहार में किसी प्रकार की असभ्यता नहीं दिखी और उन्होंने विभिन्न छोटी-मोटी बातों पर बड़े आनंद से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वे अपने डॉक्टर से मिलने लंदन आए हैं। उन्होंने एक प्रख्यात सर्जन का नाम भी लिया।

"नहीं, नहीं, युद्ध नहीं - पुलिस बल में बिताए मेरे दिनों की एक स्मृति, एक बदमाश अपाचे की गोली।"
उसने अपने बाएं कंधे को छुआ और स्वाभाविक रूप से दर्द से कराह उठा।
"मैं हमेशा आपको एक भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं, महाशय वैन एल्डिन, आप अमेरिकी करोड़पतियों की हमारी लोकप्रिय धारणा के समान नहीं हैं, जो अपच के शिकार होते हैं।"
"मैं काफी मजबूत हूं," वैन एल्डिन ने कहा। "मैं बहुत ही सादा जीवन जीता हूं; साधारण भोजन और वो भी ज्यादा नहीं।"
"आपने मिस ग्रे को कहीं देखा तो होगा ना?" पोइरोट ने मासूमियत से सचिव की ओर मुड़ते हुए पूछा।
"हां, एक या दो बार," नाइटन ने कहा।
वह थोड़ा शरमा गया और वैन एल्डिन ने आश्चर्य से कहा:
"यह अजीब बात है कि तुमने मुझे कभी नहीं बताया कि तुमने उसे देखा था, नाइटन?"
"मुझे नहीं लगा था कि आपको इसमें दिलचस्पी होगी, महोदय।"
"मुझे वो लड़की बहुत पसंद है," वैन एल्डिन ने कहा।
"यह बहुत दुख की बात है कि उसने एक बार फिर सेंट मैरी मीड में खुद को दफना लिया," पोइरोट ने कहा।
"यह तो उसकी बहुत अच्छी बात है," नाइटन ने गुस्से से कहा। "ऐसे बहुत कम लोग होंगे जो एक झगड़ालू बूढ़ी औरत की देखभाल करने के लिए खुद को वहाँ दफना लेंगे, जिसका उस पर कोई सांसारिक अधिकार नहीं है।"
"मैं चुप हूँ," पोइरोट ने अपनी आँखों में हल्की सी चमक के साथ कहा, "लेकिन फिर भी मैं कहता हूँ कि यह खेदजनक है। और अब, महोदय, चलिए काम की बात करते हैं।"
बाकी दोनों आदमियों ने कुछ हैरानी से उसकी तरफ देखा।
"जो मैं कहने जा रहा हूँ, उससे आपको चौंकना या घबराना नहीं चाहिए। मान लीजिए, महाशय वैन एल्डिन, कि वास्तव में महाशय डेरेक केटरिंग ने अपनी पत्नी की हत्या नहीं की थी?"
"क्या?"
दोनों आदमी उसे अचंभित होकर देखते रहे।

"मान लीजिए, मैं कहूँ, कि श्री डेरेक केटरिंग ने अपनी पत्नी की हत्या नहीं की?"
"क्या आप पागल हो गए हैं, महाशय पोइरोट?"
यह वैन एल्डिन थे जिन्होंने भाषण दिया।
"नहीं," पोइरोट ने कहा, "मैं पागल नहीं हूँ। मैं शायद सनकी हूँ - कम से कम कुछ लोग तो ऐसा कहते हैं; लेकिन जहाँ तक मेरे पेशे की बात है, मैं पूरी तरह से ठीक हूँ। मैं आपसे पूछता हूँ, महाशय वैन एल्डिन, अगर मेरी बात सच हो जाए तो आपको खुशी होगी या दुख?"
वैन एल्डिन ने उसे घूर कर देखा। "स्वाभाविक रूप से मुझे खुशी होनी चाहिए," उसने अंत में कहा। "क्या यह सिर्फ अनुमानों का खेल है, महाशय पोइरोट, या इसके पीछे कोई तथ्य भी हैं?"
पोइरोट ने छत की ओर देखा।
उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा, "एक मामूली संभावना है कि यह आखिरकार कॉम्टे डे ला रोश ही हो। कम से कम मैं उनके बचाव को नाकाम करने में सफल तो हो गया।" "आपने इसे किस तरह से मैनेज़ किया?"
पोइरोट ने विनम्रतापूर्वक अपने कंधे उचका दिए।
"मेरे अपने तरीके हैं। थोड़ी सी सूझबूझ, थोड़ी सी चतुराई - और काम हो जाता है।"
"लेकिन माणिक्य," वैन एल्डिन ने कहा, "ये माणिक्य जो काउंट के पास थे, नकली थे।"
"और ज़ाहिर है, अगर माणिक न होते तो वह अपराध न करता। लेकिन आप एक बात को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं, महाशय वैन एल्डिन। माणिक के मामले में, उससे पहले भी कोई हो सकता था।"
"लेकिन यह तो बिलकुल नया सिद्धांत है," नाइटन चिल्लाया।
"क्या आप वाकई इस सब बकवास पर विश्वास करते हैं, महाशय पोइरोट?" करोड़पति ने पूछा।

"बात अभी तक साबित नहीं हुई है," पोइरोट ने शांत स्वर में कहा। "यह अभी मात्र एक सिद्धांत है, लेकिन मैं आपको बता दूं, महाशय वैन एल्डिन, तथ्य जांचने लायक हैं। आपको मेरे साथ दक्षिणी फ्रांस चलना होगा और मौके पर जाकर मामले की पड़ताल करनी होगी।"

"क्या आपको सच में लगता है कि यह जरूरी है - मेरा जाना, मेरा मतलब है।" "मुझे लगा कि यही आपकी इच्छा होगी," पोइरोट ने कहा।
उसके लहजे में थोड़ी सी निंदा का भाव था, जिसे दूसरे ने भी महसूस किया। "जी हां, बिल्कुल," उन्होंने कहा। "आप कब से शुरू करना चाहेंगे, महाशय पोइरोट?"
"आप इस समय बहुत व्यस्त हैं, महोदय," नाइटन ने धीरे से कहा।
लेकिन करोड़पति ने अब अपना मन बना लिया था, और उसने दूसरे की आपत्तियों को नजरअंदाज कर दिया।
"मुझे लगता है कि यह काम पहले आता है," उन्होंने कहा। "ठीक है, महाशय पोइरोट, कल। कौन सी ट्रेन?"
"मुझे लगता है हम नीली ट्रेन से जाएंगे," पोइरोट ने कहा और मुस्कुराया।

अध्याय 34

फिर से नीली ट्रेन

'करोड़पतियों की ट्रेन', जैसा कि इसे कभी-कभी कहा जाता है, खतरनाक गति से एक मोड़ पर घूम रही थी। वैन एल्डिन, नाइटन और पोइरोट चुपचाप एक साथ बैठे रहे। नाइटन और वैन एल्डिन के दो डिब्बे आपस में जुड़े हुए थे, जैसे रूथ केटरिंग और उसकी नौकरानी के उस दुर्भाग्यपूर्ण सफर में थे। पोइरोट का डिब्बा कोच में थोड़ा आगे था।
यह यात्रा वैन एल्डिन के लिए बेहद कष्टदायक थी, क्योंकि इससे उन्हें सबसे दर्दनाक यादें ताजा हो गईं। पोइरोट और नाइटन ने उन्हें परेशान किए बिना बीच-बीच में धीमी आवाज़ में बातचीत की।
लेकिन जब ट्रेन ने धीरे-धीरे रेल की चौखट का चक्कर पूरा कर गैरे डे लियोन स्टेशन पर पहुँची, तो पोइरोट अचानक हरकत में आ गए। वैन एल्डिन को एहसास हुआ कि ट्रेन से यात्रा करने का उनका एक मकसद अपराध की गुत्थी सुलझाने की कोशिश करना भी था। पोइरोट ने खुद हर किरदार निभाया। वे बारी-बारी से नौकरानी बने, जिसे जल्दी से अपने डिब्बे में बंद कर दिया गया, श्रीमती केटरिंग बनीं, जिन्होंने अपने पति को आश्चर्य और थोड़ी घबराहट के साथ पहचाना, और डेरेक केटरिंग बने, जिन्हें पता चला कि उनकी पत्नी ट्रेन में यात्रा कर रही हैं। उन्होंने कई संभावनाओं का परीक्षण किया, जैसे कि किसी व्यक्ति के लिए दूसरे डिब्बे में छिपने का सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है।
फिर अचानक उसके मन में एक विचार आया। उसने वैन एल्डिन की बांह को कसकर पकड़ लिया।
"हे भगवान! मैंने तो इसके बारे में सोचा ही नहीं था! हमें पेरिस में अपनी यात्रा रोकनी होगी। जल्दी करो, जल्दी करो, चलो तुरंत उतरते हैं।"
सूटकेस उठाकर वह ट्रेन से जल्दी से उतर गया। वैन एल्डिन और नाइटन, हैरान लेकिन आज्ञाकारी होकर, उसके पीछे-पीछे चले गए। वैन एल्डिन ने एक बार पोइरोट की काबिलियत के बारे में अपनी राय बना ली थी, इसलिए वह उसे बदलने को

तैयार नहीं था। बैरियर पर उन्हें रुकना पड़ा। उनके टिकट ट्रेन के कंडक्टर के पास थे, यह बात वे तीनों भूल चुके थे।
पोइरोट की व्याख्याएँ तीव्र, धाराप्रवाह और भावुक थीं, लेकिन उनका उस भावहीन चेहरे वाले अधिकारी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
"चलिए इसे यहीं समाप्त करते हैं," वैन एल्डिन ने अचानक कहा। "मुझे लगता है कि आप जल्दी में हैं, महाशय पोइरोट। भगवान के लिए, कैलिस से किराया चुकाइए और चलिए, आप जो भी सोच रहे हैं, उस पर आगे बढ़ते हैं।"
लेकिन पोइरोट के शब्दों का प्रवाह अचानक रुक गया, और वह पत्थर की तरह जम गया। उसकी बांह अभी भी एक भावुक हावभाव में फैली हुई थी, मानो लकवाग्रस्त हो गई हो।
"मैं बेवकूफ था," उसने सीधे-सादे शब्दों में कहा। "हे भगवान, आजकल मेरा दिमाग खराब हो जाता है। चलो वापस चलते हैं और चुपचाप अपनी यात्रा जारी रखते हैं। अगर किस्मत अच्छी रही तो ट्रेन नहीं गई होगी।"
वे ठीक समय पर पहुंचे, ट्रेन तब चल पड़ी जब तीनों में से आखिरी व्यक्ति नाइटन ने खुद को और अपने सूटकेस को ट्रेन में चढ़ाया।
कंडक्टर ने उनसे सहानुभूतिपूर्वक कहा और उनका सामान उनके डिब्बों तक ले जाने में उनकी सहायता की। वैन एल्डिन ने कुछ नहीं कहा, लेकिन पोइरोट के इस असाधारण व्यवहार से वह स्पष्ट रूप से नाराज़ थे।
नाइटन के साथ कुछ क्षणों के लिए अकेले रहने पर उन्होंने टिप्पणी की:
"यह एक व्यर्थ की खोज है। उस आदमी का अपने ऊपर से नियंत्रण खत्म हो चुका है। उसमें कुछ हद तक अक्ल है, लेकिन जो आदमी अपना आपा खो दे और डरे हुए खरगोश की तरह इधर-उधर भागने लगे, वह किसी काम का नहीं। "
कुछ ही क्षणों में पोइरोट उनके पास पहुंचा, अत्यंत क्षमा याचना से भरा हुआ और स्पष्ट रूप से इतना निराश था कि कठोर शब्दों का प्रयोग करना अनावश्यक होता।
वैन एल्डिन ने उनकी माफी को गंभीरता से स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने खुद को कटु टिप्पणी करने से रोक लिया।
उन्होंने ट्रेन में ही रात का खाना खाया, और उसके बाद, बाकी दोनों को थोड़ा आश्चर्यचकित करते हुए, पोइरोट ने सुझाव दिया कि उन तीनों को वैन एल्डिन के डिब्बे में बैठ जाना चाहिए।
करोड़पति ने उसे उत्सुकता से देखा।

"क्या आप हमसे कुछ छिपा रहे हैं, महाशय पोइरोट?"
"मैं?" पोइरोट ने मासूमियत से हैरानी भरी नज़रों से अपनी आँखें खोलीं। "लेकिन क्या शानदार विचार है!"

वैन एल्डिन ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन वह संतुष्ट नहीं थे। कंडक्टर को बताया गया कि उसे बिस्तर ठीक करने की ज़रूरत नहीं है। वैन एल्डिन द्वारा दी गई भारी भरकम टिप ने कंडक्टर के आश्चर्य को पूरी तरह से मिटा दिया। तीनों आदमी चुपचाप बैठे रहे। पोइरोट बेचैन और विचलित लग रहे थे। थोड़ी देर बाद वे सचिव की ओर मुड़े।
"मेजर नाइटन, क्या आपके डिब्बे का दरवाजा बंद है? मेरा मतलब गलियारे में जाने वाले दरवाजे से है।"
"हां; मैंने अभी-अभी खुद ही इसे बोल्ट से कस दिया है।"
"क्या आपको यकीन है?" पोइरोट ने कहा।
"अगर आप चाहें तो मैं जाकर पक्का कर लेता हूँ," नाइटन ने मुस्कुराते हुए कहा।
"नहीं, नहीं, खुद को परेशान मत करो। मैं खुद देख लूंगा।"
वह जोड़ने वाले दरवाजे से गुजरा और एक-दो सेकंड में सिर हिलाते हुए वापस आ गया।
"जी हां, जैसा आपने कहा वैसा ही है। आपको एक बूढ़े आदमी के नखरे को माफ कर देना चाहिए।"
उसने जोड़ने वाला दरवाजा बंद किया और दाहिने कोने में अपनी जगह पर वापस बैठ गया।
घंटे बीतते गए। तीनों व्यक्ति बीच-बीच में झपकी लेते रहे और असहज रूप से जागते रहे।
शायद इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ होगा कि तीन लोगों ने उपलब्ध सबसे आलीशान ट्रेन में बर्थ बुक की हो, और फिर उस सुविधा का लाभ उठाने से इनकार कर दिया हो जिसके लिए उन्होंने भुगतान किया था।
पोइरोट बीच-बीच में अपनी घड़ी देखता, फिर सिर हिलाता और दोबारा सोने की कोशिश करता। एक बार वह अपनी सीट से उठा और बगल का दरवाजा खोलकर बगल वाले डिब्बे में झाँका, फिर सिर हिलाते हुए अपनी सीट पर लौट आया।

"क्या बात है?" नाइटन ने फुसफुसाते हुए कहा। "तुम्हें कुछ होने की उम्मीद तो है ना?"
"मैं बहुत घबराया हुआ हूँ," पोइरोट ने स्वीकार किया। "मैं गर्म टाइलों पर बैठी बिल्ली की तरह हूँ। ज़रा सी भी आवाज़ से मैं उछल पड़ता हूँ।"
नाइटन ने जम्हाई ली।
"कितनी असुविधाजनक यात्रा है!" उसने बुदबुदाते हुए कहा। "मुझे लगता है कि आप जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं, महाशय पोइरोट।"
उसने यथासंभव सोने की कोशिश की। वह और वैन एल्डिन दोनों नींद में डूब चुके थे, तभी पोइरोट ने चौदहवीं बार अपनी घड़ी पर नज़र डाली और झुककर करोड़पति के कंधे पर थपथपाया।
"अरे? क्या बात है?"
"महोदय, पांच या दस मिनट में हम ल्योंस पहुंच जाएंगे।"

"हे भगवान!" धुंधली रोशनी में वैन एल्डिन का चेहरा पीला और मुरझाया हुआ लग रहा था। "तो फिर इसी समय के आसपास बेचारी रूथ की हत्या हुई होगी।"
वह सीधे अपने सामने घूरता बैठा रहा। उसके होंठ थोड़े से हिले, उसका मन उस भयानक त्रासदी की ओर लौट गया जिसने उसके जीवन को व्याकुल कर दिया था। ब्रेक लगने की हमेशा की तरह एक लंबी चीख सुनाई दी, और ट्रेन ने अपनी गति धीमी कर ली और ल्योंस में प्रवेश कर गई। वैन एल्डिन ने खिड़की नीचे की और बाहर झुक गया।
"अगर यह डेरेक नहीं था - अगर आपका नया सिद्धांत सही है, तो क्या यहीं पर वह आदमी ट्रेन से उतरा था?" उसने पीछे मुड़कर पूछा।
बल्कि, पोइरोट को आश्चर्य हुआ जब उसने अपना सिर हिलाया।
"नहीं," उसने सोच-समझकर कहा, "ट्रेन से कोई पुरुष नहीं उतरा, लेकिन मुझे लगता है - हाँ, मुझे लगता है कि एक महिला ने ऐसा किया होगा।"
नाइटन ने गहरी सांस ली।
"एक महिला?" वैन एल्डिन ने तीखे स्वर में पूछा।
"जी हां, एक महिला," पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा। "शायद आपको याद न हो, महाशय वैन एल्डिन, लेकिन मिस ग्रे ने अपने बयान में बताया था कि टोपी और ओवरकोट पहने एक युवक मंच पर आया था, जाहिर तौर पर अपने पैर फैलाने के लिए।
मुझे लगता है कि वह युवक संभवतः एक महिला थी।"

"लेकिन वह कौन थी?"
वैन एल्डिन के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, लेकिन पोइरोट ने गंभीरता और दृढ़ता से जवाब दिया।
"उनका नाम - या वह नाम जिससे उन्हें कई वर्षों तक जाना जाता था - किट्टी किड है, लेकिन आप, महाशय वैन एल्डिन, उन्हें एक दूसरे नाम से जानते थे - एडा मेसन के नाम से।"
नाइटन झट से अपने पैरों पर खड़ा हो गया।
"क्या?" वह चिल्लाया।
पोइरोट उसकी ओर मुड़ गया।
"अरे! - इससे पहले कि मैं भूल जाऊं।" उसने जेब से कुछ निकाला और आगे बढ़ाया।
"कृपया मुझे आपको एक सिगरेट देने की अनुमति दें - आपकी ही सिगरेट की डिब्बी से। पेरिस में ट्रेन में चढ़ते समय इसे गिरा देना आपकी लापरवाही थी।" नाइटन उसे स्तब्ध होकर देखता रहा। फिर उसने हिलने की कोशिश की, लेकिन पोइरोट ने चेतावनी भरे इशारे में अपना हाथ ऊपर उठा दिया।
"नहीं, हिलना मत," उसने मर्मस्पर्शी स्वर में कहा, "अगले डिब्बे का दरवाज़ा खुला है, और अभी इसी वक्त वहाँ से तुम्हारी सुरक्षा की जा रही है। पेरिस से निकलते समय मैंने गलियारे का दरवाज़ा खोल दिया था, और हमारे पुलिस मित्रों को वहाँ अपनी जगह लेने के लिए कहा गया था। जैसा कि मुझे लगता है कि तुम जानते हो, फ्रांसीसी पुलिस तुम्हें बहुत जल्द चाहती है, मेजर नाइटन - या यूँ कहें - महाशय मार्क्विस?"

अध्याय 35

स्पष्टीकरण

"स्पष्टीकरण?"
पोइरोट मुस्कुराए। वे नेग्रेस्को होटल में करोड़पति के निजी सुइट में दोपहर के भोजन की मेज पर उनके सामने बैठे थे। उनके सामने एक राहत महसूस कर रहे, लेकिन बेहद उलझन में पड़े व्यक्ति बैठे थे। पोइरोट अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए, अपनी एक छोटी सी सिगरेट जलाई और छत को निहारने लगे।
"जी हां, मैं आपको स्पष्टीकरण दूंगी। इसकी शुरुआत उस एक बात से हुई जिसने मुझे उलझन में डाल दिया था। आप जानते हैं वह बात क्या थी? विकृत चेहरा। अपराध की जांच करते समय ऐसा होना कोई असामान्य बात नहीं है और इससे तुरंत एक सवाल उठता है, पहचान का सवाल। स्वाभाविक रूप से, यही पहला सवाल मेरे मन में आया। क्या मृत महिला वास्तव में श्रीमती केटरिंग थीं? लेकिन इस विचार से मुझे कोई सुराग नहीं मिला, क्योंकि मिस ग्रे का बयान पुख्ता और बेहद विश्वसनीय था, इसलिए मैंने उस विचार को छोड़ दिया। मृत महिला रूथ केटरिंग ही थीं।"
"आपको नौकरानी पर पहली बार कब शक होने लगा?"
कुछ समय तक तो नहीं, लेकिन एक छोटी सी अजीब बात ने मेरा ध्यान उसकी ओर खींच लिया। रेलगाड़ी के डिब्बे में मिली सिगरेट की पेटी, जिसके बारे में उसने बताया था कि यह श्रीमती केटरिंग ने अपने पति को दी थी। अब, उनके रिश्ते की शर्तों को देखते हुए, यह बात पहली नज़र में बेहद अविश्वसनीय लग रही थी। इससे मेरे मन में एडा मेसन के बयानों की सत्यता को लेकर संदेह पैदा हो गया। एक और संदिग्ध तथ्य यह था कि वह अपनी मालकिन के साथ केवल दो महीने ही रही थी। निश्चित रूप से ऐसा नहीं लग रहा था कि अपराध में उसका कोई हाथ हो सकता है, क्योंकि उसे पेरिस में ही छोड़ दिया गया था और श्रीमती केटरिंग को बाद में कई लोगों ने जीवित देखा था, लेकिन-"
पोइरोट आगे की ओर झुके। उन्होंने अपनी तर्जनी उंगली उठाई और वैन एल्डिन की ओर ज़ोरदार ढंग से हिलाई।

"लेकिन मैं एक कुशल जासूस हूँ। मुझे शक होता है। ऐसा कोई नहीं है जिस पर मुझे शक न हो। मुझे जो भी बताया जाता है, मैं उस पर विश्वास नहीं करता। मैं खुद से कहता हूँ: हमें कैसे पता चलेगा कि एडा मेसन पेरिस में छूट गई थी? और शुरू में इस सवाल का जवाब पूरी तरह संतोषजनक लग रहा था। आपके सचिव, मेजर नाइटन, जो पूरी तरह से बाहरी व्यक्ति थे और जिनकी गवाही को पूरी तरह से निष्पक्ष माना जा सकता था, का सबूत था, और ट्रेन में कंडक्टर से मृत महिला के अपने शब्द भी थे। लेकिन मैंने बाद वाले बिंदु को फिलहाल के लिए अलग रख दिया, क्योंकि मेरे दिमाग में एक बहुत ही अजीब विचार - शायद एक काल्पनिक और असंभव विचार - पनप रहा था। अगर किसी भी तरह से यह सच भी होता, तो वह विशेष गवाही बेकार हो जाती।"
"मैंने अपने सिद्धांत में सबसे बड़ी बाधा पर ध्यान केंद्रित किया। मेजर नाइटन का यह कथन कि उन्होंने पेरिस से ब्लू ट्रेन के रवाना होने के बाद एडा मेसन को रिट्ज़ होटल में देखा था। यह पर्याप्त रूप से निर्णायक प्रतीत हुआ, लेकिन फिर भी, तथ्यों की सावधानीपूर्वक जांच करने पर, मैंने दो बातें देखीं। पहली, एक अजीब संयोग से, वह भी आपकी सेवा में ठीक दो महीने से थे। दूसरी, उनका पहला अक्षर भी वही था - 'के'।" मान लीजिए - बस मान लीजिए - कि डिब्बे में मिला सिगरेट का डिब्बा उन्हीं का था। फिर, अगर एडा मेसन और वो साथ काम कर रहे थे, और जब हमने उन्हें वो डिब्बा दिखाया तो उन्होंने उसे पहचान लिया, तो क्या वो ठीक वैसा ही नहीं करतीं जैसा उन्होंने किया था? पहले तो वो चौंक गईं, लेकिन फिर उन्होंने जल्दी ही एक तर्कसंगत सिद्धांत गढ़ लिया जो मिस्टर केटरिंग के अपराध से मेल खाता था। बेशक, यह मूल विचार नहीं था। कॉम्टे डे ला रोश को बलि का बकरा बनाया जाना था, हालांकि एडा मेसन ने उन्हें पहचानने की बात को लेकर ज्यादा आश्वस्त नहीं होने का फैसला किया, कहीं वो अपना बचाव साबित न कर दें। अब, अगर आप उस समय को याद करेंगे, तो आपको एक महत्वपूर्ण घटना याद आएगी। मैंने एडा मेसन को सुझाव दिया कि उन्होंने जिस आदमी को देखा था, वो कॉम्टे डे ला रोश नहीं, बल्कि डेरेक केटरिंग थे। उस समय वो अनिश्चित लग रही थीं, लेकिन मेरे होटल वापस आने के बाद आपने मुझे फोन किया और बताया कि वो आपके पास आई थीं और कहा कि सोचने के बाद अब उन्हें पूरा यकीन हो गया है कि वो आदमी मिस्टर केटरिंग ही थे। मुझे कुछ इसी तरह की उम्मीद थी। उसके इस अचानक आत्मविश्वास का केवल एक ही कारण हो सकता था। मेरे आपके होटल से जाने के बाद, उसे किसी से सलाह लेने का समय

मिला होगा और उसे कुछ निर्देश मिले होंगे जिन पर उसने अमल किया होगा। ये निर्देश उसे किसने दिए थे? मेजर नाइटन ने। और एक और छोटी सी बात थी, जिसका कोई मतलब नहीं भी हो सकता था या बहुत कुछ भी हो सकता था। अनौपचारिक बातचीत में नाइटन ने यॉर्कशायर में एक घर में हुई गहनों की चोरी का जिक्र किया था, जहाँ वह ठहरा हुआ था। शायद यह महज़ एक संयोग था - शायद कड़ी का एक और छोटा सा हिस्सा।
"लेकिन एक बात मुझे समझ नहीं आ रही, महाशय पोइरोट। शायद मैं ही मूर्ख हूँ, वरना अब तक समझ गया होता। पेरिस में ट्रेन में वो आदमी कौन था? डेरेक केटरिंग या कॉम्टे डे ला रोश?"
"यही तो पूरी बात की सरलता है। वहाँ कोई पुरुष नहीं था। आह - हज़ारों टन! - क्या आपको इसमें चतुराई नज़र नहीं आती? हमें किसका प्रमाण है कि वहाँ कभी कोई पुरुष था? केवल एडा मेसन का। और हम एडा मेसन पर इसलिए विश्वास करते हैं क्योंकि नाइटन के साक्ष्य के अनुसार वह पेरिस में ही रह गई थीं।"
"लेकिन रूथ ने खुद कंडक्टर को बताया था कि उसने अपनी नौकरानी को वहीं छोड़ दिया था," वैन एल्डिन ने आपत्ति जताते हुए कहा।
"आह! मैं उसी पर आ रहा हूँ। हमारे पास श्रीमती केटरिंग का स्वयं का साक्ष्य है, लेकिन दूसरी ओर, वास्तव में हमारे पास उनका साक्ष्य नहीं है, क्योंकि, श्रीमान वैन एल्डिन, एक मृत महिला साक्ष्य नहीं दे सकती। यह उनका साक्ष्य नहीं है, बल्कि ट्रेन के कंडक्टर का साक्ष्य है - जो बिल्कुल अलग मामला है।"
"तो आपको लगता है कि वह आदमी झूठ बोल रहा था?"
"नहीं, नहीं, बिलकुल नहीं। उन्होंने वही कहा जो उन्हें सच लगा। लेकिन जिस महिला ने उनसे कहा था कि उन्होंने अपनी नौकरानी को पेरिस में छोड़ दिया है, वह श्रीमती केटरिंग नहीं थीं।"
वैन एल्डिन उसे घूरता रहा।
"महाशय वैन एल्डिन, रुथ केटरिंग की मृत्यु गैरे डे लियोन स्टेशन पर ट्रेन पहुँचने से पहले ही हो चुकी थी। यह एडा मेसन थीं, जो अपनी मालकिन के विशिष्ट वस्त्रों में सजी हुई थीं, जिन्होंने एक डिनर बास्केट खरीदी और कंडक्टर से वह बहुत आवश्यक बात कही।"
"असंभव!"

नहीं, नहीं, महाशय वैन एल्डिन; यह असंभव नहीं है। आजकल महिलाएं इतनी मिलती- जुलती दिखती हैं कि उन्हें चेहरे से ज़्यादा उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है। एडा मेसन आपकी बेटी के बराबर ही लंबी थीं। उस आलीशान फर कोट और आंखों पर ठूंसी हुई छोटी लाल लैकर टोपी में, और हर कान के ऊपर से बस भूरे बालों का एक गुच्छा दिख रहा था, इसमें कोई हैरानी की बात नहीं थी कि कंडक्टर धोखा खा गया। आपको याद होगा, उसने श्रीमती केटरिंग से पहले बात नहीं की थी। हाँ, उसने नौकरानी को बस एक पल के लिए देखा था जब उसने उसे टिकट दिए थे, लेकिन उसकी छाप बस एक दुबली-पतली, काले कपड़े पहनी महिला की थी। अगर वह असाधारण रूप से बुद्धिमान होता, तो शायद वह यहाँ तक कह देता कि मालकिन और नौकरानी में कोई अंतर नहीं था, लेकिन यह सोचना भी उसके लिए बेहद असंभव है। और याद रखिए, एडा मेसन, या किट्टी किड, एक अभिनेत्री थीं, जो पल भर में अपना रूप और आवाज़ का लहजा बदल सकती थीं। नहीं, नहीं, नौकरानी को पहचानने का कोई खतरा नहीं था। मालकिन के कपड़े, लेकिन यह खतरा था कि जब वह शव को देखेगा तो उसे पता चलेगा कि यह वह महिला नहीं है जिससे उसने पिछली रात बात की थी। और अब हमें विकृत चेहरे का कारण पता चलता है। एडा मेसन के सामने सबसे बड़ा खतरा यह था कि ट्रेन के पेरिस से रवाना होने के बाद कैथरीन ग्रे उसके डिब्बे में आ सकती है, और उसने इस मुश्किल से बचने के लिए खाने की टोकरी मंगवाई और खुद को अपने डिब्बे में बंद कर लिया।
"लेकिन रूथ की हत्या किसने की और कब?"
सबसे पहले, यह ध्यान रखें कि अपराध की योजना नाइटन और एडा मेसन ने मिलकर बनाई थी। नाइटन उस दिन आपके काम से पेरिस में था। वह ट्रेन में सवार हुआ, जो शायद पेरिस के चक्कर लगा रही थी। श्रीमती केटरिंग को आश्चर्य तो हुआ होगा, लेकिन उन्हें ज़रा भी शक नहीं हुआ होगा। शायद उसने खिड़की से बाहर किसी चीज़ की ओर उनका ध्यान खींचा हो, और जैसे ही वह देखने के लिए मुड़ीं, उसने रस्सी उनके गले में डाल दी - और यह सब एक-दो सेकंड में हो गया। डिब्बे का दरवाज़ा बंद कर दिया गया, और वह और एडा मेसन काम पर लग गए। उन्होंने मृत महिला के बाहरी कपड़े उतार दिए। मेसन और नाइटन ने शव को एक गलीचे में लपेटकर बगल वाले डिब्बे में बैग और सूटकेस के बीच सीट पर रख दिया। नाइटन ट्रेन से उतर गया, और अपने साथ माणिक से भरा गहनों का बक्सा ले गया। चूंकि अपराध लगभग बारह घंटे बाद तक नहीं हुआ माना जाता है, इसलिए वह पूरी तरह

सुरक्षित है, और उसके सबूत और कंडक्टर से श्रीमती केटरिंग के कथित शब्द उसके साथी के लिए एक पुख्ता सबूत बन जाएंगे।
"गारे डे लियोन में एडा मेसन को खाने की टोकरी मिलती है, और शौचालय में खुद को बंद करके वह जल्दी से अपनी मालकिन के कपड़े पहन लेती है, भूरे बालों के दो नकली गुच्छे ठीक करती है, और यथासंभव उनकी तरह दिखने के लिए मेकअप करती है। जब कंडक्टर बिस्तर लगाने आता है, तो वह उसे पेरिस में अपनी नौकरानी को पीछे छोड़ने की पहले से तैयार कहानी सुनाती है, और जब वह बर्थ लगा रहा होता है, तो वह खिड़की से बाहर देखती रहती है, इस तरह कि उसकी पीठ गलियारे और वहां से गुजर रहे लोगों की ओर होती है। यह एक समझदारी भरा एहतियात था, क्योंकि, जैसा कि हम जानते हैं, मिस ग्रे उन गुजरने वालों में से एक थीं, और वह दूसरों के साथ-साथ यह कसम खाने को तैयार थीं कि श्रीमती केटरिंग उस समय भी जीवित थीं।"
"आगे बढ़ो," वैन एल्डिन ने कहा।
ल्योंस पहुँचने से पहले, एडा मेसन ने अपनी मालकिन के शव को बर्थ में रखा, मृत महिला के कपड़ों को बर्थ के किनारे करीने से मोड़कर रखा, और खुद पुरुष के कपड़े पहनकर ट्रेन से उतरने की तैयारी करने लगी। जब डेरेक केटरिंग अपनी पत्नी के डिब्बे में दाखिल हुआ, और जैसा उसने सोचा था, उसे अपनी बर्थ में सोता हुआ पाया, तब तक सारा दृश्य तैयार हो चुका था, और एडा मेसन अगले डिब्बे में छिपी हुई थी, ट्रेन से चुपके से निकलने के मौके का इंतज़ार कर रही थी। जैसे ही कंडक्टर ल्योंस के प्लेटफॉर्म पर उतरा, वह भी उसके पीछे- पीछे ऐसे चली जैसे अभी-अभी साँस ली हो। जैसे ही कोई उसे देख नहीं पाया, वह जल्दी से दूसरे प्लेटफॉर्म पर गई, और पेरिस और रिट्ज़ होटल के लिए पहली ट्रेन पकड़ ली। नाइटन की एक महिला साथी ने वहाँ उसका नाम दर्ज करा लिया था कि उसने पिछली रात एक कमरा लिया था। उसके पास करने के लिए कुछ नहीं था सिवाय वहाँ शांति से आपके आने का इंतज़ार करने के। गहने उसके पास नहीं हैं, और न ही कभी थे। केटरिंग के पास वे दस्तावेज़ थे। उस पर ज़रा भी शक नहीं किया जा सकता था, और आपके सचिव होने के नाते, वह उन्हें पकड़े जाने के डर के बिना नीस ले आया। वहाँ महाशय पापोपोलस को उनकी डिलीवरी पहले से ही तय थी और अंतिम क्षण में उन्हें यूनानी को सौंपने का जिम्मा मेसन को दिया गया। कुल मिलाकर, यह एक बहुत ही सुनियोजित तख्तापलट था, जैसा कि मार्क्विस जैसे माहिर खिलाड़ी से उम्मीद की जा सकती है।

"और आपका सचमुच यही मतलब है कि रिचर्ड नाइटन एक कुख्यात अपराधी है, जो वर्षों से इस धंधे में लगा हुआ है?"
पोइरोट ने सिर हिलाया।

"मार्क्विस कहलाने वाले सज्जन की प्रमुख खूबियों में से एक उनका मनभावन और खुशामद भरा व्यवहार था। आप उनके आकर्षण के शिकार हो गए, श्रीमान वैन एल्डिन, जब आपने इतनी मामूली जान-पहचान के आधार पर उन्हें सचिव के रूप में नियुक्त किया?"
"मुझे पक्का यकीन था कि उसने कभी भी उस पद के लिए साज़िश नहीं रची थी," करोड़पति चिल्लाया।
"यह बहुत ही चतुराई से किया गया था - इतनी चतुराई से कि इसने उस व्यक्ति को भी धोखा दे दिया जिसका अन्य व्यक्तियों के बारे में ज्ञान आपके जितना ही महान है।"
मैंने उसके पिछले रिकॉर्ड की भी जाँच की। उस व्यक्ति का रिकॉर्ड बहुत अच्छा था।
"हाँ, हाँ; यह खेल का हिस्सा था। रिचर्ड नाइटन के रूप में उनका जीवन पूरी तरह बेदाग था। वे उच्च कुल के थे, उनके अच्छे संबंध थे, उन्होंने युद्ध में सम्मानजनक सेवा की थी, और वे हर तरह से संदेह से परे प्रतीत होते थे; लेकिन जब मैंने रहस्यमय मार्क्विस के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया, तो मुझे कई समानताएँ मिलीं। नाइटन फ्रांसीसी की तरह फ्रेंच बोलते थे, वे अमेरिका, फ्रांस और इंग्लैंड में लगभग उसी समय रहे थे जब मार्क्विस सक्रिय थे। मार्क्विस के बारे में आखिरी बार स्विट्जरलैंड में कई गहनों की डकैतियों को अंजाम देने की बात सुनी गई थी, और स्विट्जरलैंड में ही आपकी मुलाकात मेजर नाइटन से हुई थी; और ठीक उसी समय प्रसिद्ध माणिकों के लिए आपके समझौते में शामिल होने की पहली अफवाहें फैल रही थीं।"
"लेकिन हत्या क्यों?" वैन एल्डिन ने टूटी हुई आवाज़ में कहा। "एक चतुर चोर बिना फांसी पर चढ़े ही गहने चुरा सकता था।"
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया। "यह पहला हत्या का मामला नहीं है जो मार्क्विस के आरोप में दर्ज है। वह स्वभाव से ही हत्यारा है; वह इस बात पर भी विश्वास करता है कि अपने पीछे कोई सबूत न छोड़े। मरे हुए पुरुष और महिलाएं कोई कहानी नहीं सुनाते।"

मार्क्विस को प्रसिद्ध और ऐतिहासिक गहनों का बहुत शौक था। उन्होंने बहुत पहले ही योजना बना ली थी, खुद को आपका सचिव नियुक्त कर लिया और अपने साथी को आपकी बेटी की नौकरानी बना दिया, जिसके लिए उन्हें लगता था कि गहने खरीदे जाने वाले थे। और, हालांकि यह उनकी सोची-समझी और सुनियोजित योजना थी, फिर भी उन्होंने गहने खरीदने वाली रात को पेरिस में आपको घेरने के लिए कुछ अपाचे लुटेरों को किराए पर लेकर शॉर्टकट अपनाने की कोशिश की। वह योजना विफल रही, जिससे मुझे लगता है कि उन्हें शायद ही आश्चर्य हुआ होगा। उन्हें लगा था कि यह योजना पूरी तरह सुरक्षित है। रिचर्ड नाइटन पर किसी भी तरह का संदेह नहीं हो सकता था। लेकिन सभी महान पुरुषों की तरह - और मार्क्विस एक महान व्यक्ति थे - उनकी भी कुछ कमजोरियां थीं। उन्हें मिस ग्रे से सच्चा प्यार हो गया, और डेरेक केटरिंग के प्रति उनकी पसंद का संदेह होने पर, जब मौका मिला तो उन्होंने उसे अपराध में फंसाने के प्रलोभन का विरोध नहीं किया। और अब, महाशय वैन एल्डिन, मैं आपको एक बहुत ही रोचक बात बताने जा रहा हूँ। मिस ग्रे किसी भी तरह से कल्पनाशील महिला नहीं हैं, फिर भी उन्हें पूरा यकीन है कि एक दिन मोंटे कार्लो के कैसिनो गार्डन में नाइटन से लंबी बातचीत के बाद, उन्होंने अपनी बेटी की मौजूदगी महसूस की। उनका कहना है कि उन्हें पूरा विश्वास था कि मृत महिला उनसे कुछ कहना चाह रही थी, और अचानक उन्हें समझ आया कि मृत महिला का मतलब यह था कि नाइटन ही उनका हत्यारा है! उस समय यह विचार इतना अटपटा लगा कि मिस ग्रे ने इसके बारे में किसी से बात नहीं की। लेकिन उन्हें इसकी सच्चाई पर इतना यकीन था कि उन्होंने इस पर अमल किया - चाहे यह कितना भी अजीब लगे। उन्होंने नाइटन के प्रस्तावों को ठुकराया नहीं, और उनसे ऐसा दिखावा किया कि उन्हें डेरेक केटरिंग के अपराध का पूरा यकीन है।
"असाधारण," वान एल्डिन ने कहा।
"हाँ, यह बहुत अजीब है। इन बातों को समझाया नहीं जा सकता। वैसे, एक छोटी सी बात ने मुझे बहुत उलझन में डाल दिया। आपके सचिव लंगड़ाते हैं - युद्ध में लगी चोट का नतीजा। जबकि मार्क्विस बिल्कुल नहीं लंगड़ाते थे। यह एक पेचीदगी थी। लेकिन मिस लेनोक्स टैम्प्लिन ने एक दिन बताया कि नाइटन का लंगड़ाना उनकी माँ के अस्पताल में इस मामले की देखरेख करने वाले सर्जनों के लिए आश्चर्य की बात थी। इससे मुझे लगा कि यह छिपाने की कोशिश थी। जब मैं लंदन में था, तो मैं उस सर्जन के पास गया और उनसे कई तकनीकी जानकारियाँ

प्राप्त कीं, जिससे मेरा यह विश्वास और पुख्ता हो गया। मैंने परसों नाइटन के सामने उस सर्जन का नाम लिया। स्वाभाविक रूप से नाइटन को यह बताना चाहिए था कि युद्ध के दौरान उनका इलाज उसी सर्जन ने किया था, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा - और इस छोटी सी बात ने, अगर कुछ और नहीं तो, मुझे इस बात का अंतिम आश्वासन दे दिया कि अपराध के बारे में मेरा सिद्धांत सही था। मिस ग्रे ने भी मुझे एक सबूत दिया, जिससे पता चलता है कि लेडी में डकैती हुई थी।" नाइटन के वहां रहने के दौरान टैम्पलिन अस्पताल में। जब मैंने पेरिस के रिट्ज़ होटल से उन्हें पत्र लिखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि मैं भी उन्हीं की तरह सोच रही थी।
"मुझे वहां अपनी पूछताछ में कुछ परेशानी हुई, लेकिन मुझे वह मिल गया जो मैं चाहता था - इस बात का सबूत कि एडा मेसन अपराध के बाद की सुबह पहुंची थी, न कि उससे एक दिन पहले की शाम को।"
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर उस करोड़पति ने मेज के उस पार पोइरोट की ओर हाथ बढ़ाया।
"मुझे लगता है आप समझ गए होंगे कि मेरे लिए इसका क्या मतलब है, महाशय पोइरोट," उन्होंने भारी स्वर में कहा। "मैं आपको सुबह एक चेक भेज रहा हूँ, लेकिन दुनिया का कोई भी चेक यह व्यक्त नहीं कर सकता कि आपने मेरे लिए जो किया है उसके लिए मैं कितना आभारी हूँ। आप अद्भुत हैं, महाशय पोइरोट। आप हमेशा अद्भुत हैं।"
पोइरोट उठ खड़ा हुआ; उसका सीना गर्व से फूल गया।
"मैं तो बस हरक्यूल पोइरोट हूँ," उन्होंने विनम्रता से कहा, "फिर भी, जैसा कि आप कहते हैं, मैं अपने तरीके से एक महान व्यक्ति हूँ, ठीक वैसे ही जैसे आप भी महान व्यक्ति हैं। आपकी सेवा करके मुझे खुशी और प्रसन्नता हुई। अब मैं यात्रा के कारण हुए नुकसान की भरपाई करने जा रहा हूँ। अफसोस! मेरे प्यारे जॉर्जेस मेरे साथ नहीं हैं।"
होटल के लाउंज में उनकी मुलाकात एक मित्र से हुई - आदरणीय श्री पापोपोलस, जिनके साथ उनकी बेटी जिया भी थीं।
"मुझे लगा था कि आप नीस से चले गए हैं, महाशय पोइरोट," ग्रीक ने धीरे से कहा और जासूस द्वारा स्नेहपूर्वक बढ़ाए गए हाथ को थाम लिया।
"व्यापार के कारण मुझे वापस लौटना पड़ा, मेरे प्रिय महाशय पापोपोलस।" "व्यापार?"

"जी हां, कारोबार। और कारोबार की बात करें तो, मुझे उम्मीद है कि आपका स्वास्थ्य बेहतर होगा, मेरे प्रिय मित्र?"
"काफी बेहतर। दरअसल, हम कल पेरिस लौट रहे हैं।"
"ऐसी अच्छी खबर सुनकर मुझे बेहद खुशी हुई। मुझे उम्मीद है कि आपने ग्रीस के पूर्व मंत्री को पूरी तरह से बर्बाद नहीं किया है।"
"मैं?"
"मुझे पता चला है कि आपने उन्हें एक बहुत ही खूबसूरत माणिक बेचा था जो - पूरी तरह से हमारे बीच की बात है - नर्तकी मैडमोजेल मिरेल पहन रही हैं?" "जी हां," महाशय पापोपोलस ने धीमी आवाज़ में कहा, "जी हां, ऐसा ही है।"
"एक रूबी जो प्रसिद्ध 'हार्ट ऑफ फायर' से मिलती-जुलती है?"
"इसमें कुछ समानताएं जरूर हैं," यूनानी ने लापरवाही से कहा।
"आप गहनों के साथ बहुत कुशल हैं, महाशय पापोपोलस। मैं आपको बधाई देता हूँ। मैडमोजेल ज़िया, मुझे बहुत दुख है कि आप इतनी जल्दी पेरिस लौट रही हैं। मुझे उम्मीद थी कि मेरा काम पूरा होने के बाद आपसे कुछ और मुलाकातें हो सकेंगी।"
"अगर कोई यह पूछे कि वह व्यवसाय क्या था, तो क्या यह अनुचित होगा?" महाशय पापोपोलस ने पूछा।
"बिल्कुल नहीं, बिल्कुल नहीं। मैं अभी-अभी मार्क्विस को पैरों से पकड़ने में सफल हुआ हूँ।"
महाशय पापोपोलस के नेक चेहरे पर एक उदास भाव छा गया।
"मार्क्विस?" उसने गुनगुनाते हुए कहा, "अब ये नाम मुझे जाना-पहचाना क्यों लग रहा है? नहीं - मुझे याद नहीं आ रहा।"
"मुझे यकीन है कि आप ऐसा नहीं करेंगे," पोइरोट ने कहा। "मैं एक कुख्यात अपराधी और गहने चोर की बात कर रहा हूँ। उसे अभी-अभी अंग्रेज महिला मैडम केटरिंग की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।"
"सचमुच? ये चीजें कितनी दिलचस्प हैं!"
विदाई की औपचारिक बातचीत के बाद, जब पोइरोट की आवाज़ सुनाई देना बंद हो गई, तो महाशय पापोपोलस अपनी बेटी की ओर मुड़े।
"जिया," उसने भावुक होकर कहा, "वह आदमी शैतान है!"
"मैं उसे पसंद करती हूँ।"

"मुझे वह खुद पसंद है," महाशय पापोपोलस ने स्वीकार किया। "लेकिन वह शैतान तो है ही।"

अध्याय 36

समुद्री रास्ते से

मिमोसा लगभग खत्म हो चुका था। हवा में उसकी महक हल्की सी अप्रिय थी। लेडी टैम्प्लिन के विला की रेलिंग पर गुलाबी जेरेनियम लिपटे हुए थे, और नीचे खिले हुए कार्नेशन्स से मीठी, तेज़ खुशबू आ रही थी। भूमध्य सागर अपने सबसे नीले रंग में था। पोइरोट लेनोक्स टैम्प्लिन के साथ छत पर बैठे थे। उन्होंने अभी-अभी लेनोक्स को वही कहानी सुनाई थी जो उन्होंने दो दिन पहले वैन एल्डिन को सुनाई थी। लेनोक्स ने ध्यान से उनकी बातें सुनीं, उनकी भौंहें तन गईं और आँखें गंभीर हो गईं।

जब उसने अपनी बात खत्म कर ली तो उसने बस इतना कहा: "और डेरेक?"
"उन्हें कल रिहा कर दिया गया।"
"और वह चला गया - कहाँ?"

"वह कल रात नीस से रवाना हो गया।"
"सेंट मैरी मीड के लिए?"
"हां, सेंट मैरी मीड के लिए।"
कुछ देर का विराम रहा।
"कैथरीन के बारे में मेरी सोच गलत थी," लेनोक्स ने कहा। "मुझे लगा था कि उसे कोई परवाह नहीं है।"
वह बहुत ही अंतर्मुखी है। वह किसी पर भरोसा नहीं करती।
लेनोक्स ने थोड़ी कड़वाहट के साथ कहा, "शायद उसने मुझ पर भरोसा किया होता।" "हाँ," पोइरोट ने गंभीरता से कहा, "हो सकता है कि वह आप पर भरोसा करती। लेकिन मैडमोजेल कैथरीन ने अपने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा सुनने में बिताया है, और जो लोग सुनते हैं उनके लिए बोलना आसान नहीं होता; वे अपने दुख-सुख अपने तक ही सीमित रखते हैं और किसी को नहीं बताते।"
"मैं मूर्ख था," लेनोक्स ने कहा। "मैंने सोचा था कि वह सचमुच नाइटन की परवाह करती है। मुझे बेहतर पता होना चाहिए था। मुझे लगता है कि मैंने ऐसा इसलिए सोचा क्योंकि - खैर, मुझे उम्मीद थी कि ऐसा ही होगा।"
पॉयरोट ने उनका हाथ पकड़ा और उसे हल्के से प्यार से दबाया। "हिम्मत रखिए, मैडमोजेल," उन्होंने धीरे से कहा।
लेनोक्स ने सीधे समुद्र की ओर देखा, और उसके चेहरे की कुरूप कठोरता में उस क्षण एक दुखद सुंदरता झलक रही थी।
"खैर," उसने अंत में कहा, "ऐसा नहीं होता। मैं डेरेक के लिए बहुत छोटी हूँ; वह एक ऐसे बच्चे की तरह है जो कभी बड़ा नहीं हुआ। उसे मैडोना जैसा स्पर्श चाहिए।"
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर लेनोक्स ने अचानक और आवेग में आकर उसकी ओर मुड़कर कहा, "लेकिन मैंने मदद तो की, महाशय पोइरोट - कम से कम मैंने मदद तो की ही।"
"जी हां, महोदया। आपने ही मुझे सच्चाई का पहला संकेत दिया था जब आपने कहा था कि अपराध करने वाला व्यक्ति ट्रेन में होना जरूरी नहीं था। उससे पहले, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह सब कैसे हुआ होगा।"
लेनोक्स ने गहरी सांस ली।

"मुझे खुशी है," उसने कहा, "कम से कम इतना तो ठीक है - यह भी कुछ कम नहीं है।"

[illegible] [illegible] [illegible] [